

श्रीसाहेबकुर्वरस्वामीसतछे ॥ श्रीगुरुभ्यो
 नमः ॥ श्रीपरमात्मानमः ॥ श्रीगणेशाय
 नमः ॥ श्रीसारदायनमः ॥ अथससंमवेदभ
 वुडतपंनदेषावंनतिलकचंत्यामणीग्रंथसा
 हेबकुर्वरनोप्रारंभतेः ॥ अथमंगलाचरणः ॥
 रोगछुपेचोपाइलीष्यतेः ॥ सोहंकरुणाकरं
 नपुणननओहंमूअविकासा ॥ वैतरमनबु
 कगवन ॥ कीयेहनीजपतीपरकासा ॥ १ ॥ तेह
 कायंसकेवलकुलएकलमलअरसु ॥ अति
 अपरंमपरपर्मसर्वसीरपदसदपरसु ॥ २ ॥
 तयोजयोजयोअहो ॥ अकलसकलसामत
 करतारंन ॥ पसरंनेपुरस्वअनंत ॥ अंतवीनु
 असंषअपारंन ॥ ३ ॥ विविधीभात्यविगतंग
 अंगभीनबुनवनिरुपं समलसक्तजीनुसर
 चरलकुलकरनअनुपं ॥ ४ ॥ हिरण्यग्रभअजअ
 मर ॥ आछअणुअचरचराचर ॥ नमेयुस्त्रएउ
 तकष्ट ॥ आपजीनुसकलपरापर ॥ ५ ॥ स्रवउ
 तईततिततषत ॥ अकथकोहुगतीठांपूसीत
 वीत् ॥ तदेवअषेवषूदेषलक ॥ पलकमांहीअ
 षीलजीवांनुबीज ॥ स्रजलसमस्तहेतु ॥ ६ ॥
 अनंतसीधांतअंत ॥ मोर्धनीकेवलकंथया
 हिलेनांकोहतंत ॥ अधिपसस्तिएईसनके
 ईसधिस ॥ मचलमऊतिपूष ॥ क्रताकेक्रता

रेस्वरकुवेरनमस्ति॥ ७ ॥ दोहा ॥ प्रथमएही
 मंगलाचरनन ॥ बुनवकरनधिग्रंथ ॥ ससंम
 वेदसुधपंचमो ॥ ताहीगतिविस्तर्हस्मरथ ॥ ८
 साहंमस्वासाससंमही ॥ एणवप्राक्रमजेह
 अशीललोकअंतरजय ॥ वेदपंचमोतेह ॥ ९ ॥
 तेहीसस्मतिजनीगंमसे ॥ इसतसकलजग
 जीव ॥ चरअचरासुरलोकल्यो ॥ प्रसीधजीव
 नपरसीव ॥ १० ॥ नीगंमचतुरचरचरमती
 गतीविलोकयुभेद ॥ जाहित्येनेतीकेरथकीर
 हे ॥ ताहीगतिलहेससंवेद ॥ ११ ॥ ससंमवेद
 सुधसरलयं ॥ पुरवेपरायणसंच ॥ रचेहफल
 कजीनेबहुवीधी ॥ ताहीनीधेजाहीकोसमं
 च ॥ १२ ॥ ताहित्येससंचकरस्वरइत ॥ रहेह
 सकलघटव्याप ॥ जाहंनसबीतजंतरवत
 ससंतारनीजआप ॥ १३ ॥ तेहीतारेतंनप्राइया
 लोकचतुरदशषंड ॥ थावरजंगमजलयल ॥
 अउआद्यंबेहंड ॥ १४ ॥ तेहीलषनिरणोनीरु
 पण ॥ नीगंमपंचमामांहांय ॥ ओरसकलओ
 रलीम्यंम ॥ वेदचतुरगतीजांहांय ॥ १५ ॥ विधी
 वितपंनसीरपंचमो ॥ तेहीउचरतससंवेद
 काटेहसीवतेहीसमकल्ये ॥ भवनहीपावहीभे
 द ॥ १६ ॥ जोपावहीभवभेदयेह ॥ कोहरहत
 नहीअंध ॥ जदिपअंधअगतांनबिनु ॥ जीव

परतनहीफंद ॥१७॥ बितुफंदेभवफारगत ल
 हतपरमपदसोय ॥ होहुमोक्षसर्वएकसमे ॥
 वुधीउतपननहीहोय ॥१८॥ बीनुवुधीउतप
 नवीश्वही ॥ कोकरहीकैलास ॥ षेकप्रषंडी
 तकेपोंचले ॥ नीजकरताईतीहास ॥१९॥ ता
 हीत्येतीगमनीजपंचमो ॥ ईश्वररषेहदुराय
 आपनेस्वारथलगनकु ॥ राषेहजीवफनाय ॥
 २०॥ फनेहजीवजगजौल्यौ ॥ लौलेहईसआधी
 न ॥ जबत्येरहेईतकेईत नीजकरतातहीचीन
 २१॥ बीनकरतारचीनेनीज ॥ रहेहसकलज
 गजीव ॥ जीवगतीमतीवीसीयानन ॥ ईश्वर
 जजतसदीव ॥२२॥ जजतईसअंतरगत्य ॥ ईष्ट
 फलअहंमेव ॥ लेतदेतनाटकपचे ॥ भुलगये
 हनीजमेव ॥२३॥ भूलेहनीजघरजवनत्ये तव
 तेहुभरमतजंत ॥ उपजीश्रष्टजीनुअबलगे ॥
 वातेहकलयअनंत ॥२४॥ एहीविधीभरमतजी
 वजग ॥ कोहुलहततहीपार ॥ राच्येहजांहीत
 हीउतईत ॥ षोजेनांषुदकीरतार ॥२५॥ तवतेही
 जीवमुगतावंत ॥ पावंतकरनजांहांत ॥ आये
 हुतनधरजबीहंस ॥ धरीभवभेषमांहांत ॥२६॥
 अबतुमसुनोजीवजांहांतजग ॥ मगमुसकल
 जेहीजंत ॥ तेहीपंथममवकसाबुहु ॥ जावुहुजा
 हांनीजकंत ॥२७॥ नीजपतीपरमपुरातंत ॥ जं

नजावहीतेहीधाम ॥ पावहीमोक्षपरमपद ॥
सोहीगावहुगुनग्राम ॥ २८ ॥ जेहीगुनग्रामगु
ढारथ ॥ आरथभरमनिवार ॥ लायेहुलसतेही
जांहीवसे ॥ पावंनषुदकीरतार ॥ २९ ॥ सोहील
सजीबुलषवावह ॥ कहावहुममजंतसंत ॥ अ
रपेहुतंतनमंतनचरनेत ॥ जबीतकरहुगतीजंत
३० ॥ अबजीबुचहेहमोक्षजंत ॥ तेहुतंतनमंतनम
देह ॥ भेजउपरमपदेनीजघर ॥ जांहीवसेकेवल
सदेह ॥ ३१ ॥ परममोक्षपरमारथ ॥ करनहरनभ
वदंड ॥ लायेहुनिजपतीपठयेह ॥ लहतनजीवम
तिमंद ॥ ३२ ॥ सोयेहुजगन्मगनांतनीद ॥ ताहि
जगावंनकरिटेर ॥ क्रियासीधुकरुणामये ॥ काये
मसंतकुवेर ॥ ३३ ॥ अविलोकयुनीजपतिजगके
वलमनंदकंद ॥ देषेहुपरोपरबुससबे ॥ नीगंम
चतुरगतिफंद ॥ ३४ ॥ उपनीमेहेरजबीजीवपर
नीजनेननपतिदेष ॥ करनमोक्षतेहीजननकु
षनयेकुवेरधरिभेष ॥ ३५ ॥ जेहीमोक्षगतिमगंम
की ॥ नीगमचतुरगतिहाय ॥ तेहीगतीमतीपति
परमसे ॥ लायेहुममभवमहाय ॥ ३६ ॥ पुनीजगम
हीहंमलायकर ॥ नीरखेहुनजरपसार ॥ करमकां
डफललासक ॥ अटकरेहहसंसार ॥ ३७ ॥ गुनीजा
नीपंडीतकबी ॥ भक्तजक्तमोरुभेष ॥ एहीहद्यकि
मधरचीरहे ॥ धरीधरीवेषअलेष ॥ ३८ ॥ बुंदाविद्यु

सस

॥३॥

माहेश्वर ॥ ईश्वर अंश विशेष ॥ सक्ती जो तलोष
टपती ॥ धारे हुस्त्रवसी रईश ॥ ३५ ॥ ताहिते सक
लकुल विशुही ॥ अटकीर होहुई तपंथ ॥ खटप
तिके मतमां हीपचे ॥ चीने हुनां ही कुल कंथ ॥
याहिते अग्यं मगती जे हुनकी ॥ ते हुनके बुझसी
छांत ॥ परमहंस जं ही छकी रह्ये ॥ नी रशत्व निर्द
वेदांत ॥ ४१ ॥ रामकृष्ण जुग ईशानकी ॥ गतिगीता
मतीची न ॥ सोही समर सत्री गुणातीत ॥ जोती
बुझलो ली न ॥ ४२ ॥ अरब वष खगती अग्यमलें
उचरे ज्ञान कबीर ॥ नेः अक्षर घर रे हेत ही ॥ सा
रख बदर घेतीर ॥ ४३ ॥ सोत ही भांखे भवती धी
नीज अंकुर गती सार ॥ राषे गुपत दुशय के ॥ जु
गजंन बिलु अधीकार ॥ ४४ ॥ सीख सारख्या अ
गणीत कीये ॥ सुडीत भेष अलेष ॥ एकर सतिज
अधीकारीके ॥ काहुन ही गति देष ॥ ४५ ॥ चकि
त भये सत गुरुज बी ॥ सांमथ साहेब कबीर ॥
अलप मती जोई जीवंतकी ॥ कीने बक सूसू
षसीर ॥ ४६ ॥ बोहोरुजांहां नमहि उतईत ॥ पर
षेहु परम अपार ॥ धरमदास गडवांदुके ॥ देषेहु
नीज अधीकार ॥ ४७ ॥ अती करुणा करते ही पर
बुवेहु सांमत वंत ॥ धरमदास धं त्यतुज समो ॥ न
हीकोई जुग परजंत ॥ ४८ ॥ सोत सजत होई सन
मुख ॥ धरमदास गती माहाद्य ॥ आद्य अंतम

ध्यगुप्तही ॥ सो बक सुपद स्वाध ॥ ४९ ॥ न्हं अक्ष
 रघररे हेत ही ॥ ओर शब्द नीज सार ॥ धरमदास
 एही तु जदिये ॥ जो नल हे संसार ॥ ५० ॥ बो होर
 बर जु तो ई धरमदा ॥ सो गन देई सतलाष ॥ न्हं
 अक्षरघररे हेत ही ॥ मती को ई प्ये जु गभाष ॥ ५१
 धरमदा सकु जे ही दीया ॥ सार शब्द नीज छेक
 न्हं अक्षरघररे हेत ही ॥ नां मती नलक्ष एक ॥
 ५२ ॥ ते ही सार सत सबके ॥ न्हं अक्षरघररे हे
 त ॥ सो ही निज मर्म बतावहु सुनो मम संत
 सचेत ॥ ५३ ॥ पथं मरे हेत घर पिंड मे ॥ न्हं अक्ष
 र निरधार ॥ सार शब्द स ही तं मकुह ॥ गती अ
 तु भव विस्तार ॥ ५४ ॥ सुरमनुप सुपतंग लो ॥ र
 सनाये जे ही उचरंत ॥ ते ही स्रव सब क्रतव कु
 ल ॥ अंतः सकण्वितंत ॥ ५५ ॥ पण विक सत
 नीज पणवसे ॥ कणी क्रत अंत सधार ॥ विनु
 अंत स्रजं पाजप ॥ सो ही सब निज सार ॥ ५
 ६ ॥ ओर सकल क्रत सबके ॥ नायक अजं पा
 जाप ॥ जी नये शब्द सकल भये ॥ जदीप सार
 कीये थाप ॥ ५७ ॥ घाड ससोपती मां ही सबे
 होयतनु क्रत नाश ॥ ओरुता परतुरीया शं मे
 वहे जु शं मदे मखाश ॥ ५८ ॥ ते ही खासा अनु

सस

॥४॥

अक्षर ॥ परवीनुपसरे न्हेकांम ॥ ओरुबावंन
मात्रावीनु ॥ न्हेअक्षरजीतुनांम ॥ ५९ ॥ क्रत
विसेदसईडीके ॥ लीनससोपतियाय ॥ पुण
वविसेघरएकरस ॥ रेहेसोरेहेतकहाय ॥ ६०
वोहोरुपणवसंमदंमजंम ॥ कुंभकवतगती
होय ॥ बाहरभीतरसरभर ॥ रहोरेहेतघरसो
य ॥ ६१ ॥ सारशब्दघररेहेतही ॥ न्हेअक्षरतनु
मांय ॥ कह्येलक्षवीवीधीवीध्य ॥ समऊसुलभ
सुषदाय ॥ ६२ ॥ पीडतितबेह्रांडपर ॥ नीजनभ
वीनुक्रतसार ॥ चीदखगजगजीनुग्रभितव
अथाहथाहविनुपार ॥ ६३ ॥ अंतसकलघटप
एवको ॥ नीजनीवासतेहीगंम ॥ पीडबेह्रांड
निपरजेही ॥ माहादरेहेतघरगंम ॥ ६४ ॥ पुण
वसकलरेहेवंनघर ॥ छवटकोनीजसोय ॥ अं
तसमयेतांहीरहीरहे ॥ जदीपरहेतघरओय
६५ ॥ सारसबघररेहेतही ॥ न्हेअक्षरस्वरजे
ह ॥ घुळगतघुळकबीरकी ॥ धरमदासकही
एह ॥ ६६ ॥ सारसबन्हेअक्षर ॥ ओरुओरला
घररेहेत ॥ तापरनीजअंकुररहे ॥ एतिनुलक्ष
केवेत ॥ ६७ ॥ तेहीवेतावीतजतमत ॥ सतईत
उतकरतार ॥ सोगतिकाहसेतभांषेहु रहे

कबीर उरधार ॥ ६८ ॥ सुदसेईतजावंनगत ॥
 तेहि सांमत अंकुर ॥ फेरीपतिपेजावंनरत ॥ ह
 जरतहालहजुर ॥ ६९ ॥ सोहीलषपषबीनुपर
 मही ॥ उतकहीअतमाल ॥ नीजपतीयेहुजी
 तेबीकसेहु ॥ तेहीहुलावेहाल ॥ ७० ॥ माहादअं
 सवीभूतीबीद ॥ नीजपतीकीयेप्रथम ॥ स्त्रष्ट
 आद्यजेहीजेष्टही ॥ तीनकुदीतेहुंवाहियंम
 ७१ ॥ माहादअंशकुमतलबे ॥ नीजग्यंमदि
 येउपदेश ॥ उतरतकाहिपोचावंन ॥ सुदकाष
 रासंदेश ॥ ७२ ॥ जीनकुव्यापतनांकषु ॥ असु
 ऊअंधअगनांन ॥ सदासरवदाईतउत ॥ रह
 तअहोनीसज्ञान ॥ ७३ ॥ ओरसबअंससां
 मानकी ॥ अतीअज्ञानअबुऊ ॥ अंधधंधग
 लसबनकी ॥ उतरतकषुनसुऊ ॥ ७४ ॥ परम
 हंसजुगईसलहु ॥ ओरलेरहेफसाय ॥ ओर
 अलपमतीजीवंतकी ॥ तीनकुनचलाय ॥ ७
 ५ ॥ लोकचतुरदशसौंतसे ॥ केहुनलहतनी
 जभेद ॥ जीनुपधआगहुईश्वर ॥ परमहंसओ
 रुवेद ॥ ७६ ॥ बहेहुलाहारसबतेहनकी अं
 धपरंपरधोष ॥ तेहुतेनांकोहुपाईया ॥ सुध
 केवलपदमोष ॥ ७७ ॥ एहीअभीप्रायआपहं

की

स स

॥५॥

म। कथुहतायद्रीगज्ञान ॥ चोदतबकचकवे
गती ॥ करुहचराचरजांत ॥ ७८ ॥ श्रोतासरल
ममोक्षुह ॥ सुनहोसकलचीतलाय ॥ भवउत
पंनतंतजीनुकुहं ॥ थीरथावरजंगमाय ॥ ७९ ॥
ओरुईडादिकसुरसर ॥ अणुआद्येदिईड ॥ वि
वीधीभात्यताहिवीसत्रुह ॥ पंचीकरणप्रचंड
८० ॥ अजईश्वरपंडीतकवी ॥ सरस्वतीसा
रदसेस ॥ सोगतिअतिहंसवरनह ॥ तिनको
जांहिनांप्रवेश ॥ ८१ ॥ शुद्धावंतकैवलकुल
जीनुअंशजीवजाहांन ॥ आयेहुप्रथुउतसे
ईत ॥ धरितनतीलकसिरांन ॥ ८२ ॥ तेहीति
लकतिजनीरणवु ॥ वरणउक्रतासमंधजे
हीलक्षसेहिजीवआयेहु ॥ तेहिलक्षसेहित
बुबंध ॥ ८३ ॥ नीजपतिसेहीजबीविलसेहु
रतिअंकुरअणिभेस ॥ तेहीकारणतनुपरम
ही ॥ बीषरेहुविश्वविदेश ॥ ८४ ॥ मलीनआ
द्यसुभसुरलहु ॥ पाण्यचतुरकरमीर ॥ वीवी
धीभात्यजीततीतजीव ॥ कोउकोहुधरेस
रीर ॥ ८५ ॥ तरणआद्यओरुकीटअज ॥ रज
तजसजेजूसवेष ॥ स्वतनुपरनीजपतिन
के ॥ चीनदीनअणिरेश ॥ ८६ ॥ चीनभालअ

लीअग्रजेह ॥ नीजधरकाफुरमांन ॥ सकल
 अंशतितसेईत ॥ लायेहुसधरपुमांन ॥ ८७ ॥
 सोहीधरसधरपुमांनगी ॥ बांनगीबीनुन
 रेष ॥ तुहघटघटदरसाबुहु ॥ जबीहंमपुरशअ
 लेष ॥ ८८ ॥ अंगतीलकचंतामणी ॥ अणिस्र
 ग्रजेहीअंक ॥ सीरधरकेजीवजीततीत ॥ प
 तिपषेफरतनिसंक ॥ ८९ ॥ जोनीजपतीसे
 बगारकर ॥ गुनेघारजीवहोय ॥ पांनपांनजी
 नुजेहीजेही ॥ सरधुनपोषेसोय ॥ ९० ॥ आप
 आपनेअवगुनसवे ॥ भुगततसुखदुषसंच
 नीजपतीतपतकिताडना ॥ कोउकुकथु
 नरंच ॥ ९१ ॥ नीजक्रतवृतसबजांहांनही
 झांनवीनाग्यमगोय ॥ तबलगीजीवनपा
 वही ॥ शुदपतीगतीनकोय ॥ ९२ ॥ पणसीर
 अंकप्रतापसु ॥ शुदसेषराकरार ॥ माहादमो
 सनहीगुरुबिना ॥ ओरुपोषतंतनुआहा
 र ॥ ९३ ॥ शुदघरगंमधरजदिनके ॥ तोपेवदि
 तवचंन ॥ नारणदासधंनतुजगती ॥ रतीमे
 प्येतंनमंन ॥ ९४ ॥ धरमदासगडबांडके
 जोथेकबीरहजुर ॥ तेसेहीतुजनारणचित
 ममचरननचकचुर ॥ ९५ ॥ नारणदासतो

सस

॥६॥

ई नरणीवी ॥ देषे हुनी जअधी कार ॥ सुपनंतरं
तरनही ॥ ममची तवं न एकतार ॥ ९६ ॥ नारण
दासधं न तु जसमो ॥ जुगमे प्रीये न कोय ॥ जवी
तप्रतीतगती परमकी ॥ कहन आये हुमसते
य ॥ ९७ ॥ ओरसकलनी जसतही ॥ ममचर
ननजीनुचाय ॥ एही लसति नही बुताबुह
अती अंतर उरलाय ॥ ९८ ॥ नारणदासनी
जनी लकके ॥ ममबिताबुहतोय ॥ अरुनी ज
पती ग्यंमगाबुह ॥ तोप्ये रषुतकोय ॥ ९९ ॥ जे
हीनी जपति गती अतिकुहं ॥ मेहेरबां नही
इतोय ॥ तेही गती ओरप्ये न बकसही सो
गनसततु जमोय ॥ १०० ॥ हंमबकसी गती
तोहीनकु तोहीकातोही उरराष ॥ देषुहुनी
जअधी कारिकोहो ॥ तेही जंनकु ममडाष
१०१ ॥ चहेहो लस एही जेही जंन ॥ तेही मुजपे मु
गताय ॥ माहादमोस गती मुजविना ॥ ओरसे
नही बकसाय ॥ १०२ ॥ एहिनफामुजमिलनका
दरसबुनी जकरतार ॥ सदेही अधिकमुदा मु
जथकी ॥ पावही पदअधिकार ॥ १०३ ॥ हंमजे
हिगतिनिजतुजदेही ॥ अजरअमरघरतंत
उपजिअष्टिजीनु अबलगी ॥ नांकहिजुगप

५५

रजंत ॥१०४॥ एही तं न धर एक तु ज क ह सा ॥ प
 र महं स ओ रू दो य ॥ कंची त ते ही अ धि का री
 थे ॥ पण स म ऊ ण के सो य ॥१०५॥ बाई च तुर थी
 अ च र त ॥ बुं ल जो न तं तु जे ह ॥ ति नु ग ति र ति म
 म च र न न ॥ सु प न्ये हु न हि सं दे ह ॥१०६॥ रे हे
 गि र चि त ची त ज त म त ॥ त जि कु ल ड ड स म
 से र ॥ लो क च तुर द श त्र ण व त ॥ डारे हु म म सी
 र फे र ॥१०७॥ एक अ खंड बु ती मु ज वि षे ॥ त जी
 स क ल क र त के हे र ॥ से हे ज स भा वि क सु ध चि ते
 ओ रू का ह सु न ही वे र ॥१०८॥ ज बि नि ज ल श
 हं म ति नु दि या ॥ दे षे हु नी ज अ धि का र ॥ गु प त
 क ही थी सो अ व क ही ॥ ना र ण द स तो हि अ
 स ॥१०९॥ ज बी हं म क ह त तु जे सु न ॥ अ ति
 आ गे हे दे र की ल ॥ के हे ना न ही ए ही का हुं न से
 रा षी र हे ह स त सी ल ॥११०॥ जो ग त्प हं म तुं म
 से क ही ॥ ओ रू तु म ओ र से के ह ॥ कुं न अ धि
 क मा हा तं म म म ॥ ध री आ वं न कु दे ह ॥१११॥ अ
 व स म ऊ हु सं वे प मे ॥ म म उ र आ से अं त ॥ ला ष
 सी ष न की सी ष ए ह ॥ की उ कु दी ये न तं त ॥११२॥
 ए ही आ ग्ये ग ती व र नु हु ॥ ओ रू नी ज प ती क र त
 वे त ॥ अ व तो क हु नी ज ती ल क की ॥ सु ण नार ण

धरीहेत ॥ ११३ ॥ एहीसतसंघतुजसुजतणे ॥ ना
 रणरषिचुपचाप ॥ अबवदुवचंनप्रभाविक ॥
 पंडितज्ञांतीसमाप ॥ ११४ ॥ तेहीपनसुन्येसन
 मुखरही ॥ अतिअंतररत्यलाय ॥ गुप्तग्रंथगत्य
 बुद्धकी ॥ केहंकुवेरसमजाय ॥ ११५ ॥ **द्वितीयो**
यावरतीलकचंतामणीकंदे ॥ २ ॥ डालफेर ॥
चौपाई ॥ जेहीनीजतिलकभालगतीतंत ॥
 धसेतनसिरजेतनेहिजिवजंतु ॥ सुनहोसंत
 पंडीततेहीमरमु ॥ कुहुजेहीअरथतुरतजाय
 भसु ॥ १ ॥ नांमरूपगुनजीवतनजेते ॥ अचरच
 राचरजलयलतेते ॥ तिलकभालसर्वसीरअ
 धिकार ॥ सुसमथूलकुलअणिआकार ॥ २ ॥
 धानसकलसर्वतेएहीसारे ॥ पत्रअवहितीव
 अणिआकारे ॥ भारअंगारवतसपतीजाती
 अणिअगेउतेहंतकिसर्वपाती ॥ ३ ॥ केतेककु
 कंटकअनियारे ॥ केतेककुअनिफलफुलही
 धारे ॥ केतेककुकाकरअनिभाला ॥ डालमुल
 सर्वपेढविसाला ॥ ४ ॥ केतेकुअनिसहुसाजस
 कुला ॥ केतेककुसाक्षाहिअनिमूला ॥ केतिकवे
 लअनीनहरनहरकु ॥ पकेरलेतसर्वगीरेतर
 वरकु ॥ ५ ॥ केतिकपत्रफुलअनिडिश ॥ केतिक

कुम्भनीसकलसरीरा ॥ दरषसकलकेबीजग
 तिनआदु ॥ लहोतेहीपरषवरषकीअनादु ॥ ६ ॥
 बीजगअनादनाद्यअंकुरा ॥ उदितप्रथमअ
 णीकारत्रसुरा ॥ कोईअंकुरवेडंगगतिदरसे
 पणनीकसतअनिबीजनीजधरसे ॥ ७ ॥ आ
 लतीलकलस्यसर्वतरुउगही ॥ आद्यअंतअ
 णीस्यरजुगजुगही ॥ वनसपतीगत्यएहीअनु
 सारा ॥ तीलकभालअंकस्रवतनुधारा ॥ ८ ॥
 थीस्थावरतरवरगत्यपेषी ॥ बीनुअनीअग्र
 आकारनदेवी ॥ आरथावरपरवतजमिजेता
 भालतीलकसमअग्रहितेता ॥ ९ ॥ कमलना
 भप्रथीआद्यहीनीकसे ॥ अनीअलंकारभा
 लवीनुबीकसे ॥ बीकसतकलीदलकमलस
 लुने ॥ सघरिपंषअनीतिलकनसुने ॥ १० ॥ स
 कलअचरगत्यएहीनरनुया ॥ भालतिलकअ
 नीअग्रसरुपा ॥ कहीगतितीलकअचरसी
 रजेती ॥ केहंकुवेरअवचरसीरतेती ॥ ११ ॥ अ
 थत्रीतीयोजंगसतीलकचंतामणीकंदः ॥ ३ ॥
 ॥ अथचौपाईः ॥ प्रारंभते ॥ चरबुंहाचतुरान
 नजेही ॥ संभुसखगुनआद्यसबेही ॥ तेहनके
 अरघवरगत्यनजगता ॥ येसीलसचौलस्यवि
 वगता ॥ १ ॥ अवत्यलोकसुरलोकगगनही ॥ बी
 वीधीभात्यत्रेहेत्रेहेकेतनही ॥ त्रीगुनअरघुज

गविगतविभागा ॥ जेही जिनसे उतपन कुहुं
 रागा ॥ २ ॥ सब सपसक परस ओरुगंधा ॥ पंच
 तत्वसही तंमसी वधंधा ॥ इंडी साजदशअज
 उतपांनी ॥ प्रथक प्रथक पंडमांही रचानी ॥ ३ ॥
 ओरुविष्णुके अंतसक्रंणचउंतां ॥ चतुरअव
 स्तारहे जेही भोवनां ॥ प्रसीधप्रष्टतनएहीअ
 स्थुला ॥ सरलसक्तआपकअनुकुला ॥ ४ ॥
 धारंनपंडअकडअहंकारा ॥ अणुआद्येबे
 ह्यांडहिसारा ॥ सोहुनिजअंशसंचगुणसीव
 के ॥ अवनिरचीजाजवकितदिवके ॥ ५ ॥ सा
 त्रिकगुनतनस्वांतिसकलमे ॥ ब्रह्माके रजो
 इंडी विकलमे ॥ सक्ती सरलतुमकही जेही
 आगु ॥ प्रोयेएही तत्वसकलतिनधागु ॥ ६ ॥
 दरसअदरसआद्यचकवरती ॥ सुह्यमयुल
 अणुप्रोयेपरकरती ॥ एहीपरकारती गंमच
 हुकहेवु ॥ नीजउतपनगतीअग्यंमहिरहेवु
 ७ ॥ सक्तीधागुवटवलअकडाई भयेतीरंजन
 पुरशकेअंशपाई ॥ आगुसक्तीजिनसेउतपां
 नी ॥ फेरीतेहीपुरशभाससरसांनी ॥ ८ ॥ सो
 हीसुतिकेहतपुरुषब्रह्महेजा ॥ अणुईछाउत
 पनगत्यसेहेजा ॥ ज्योरवीत्येउतपनअपनीरा
 फेरीसोसनगत्यसेहेजसहीरा ॥ ९ ॥ दीनकर
 कुअपउपजनभावु ॥ सोसतपोसतसेहेजस

भावु ॥ मारुतसेतंतनप्राभ्रजमाई ॥ सुन्यसकलम
 लरहतछवाई ॥ १० ॥ विलसतसेहेजउपजतही
 येसे ॥ मारुतधरतनईछकरासे ॥ वीनुबादलका
 हुगगंनहीचोले ॥ करहीपरलेबुंलांडहीडाले
 ॥ ११ ॥ नीजनभभभकसबप्राणईछा ॥ भयेहे
 आकाशमातविनुबंधा ॥ धरेतेहीसबसकल
 दभृता ॥ लोकसकलजुगकीयेभयेभुता ॥ १२ ॥
 तितनभनादभयेउप्रनुकरता ॥ इतसांमथक्र
 तसबजुगहरता ॥ त्रीयेदृष्टांतज्ञानजेहिकहेबु
 पुरुषबुंलयेयोंप्रनुभयेउ ॥ १३ ॥ नीजउपजन
 करताहंगतांही ॥ गगंनपवनपावककीसमां
 ही ॥ ल्यौगतीबुंलमममांतुभावा ॥ उपजेनीरं
 जनसेहेजसभावा ॥ १४ ॥ आभ्रनादप्रपकत
 हतंतंतु ॥ पुरसप्राक्रमबुंलांडप्रनंतु ॥ उपजष
 पतगत्यकरननषेह ॥ रहतसदापदबुंलप्रछे
 दु ॥ १५ ॥ बुंलसनातनप्रायसरवतु ॥ कोटीक
 लपजुगप्रनंतप्ररवतु ॥ सकलचराचरव्या
 पकपदही ॥ वेदवचनवदीतसदचीदही ॥ १६ ॥
 ओरुप्रातंदसहीतपदसरलु ॥ लहतसरमके
 ईकोईकजवरलु ॥ मषंडडंडमडेतवितसभरा ॥
 चौदसोदसठसषचधरसधरा ॥ १७ ॥ ईडीअगो
 चरस्वरपरमाहाडु ॥ त्रीगुणातीतजेहीप्रायप्र
 नाडु ॥ बुंललसएहीसकलसरावा ॥ नीगंमनेती

सस

॥६॥

नहीभावप्रभावा ॥१८॥ ताहीयेनीरंजनके
हीविधीउपना ॥ जक्रसहीतजाकेवतसूपना
सोहीमममर्मकहेहुमफभूता ॥ सुनहोसंत
पंडीतसमजुता ॥१९॥ बीनुअंकुरबीजउगही
तांअवनी ॥ देपोविलोचवांकभवभवनी ॥ अ
नंतकोटजुगघनअपरलये ॥ बीनुहबिजगध
राकबहनपलये ॥२०॥ सोहीबीजकेजुगमेकु
नकरता ॥ जुवोपंडीतज्ञानीधरीसुरता ॥ लोक
चतुरदशपंडबेहेसंडा ॥ सक्रीसहीतबीजगतन
ईडा ॥२१॥ ताहीयेअग्यंमरहोबीजकरनारा ॥
पंडीतज्ञानीमंतकरहोबिचारा ॥ सोहीबीज
गनीरंजनहिस्येनीकरे ॥ ईडकटासपोमीपर
बीषरे ॥२२॥ अवनीसकलअंकुरजवभयेउं
वीवीधीभात्यवंनपंडतीपयेव ॥ एकएकपेअं
न्योअंत्यहीअंतता ॥ ऊरीऊरीबीजभयेहुनही
अंतता ॥२३॥ त्रीयेदष्टांतकहेहुजेहीआगु ॥ लो
चोथाबीजगअनुरगु ॥ सुन्यशब्दआभरणवी
नीरु ॥ बीनुवंछनजोधरतसरीरु ॥२४॥ लोबी
जगअवनीषषडरे ॥ आपहीआपअचांतरस
फुरे ॥ अवनीतोयनहीईछेडपजकी ॥ सेहेज
सभावतीषजरजरजकी ॥२५॥ लोनीजबुह
भोमीगत्यभाव ॥ करतवकरनईछतहीचाही
वु ॥ जडनहीअवत्यबुलतहीजडही ॥ पणनही

उपजसक्तीसडभडही ॥२६॥ जौबीजगतीरं
 जननीरमयेउ ॥ लोकसकलजडतनकृतभये
 उ ॥ सोचहीतंतबीजगजीवअंशु ॥ बृह्मभोमउ
 दितवजुगवंसु ॥२७॥ जडचहीतेनउभयेबीज
 मर्मु ॥ एककिजांमणजमीएककुहेबृह्म ॥ बृह्म
 भोम्यंचेतनबीजजांमे ॥ जडबीजगअवनीव
 धपांमे ॥२८॥ जडबीजगतीरंजनहिसेभयेवु
 जीवंचेतनबीजकीनेनीरमयेवु ॥ काजीपंडी
 तप्रोरुसंतसमेतु ॥ करोएहीषोजजबीतोबड
 वेतु ॥२९॥ चेतनहंसजीवअंकुरा ॥ नभयेबृह्म
 सेआपतीजतुरा ॥ सोहीतुरकेतुरीअकलअ
 भेदा ॥ लहतनांमर्मसाहास्त्रचुहवेदा ॥३०॥ स
 हुंप्रारत्मेपदरहोअटकाई ॥ सक्तीनीरंजनगु
 नजसगाई ॥ तीजकरतागतकोहनकेहेतु ॥
 जीनेकरीयाजीवबीजगसचेतु ॥३१॥ सरवसी
 धांतसारगतअंतु ॥ बरनेहबृह्मनीशलअचं
 तु ॥ बीतुहचेतनअष्टकौकरीसरजी ॥ कोहोपं
 डीतज्ञांतीगुनधरजी ॥३२॥ जेहीहंसबृह्मअव
 त्यकरवांना ॥ सोहुंतुमहीसीधांतवेषांना ॥ पादु
 पांएवीनुकर्मअजापु ॥ अंतसकर्णईडीवीनु
 थापु ॥३३॥ पंचतत्वगुनरहीतअकरता ॥ सोह
 कौकरीभयेजककेधरता ॥ त्रीयेदृष्टांतसेहेज
 उतपनका ॥ आभ्रनीरबीशब्दगगतका ॥३४

कुहुतितकेकरतापुनीसोई॥सुनहोसंतसरो
 ताहंसबकोई॥गगतशब्दनीरंजनकेहकार
 बोलतपुरसजोदेवलभकारा॥३५॥संसदंसपव
 नचरखगतीवामे॥तसतेजप्राभरणपुनीजां
 मे॥जोग्रथसीतसमंधगत्यजेसे॥त्योग्रथप
 वनतससीततेसे॥३६॥धरतरजोगुतरवीक
 रजबही॥करतनीरवुजवतगततबही॥त्री
 याहिभोमभगवतवुजग्राहाये॥षाण्यचतुर
 तनउरउपजाये॥३७॥उपजतगुनतमोदिनकर
 घोर॥सोसतहिअपकीरनीकरीजोरा॥ओरु
 षटरतुपुनीयाहियेउपांती॥त्रीगुनधारनसे
 सोकहुहुनीदांती॥३८॥रजोओरुसत्वसंजुक्त
 हिआदिता॥बुततसकलमांहीरतुजबीसीता
 रहतसतोगुनक्रतरजुछीमा॥जाहीसेजगत
 मांहीरतुगतीहीमा॥३९॥रजोओरुतमोसुरमी
 क्षीतसंजोगा॥रतुवसंतहीजबीषीलतअमो
 गा॥वीसरतगुनरजोतमोरहेजबही॥ग्रीषम
 कालरतुलगतहेतबही॥४०॥तजीतमोगुन
 रजोगुनसुरधरही॥रतुवुष्यालगतजगतज
 लभरही॥याहिरजोमांहीतमोक्रतहीप्रवेसा
 रतुअदमदुलवुततसर्वदेशा॥४१॥कबुहकगु
 नतमोबुततवुष्याला॥माहानयंकारपोमीप
 रतदकाला॥सुपन्येरजोगुनउपजतमांता॥बी

नरतुवषतजेघंतहीनीदांना ॥४२॥ सीतमोरु
 हीमवसतगुनहर्दये ॥ रहतलीगस्यांनवुरव्या
 ईरतुश्रदये ॥ नयननीवाससुरकेगुंनकरही
 रतुवसंतहीमोरुग्रीषमसमरही ॥४३॥ रह
 तगलीतत्रीतियेहुगुनजेही ॥ वृतकम्पावंत्र
 हीसकलघटतेही ॥ याहीकेसफुरवीनारतु
 वृष्णाकाला ॥ परतल्लचानकविश्वहीदकाला
 ४४ ॥ एहीषटरतुगुनसुरकेसमागु ॥ सेहेनहो
 तकहतकीयेसोविभागु ॥ अवनतीतोयकंचन
 मोरुषंडा ॥ दियेदृष्टांतलेहेरीनंगभंडा ॥४५॥
 तेसेहीबुंलवेदांतवषांना ॥ चउदलोकनंगभंड
 उतपांना ॥ भंडकुलाललेहेरीअपपवना ॥ नंग
 सोनारकीयेहुक्रतसउंनो ॥४६॥ बीनुकरता
 नंगउपजतनाही ॥ अवनतीतोयकंचनषंडमा
 ही ॥ ल्योअपअवन्यकनकबुंलतेसे ॥ बीनुक
 रताजुगउतपनकेसे ॥४७॥ संमसक्कीसच
 राचरसर्वमे ॥ अवनतीतोयकंचनषंडवमे ॥
 अधिकसक्कीविनुउपजेनाघाटा ॥ ल्योसमबुं
 लसेकेपोभयेहेवेराटा ॥४८॥ ताहीत्येषोजपंडी
 तकरोसंतु ॥ केपोअटकेहुबुंलज्ञानअतंतु ॥
 बीनतंतुतंनतुमकेपोपावा ॥ पंचतत्वगुनक्या
 हांसेहीआवा ॥४९॥ ईडीराजअंतसक्रणउ
 रा ॥ जोतीसक्कील्योतंतसफुरा ॥ तंतसकलए

हीकीनुहुवनाये॥तुमहीतोबुंलनिराकारहि
 गाये॥५०॥निराकारबुंलसमसरभरही॥अ
 धीकसामथकरतासबकरही॥सोहीनीज
 करताकारणपदपरम॥वेदकतेबनजांततम
 रम॥५१॥जेहीकरताकीयेतंतएहीसरभी
 आपतंतुवीनातंतसगभी॥सोहीकरता
 कुनुहुनहीचीना॥सहुओरत्येपदारथबुंल
 भीना॥५२॥नीजपदारथनीरंजनहंमाया
 अन्योअंत्यतितुजुगउपजाया॥सोहीविजग
 नीरंजनहंसगाये॥बुंलभोमउपजनबुहपा
 ये॥५३॥जोतीबीजगबुंलअवनीआकार
 तुमजनजानोएहीनिजकरतारा॥अहोपंडी
 तजांतीघरसोधो॥बीनुजांनेक्योजगपरमो
 धो॥५४॥तुमनहीचीततआद्यतुमारा॥तो
 केसेचीनोपतीतीजकीरतारा॥आद्यतुमहा
 रसकीओरुजोती॥बुंलक्षेत्रमहीभयेहेउद्यो
 ती॥५५॥एहीसबकरतासोनीजपदनांही॥तु
 मतोसकलभुलेउनुहंकीमांही॥भुलेहुआप
 ओरनकुभुलावो॥जकसकलमांहीकरीक
 रीदावो॥५६॥सगुनतीगुनदोहुपक्षद्रडवाई
 करतबोधबुध्यकेमतवाई॥सगुनसकगुन
 जोतसमेतु॥नीगुंनबुंलनेहेकर्महीनेतु॥५७
 वेदपुरांनसाहारसतएही॥तीनुहुकीपरपद

परमसदेही ॥ अपरमपारपारतीनुपारी ॥ पु
 रशान्नजोत्यसुधमसुभकारी ॥ ५८ ॥ सगर्भसु
 ध्यसनातंनतंनही ॥ अटलसदापदसंधरसद
 नही ॥ सद्चीदन्नातंदकंदपरपोत्ये ॥ सरलसता
 जीनुसकलउदीते ॥ ५९ ॥ रहेतसुंत्यन्नजराय
 लन्नरसु ॥ जांहांवाजहीकेवलनीजपरसु ॥ अ
 ग्यंमभोम्यतेहीअकथकथाना ॥ सदासदोदी
 तसर्वतीतन्नस्यांता ॥ ६० ॥ सर्वउतकष्टसीष
 रघरसोई ॥ बीनुकेवलकरतानहीकोई ॥ सोही
 केवलपदन्नाद्यन्नादु ॥ ब्रह्मजोत्यसक्तीगुन
 न्नादु ॥ ६१ ॥ तेहीकरताम्हाद्यन्नषंडउजासा ॥
 व्यापकब्रह्मजेहेनुतेजप्रकासा ॥ जीवल्लंशबी
 जगपुनीतिनके ॥ केवलन्नाद्यसनातनजीन
 के ॥ ६२ ॥ प्रथंमबीजगतीरंजनहिःप्रंकुरा ॥ अ
 णीअग्नेवतनभयेहंसफुरा ॥ तीलकभालनी
 रंजनगत्यजोती ॥ तेजपुंजअणिअग्रउदीती
 औरसकलजीवत्रीगुनसमेता ॥ अणीअग्ने
 वलषउपजसहेता ॥ थीरथावरन्नाग्यंमहंमव
 रत्ये ॥ अणीअग्नेवतनसबवनवरत्ये ॥ ६३ ॥
 अबजंगमगत्यमतकुहंसाग ॥ अणीअग्नेवभव
 सकलपसाग ॥ त्रीगुनसक्तीसुरलोकसमेतु
 अणिअग्नेवतनसकलनकेतु ॥ ६४ ॥ पादुपांण
 अंगुरीअनीवेषा ॥ श्रवननैननानीडसनविसे

सस.

॥१२॥

षा ॥ ओरुनासालीगसप्रनिरुपा ॥ रोमसकल
अनीअग्रअनुपा ॥ ६६ ॥ नीपसीषकुचनसही
तअनीराजे ॥ रसतारसीकअनीअग्रविराजे
पंचतत्वअवकुहसमजाई ॥ तीलकभालवत
गत्यसबताई ॥ ६७ ॥ अवनव्योमरसनाअपसा
रा ॥ नयनतेजअवनिगंधगरा ॥ पवंततुचास
परसतंतसारा ॥ रोमरोमअणीअग्रआकारु
६८ ॥ पंचतत्वईडीमुषएही ॥ भालतीलकअनी
अग्रसनेही ॥ बांतीचतुरअनीअग्रवषांतु
परापसंतीमध्यहिमावेषरांतु ॥ ६९ ॥ पराहीसुं
न्यअवननअनीयारे ॥ पसंतीउंकारअनिरै
पसीरधारे ॥ घटनघाटमध्यमाअनीउरावी
षरीद्वारअतिस्वरहीसकुरा ॥ ७० ॥ घटनघाट
मध्यमाअनीकेसे भयेहअक्षरअनिगत्यता
ईतेसे ॥ त्रीगुनतंतअनीअग्रसमेती ॥ सुनहो
संततीतुसमऊसचेती ॥ ७१ ॥ प्रथंमरजोसमं
धहीजेहीसांधे ॥ नैनकटाक्षअनीअग्रसनां
धे ॥ द्वितीयेसतोगुनसबसुषपुरी ॥ गलीतव
चंनअनीदोहकरजोरी ॥ ७२ ॥ त्रीतियेतमोही
अहंकारउद्योती ॥ तेहीगतीअग्रज्वालअनी
जोती ॥ तीलकभालसंमत्रीगुनसनातु ॥ ताही
त्येसकलतंतनभयेअणीयातु ॥ ७३ ॥ अंतसकरण
चतुरअणिभेसा ॥ करनबोधगतीजुगउषदेसा

चीतचीतवंनसंकलपमंनसारा ॥ घडनघाट
 बुधतोलतअहंकारा ॥ ७४ ॥ कहहुतायअनीअ
 ग्रवषांनी ॥ जेहीजाहाकीगत्यमतीअनी
 सकलवस्तरजअजलगीजेही ॥ प्रोईमनवृती
 अनिअग्रसनेही ॥ ७५ ॥ त्रीविधीरस्वसमलीत
 ठसवेहेदा ॥ गडोहुअग्रहोईलेईबुधभेहेदा ॥ सो
 हीनीजभेदकहेहसंसार ॥ षटहीसाहोरमत
 पुरांनअगारा ॥ ७६ ॥ चीतचीतवंनतनरहत
 हीघेरा ॥ अणतसारअनीअग्रनमेरा ॥ दृढम
 जभुतहर्दयेहीअहंकारा ॥ कडेहुतोलकंटहि
 कससारा ॥ ७७ ॥ सोहीकंटवअनीअग्रसरे
 षु ॥ कहेहअहंकारहंमजबिअनिवेषु ॥ सरीर
 सोधनसर्वएहीअनुकर्म ॥ तीलकभालवत
 रस्वगतिमर्मु ॥ ७८ ॥ दशअवतारवीसुकुधरेजे
 ही ॥ अणिअग्रेवतनसकलसबेही ॥ कोहुके
 पाहादुपांएकोहुपुष्टमुषा ॥ बीनुहुअग्रअनी
 नहीतनरुषा ॥ ७९ ॥ सेससकलअएहीसी
 रधारु ॥ याहीकेपुष्टफनीअनीहीआकारु ॥
 जीहीवलसबावीसअपजाती ॥ अनीअग्रे
 वतनसकलवीजाती ॥ ८० ॥ पंचचतुरकुल
 नागनरेसु ॥ सुष्टपुष्टअनीअग्रसरेसु ॥ पर
 वतकुलअष्टांगअनुपा ॥ भालतीलकअनी
 अग्रनीरुपा ॥ ८१ ॥ पसुपंरवीओरुकीटपतंगा

सस

॥१३॥

अनीअग्रेवतंनसकलउतंगा॥कोहकीचंच
 परकाहुकरपादु॥कोहुसीघपुषअनीअग्र
 नादु॥८२॥रुडहिबांणएकादशलीगु॥भाल
 तीलकअनीअग्रउतंगु॥सक्कीसकलसंसार
 सरांती॥अणीअलंकारसारधरसांती॥८३
 अगुटीनेंननासाअनीअगरु॥वेधेसकलको
 मीकुलनगरु॥देवसकलकेदेवलअवतीके
 भालतीलकवतअग्रअनीके॥८४॥सेहेअ
 सकलबुहंवीधीमतमतके॥कीरषीशषस्य
 त्रीनरपतके॥अनीअग्रेवकरसकलधरन
 कु॥तुसबंधुअनिकरनधरनकु॥८५॥देवस
 कलससीसुरउरघंनही॥अनीअग्रेवकिर
 णीअवतनही॥नीगंमचतुरचुरचुरस्वरसु
 रती॥अणीअग्रेवमाक्रणरुचाफुरती॥८६
 प्रणवचापरसनाकरांती॥नीगमवांणपअ
 णीकर्णवेधांती॥एहीअभीप्रायकहेहसुतोसं
 तु॥सकलजीवकेपोंभयेअणीतंतु॥८७॥नीज
 केवलसेसकलजबभयेवु॥अणीअग्रेवअंकु
 रउतपयेवु॥अनीअंकुरआयेहईतधरसेफे
 रीअनीकरतजावंनउतधरसे॥८८॥वीशुस
 कलतनसर्वअणीअसे॥नीजचैतनगतसे
 हेजप्रकासे॥केवलपदसरभरुसदेसा॥भये
 हेअग्रतांहीकरनपवेसा॥८९॥ज्यौंनरपतघोर

ही सर्वदीना । जोडहि पांण्य अणी अग्र आधीना
 त्यों केवल नरपतही जीवंतकु ॥ अणी अग्रेव अ
 स्तुति श्रवतनकु ॥ ६० ॥ जैसेही भो म्प सजड सं
 लारी ॥ गडतषील अणी अग्र आकारी ॥ यों केव
 लही पोमी परी पुरी ॥ गडन आ सजीव अणी
 अंकुरा ॥ ६१ ॥ आपही आप गडही तही कीला
 त्यों जीव मोक्षही लहतन एकीला ॥ गोडुहकील
 पुर सजमी गडही ॥ यों सत गुरु से केवल जीव
 भडही ॥ ६२ ॥ ताहिले सकल सत गुरु कशेषो
 जा ॥ बीनुह मोक्ष व्रथा कों पुवीरोजा ॥ हो सत
 गुरु सांमथ जगमांही ॥ तेहु तोलनां सरभर
 कोहनांही ॥ ६३ ॥ केवल पद अदबद अजमाली
 पावतही जेही गुरु करत दलाली ॥ केवल पद
 सदगुरु तही भीनु ॥ सलंग सुतर सरभर लोहो
 लीनु ॥ ६४ ॥ एकमेक अद्वैत ग्यंमगतही ॥ मी
 ले सत गुरु केवल पद पतही ॥ केवल पद करु
 णामये रहेउं ॥ अणी अग्रेव सर्वभवउत पयेउ
 ६५ ॥ भालतील कंचीन सबतनु जाये ॥ सक
 ल जीव चर अचर जनाये ॥ नीज चही तंत देह
 आद अ विकारु ॥ तीलक भालतंन सबउरधा
 रु ॥ ६६ ॥ एही परकार सार सर्व योजू ॥ अणि अ
 ग्रेवतन सकल सरोजू ॥ याही अनुभव पंडीत
 मम संतु ॥ षट्दरसन सुतो भेष अनंतु ॥ ६७ ॥

स स

१८

तीलकभालहंमजबीनीरमावा ॥ सकलजीव
आसिहीभरयावा ॥ असंघलोकगतीकीयेह
नमेरा ॥ तीलकभालचकवेपतीमेरा ॥ ९८ ॥ सो
रसकलकरतवउपजूगती ॥ तीलकभालगत
बीनुनहीमुगती ॥ भालतीलकलषनीजपद
पाह ॥ आयेजेहीगतीईतवाहिगतीजाहं ॥ ९९ ॥
द्वैतरमणनांमरुपगुणवेसा ॥ आवंनजावंनअ
णिलगप्रवेसा ॥ नीजचहीतंनतनकछुनांसह
वे ॥ जेहीचहीतंनजडट्टनांआवे ॥ १०० ॥ सोही
चहीतंनजबीभयेद्रसरुपा ॥ तीलकभालव
तसकलसरुपा ॥ नीजचहीतंनकेतीलकस
वदेह ॥ सोहीनमुनेहंमकीयेउपलेह ॥ १०१ ॥
याहीतेसकलषोजकीयेहुनीहोरा ॥ तीलक
भालसबकेसीरमोरा ॥ पंथपक्षजतमतजांलौ
विषा ॥ षट्दरसंनओरुद्वादशनेषा ॥ १०२ ॥ भाल
तीलकतीनुमांहीसरदारा ॥ करोहुलक्षतनुआ
दबीचारा ॥ नीजपदलक्षपक्षतहीपाती ॥ सोही
पदअटलहीआघसनाती ॥ १०३ ॥ पक्षपंथम
तवीविधीविचारा ॥ द्वैतभावओरमा उपचारा
सोहीममसकलनकलवतपेष्वा ॥ तीलकभा
लउपचारबीसेषा ॥ १०४ ॥ जेहीउपचारआ
घअनुसुता ॥ तेहीउपचारसकलसंजुता ॥ नी
जउपचारसारतनदेही ॥ भालतीलकवतसर्व

सजेही ॥ १०५ ॥ पसरणपुष्टसंकिरणसंषेतु ॥ भा
 लतीलकदीनुअग्रसहेतु ॥ ताहीयेतीलकहंम
 भालभविता ॥ जाहीकेआकारसकलतंतकेता
 १०६ ॥ तन्विपरपंचलषोतमतभूरी ॥ आदिमम
 ज्ञानतीलकजुगपुरी ॥ ज्ञानदृष्टीजुवोसकलवी
 लोकी ॥ दिदृष्टीकरीलक्ष्मलोकी ॥ १०७ ॥ दृष्टमले
 कआतमअनुभवकी ॥ सोहीगतीलहतलोकवी
 त्सर्वकी ॥ याहीनीजद्रष्टलक्षममन्यालो ॥ भाल
 तीलकपषवदीतवीसालो ॥ १०८ ॥ अणीअलंका
 रसकलतनधजही ॥ ताहीतेतीलकभालभवदी
 गवजही ॥ अहोममसजनसंतसुनोसरही ॥ ती
 लकभालजाहरजुगधरही ॥ १०९ ॥ तिलकभा
 लसोतवीननहीनुगता ॥ आद्यअंततंतप्रसी
 धसंजुगता ॥ सकलजीवममपदपषदस्य ॥ ती
 लकभालअतीसवसीरलस्य ॥ ११० ॥ नीजकेव
 लपदकेजीवअंसा ॥ भालतीलककेउपासीकहं
 सा ॥ जबकेवलपदसेहेतपावा ॥ भालतीलकअ
 कवांसेगतीलावा ॥ १११ ॥ सरजीस्रष्टउतकष्टत
 वनका ॥ तीलकभालसीकाआद्यकेवलका ॥
 नीजकरतारउपासजोकरही ॥ तीलकभालषा
 मउरधरही ॥ ११२ ॥ ओरसकलउपासंनवरता ॥
 अधीकविभूतीदेषकीयेकरता ॥ ताहीकेउपासी
 ककृतवसरीरा ॥ नीजवहीतंतनहीप्रषवपरीरा

११३ ॥ क्रतवके जाप क्रतही ईष्टया पा ॥ क्रतव
 के जाप क्रतवही केष्टया ॥ केवलपद सदची
 दपरनेता ॥ याही मेनही कोहताही पदवेता ॥
 ११४ ॥ तबतीनुतीलक अलषकेपोलषही ॥ र
 चीपचीरहेवुप्रपंचकिचपषही ॥ तीलकभाल
 केवलप्रीष्टपदमी ॥ धरहीलेलाटपावहीपद
 कदमी ॥ ११५ ॥ केवलमोक्षईष्टजीनुभगती
 धरहीतीलक अणी अग्रसंजुगती ॥ भालतील
 कसीरजेहीजनकरही ॥ सोहीनमुनेवीजपद
 संचरही ॥ ११६ ॥ जोकोहुअस्थगुपतमतगेहे
 रु ॥ लहतनमस्रुवबुधवेरु ॥ करतसुरतअ
 णीअग्रआकार ॥ समरुतसकलअकलसु
 वीचारा ॥ ११७ ॥ अणीअग्रेवलसतीलकसो
 भाला ॥ मीटेभवफरनजोधरहीसकाला ॥ ती
 लकभालअपोलषांणअग्रयंमकी ॥ अणीअंकु
 रउतपनजीवजनकी ॥ ११८ ॥ ओरछापगुण
 ईसअोरस्यांनी ॥ तीलकभालघरठेवनीसांनी
 तीलकभालतेहल्येचकवरती ॥ अनंतबुंहांड
 दीपसतधरती ॥ ११९ ॥ भालतीलकअोरुभज
 वकेवलका ॥ जमजुथकुलतहीडरपअमल
 का ॥ तीलकभालअनुभवएहीतीरए ॥ मही
 माअतुलगतीकाहाममबरए ॥ १२० ॥ जाहिते
 समंधनीजपदअनुरागा ॥ क्योनकरहीतेहि-

तीलकमभागा ॥ नीजपदलसकेवलसदसो
 ई ॥ ताहीकेतीलकभालकहेहजेमोई ॥ १२१ ॥ क
 हुजीनुवरणातीलकरंगवेषा ॥ रक्तस्वेतउभये
 अणीरेषा ॥ अबतुमसंतसकलममदासु ॥ ध
 रोएहीतीलकनीसंघनीसवासु ॥ १२२ ॥ अती
 दृढप्रदंगमतेमस्ताने ॥ फरोफंदफरकतरक
 जगजाने ॥ नीडरनीहंगसीघसंमसाधु ॥ रहोउ
 तकएश्रएनहीबाधु ॥ १२३ ॥ एहीविधीवीचरत
 नरओरुनारी ॥ सोहीजंनकेवलपदअधीका
 री ॥ तेहीअधीकारसारश्रुतीअंतु ॥ याहीलेअ
 धीकनहीपदपरमंतु ॥ १२४ ॥ दोहा ॥ एहीनीज
 तीलकतीरूपण ॥ शुद्धरकासीरतोर ॥ तेही
 तजीओरुतनअरचही ॥ नीजपतीनकेअती
 चोर ॥ १२५ ॥ अचुतसचीतचीतविमलही ॥ स
 मलसजेहजेहीसाज ॥ केहंकुवेरसोप्रभावंन
 की ॥ सुंनहनारण्यगतीराज ॥ १२६ ॥ अथचतुर
 धीनीजपतीपरमप्रभावकंदः ॥ प्रारंभतेः ॥ ४
 केवलपदपरचंडप्रमेतु ॥ सकलजीवंननुसुष
 दसदषेतु ॥ सर्वसीधांतसारसदएही ॥ अजर
 अमरअविगत्यपतीजेही ॥ १ ॥ करमकालवी
 नुसरममभेवा ॥ आदअंतमध्यतंतसदेवा ॥
 मचलमजोनव्योमगत्यसेहेजा ॥ सदाहीसर्वदा
 चकविपदपेजा ॥ २ ॥ आवनजावनगवनविनु

सस

॥१६॥

जेही ॥ ज्यो कास्यो अद्वैत विततेही ॥ अधरुआसन
तीततपतसधांमा ॥ नीजपतीबसतप्रसीधबहु
नांमा ॥ ३ ॥ चहीतंनहंसवंसजगजीनके ॥ सु
नहोसकलउतपनपुनीतीनके ॥ नीजकेव
लपदपरमआदिता ॥ व्यापकबुल्लजेहनतेज
सदीता ॥ ४ ॥ माहाअंकुरपुनीप्रसवभयेउ
जोतीसरूपनारायणदरसयेउ ॥ असंपकाल
जोतीरुगमगही ॥ बुल्लतेजव्यापकलगपग
ही ॥ ५ ॥ भयेहईषपीषपुरसनीरंजन ॥ कारण
अंकुरउपजेहुमायाअंजन ॥ महमायाकार
णअंकुरही ॥ केतेककालतपीबुल्लजरही ॥ ६ ॥
तत्वचतुरपुनीताहीसेउपांते ॥ प्रथकप्रथकक
हुजबीजगजाने ॥ आनंदतत्वसांहांतत्वतनुते
ही ॥ ताहीयेप्रकृतीतत्वधनंजेसजेही ॥ ७ ॥ प्रक
तीउघाहवाहजबीभयेउ ॥ त्रीगुनअंकुरसु
समनीरमयेउ ॥ त्रीगुनतपतकहीजुगहीजमा
वा ॥ बुल्लतेजसंजुक्तसुधपावा ॥ ८ ॥ भहीसुध
सचेतसुगमगतीचाहई ॥ थुलअंकुरअनुकु
लउपजाई ॥ तयेबहुकालतत्वपंचभूता ॥ बुल्ल
भासतेजुपकेमऊभूता ॥ ९ ॥ चतुरप्रकारवीभू
तीविदपांनी ॥ भहीपरीप्रणहीरणग्रभवांती
नीजअंकुरनीरंजनवीभुपुरे ॥ तयोतपचतु
रतंतलूसफुरे ॥ १० ॥ सुसमथुलकारणमाहा

कारण भये ए चतुरपंचमुप्रमकारण ॥ परमका
रणपरीबुद्धरूप ॥ व्यापसकलसमसत्त्व
सरूपा ॥ ११ ॥ एहीपंचभोम्यकारणद्वैतभयेउ
संमदंमसचरन्नचरन्नजरहेवु ॥ हलनचल
नविनुगवनगंभीरा ॥ उपजनप्रसवषेतवत
सीरा ॥ १२ ॥ नीजकेवलबुद्धवतपदजासे जी
वप्रकुरबीजन्नंतउपासे ॥ सोहीप्रकुरबी
जविपरंविदेशा ॥ बुद्धभोमीकीयेप्रथमप्रवेशा
१३ ॥ नीजबीजप्रशसंचबीनसेषु ॥ प्रणवतंत
बुद्धहीसेभयेवेषु ॥ प्रणवतंतबुद्धहीसेजबलहे
वु ॥ फेरीतीरंजनभोम्यमेगरकयेवु ॥ १४ ॥ पुरश
नीरंजनसोलादनरेहा ॥ पकेतांहीबीजगप्र
णवतनुदेहा ॥ बोरुतीरंजनसेप्रशभयेभीना
प्रकलतेजतनुउनहसेलीना ॥ १५ ॥ प्रकलते
जतनुनीकलंकदेही ॥ धरतध्यानजोगीद्रसत
हेतेही ॥ सोहीनीकलंकतनुतंत्वहीउजासा ॥
सक्तीभोम्यपुनीकीयेहनीवासा ॥ १६ ॥ कीयेह
नीवाससक्तीभोम्यजबहि ॥ चंचलवृत्तीमतीली
चितंततबही ॥ प्रणवतेजमीलीएकरसभयेवु
प्रकृतीप्रसपुनीबीजहीरणवेवु ॥ १७ ॥ प्रदृष्ट
वीभूतीत्रीयेनुतंतनपावा ॥ नीजचहीतंतपुठल
लपटावा ॥ लपटतलीनतदवतमांहीभयेवु नी

सस

॥१७

जचहीतंनःप्रापरुपकरीलयेवु ॥१८॥वा
हिमांहीओहीओहीवाहीमांहीभीजुची
दगलतांनसग्रभीभयेवीजु॥भयेविभूति
वांनजवीनिजःसु॥उदभवःप्राकृतहवी
सेहेजःप्राकंसु ॥१९॥प्रकृतीपेरकबीजं
वीलसभयांना॥षट्गुणघणमांहीकीयेहुं
पीयांना॥जेहीषट्गुणघणमीलीःपःपः
नी॥पुसीधप्रभाववावकुहुगत्यसवुनी॥२०
प्रथंमःपःपःपःहंकारघणगाई॥स्वकासपो
गरःपःचंतकवणाई॥एहीत्रीयेघणमीलीः
वःपःपःपःपःना॥त्रीगुणनीरस्वसहीरमेला
ना॥२१॥रजोगुणःपःपःपःतोगुणसीतलाई
तात्वरगुणतमोपांणबलताई॥त्रीघणभोम
पःपःत्रीगुणसमेता॥एहीषट्गुणघणमीली
तसवेता॥२२॥एहीविधीगुणःपःपःपःपःपःपः
लांमे॥चहीतंनबीजबोहोरुवाहीषेतजांमे॥
जांमतबीजत्रीयेगुणःपःपःपःपःपःपः
नवतत्वतनुहीजे॥२३॥सोहीनवतत्वतनुसु
समसरीरा॥त्रीघणभोममुलगाडेहसधीरा
पकरपोमीमुलजबरजुराये॥पंचतत्वथुल
प्रगटदेवाये॥२४॥सुक्ष्मथुलतंनुप्रगटपुसी
ना॥षट्गुणघणसेनुगलएहीलीना॥सुक्ष्म

युलकारणमाहाजेही ॥ परमकारणपंचमोतच
 तेही ॥ २६ ॥ भयेहुपंचपर्मकारणसमेता ॥ सकल
 साहाजकीयेआतमसचेता ॥ षट्गुणघटापंच
 पचीसप्रकरण ॥ दशईडीओरुअंतसकरण
 २७ ॥ रोमरोमरगरगनीषसीखही ॥ अउठहा
 युमापसुगंससवेषही ॥ सकलसोहोजसंपुर
 णसरीरा ॥ भयेहुसमणजबीपूणवसमीरा ॥ २८
 हलनचलनईतीहासभईसुरती ॥ जबचहीतं
 नअविकासपायेफुरती ॥ भयेचहीतंनअवि
 कासनीजआपु ॥ सकलसरीरहीरजीनुजे
 हीआपु ॥ २९ ॥ एकदंमअमलराजसर्वदेहं
 करनलग्णेकैवलअंशजेहु ॥ चरमसचेतव
 तहोईचाले जांहांजेवीविभूतयुगततेहुमा
 होले ॥ ३० ॥ एहीपरकारसकलचरअचरा ॥ नी
 जचहीतंनषेलेघटसचरा ॥ षेलतषेलषलक
 हीषेलारी ॥ षाण्यचतुरमांहीआपुविसारी ॥
 ३१ ॥ सरीरसंधीईडीरसभोगा ॥ पांचपचीस
 संजुक्तसजोगा ॥ याहिकेसंघमीलीभयेया
 हिरूपा ॥ विसरगयेतीजसरूपअनुपा ॥ ३२
 मुल्येहुआपअहंगनीजअंसा ॥ पदकेवलसे
 आयेहुजेहीहंसा ॥ पंचशरीरकीरवसभये
 उ ॥ नीजगतीगवनप्रोक्षपररहेउ ॥ ३३ ॥ सेहेज

अचेतसाक्षीवतसबके ॥ जौं लीलपीतकाच
 मांही भासरबके ॥ नीजप्रजमालहालमती
 चलही ॥ प्रकृती प्रभावचाहां वहलमलही ॥ ३४
 परवशप्रोक्षपरेहुपरमाता ॥ अहंगममकहत
 वरनयातयाता ॥ विसीयानंदनभयेहुभवभा
 वी ॥ नीजलक्षतजीभजीहुयेजडदावी ॥ ३५
 जडहीकेलीगतजडहीकेसभावा ॥ जौं प्रजा
 संघगतीसीघदुरावा ॥ आपअव्यक्तव्यक्तव
 संबंधु ॥ तजेनीजगतीवृतीसरीरसबंधु ॥ ३६
 यौंजांहीतांहीवरत्येहुजमतमही ॥ पृथकपृ
 थकभीनभंीनगतीग्यमही ॥ एहीविधीसर्व
 नीजआपभूलांना ॥ नीजकेवलअंसरहेहं
 नज्ञांना ॥ ३७ ॥ वीसरुहुज्ञानअग्यंमजबीआ
 पु ॥ भयेहुअलपजीवतपेत्रीयेतापु ॥ तपतही
 तापआपबीनुंचीना ॥ फरतकालवसरहतआ
 धीना ॥ ३८ ॥ जनममरनभयेभवविकराला
 लीयेहुसीरहोईकरमीकराला ॥ अमीतमचेत
 वेतगतीटारी वीधीकंकरभयेजडअधीका
 री ॥ ३९ ॥ थयेअतीसकलवीकलएहीभावा
 अंधपरमपराबहेपरभावा ॥ एहुअगनांतघो
 रगत्यपेषी ॥ नीजकरतापददीयेहुउवेषी ॥ ४०
 जदीपजीवमतीकरतवीलाया ॥ तनकरताक

रता करीया पा ॥ त्रीगुण सकी प्रोरुजोत सरु
 पा ॥ ताही के परही बुंल प्रकल प्ररुपा ॥ ४१ ॥ ए
 ही करता तंन के पंच गावा ॥ सकल साहास्रम
 त एही फुरमावा ॥ नीज करता गत्य कुहुन ही पा
 ई ॥ सर्व प्रोर ले पद रहे हडे हे काई ॥ ४२ ॥ पंचश
 रीर प्राप होई वेग ॥ लहो हुन मर्म प्राप प्रं सवे
 वा ॥ बीनु नीज मर्म प्रापर हे प्रज ही ॥ तंन कर
 ता तीन कुत न भज ही ॥ ४३ ॥ रहे ह प्राप नीज
 प्रंश प्रयांना ॥ नीज करता कौ जाय ही पे हे चं
 ना ॥ निज करता केवल पद सोई ॥ जाही के प्रं
 स प्राप ना प्राप प्रोई ॥ ४४ ॥ ते ही करता जीव
 प्रंश प्राप नीजु ॥ पंच भोम्य परसे ही जे ही बिनु
 पर सत भोम्य पाये हुतंन एही ॥ जाहि के संघ ल
 प्रं स भुल्ये हु सदे ही ॥ ४५ ॥ भुलत स दे ह घे हुन
 ही पावा ॥ जाही घर से प्रथम ही प्रंश प्रावा ॥ सो
 ही घर पावं न च ही ये को हु प्रापु ॥ नीज सत गुरु
 संघे कर हो मेलापु ॥ ४६ ॥ सरल म मो सु होई सु
 ध च ही तंन ॥ कर ही प्रपं न चरने तंन मंन प्र
 हो करता क ही ये दो हु कर जो री ॥ प्राये हु सर
 न सांमी जुवो म मं प्राी ॥ ४७ ॥ को म ल व च न सी
 त ल स सू दं मी ॥ पा ही पा ही गुरु तु म पर णं मी
 जये ती जये ती गुरु पर म नी ध्यां तु ॥ मे दो म म त्रा स

सस.

॥१६

पासनागनांतु ॥४८॥ सकलदेवदेवनकेहो
देवा ॥ परमक्रीपालदयालसभेवा ॥ तुंमवी
नुसाहायकरनकोहुनांही ॥ लोकचतुरद
शउतईतमांही ॥४९॥ नीजममस्वरूपपंच
तनुपारी ॥ सोहीदरसावोगुरुकरुणापसा
री ॥ ओरुनीजघरकरतातुमगावा ॥ ताही
लषवावोजाहीसेहंमआवा ॥५०॥ एहीपर
कारकरहीअस्तुती ॥ गुरुपदप्रेमधरहीम
जभुती ॥ रीकेगुरुजबहीअग्यंमगत्यदाता
देहीसर्वलक्षकरहीसुषसाता ॥५१॥ अबते
हीबचनसुनोहोसतगुरुका ॥ सकलसीधो
तसारनीजघरका ॥ नीजघरलक्षपक्षजेहीजे
तु ॥ सहीतउपासकहतगुरुतेतु ॥५२॥ केवल
पदनीजघरकेउपासी ॥ चीहीनचलनतीतुं
कुहुपरकाशी ॥ अतिगतीअगंमसुधंमनहीगा
ई ॥ त्रीगुनसकनहीजोतअटकाई ॥५३॥ सुइ
देवहीउपासनाजेती ॥ अलपज्ञानजांततसब
तेती ॥ ओरुपरपंचपंचतनुदेहा ॥ जाहीयेअं
ससंधीआपअहमेहा ॥५४॥ नीजकेवलक
रताअंशआपु ॥ ताहीकुसमऊउरकरहीस
मापु ॥ तेहीलक्षजेहीसतगुरुलषवावे ॥ जोगु
रुचरनकमलजेहीआवे ॥५५॥ तेहीलक्षजपत

जपतजनजेही॥पावहीकेवलपदनहीसंदेही
छापतिलकतीनुकहुसमजाई॥जेहीकेवल
पदलक्ष्मणनुराई॥५६॥तीलकभालतनुअक
लअनुपा॥सोहीहंसअगुंसकहोउजेनीरुपा
नीजअंकुरअणिरूपगतीआवा॥ताहीस्येती
लकअणिरुपबनावा॥५७॥केवलपदभगती
जीनुजांनी॥तीलकभालतनुअकनिसांनी
इ६एहीतिलकसलषकहुभेदा॥रहेजेहीलक्ष्म
पक्षबीनुवेदा॥५८॥अलगउदाररहतजग
सेती॥हृदयैध्यांननीजपदपरमेती॥धरतध्यां
नअलमस्तभवितु॥रहतसकलमहीतगन
अतीतु॥५९॥नीजकेवलजनलक्ष्मएहीगाई
चीनसकलउपलेहंलषाई॥गतीअंतरअोरु
परमअघादु॥नीजकेवलजपसरलआराधु॥
६०॥लक्ष्मपक्षबीनुरहीतसमारा॥आपनीज
अंशकेवलएकतारा॥जगतजुगततेहीलहत
नमरमा॥नीजपदध्यांनधरनजेहेकरमा॥
६१॥अतिगतीगुपनजपनतेहीजायु॥एक
रससलंगमलंगनहीमायु॥एहीलक्ष्मअलष
षलकनहीपाई॥जांनेसतगुरुजीनेदीयाहे
बनाई॥६२॥गुपतप्रगटगतीगुंसकहीजेही
नीजकेवलपदजनकीसबेही॥एहीगतीरेहे

ससंतोकीसदकहेंउं ॥ नीजकेवलकेउपासी
 जेहीभयेउ ॥ ६३ ॥ अरुठमतीगतकहीहेंम
 जीनकी ॥ तजीएहीषलकअलगरहेतीनेकी
 मलीतरहतजगमांहीजनजेही ॥ पुभुपदप्रेम
 नेमकुहुतेही ॥ ६४ ॥ कांसक्रोधमनबोधनध
 रना ॥ सेहेजसभावसावनिसतनी ॥ रहतसदा
 संघजगतसमीपा ॥ जोंकमलाजलमांहीओ
 रुशीपा ॥ ६५ ॥ सकलवेहेवारवुततहीजगतका
 उरअंतरदृढकेवलमतका ॥ सुपनसमांतजो
 नीजगहेता ॥ रहतउदासतासहीहमेता ॥ ६६ ॥
 जउकोहंपुरुषपकरेहवेगारी ॥ वहेतीनुबोज
 अंतरनहीयारी ॥ सोंनीजजनभुगतहीभव
 भारा ॥ उपलेहीमंननहीअंतरविकारा ॥ ६७ ॥
 रेहेतदीवसरसबसभरपुरा ॥ प्रेमअनंगअंग
 चकचुरा ॥ हरषसोषनहीकरतमलापु ॥ त्रवे
 धीतापनहीतपतततापु ॥ ६८ ॥ सूचीतकरम
 अतीपरमपवीतु ॥ बुतेएहीजुगतमेवगतस
 हीतु ॥ अंतरजतमतकीरतीहीभीना ॥ जाने
 कोहुसजनजजनएहंकीना ॥ ६९ ॥ पुगटजा
 पेकेवलमुखजपही ॥ गुपतमंत्रगुरुध्यान
 धरपही ॥ वणीएहीविगतजगतमेजेजनकी
 एहीविधीरहतरेहेसतंनमंनकी ॥ ७० ॥ सो

हीनीजजंतकेवलपदपावही॥रहेजांहीअ
 चलबोहोरुनहीआवहीधरमअनेकजग
 तमहीजेता॥आपआपनेहीदेवनकेजूहेता
 ७१॥जेहीजाकुजजतभजततांहीजावे॥कैव
 लपदगतकोहीनहीपावे॥जेहीपदश्रेष्ठसक
 लमेआननथी॥लहेकोहुसंतकेवलनीजपं
 थी॥७२॥केवलपंथकायंमनीजआदुकीये
 हुप्रगटहंसहताजेअनादु॥सोहीकेवलपद
 इछितहीकोई॥लेहोसतनेमलषावुजबीमोई
 ७३॥सकलजीवंतकीकेवलपदआसी॥गुप
 तउपासप्रगटनहीप्रकासी॥कहुजेहीगुपत
 उपासनासबकी॥अणीअग्रेवतनुभयेजी
 वजबकी॥७४॥गुपतभावसर्वकहीउरआसे
 नीजघरसेद्वैतभयेजबीजासे॥याहीसेसक
 लतनुअग्रअनीका॥जेहीनमुनाघरवेवध
 नीका॥७५॥तेहीनमुनेहंसतीलकबनाये॥
 हुतीगतीअग्यंससोसुगंसजनाये॥ओरुस
 वंतीलकजगतमांहीजेता॥मनमूषीयुगत
 कीयेहुसबतेता॥७६॥आद्यअंतकोहुनांही
 नांवीचारी॥आपमतकीगतीलीयेहुसमारी
 जोंकोईपुरुषजंषनीजपेजाई॥होईगईसोही
 बातकहतसुनाई॥७७॥होतेकीअग्यंसअब

सस

॥२१॥

सोही नही जाने ॥ जदपी कहत तेही जग सतमो
ने ॥ यों सीधी बल जने जगत जगोवे ॥ देषाई
सोमथपी छुक्रत वड्डाये ॥ ७८ ॥ क्रतव पंथ गु
न भजन जनन के ॥ प्रकृती पुरुष ब्रह्म अधी
कृती नन के ॥ एही मत सकल वी कल कीये
जग कु ॥ फंदे सर्व जीव हीरो के हीनी जम ग कु
७९ ॥ ताही लेष लक घर अलषन पेषु ॥ रहे ह
र गही वट पड धरी भेषु ॥ जेही घर अलष ल
क कुल कंथु ॥ आये हुवां ही से सर्व भूले ई तप
थु ॥ ८० ॥ आये हुजे हुनां गती रहे हुनां कोई ॥
वी वीधी भात्य वृत्त कहु सोई ॥ जेही वस क
ल अंश एक ही सरीनु ॥ अधी कनुं न तत्वनी
से भये भंनु ॥ ८१ ॥ तेही गती अकल सकल
मही रहेवु ॥ सुनो ताही मरम अबही मम क
हेवु ॥ अवनी तोय तप गगन समीरा ॥ रहे ही
जीवता मेते हुं से सरीरा ॥ ८२ ॥ सोही वीधी वी
गल जगत तत्व नन की ॥ वी भूती वी भाग भं
न कहुती नकी ॥ भाग जुगलषष्ट अवनी समे
हु ॥ तत्वनी चतुरके जुगल ही मी लेह ॥ ८३ ॥
भये हु सरीर भाग मी ली तनयेते ॥ रहे हथावर
तरवर भार जेते ॥ भाग चतुरखे ही अवनी वि
भागा ॥ चतुर तत्वके चतुर मही पागा ॥ ८४ ॥ ए

हीदसुतत्वभयेजीनुतनसारा ॥ होहीयत्रच
 ररहेअवत्यआधारा ॥ वीभागचतुरद्वेहीअ
 पकेअमीता ॥ ओरुचतुरकेचुहमीलेहसमीता
 ८५ ॥ एहीदसुभागमीलेहुतंनजीनका ॥ सदा
 हीविलासतोयमहीतिनका ॥ तेजतत्वकेली
 येहुषटभागा ॥ चतुरकेचतुरमेलायेअनुरा
 गा ॥ ८६ ॥ एहीषटचतुरभयेहुतंनभेसा ॥ क
 रतजीवतेहीअगत्यप्रेसा ॥ कहहुजीवताही
 प्रगटनीहोरा ॥ भषतअगत्यहोईमगनचको
 रा ॥ ८७ ॥ भाहागषटपुनीपवनपमेती ॥ च
 तुरकेचतुरवैभागसमेती ॥ भयेतंनताहीषग
 गगंनपसारा ॥ उडहीउडहीफेरीअवत्यआ
 धारा ॥ ८८ ॥ व्योमविभागअमलषटहोई ॥ च
 तुरकेचतुरलीयेहुमांहीसोई ॥ मीलीतभागए
 हीभयेतनुजेहा ॥ रहतवासकरी सुत्यसनेहा
 ८९ ॥ प्रसतनपोम्यव्योमरहेजेही ॥ अनलह
 माहआद्यषगतेही ॥ कोरणतत्वचौगुणघण
 भागा ॥ लीयेहुसकलसंमकरीअनुरागा ॥ ९० ए
 तेहीतत्वमीलीततनदेवा ॥ तेत्रीसक्रोडआद
 अहंमेवा ॥ पंचतत्वमाहाभूतविभागा ॥ अवते
 हीकहसुनोधरीअनुरागा ॥ ९१ ॥ विभाच
 तुरपंचअवत्यहीआपु ॥ ओरुचतुरकेमलीए

सं

॥२२॥

कसमायु ॥ मीलीएतेभागअवन्यनीजआदु ॥
त्रीगुनस्वाधजेहीभयेहेअनादु ॥ ६२ ॥ पुनीअ
पकेषटत्रीभागमेलंतु ॥ ओरुचतुरकेमलीए
कहीतंतु ॥ एतेहीविभागमिलतंतंतोई ॥ रह
तअमीतसदासीतलसमोई ॥ ६३ ॥ भागचतु
रपंचअगनीविसेषु ॥ चतुरकेमीलीएकताही
मेमिलेषु ॥ एहीदसुभागमीलीतंतंततेजु ॥ रह
तप्रकाससदातपतहमेजु ॥ ६४ ॥ विभागमारु
तनीजुनवपरमांता ॥ ओरुचतुरकेमीलीएक
मेलाना ॥ भयेहुपवनएतेतत्वहीसेताई ॥ रह
तसचरसर्वगगनपसाई ॥ ६५ ॥ ओमषष्टपुनी
त्रीयेहुविभागा ॥ ओरुचतुरकेएकमीलेअनु
रागा ॥ भयेताहीसुन्यतत्वमीलीयेते ॥ अधरअ
व्यक्तव्यक्तकहंकेते ॥ ६६ ॥ वारपारवीनुअमर
सनादी ॥ चतुरतत्वनकिजेआदअनादी ॥ एही
परकारवीभागपंचभूता ॥ भयेहुवैराटताईअ
तीअदभुता ॥ ६७ ॥ बोहोरुतीनकीअवस्तापु
नीसोई ॥ अंतसकरणसहीतकहुजोई ॥ जाग्र
तअवन्यसुपनअपसेती ॥ ससोपतीअगन्यप
वनतुरीयेती ॥ ६८ ॥ उनमुनीसुन्यसदाईसंम
दंमही ॥ कहेहअवस्तापंचतत्वनीकीभयंसही ॥
अंतसकरणरहेउतेहीतिनमे ॥ सुनहोमरमअ

बकहुजेहीजीनमे ॥ ६६ ॥ मनोमयेप्रवन्पुबुधी
 रत्नपहीरा ॥ अगन्पअहंकारचीतरहतसमी
 रा ॥ वीमतत्वपंचमोसर्वसेसा ॥ अंतसकरण
 तार्मंचीदतेसा ॥ १०० ॥ जाहितुमकहतसकल
 चीदबुंल ॥ ताहीहंमलहतअंतसकरणपर्म ॥ अं
 तसकरणअवस्ताकहीजेही ॥ मोक्षमोक्षपंचतल
 नकीतेही ॥ १०१ ॥ आन्पअवस्ताअंतसकरण
 ओरु ॥ रहेहसुक्ष्मअंतरसर्वओरु ॥ पंचअवस्ता
 पंचतत्वनकीमांही ॥ जेहीविधीवृततकहह
 वतांही ॥ १०२ ॥ जाग्रतअवन्पबीजगअंकुरा
 करतसकलतीनुउदीतसफुरा ॥ जाग्रतअवस्ता
 अक्मकहीजवही ॥ हीरणअंकुरबीजजगवत
 तवही ॥ १०३ ॥ सुपनअवस्तानीरहीनिरमयेवु
 प्रसवबीजगउद्वीतगतीभयेवु ॥ ससोपतीअ
 ग्तरहेहकहीजेही ॥ करहीपरलेपददृष्टेसंबेही
 १०४ ॥ तुरीपदपवनरहननीजभेदा ॥ साक्षीस
 कलनोवीमलअकलेदा ॥ उनमुनीसुंमसदो
 दीतउदारी ॥ बुंलविदभावसाकअविकारी ॥ १०
 ५ ॥ तत्वनीअवस्ताकीयेहसर्वसेती ॥ विभूतिवी
 भावफावचावजीनुजेती ॥ एहीअनुकरमकहे
 हेदेतनके तत्वपंचसप्तजीवविधीतनके ॥ १०
 ६ ॥ भयेहउपाधवीभांतीभातीएह ॥ याहिविचरणे

अंशप्रापभूलेहु ॥ सजाती विजाती भये भर्म
 अनेका ॥ रहे हुनां लक्ष्मी जन्माद्य घर छे हेका
 १०७ ॥ विनाहु लक्ष्मी जपस्य न पागा ॥ जांही तो
 ही उतरत जीतती तलागा ॥ अंधा धुंधई युस
 कलवी हाये ॥ रहीनां समृधी जेही घर से जूझा
 ये ॥ १०८ ॥ एतेही भर्म परे हू जीवघोरा ॥ घटन न
 पावही प्रापमती जोरा ॥ तोही ल्ये कहत हंम
 वारंम वारु ॥ ग्रहो सत गुरु संघ करे भवपारु
 १०९ ॥ अग्र्यंम बोध अनु भवगती प्रापी ॥ दर
 सावही नीज प्राप प्राद्यापी ॥ सोही प्रापा आवी
 गत्यनी जहंसा ॥ जेही केवल से प्राये हु बीज ज्ञा
 सा ॥ ११० ॥ तेही विजगनी जस्वरूप सबनका ॥
 चढेहु पडलई तपंचतवननका ॥ सोही पडल
 नके बैदक गुरु देवा ॥ काठे त्रतकाल सुरही स्व
 र्भवेवा ॥ १११ ॥ अग्र्यंम नीगम अोरु प्राद्य अंत
 नकी ॥ नीज केवल पद अंस प्रापतंनकी ॥ पर
 ही सुर एही विधी जबी प्रादु ॥ करही बोध गुरु
 करुणा सनादु ॥ ११२ ॥ सुनत बोध सत गुरु सु
 षवांती ॥ जेही प्राप अकल सो कल ही तीदा
 नी ॥ कलेह प्राप अवीगत नीज सोई ॥ स्वयंग
 स्वरूप केवल अंस मोई ॥ ११३ ॥ भयेह मोय सोही
 अनुभव जागे ॥ नीज केवल पद जबी लक्ष्मी जागे

लागतलसचस्यद्विपाई ॥ कैवलपदप्रापअंशए
 कताई ॥ ११४ ॥ सकलसजातभातममभेसा ॥ द
 रसपरहीधरमर्मसदेसा ॥ न्नेकअनेकअनंत
 अपारा ॥ ममसफुरनसेभयेहवीसतारा ॥ ११५
 सकलसायाजसंजुक्तहीसमेवा ॥ सोहीसमरु
 तहंगप्रापममेवा ॥ तेईहंगप्रापव्यापजेहीव
 स्तु ॥ समरुसरूपकैवलअंसमस्तु ॥ ११६ ॥ म
 स्तुममेतीजांएतंननीनु ॥ जेहीकैवलसेउदीत
 वुजबीनु ॥ सोहीवुजबीनुकेजांएपजीनुअंगा
 ताहिजांननकेतनहीअसीहंगा ॥ ११७ ॥ स्व
 जांणसरूपक्रताहिसोअद्यापा ॥ जाहीअंसजां
 एइतसर्वनकाआपा ॥ सोहीतनुजांएपआप
 नपुजेहीवुके ॥ क्रतवसकलहीक्रताहीनकासु
 के ॥ ११८ ॥ तेहीआपअकलसकलमेसमयेवु
 बीनुसतगुरुपषप्रषवनपयेवु ॥ ताहीत्येकहत
 सतगुरुकीरतारा ॥ आद्यअंतमध्यसरजनहा
 रा ॥ ११९ ॥ चउंदेईलोकबुहेअंडअनंता ॥ कुल
 चकवेषतसतगुरुमांहंता ॥ स्वजांणस्वरूपक्र
 ताहिजेहीगाये ॥ सोहीसतगुरुतनुजुगदरसा
 ये ॥ १२० ॥ रचेहश्रष्टजीनेविवीधीविभावा ॥ सो
 हीषुदषावंनदेषनबोहोरुआवा ॥ बीश्ररेह
 अंशजबीसेसबीजगता ॥ भयेहवीसरजनआ

सस

२४

पबीजवगता ॥१२१॥ ताहीत्येसकलसर्वफिरत
बेहाला ॥ आपनीयुगतवीधीनिषेदनीकाला
षटनवचतुरकथेहजेअगारी ॥ बकेबुरुबीनु
सर्वआपनविसारी ॥१२२॥ कोहनीराकारसुं
त्यनीगुनहीगांता ॥ कोहपंचतत्वगुनसगुन
बषांता ॥ याहीविधीसकलनकलक्रतगावा
कुलकरताकाहुसमरुनआवा ॥१२३॥ सगु
ननीगुनकेजांननजांणपदही ॥ रहसुसर्वम
ध्यचीनेषीनुअदबदही ॥ देषीतसकलजुग
फरतअचेता ॥ जबीकरतारसतगुरुतनेल
ता ॥१२४॥ धरीतंतसुगंमजुगमेजसवंतु ॥
दर्सीवहीनिजआपरहेजेसचंतु ॥ सचेतस्वरु
पआपदेसकरही ॥ बोहोरुनीजघरहीप्रसा
वेजेहीधरही ॥१२५॥ धरघरसधरअधरहीअ
नुपा ॥ स्वमेवसनातजेहीस्वजांणस्वरुपा ॥ से
हीकेवलपतीपूरसपुरंजनां ॥ स्वजंनसकल
केअकलकरकंजनां ॥१२६॥ अजरअरसप
रतषतवीज्ञांता ॥ नीरसत्वषगामध्यअटल
अस्तांता ॥ थकीतलषतगीरातषतसमाज
ही ॥ नीजपतीपरमकेवलतांबीराजही ॥१२
७॥ केवलनांउताहीकाहीहसेभयेवु ॥ सुनहो
मरमजीनभरमउपयेवु ॥ बीनुवलवटपटप

म

सिधप्रमोधा ॥ नवलजांहांकवलसोकेवल
 मोघा ॥ १२८ ॥ एहीनीजपतीगत्यविगत्यविस्त्र
 लु ॥ कीयेहुआरोपनांउकेवलबुमालु ॥ कुनही
 केदुलहाबाकुनुदुलहांनी ॥ जाहीकीकेवल
 नांउमालपेहेलवांती ॥ १२९ ॥ याहीकीजांएय
 शउलटसुलीटा ॥ फांतीनांउमालभईगरकस
 मीटा ॥ जबीदूलादूलनीसबीजकरेजोगा ॥ तां
 हीनपरतकछुबुमालपरोगा ॥ १३० ॥ तीहुदूल
 हानीजांएयस्वजांएयसमांती ॥ रहेइतेनांउतीत
 रवीनीरवांती ॥ नीरवांतीनिरालनेतिपरप
 रनेती ॥ पावहीसोपदसदसतगुरुसेती ॥ १३१
 जबीसतगुरुकीयेसरजनहारा ॥ सजेहुजाही
 सेजांहीसमावनहारा ॥ अहोकाहाकहसत
 गुरुउपमाई ॥ नहीसरभरकोमेसुजकीदूहाई
 १३२ ॥ अबसतगुरुकरतारनकीवांती ॥ सु
 नहोकहतवीधीजुगउतपांती ॥ रचेहुसकल
 जेहीवीधीकरतारा ॥ अनंतभातगत्यमतीवी
 स्तारा ॥ १३३ ॥ ताहीविधीवगतजुगतजेहीजी
 नकी ॥ लहेसतगुरुनांमरुपगुनतीनकी सो
 तासनमूषचीतरषोममबचनां ॥ कहतकुवे
 रअबीगत्यपतीरचनां ॥ १३४ ॥ **दीहा** ॥ नीज
 केवलसदोदीतसद ॥ अषीलएकअनुक्रम

सस

॥२५

उपजेहुमांजमोदीततीनु ॥ हैतरमणजीनुमम
१३५ ॥ प्रथंमकीनेहनीजवृतीषटस्चेहुवीश्व
जीनुआद्य ॥ आपअलगगतीसलंगहीके
हंकुवेशरहीस्वाध ॥ १३६ ॥ अथपंचमोकरता
वृतीकंदा ॥ ५ ॥ चौपाईः ॥ ॥ जेहीअवीगतपती
अग्यंमअपारा ॥ सजांणसरूपसोकेवलकी
रतारा ॥ सोहीकरतारुहकरनजुगवांनी ॥
वृतीषटप्रसीधप्रथंमउतयांनी ॥ १ ॥ अग्यंम
प्रकाशबुंलपुनीतईछाई ॥ वृतीयेसेजंमभो
गवृतीउपजाई ॥ क्रीयाचतुरतीगतीकरनवि
भागा ॥ कीयेसर्ववीश्वघटबीजअनुरागा ॥
२ ॥ पंचमीचेतंनवृतीउपजीउमेदा ॥ रचीरोउ
रोउंवृधीकरनकलेदा ॥ एहीवृतीपंचसजेहु
सर्वसाजा ॥ रहेजोअचेतवेतवीनुबाजा ॥ ३ ॥
वृतीषटमीक्रताअंशउपासे ॥ आपअंशहोई
सबघट्वासे ॥ एहीषटवृतीक्रतकीयेहुअपा
रा ॥ अनंतभातवीधीतत्ववीसतारा ॥ ४ ॥ सो
हीतत्वननकुवीगतेसुतसाधी ॥ अजीक्रीया
वृसेषटभीनउपाधी ॥ जेहीतत्वपुगलेकीयेहु
चराचरही ॥ सुनहोसकलवीधीसोहिवीस्त
रुह ॥ ५ ॥ नीजपतीपरमपुरससोसजाना ॥ क
लकरतासोकेवलजेनीदांन ॥ तेहीनीजपती

च

कुभयेहुजोहलासा ॥ उपजीमोजजबीकरनवि
 लासा ॥ ६ ॥ वृतीषटतुरतपेरककरीजाहोना
 सुध्यसंकल्पनीध्यकरूणानिध्यांता ॥ जेहीवृ
 तीसेहीसफुरेहुतत्वजेता ॥ प्रथकप्रथकभीन
 भीनकेहुतेता ॥ ७ ॥ प्रथमप्रकाशबुंलवृतीके
 वीभागा ॥ उपजेमाहात्वतीनतत्वअनुरागा ॥
 कहहनांमतीनकेहुपुनीजेही ॥ वीकासकुंभ
 सप्रविकासतीनुतेही ॥ ८ ॥ द्वितीयेसंजमभो
 गवृतीविस्तयेवु ॥ चक्षसहत्वतीनताहिहसे
 भयेवु ॥ अनंगचक्षसत्वचक्षवृगज्ञानु ॥ त्रीती
 युकालचक्षतत्वअभीरांनु ॥ ९ ॥ वृतीत्रतीपेहु
 ईष्टाअसकउपाई ॥ तत्वसफुरणबोहोतरभ
 येताई ॥ वृतीक्रीयाचतुरतीविभागविचवनी
 उलटसुलटभईक्रतातनुभवनी ॥ १० ॥ उलट
 सुलटतंतविभागमेलाई ॥ अनंतकोटतनुबी
 जउपजाई ॥ वृतीपहचमीचहीतंनचीतपेरी ॥
 वृतीक्रीयाक्रतबीजवृधीकीयेघेरी ॥ ११ ॥ एहीवृ
 तीपंचसंचजुगसारा ॥ अकेकीविभागजेतेभ
 ईकहीसारा ॥ वृतीषष्टमीक्रताअंशसफुरा
 व्राजेसर्वघटत्रवहालहजूरा ॥ १२ ॥ भयेहुअंश
 क्रताएहीवीधीपोते ॥ करनरमणपणगणीत
 नजोये ॥ अरबअनेकषरवहीअनंता ॥ अग

सस

॥२६

लितपदमसंघनहीअंता ॥१३॥ येसेहीअंश
हुयेहुअनुसारा ॥ सुदधावंनकेवलकीरता
रा ॥ जेहीकेवलबीनुवृतीकृतकंदनां ॥ सो
हीसकुरेहुहोईविश्ववृतीवुंदनां ॥ १४ ॥ दोहा
वृतीपंचपसरनकरी ॥ कीत्येहुसकलजांहां
न ॥ छटीकृतावृतीअंशहोई ॥ आपनीवासेहु
अंन ॥ १५ ॥ एहीषटवृतीप्रथुमुलसे ॥ भयेहु
सकलबीस्तार ॥ वीविधीभात्यभीनभीनभ
व ॥ कहुममकृतअनुधार ॥ १६ ॥ श्रोतासक
लसुनहोमम ॥ भवउतपनभलभेद ॥ जेहीक
रतागत्येकुलरचा ॥ सोहीगतीलहतनेवेद
१७ ॥ तेहीगतीसबलसुनावुह ॥ लोकचतुर
दशसाज थावरजंगमजलयुल ॥ सुरतनुस
हीतसमाज ॥ १८ ॥ रागदालेकरवातडप्रारंभ
॥ ॥ हावेनीजसजांणस्वरूपकेवलकरतार
ने ॥ द्वैतरमणकरवानोउमंगहवो ॥ जाहारेता
हारैषटवृतीयोयेकरीनेविश्वउतपनकरु
१९ ॥ हावेप्रथमप्रकाशबुसवृती ॥ करतायकी
हवी ॥ त्येप्रकासबुसवृतीथकी ॥ तीनमाहाल
उतपंतथयां ॥ २० ॥ तेतीनमाहालतेकीयांकी
यां ॥ त्येकहीयेष्टीयेजे ॥ एकअविकासमाहाल
अनेबीजुविकासमाहाल ॥ २१ ॥ अनेत्रीजुकु

२६

भस्तमाहात्व ॥ एतीनुमाहात्वसे ॥ प्रकासबुद्ध
 वृतीनांथयां ॥ २२ ॥ हावेतारपीछेकरतारे ॥ संज
 मभोगवृतीउतपनकरी ॥ सेसंजमभोगवृती
 थकीतीनचक्षसत्वथयांते ॥ २३ ॥ कीयांकीयां
 जे ॥ एकतेवृगज्ञानचक्षसत्व ॥ अनेबीजुतेअ
 नंगचक्षसत्व ॥ अनेत्रीजुतेकालचक्षसत्व ॥
 २४ ॥ एतीनचक्षसत्वकरतानी ॥ संजमभोग
 वृतीनांथयां ॥ हावेतारपीछेकरतारे ॥ इछावृती
 उतपनकरी ॥ २५ ॥ तेइछावृतीथकीबोहोतर ॥ तं
 तवीस्तारपांम्यांछे ॥ सेबोहोतरतंतमे ॥ प्रथंमनी
 रंजनतंत ॥ २६ ॥ अनेतेनीरंजनतंतथकी ॥ अत्र्या
 क्रतंतंतथयु ॥ सेअत्र्याक्रतंतंतथकी ॥ हेकारण
 तत्वथयां ॥ २७ ॥ एकतेमांहांतत्वकारण ॥ एजुगल
 कारणतत्व ॥ अत्र्याक्रतथकीथयांछे ॥ अनेबीजु
 तेअनंदतत्वकारण ॥ २८ ॥ हावेएबेहुतत्वथकी
 अकेकामेथीचोतीशचोत्रीश ॥ तत्वसफुरण
 थयांछे ॥ सेकीयांकीयांजेतेकहीयेछीये ॥ २९ ॥
 जेएकअनंदतत्वकारणथकी ॥ प्रकृतीतत्वका
 रणउतपनथयु ॥ तेप्रकृतीतत्वकारणथकी
 तीनगुनउतपनथया ॥ ३० ॥ तेतीनगुनमेतमो
 गुनथकी ॥ दशकालतंतउतपनथयां ॥ तेकीयाकी
 याजेतेकहीयेछीये ॥ जेप्रथंमसभावकाल ॥ ३१ ॥

अने बीजोकां मनाकाल ॥ अने तीजो आक्रंत
 काल ॥ अने चोथो आचरीये काल ॥ अने पांच
 मोपुथक काल ॥ ३२ ॥ अने षोठो वप्रीत काल अ
 ने सातमो अज्ञान काल ॥ अने आठमो राजस
 काल ॥ अने नवमो देस काल ॥ ३३ ॥ अने दशमो
 बुधी अंत काल ॥ एदश काल तमो गुणथकी उत
 पतथया ॥ हावे रजो गुणथकी ॥ दश आकंस्या उत
 पतथई ॥ ३४ ॥ ते केई केई से कहिये छीये ॥ जेपुथ
 मप्रवण आकंस्या ॥ अने बीजी सुगंध आकंस्या
 अने त्रीजी नीरक्षण आकंस्या ॥ ३५ ॥ अने चोथी
 सुधापिपासा आकंस्या ॥ अने पंचमी उचार आ
 कंस्या ॥ अने षोठी सीत उए आकंस्या ॥ अने सात
 मी ग्राहक आकंस्या ॥ ३६ ॥ अने एमी विसीये आ
 कंस्या ॥ अने नवमी मलवी सरजन आकंस्या
 अने दशमी गवन आकंस्या ॥ एदश आकंस्या र
 जो गुणथकी उत पतथई ॥ ३७ ॥ अने सतो गुणथ
 पंच अंत सक्रण ॥ अने पंच अवस्ता उत पतथई
 ते केई केई प्रवस्ता ॥ अने कियों कीयां अंत सक्र
 ण ॥ ३८ ॥ ते कहिये छीये जे एक जाग्रत बीजी सुप
 न ॥ त्रीजी ससोपती चोथी तुरीया ॥ पंचमी उन
 मी ए पंच अवस्ता ॥ ३९ ॥ हावे अंत सक्रण कही
 ये छीये ॥ एक मंत बीजी बुधी ॥ त्रीजो अहंकार चो

युचीत ॥ पंचमुचीदए पंचअंतसक्रण ॥ ४० ॥ एद
 ससतो गुणथी उतपनथयांछे ॥ एचोत्रीशआनं
 दतत्वकारणथी उतपनथयांछे ॥ हावेमाहातत्व
 कारणनोविस्तारकहीयेछीये ॥ ४१ ॥ जेमाहात
 त्वकारणथी ॥ धनंजेतत्वकारण उतपनथयु ॥ तेध
 नंजेतत्वकारणथी ॥ तीनघण उतपनथया ॥ ४२ ॥
 तेकीयाकीयातेकहीयेछीये ॥ जेएकअहंकारघ
 ण ॥ अनेबीजोअचंतघण ॥ अनेत्रीजोस्वकाश
 घण ॥ ४३ ॥ एतीनघण धनंजेतत्वकारणथी उत
 पनथया ॥ हावेतीनघणनोविस्तारकहीयेछीये
 जेपुथंमअहंकारघणथी ॥ पंचभूतनेपंचमात्रा
 उतपनथई ॥ ४४ ॥ तेकहीयेछीयेजेएकपृथ्वी
 बीजुअपत्रीजुअज्ञीचोथोवायु ॥ अनेपंचमुआ
 काश ॥ हावेमात्राकहीयेछीये ॥ ४५ ॥ एकशब्बी
 जीसुसमात्रा ॥ त्रीजीरूपमात्राचोथीरसमात्रा
 पंचमीगंधमात्रा ॥ एदशअहंकारघणथी उत्पंन
 थयां ॥ ४६ ॥ हावेस्वकासघणथी पंचविवस्ता अ
 नेपंचसंभसक्रण ॥ एदशउतपंनथयां ॥ तेकीयां
 कीयांसंभसक्रण ॥ ४७ ॥ अनेकेईकेईविवस्ता
 तेकहीयेछीयेजे एकस्वांत्यसंभसक्रण एक ॥
 अनेबीजांसीलसंभसक्रण ॥ ४८ ॥ अनेत्रीजूसे
 हेजसंभसक्रण ॥ अनेचोयुसंतोषसंभसक्रण

अनेपंचमुखसमतासंभसक्रण ॥ एपंचसंभसक्र
 णकहां ॥ ४८ ॥ अनेहावेवीवस्तातेकहीयेष्टीए
 एकस्थीतिविवस्ता ॥ अनेबीजीउदारवीवस्ता
 अनेत्रीजीगलीतविवस्ता ॥ ४९ ॥ अनेचोथी
 कुंभविवस्ता ॥ अनेपंचमीसांसांन्यविवस्ता ॥
 एपंचविवस्ता ॥ अनेपंचसंभसक्रण ॥ एदसतं
 तसेस्वकासघणथीउतपनथयां ॥ ५० ॥ हावे
 अचंतघणथी ॥ दशभावनाउतपंनथई ॥ तेक
 हीयेष्टीयेजे ॥ पुथंमअहंनभावना ॥ ५१ ॥ अने
 बीजीसंभभावना ॥ अनेत्रीजीविसरजनभा
 वन ॥ अनेचोथितिद्राभावना ॥ अनेपंचमीअ
 धतंसभावना ॥ ५२ ॥ अनेछठीअचेतभावना
 अनेसातमीउचाटभावना ॥ अनेआठमीअ
 भावभावना ॥ अनेतवमीमुंन्यभावना ॥ ५३ ॥
 अनेदशमीअसांमरतभावना ॥ एदशभावनाते
 अचंतघणथीउतपनथई ॥ एचोत्रीसतंततेसां
 हांतत्वकारणथीउतपंनथयां ॥ ५४ ॥ एबोतेर
 तंततेईछावृतीथकीथयां ॥ हावेतारपीछेकर
 तारेकरीयावृतीउतपनकरी ॥ ५५ ॥ तेकरीया
 वरतीयेसर्वतंतुना ॥ विभागवेचण्यकरीनेपी
 डबुंसांडनीआद्यलेईने ॥ बुंसाविष्णुनेमाहेश्वर
 ५६ ॥ ओरुकोरंसमंडकसेसपरजंत ॥ थावरजंग

मकीटपतंग ॥ देवतनुसहीतचोराशीलसपरका
 रनांतनुउतपंनकरां ॥ ५७ ॥ पणतेतनुजडवतर
 ह्मां ॥ बुधीपांम्यांनहीतारेकरतारे ॥ सजीवंन
 वृतीपेरककरी ॥ तेसजीवंनवृतीयेकरीने ॥ ५
 ८ ॥ सर्वतंतुपोतपोताना ॥ मापप्रमांलेबुधीपां
 मीरह्मां ॥ पणहलणचलणविनाजडवतबुधीपां
 मीरह्मां ॥ ५९ ॥ ताहारेकरतारेछवीक्रताअंसव
 तीयेकरीने ॥ पोतानाअंशपेरककरताहवा ॥
 तेकरतानाअंससरवतंनमेपेरकथयेकरीने
 ६० ॥ जेहेमेजेटलाविभागपोरव्यातातेपरमांले
 हलणचलणकरवालाग्या ॥ ६१ ॥ दोहा ॥ क्रता
 उमंगषटवृतीक्रत ॥ कीयेहसकलवीस्तार ॥ बो
 होरविविधीभंनभंनतनु ॥ कीयेजीनुकुहुंअ
 नुसार ॥ ६२ ॥ उलटसुलटतत्वउतईत ॥ कीयेक्री
 यावृतीमेलाय ॥ नारणदाससुण्यभवगती ॥ दे
 तहीकुवेरलषाय ॥ ६३ ॥

हा
 वेजेप्रकारेकरतानीकरीयावृतीये ॥ तत्ववेचण
 करीनेबुंहांडनीआद्यलेईने ॥ सर्वथावरजंगम
 कीटपतंगदेवतनुसहीत ॥ १ ॥ उतपंनकरांछेते
 कहीयेछीयेजेकरतानीकरीयावृतीये ॥ प्रथंमब

सांडनी आद्यलेहेने ॥ बुह्रांडसमेतससमाहा
 ददेवतंतुरचांछे ॥२॥ तेकहीयेछीयेजेहावेते
 हेमेपेहेलुतेकरतानीक्रीयावृत्तीयेरचुथकु
 वैराटतनु ॥ जेतेहेनाविभागकहीयेछीये ॥३॥
 हावेवैराटतनुनावैभागतेजे ॥ अहंकारघण
 नांपंचभूतजे ॥ तेहेमेप्रथवीतत्वनानवभाग
 लेईने ॥४॥ अनेओरचतुरतत्वजेअपतेजवा
 युनेआकाश ॥ एचतुरतत्वनाचतुरपाभागमे
 एकभागलेईने ॥ पेलाप्रथवीतत्वनानवभा
 गनेवीषेमेलीने ॥५॥ एदशभागवैराटतनु
 नेपोष्या ॥ अनेहावेजलतत्वनानवभागले
 ईने ॥ अनेओरचतुरतत्वनाचतुरपाभागमे
 लीने ॥६॥ एकभागतेहेनेवीषेमेलीने ॥ एदश
 भागओरुवैराटतनुनेपोष्या ॥ अनेहावेअ
 झीतत्वनानवभागलेईने ॥ अनेओरचतुर
 तत्वने ॥७॥ एकभागतेहेनेवीषेमेलीने ॥ ए
 दशभागवैराटतनुनेपोष्या ॥ अनेहावेवायु
 तत्वनानवभागलेईने ॥ अनेओरचतुरतत्व
 नेएकभागतेहेनेविषेमेलीने ॥८॥ एदशभाग
 वैराटतनुनेपोष्या ॥ अनेहावेआकाशतत्व
 नानवभागलेईने ॥ ओरचतुरतत्वनेएकभा
 गतेहेनेवीषेमेलीने ॥९॥ एदशभागवैराटतनु

नियोख्या ॥ अनेहावेरजोगुणतीदशआकंक्षा
 जेतेहेमेपंचआकंक्षानातो ॥ पंचपंचभागले
 ईने ॥ १० ॥ अनेबीजीपंचआकांक्षानो ॥ एक
 एकभागतेहेनेवीषेमेलीने ॥ हावितेकेईकेईआ
 कांक्षाना ॥ पंचपंचभागनेवीषे ॥ ११ ॥ केईके
 ईआकांक्षानो एकएकभागमेलीने ॥ हावितेक
 हीयेछीयेजे ॥ प्रथमसुगंधआकंक्षानापंचभा
 गनेवीषेतो एकभाग ॥ १२ ॥ मलविसरजंतनआ
 कांक्षानोमेलीने ॥ अनेबीजीसुधापीपासाआ
 कांक्षानापंचभागनेवीशेतो एकभागविसी
 येआकांक्षानोमेलीने ॥ १३ ॥ अनेत्रीजीतीरक्ष
 एआकांक्षाना ॥ पंचभागनेविषेतो ॥ एकभाग
 गवंनआकांक्षानोमेलीने ॥ अनेचोथीसीतड
 स्यआकांक्षाना ॥ पंचभागनेवीषेतो ॥ १४ ॥ ए
 कभागग्राहारुआकांक्षानोमेलीने ॥ अनेपं
 चमीश्रवणआकांक्षाना ॥ पंचभागनेवीषेतो
 एकभागउचारआकांक्षानोमेलीने ॥ १५ ॥
 अनेओरुअहंकारघंणनांपंचभूतने ॥ पंच
 मात्राजेतेहेमेपंचमात्रामेथी ॥ चतुरचतुरभाग
 लेईने ॥ पेलीरजोगुणती ॥ १६ ॥ दशआकांक्षाना
 पंचषटषटभागनेवीषेमेलीने ॥ हावितेकेईआ
 कांक्षानाषटभागनेवीषे ॥ केईमात्रानाचतुर

भागमेलीने ॥१७॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ सुगं
 धमात्राकंक्षानाषट्भागनेविषेतो ॥ गंधमात्रा
 नाचतुरभागमेलीने ॥ अनेसुधापिपासात्रा
 कंक्षाना ॥१८॥ षट्भागनेवीषेतो ॥ चतुरभाग
 रसमात्रानामेलीने ॥ अनेनीरसगणमात्रकं
 क्षाना ॥ षट्भागनेविषेतो ॥ चतुरभागरूप
 मात्रानामेलीने ॥१९॥ अनेसीतउसमात्रकं
 क्षानाषट्भागनेवीषेतो ॥ चतुरभागसप्त
 समात्रानामेलीने ॥ अनेहावेस्ववणमात्रकं
 क्षानाषट्भागनेविषेतो ॥२०॥ चतुरभागस
 ब्दमात्रानामेलीने ॥ एदशदशभागपंचप्रका
 रपंचाशभागलेईने ॥ वैराटतनुनेपोर्याअ
 नेहावेस्वकाशघणतां ॥२१॥ पंचसंभसक्रण
 नेपंचविवस्ताजे ॥ एदशमेथीनवनवभागले
 ईने ॥ अनेप्रोरुसतोगणतांपंचअंतसक्रण
 नेपंचअवस्ता ॥२२॥ एदशमेथीएकएकभागले
 ईने ॥ पेल्लास्वकाशघणतां ॥ पंचसंभसक्रणने
 पंचविवस्तातेहेनानवनवभागनेविषेमेली
 ने ॥२३॥ हावेतेकीयासंभसक्रणनानवभा
 गनेविषेकीयाअंतसक्रणनोएकभागमेली
 ने ॥ अनेहावेकेईकेईविवस्ताना ॥२४॥ नव
 भागनेविषेकेईकेईअवस्तानोएकएकभाग

मेलीने ॥ हावेतेकहीयेछीयेते ॥ स्वांलसंभसक्र
 एतानवभागनेविषेतो ॥ २५ ॥ एकभागसंत
 तसक्रणनोमेलीने ॥ अनेसेहेजसंभसक्रण
 नेविषेतो एकभागबुधीनोमेलीने ॥ अनेसील
 संभसक्रणतानवभागनेविषेतो ॥ २६ ॥ एकभा
 गअहंकारअंतसक्रणनोमेलीने ॥ अनेसंतो
 ससंभसक्रणतानवभागनेविषेतो ॥ एकभा
 गचितअंतसक्रणनोमेलीने ॥ २७ ॥ अनेसमता
 संभसक्रणतानवभागनेविषेतो ॥ एकभाग
 नचिंदअंतसक्रणनोमेलीने ॥ अनेहावेस्थीती
 वीवस्तानानवभागने ॥ २८ ॥ विषेतो एकभागज
 गतअवस्तानोमेलीने ॥ अनेदुदारविवस्ताना
 नवभागनेविषेतो एकभागसुपनअवस्तानोमे
 लीने ॥ २९ ॥ अनेगलीतविवस्तानानवभागने
 विषेतो ॥ एकभागससोपतीअवस्तानोमेलीने
 अनेकुंभवीवस्तानानवभागनेविषेतो ॥ ३० ॥
 एकभागतुरीयाअवस्तानोमेलीने ॥ अनेसामं
 नविवस्तानानवभागनेविषेतो ॥ एकभागउन
 सुनीअवस्तानोमेलीने ॥ ३१ ॥ एदशदशभागद
 शप्रकारेसतभागलेईने ॥ वैश्राटतनुनेपोख्या
 अनेहावेअचंतघणनीदशभावनाजेतेहेमेथी
 नवनवभागलेईने ॥ ३२ ॥ अनेओरतमोगुणना

सस
॥३१॥

दशकालजेतेहेमेथीएकएकभागलेईने।पेला
अचंतघएनीदशभावनाकेनवतवभागने
विषेमेलीने॥३३॥हावेकेईकेईभावनाकेतव
भागनेविषे।कीयाकीयाकालनोएकएकभा
गमेलीने॥हावेतेकहीयेथीयेजे॥३४॥प्रथम
अहंतभावनाकेतवभागनेवीषेतो॥एकभा
गकांसनाकालनोमेलीने॥अनेबीजीसंभ
भावनाकेतवभागनेविषेतो॥३५॥एकभाग
प्रथककालनोमेलीने॥अनेत्रीजीविसरजं
तभावनाके।तवभागनेविषेतो॥एकभागअ
ज्ञानकालनोमेलीने॥३६॥अनेचोथीनिडाभा
वनाके।तवभागनेविषेतो॥एकभागसभाव
कालनोमेलीने॥अनेपंचमीअंधतंसभावना
के३७॥तवभागनेविषेतो॥एकभागदेषकाल
नोमेलीने॥अनेछठीअचेतभावनाके।तव
भागनेविषेतो॥एकभागआक्रंतकालनोमे
लीने॥३८॥अनेसातमीउचाटभावनाके।तव
भागनेविषेतो॥एकभागआश्रीयेकालनोमे
लीने॥अनेआठमीअभावभावनाके॥३९॥त
वभागनेवीषेतो॥एकभागरागसकालनोमे
लीने॥अनेनवमीमुंन्यभावनाके।तवभाग
नेविषेतो॥एकभागवृषीतकालनोमेलीने॥४०॥

अनेदशमीअसंमृतभावनाकेनवभागनेवी
 षेतो ॥ एकभागवृधीअंतकालनोमेलीने ॥ हावे
 एदशदशभागदशप्रकारे सतभागलेईने ॥ ४१
 वैशटतनुनेपोर्या ॥ अनेहावेधनेजेतत्वकारण
 नामूलतिनघणजे ॥ एकअहंकारघण ॥ अनेवी
 जोस्वकासघणअनेत्रीजोअचंतघण ॥ ४२ ॥
 तिनघणनानवनवभागलेईने ॥ अनेसोरप्र
 कृतीतत्वकारणना ॥ तीनगुणजेएकरजोबीजो
 तमोत्रीजोसात्वीक ॥ ४३ ॥ तेहेमेथीएकएक
 भागलेईने ॥ पिलातीनघणनानवनवभागनेवी
 षेमेलीने ॥ हावेतेकीयाकीयाघणनानवभागने
 वीषे ॥ कीयाकीयागुणनोएकएकभागमेलीने
 ४४ ॥ हावेतेकहीषेछीयेजे ॥ अहंकारघणनानव
 भागनेवीषेतो ॥ एकभागरजोगुणनोमेलीने ॥
 अनेहवेस्वकासघणनानवभागनेवीषेतो ॥ ४५
 एकभागसतोगुणनोमेलीने ॥ अनेहावेअचंत
 घणनानवभागनेविषेतो ॥ एकभागतमोगुणनो
 मेलीने ॥ ४६ ॥ एदसदसभागलेईनेवैशटतनुनेपो
 र्या ॥ अनेहावेअव्याकृतथीचतुरतत्वकारणउ
 तपनयथांछेजे ॥ तेहेमेपेहेलांते ॥ ४७ ॥ आनंदतत्व
 कारणने ॥ मांहांतत्वकारणथयां ॥ तेमेमांहांतत्व
 कारणथी ॥ धनंजेतत्वकारणथयु ॥ अनेआनंदत

त्वकारणथी ॥४८॥ प्रकृतीतत्वकारणथुयुए
 चारतत्वकारणस्रमाक्रतथकीथयं ॥ तेहेमे
 मांहांतत्वकारणने ॥ धनंजेतत्वकारणना न
 वनवभागलेईने ॥४९॥ अनेएकएकभागआ
 नंदतत्वकारणने ॥ प्रकृतीतत्वकारणनेतेहे
 नेवीषेमेलीने ॥ हावेतेकीयाकीयातत्वकारण
 नानवभागनेविषे ॥५०॥ कियाकीयातत्वकार
 णनो ॥ एकएकभागमेलीने ॥ हावेतेकहीयेषीए
 जेमांहांतत्वकारणनानवभागनेविषेतो ॥५१॥
 एकभागआनंदतत्वकारणनोमेलीने ॥ अनेध
 नंजेतत्वकारणनानवभागनेविषेतो ॥ एकभा
 गप्रकृतीतत्वकारणनोमेलीने ॥५२॥ एदसदश
 भागलेईनेवैराटतनुनेपोर्या ॥ अनेहावेपंच
 भागनीरंजननालेईने ॥ अनेपंचभागस्रमा
 क्रतनातेहेनेविषेमेलीने ॥५३॥ एदशभागस्रोह
 वैराटतनुनेपोर्या ॥ अनेहावेकरतानीसंजमभे
 गवृतीनां ॥ तीनचक्षुसत्वजेतेहेमे ॥ तीनभाग
 अनंगचक्षुसत्वनालेईने ॥५४॥ अनेतीनभाग
 पुगज्ञानचक्षुसत्वनालेईने ॥ अनेचतुरभाग
 कालचक्षुसत्वनातेहेनेवीषेमेलीनेएदशभा
 गस्रोहवैराटतनुनेपोर्या ॥५५॥ अनेहावेक
 रतानीप्रकाशबुंलवृतीनांतिनमाहात्वजे तेहे

मेथी अष्टभाग अवीका समाहातना लेईने अ
 ने एकभाग विकासमाहातनो ॥५६॥ अने एक
 भाग कुंभस्तमाहातनो ॥ एदोनु भाग अ विकास
 माहातना अष्टभागने विषमेलीने ॥ एदशमाहा
 दभाग वैराटप्रमाणे लेईने ॥५७॥ वैराटतनुने पो
 ष्या ॥ अने हावे अष्टभाग विकासमाहातना ले
 ईने ॥ अने एकभाग अवीका समाहातनो ॥ अ
 ने एकभाग कुंभस्तमाहातनो ॥५८॥ एदोनु भा
 ग विकासमाहातना अष्टभागने विषमेलीने
 एदशमाहादभाग वैराटप्रमाणे लेईने वैराटत
 नुने पोश्या ॥५९॥ अने हावे अष्टभाग कुंभस्तमा
 हातना लेईने ॥ अने एकभाग अवीका समाहा
 तनो ॥ अने एकभाग विकासमाहातनो ॥६०॥
 एदोनु भाग लेईने पेहेला कुंभस्तमाहातना अ
 ष्टभागने विषमेलीने ॥ एदशमाहादभाग वैराट
 प्रमाणे लेईने ॥६१॥ वैराटतनुने पोश्या ॥ ए प्रकारे
 करतानी क्रीयावृत्तीये ॥ वैराटतनुना विभाग सं
 जुक्तकसाते कहा ॥ अने हावे करतानी क्रीया
 वृत्तीये ॥६२॥ षटमाहादे देवतनुरचांछेजे ॥ तेहे
 नावीभाग कही देखाई एछीये ॥ जेहावे पंचभाग
 रजोगुणना लेईने ॥६३॥ अने ओर पंचना पंच
 भागजे सती गुणतमोगुणने ती नघराजे ॥ अहं

कारघणस्वकाशघणनेऽचंतघण ॥ ६४ ॥ एपं
चनापंचभागलेईने ॥ पैलास्वकाशघणनापंचभा
गनेवीषेमेलीने ॥ एदशभागषटमाहादेवतनु
नेपोरव्या ॥ ६५ ॥ अनेहावेपंचभागतमोगुण
नालेईने ॥ अनेऽप्रोरपंचभागपंचगुणघण
नातेहेनेवीषेमेलीने ॥ एदशभागषटमाहाददे
वतनुनेपोरव्या ॥ ६६ ॥ अनेहावेपंचभागसतो
गुणनालेईने ॥ अनेऽप्रोरपंचभागपंचगुणघ
णनालेईने ॥ पैलासतोगुणनापंचभागनेवी
षेमेलीने ॥ ६७ ॥ एदशभागषटमाहाददेवतनुने
पोरव्या ॥ अनेहावेपंचभागस्वकासघणनाले
ईने ॥ अनेऽप्रोरपंचनापंचभागजेअहंकारघ
णअनेऽचंतघण ॥ ६८ ॥ अनेतीनगुणएपंच
नापंचभागलेईने ॥ पैलास्वकासघणनापंच
भागनेवीषेमेलीने ॥ एदसभागषटमाहाददेव
तनुनेपोरव्या ॥ ६९ ॥ अनेहावेपंचभागअचंत
घणनालेईने ॥ अनेऽप्रोरपंचभागपंचगुणघण
नालेईने ॥ पैलापंचभागअचंतघणनाजे ॥ ते
हेनेवीषेमेलिने ॥ ७० ॥ एदशभागषटमाहाद
देवतनुनेपोष्या ॥ अनेहावेपंचभागअहंकार
घणनालेईने ॥ अनेऽप्रोरपंचभागपंचगुणघ
णनालेईने ॥ ७१ ॥ पैलाअहंकारघणनापंचभा

गनेवीषेमेलीने ॥ एदसभागषटमाहाददेवत
 तुनेपोरमा ॥ अनेहावेपंचभागप्रकृतीतत्वका
 रणनालेईने ॥ ७२ ॥ अनेपंचभागधनंजेतत्व
 कारणनालेईने ॥ एदशभागषटमाहाददेवत
 तुनेपोरमा अनेहावेपंचभागआनंदतत्वका
 रणनालेईने ॥ ७३ ॥ अनेपंचभागसांहंतत्वका
 रणनातेहेनेवीषेमेलीने ॥ एदशभागषटमाहा
 ददेवततुनेपोरमा ॥ अनेहावेअष्टभागनीरंज
 ननालेईने ॥ ७४ ॥ अनेतेहेनेवीषेद्वेभागअमा
 क्रतनामेलीने ॥ एदशभागषटमाहाददेवततु
 नेपोरमा ॥ अनेहावेअष्टभागअमाक्रतनाले
 ईने ॥ ७५ ॥ अनेद्वेभागतेहेनेवीषेनीरंजननामे
 लीने ॥ एदशभागषटमाहाददेवततुनेपोरमा अ
 नेहावेकरतानीसंजमभागवृतीनां ॥ ७६ ॥ ती
 नचक्षसत्वजे ॥ तेहेमेथीअनंगचक्षसत्वनातिन
 भागलेईने ॥ अनेतीनभागवृगज्ञानचक्षसत्व
 नालेईने ॥ अनेचतुरभागकालचक्षसत्वना
 तेहेनेवीषेमेलीने ॥ ७७ ॥ एदशभागषटमाहाद
 देवततुनेपोरमा ॥ अनेहावेकरतानीप्रकाशवृ
 त्तवृतीनांतीनमाहात्वजे ॥ तेहेमेथीअष्टभाग
 ७८ ॥ अवीकासमाहात्वनालेईने ॥ अनेएकभा
 गविकासमाहात्वना ॥ अनेएकभागकुंभस्तमा

सस

॥३४

हात्वनी ॥ एदोनुभागल्लवीकासमाहात्वना
अष्टभागनेवीषेमेलीने ॥७९॥ एदशभाग
षट्माहाददेवतनुनेपोख्या ॥ अनेहावेअष्ट
भागविकाशमाहात्वनालेईने ॥ अनेएकभा
गल्लवीकासमाहात्वनी ॥८०॥ अनेएकभा
गकुंभस्तमाहात्वनी ॥ एदोनुभागपेलाविका
समाहात्वना ॥ अष्टभागनेवीषेमेलीने ॥ ए
दशभागषट्माहाददेवतनुनेपोख्या ॥८१॥
अनेहावेअष्टभागकुंभस्तमाहात्वनालेई
ने ॥ अनेएकभागल्लवीकाशमाहात्वनी ॥ अ
नेएकभागविकासमाहात्वनी ॥८२॥ एदोनु
भागपेलाकुंभस्तमाहात्वना ॥ अष्टभागने
वीषेमेलीने ॥ एदसभागषट्माहाददेवतनु
नेपोख्या ॥८३॥ अनेहावेतमोगुणतादसका
ल ॥ तेमेथीपंचपंचभागलेतांएपंचासभाग
लेईने ॥ अनेहावेअचंतघणनीदशभावता
जे ॥८४॥ तेदशभावतामेथीएकएकभागले
ईनेतेदशभागजे ॥ अनेबीजासतोगुणतांपंच
अतसक्रणनेपंचअवस्ता ॥८५॥ एदशमेथी
दशभागलेईने ॥ अनेत्रीजोखकासघणजे ॥

तेहेनांपंचसंभसक्रणनेपंचविवस्ता ॥ एदशमे
 थीदशभागलेईने ॥ ८६ ॥ अनेचोथोरजोगुणजे
 तेहेनीदशप्राकंस्यामेथीदसभागलेईने ॥ अने
 पंचमोअहंकारघणजे ॥ तेहेनीपंचमात्रानेपं
 चभूतहि ॥ ८७ ॥ एदशमेथीदशभागलेईने ॥ एपं
 चदसोनादशदशभागलेतां ॥ एपंचाशभागथ
 याजे ॥ तेपंचासभागलेईने ॥ पेलारजोगुणना
 दशकालनापंचाशभागनेविषेमेलीने ॥ ८८
 एसतभागषटमाहाददेवतनुनेपोर्या ॥ अने
 हावेरजोगुणीदशप्राकंस्यामेथी ॥ पंचपंच
 भागलेतांपंचासभागथयातेलेईने ॥ ८९ ॥
 अनेओरुअहंकारघणनांपंचभूतनेपंचमात्र
 जे ॥ एदशमेथीदशभागलेईने ॥ अनेबीजोसतो
 गुणजेतेहेनांपंचअंतसक्रण ॥ ९० ॥ अनेपंच
 अवस्ताएदशमेथीदशभागलेईने ॥ अनेत्रीजो
 स्वकाशघणजे तेहेनांपंचसंभसक्रण ॥ अनेपंच
 विवस्ताएदशमेथीदशभागलेईने ॥ ९१ ॥ अने
 चोथोतमोगुणजेतेहेना ॥ दशकालमेथीदशभा
 गलेईने ॥ अनेपंचमोअचंतघणजेतेहेनीदश
 भावनामेथी ॥ ९२ ॥ दशभागलेईने ॥ एपंचदसो
 नादसदशभागलेतां ॥ पंचाशभागथयाजे ॥ ए
 पंचासभागलेईने ॥ पेलारजोगुणीदशप्राकं

सस
॥३५

क्षानापंचासभागजेतेहेनेवीषमेलीने ॥९३॥
एसतभागलेईनेषटमाहादेदेवतनुनेपोष्य
अनेहविसतोगुणनांपंचअंतसकरणअने
पंचअवस्ताजे ॥९४॥ एदशमेथीपंचपंचभाग
लेतां ॥पंचासभागथयातेलेईने ॥अनेओरस्व
कासघणनांपंचसंभसकरणतेपंचविवस्ताजे
९५ ॥ एदशमेथीदशभागलेईने ॥अनेबीजोर
जोगुणजे ॥तेहेनीदशआकंसातेमेथीदशभा
गलेईने ॥अनेत्रीजोअहंकारघणजे ॥९६॥ते
हेनीपंचमात्रानेपंचभूत ॥ एदशमेथीदशभाग
लेईने ॥अनेचोथोतमोगुणजे ॥तेहेनादशकाल
मेथीदशभागलेईने ॥९७॥अनेपंचमोअचंत
घणजेतेहेनीदशभावनामेथीदशभागलेईने ॥
एपंचदशानादशदशभागलेतां ॥पंचाशभागथ
याजे ॥९८॥ एपंचासभागलेईने ॥पेलासतोगुण
नीपंचअवस्ता ॥अनेपंचअंतसकरणनापंचाश
भागनेविषमेलीने ॥एसतभागओरुषटमाहा
देदेवतनुनेपोरुमा ॥९९॥अनेहावेअचंतघणनी
दसभावनाजे ॥तेदशभावनामेथीपंचपंचभाग
लेतां ॥पंचासभागथयातेलेईने ॥१००॥अनेओ
रुतमोगुणनादशकालतेमेथीदशभागलेईने
अनेबीजोस्वकासघणजे ॥तेहेनांपंचसंभसक्र

ए॥ अने पंचविवस्ताजे ॥१०१॥ एदशमेथीदशभा
 गलेईने॥ अनेत्रीजोसतो गुणजेतेहेनांपंचअंत
 सकरण॥ अनेपंचअवस्ता ॥ एदशनादशभागले
 ईने ॥१०२॥ अनेचोथोअहंकारघणजे॥ तेहेनांपं
 चभूतअनेपंचमात्रा ॥ एदशनादशभागलेईने ॥
 अनेपंचमोरजोगुणजे ॥१०३॥ तेहेनीदशआकां
 क्षामेथीदशभागलेईने ॥ एपंचदशानादशदश
 भागलेतां ॥ एपंचासभागथयाजे ॥१०४॥ तेपंचा
 सभागलेईने ॥ पेलान्अचंतघणनीदशभावना
 के ॥ पंचाशभागलीधाहतातेहेनेविषेमेलीने ॥
 एसतभागलेईनेषटमाहाददेवतनुनेपोष्या ॥१०
 ५॥ अनेहावेस्वकाशघणनांपंचसंभसकरण ॥
 अनेपंचविवस्ताएदशमेथी ॥ पंचपंचभागले
 तांपंचासभागथयातेलेईने ॥१०६॥ ओरसतो
 गुणनांपंचअंतसकरण ॥ अनेपंचअवस्ताएद
 शमेथीदशभागलेईनेअनेबीजोअचंतघणजे
 तेहेनीदशभावनामेथीदशभागलेईने ॥१०७॥
 अनेत्रीजोतमोगुणजे ॥ तेहेनादशकालमेथीद
 शभागलेईने ॥ अनेचोथोरजोगुणजेतेहेनीद
 शआकांक्षामेथीदसभागलेईने ॥१०८॥ अने
 पंचमोअहंकारघणजे ॥ तेहेनांपंचभूतअनेपंच
 मात्रा ॥ एदशमेथीदशभागलेईने ॥ एपंचदशाना

दशदशभागलेतां ॥१०९॥ एपंचाशभागययाजे
 एपंचासभागलेईने ॥ पेलास्वकासघणनांपंच
 संभसक्रण ॥ अनेपंचविवस्ता ॥ एदशनापंचा
 सभागलीधाहुता ॥११०॥ तेहेनेवीषेमेलीने ॥ ए
 सतभागलेईने ॥ ओरुषटमाहाददेवतनुनेपोष्या
 अनेहावेअहंकारघणनांपंचभूतअनेपंचमात्रा
 १११ ॥ एदशमेथीपंचपंचभागलेतां ॥ पंचासभा
 गथयातेलेईने ॥ अनेओरुजोगुणनीदशआ
 कंक्षामेथीदशभागलेईने ॥११३॥ अनेबीजोस
 काशघणजे ॥ तेहेनांपंचसंभसक्रण ॥ अनेपंचवि
 वस्ता ॥ एदशनादशभागलेईने ॥ अनेत्रीजोस
 तोगुणजे ॥११४॥ तेहेनांपंचअंतसक्रण ॥ अ
 नेपंचअवस्ता ॥ एदशनादशभागलेईने ॥ अ
 नेचोथोअचंतघणजे ॥ तेहेनीदसभावनामेथी
 दशभागलेईने ॥११५॥ अनेपंचमोतमोगुणजे
 तेहेनादशकालमेथीदसभागलेईने ॥ एपंचद
 सांनीपंचाशभागलेईने ॥ पेलाअहंकारघण
 नांपंचभूतअनेपंचमात्राना ॥११६॥ पंचाशभा
 गनेवीशेमेलीने ॥ एसतभागओरुषटमाहाद
 देवतनुनेपोख्या ॥ एप्रकारेकरतानीक्रीयाबुती
 ये ॥ उलटासुलटीतत्ववेचण्यकरीने ॥११७॥ वैरा
 टनीआघलेईनेमाहाददेवतनुरचांछेतेकहो

अनेहावेकरतानीक्रीयावृत्तीये ॥ सांसांनदेवत
 तुनाविभागवेचण्यकरीनेपोरव्याष्टे ॥ ११८ ॥
 तेकहीयेष्टीयेजेपंचभागरजोगुणनालेईने अ
 निपंचभागअहंकारघणना ॥ तेहेनेवीषमेली
 ने ॥ एदशभागलेईने ॥ ११९ ॥ देवतनुनेपोरव्या ॥
 अनेहावेपंचभागसतोगुणनालेईने ॥ अनेपंच
 भागस्वकासघणनातेहेनेविषमेलीने ॥ एदश
 भागदेवतनुनेपोरव्या ॥ १२० ॥ अनेहावेपंचभाग
 तमोगुणनालेईने ॥ अनेपंचभागअचंतघणना
 मेलीने ॥ एदशभागदेवतनुनेपोरव्या ॥ १२१ ॥ हा
 वेप्रकृतीतत्वनापंचभागलेईने ॥ अनेपंचभा
 गधनंजेतत्वनामेलीने ॥ एदशभागदेवतनुने
 पोरव्या ॥ १२२ ॥ अनेहावेपंचभागआनंदतत्वका
 रणनालेईने ॥ अनेपंचभागसांहांतत्वकारण
 नामेलीने ॥ एदशभागदेवतनुनेपोरव्या ॥ १२३ ॥
 अनेहावेअष्टभागनीरंजननालेईने ॥ अनेद्व
 भागअव्याकृतनामेलीने ॥ एदशभागदेवतनुने
 पोरव्या ॥ १२४ ॥ हावेअष्टभागअव्याकृतनालेई
 नेअनेद्वभागनीरंजननामेलीने ॥ एदशभागदे
 वतनुनेपोरव्या ॥ १२५ ॥ हावेकरतानीसंजमभोग
 वृत्तीनां ॥ तीनचक्षुसत्वजेतेहेमेथी ॥ अनंगचक्षु
 सत्वनातीनभागलेईनेअनेतीनभागवृगज्ञान

चक्षुसत्वनालेईने ॥१२६॥ अने चतुरभागका
 लचक्षुसत्वनामेलीने ॥ एदसभागदेवतनु
 नेपोष्या ॥ अने हावेकरतानी प्रकासबूंखव
 तीनां ॥ तिनमाहात्वजे ॥१२७॥ तेहेमेथी अष्ट
 भागअविकासमाहात्वनालेईने ॥ एकभाग
 वीकाशमाहात्वनो अने एकभागकुंभस्तमा
 हात्वनो ॥१२८॥ एदोनुभागअविकासमाहात्व
 नो अष्टभागमेमेलीने ॥ एदशभागदेवतनुने
 पोष्या ॥ हावेविकासमाहात्वना अष्टभागले
 ईने ॥१२९॥ अने एकभागअवीकासमाहात्व
 नो ॥ अने एकभागकुंभस्तमाहात्वनोमेलीने
 एदशभागदेवतनुनेपोष्या ॥१३०॥ अने हावेअ
 ष्टभागकुंभस्तमाहात्वनालेईने ॥ अने एकभा
 गअवीकासमाहात्वनो ॥ अने एकभागवी
 कासमाहात्वनोलेईने ॥१३१॥ एदशभागदेव
 तनुनेपोष्या ॥ हावेतमोगुणनादसकालमांथी
 पंचकालमेथी तवनवभागलेईने ॥१३२॥ अ
 ने एकभागबीजापंचकालमेथीमेलीने ॥ एद
 सभागदेवतनुनेपोष्या ॥ तेकीयाकीयानान
 वनवभाग ॥ अने कीयाकीयानो एक एकभा
 ग ॥१३३॥ तेकहिएषीयेजेसभावकालअनेका
 मनाकाल ॥ अने आक्रंतकालअने आश्ररी

येकालअनेद्वेसकाल ॥१३४॥ एपंचकालमेथी
 नवनवभागलेईने ॥ अनेहावेएकप्रथककाल
 अनेबीजेवप्रीतकाल ॥ अनेत्रीजेअज्ञानका
 ल ॥१३५॥ अनेचोथोरगसकाल ॥ अनेपंचमो
 बुधीअंतकाल ॥ एपंचकालमेथीएकएकभाग
 मेलीने ॥ एदसदसभागदेवतनुनेपोष्या ॥१३६॥
 हावेअचंतघणनिदसभावनामांथीपंचभाव
 नानानवनवभागलेईने ॥ अनेपंचभावनामे
 थीएकएकभागमेलिने ॥१३७॥ एदसदसभाग
 देवतनुनेपोर्यातेकेईकेईपंचभावनामेथी
 नवनवभागअनेकेईपंचभावनामांथीएक
 एकभाग ॥१३८॥ तेकहीपेछीयेजे ॥ एकअहंत
 भावना ॥ अनेबीजीसंभभावना ॥ अनेत्रीजी
 अचेतभावना ॥ अनेचोथीउचाटभावना ॥१
 ३९॥ अनेपंचमीमुंन्यभावना ॥ एपंचभावना
 मेथीनवनवभागलेईने ॥ अनेहावेएकवीसर
 जनभावना ॥ अनेबीजीतींडाभावना ॥१४०॥ अ
 नेत्रीजीअंधतंसभावना ॥ अनेचोथीअभावभा
 वना ॥ अनेपंचमीअसांअतभावना ॥ एपंचभा
 वनामेथी ॥ एकएकभागमेलीने ॥ एदसदसभा
 गमेलीने ॥१४१॥ देवतनुनेपोर्या ॥ अनेहावेसतो
 गुणनांपंचअंतसक्रणमेथी ॥ नवनवभागलेई

सस

॥३८॥

१४४

ने अने एक एक भाग पंच अवस्ता मेथी मेली
ने ॥१४२॥ एदशदशभाग देवत तुने पोरव्या ॥
अने हावे स्वका सघणता पंच संभस क्रण मे
थी ॥ नवनवभाग लेईने ॥ अने एक एक भाग
पंच विवस्ता मेथी मेलीने ॥१४३॥ एदशदशभा
ग देवत तुने पोरव्या ॥ अने हावे रजोगुण ती द
शा आकांक्षामांथी पंच आकांक्षामेथी नवन
वभाग लेईने ॥ अने बीजी पंच आकांक्षामेथी
एक एक भाग मेलीने ॥ एदशदशभाग देवत
तुने पोरव्या ॥ हावे ते केई केई आकांक्षाना न
वनवभाग ॥ अने केई केई आकांक्षानो ॥१४४॥
एक एक भाग ते कही येथी येजे एक श्रवण आ
कांक्षा ॥ अने बीजी सुगंध आकांक्षा ॥ अने त्री
जी ती रक्षण आकांक्षा ॥ अने चोथी वीसी ये आ
कांक्षा ॥१४६॥ अने पंचमी गवंत आकांक्षा ॥ ए
पंच आकांक्षामेथी नवनवभाग लेईने ॥ हावे
बीजी पंचते एक उचार आकांक्षा ॥ अने बीजी
सीत उष आकांक्षा ॥१४७॥ अने त्रीजी ग्राहा
ज आकांक्षा ॥ अने चोथी मल विसर्जन आकां
क्षा ॥ अने पंचमी सुधापीपासा आकांक्षा ॥ ए
पंच आकांक्षामेथी एक एक भाग मेलीने ॥१४
८॥ एदशदशभाग देवत तुने पोरव्या अने हावे

३८

अहंकारघण्ठीयंचभूतानेपंचमात्राउत्प
 नथईछे॥अनेपंचमात्रामेथी॥१४९॥नवनव
 भागलेईने॥अनेएकएकभागपंचभूतमेथो
 मेलीने॥एदशदशभागदेवतनुनेपोरयो॥एप्र
 कारनांतत्वसंजुक्त॥१५०॥करतानीक्रीयावृ
 तीयेतेत्रीशक्रोडप्रकारनांदेवतनुरचां॥पणस
 रवजडवततंतूरहां॥ताहारेकरतारेकरतानी
 सजीवंनवृतीपिरककरी॥१५१॥तेकरतानीस
 जीवंनवृतीयेकरीने॥सर्वघाटबुधीयांम्या॥जे
 टलातत्वविभागपोष्याताते॥सर्वदेहीनेविषेस
 फुरीरहा॥१५२॥पणकोईहलणचलणचेष्टाक
 स्वालभयातही॥ताहारेनीजसजाणस्वरूपकर
 तारेकरताअंशवृतीयेकरीने॥पोतानाअंशपे
 रककरताहवा॥१५३॥तेकरतानाअंशतेनीजजा
 णस्वरूपजाणवातेनीजजाणस्वरूपअंशपेरक
 थयेकरीनेकरतानीप्रकाशबुलबुतीनां॥तिन
 माहात्वचेतनकरां॥१५४॥तेतीनमाहात्वचेतन
 थईने॥तारपीछेकरतानीसंजसभोगवृतीनां
 तीनचक्षुसत्वचेतनकरां॥१५५॥तेतीनचक्षु
 सत्वचेतनथईनेकरतानीईष्टावृतीनांनीरंतन
 अनेअव्याकृतनांविभागचेतनथईने॥चारत
 त्वनानाविभागचेतनकरा॥१५६॥तेआरतत्व

तिकीयांकीयांतेकहीयेछीये॥जेएकमांहांतत्व
 अनेबीजुमानंदतत्वअनेत्रीजुधनंजेतत्व
 १५७ ॥ अनेचोशुपुक्रतीतत्व ॥ एच्यारतत्वता
 वीभागचैतंनथईने ॥ त्रैण्यगुणनेत्रैण्यगणना
 वीभागनेचैतंनकसा ॥ तेत्रैण्यगुणनेत्रैण्यघ
 एना ॥ १५८ ॥ विभागचैतंनथईने ॥ प्रथंमंसतो
 गुणोसतोगुणनांपंचअंतसक्रण ॥ नेपंचअव
 स्ताचैतनकरीहावेरजोगुणेरजोगुणतीदशअ
 कंसाचैतंनकरी ॥ हावेतमोगुणेतमोगुणना
 दशकालचैतंनकसा ॥ हावेतारपीछेअहंका
 रघणेअहंकारघणतीपंचमात्रानेपंचभूत
 चैतंनकरां ॥ १६० ॥ हावेतारपीछेस्वकासघ
 णेस्वकासघणनांपंचसंभसक्रणनेपंचविव
 स्ताचैतंनकरी ॥ १६१ ॥ हावेतारपीछेअचंत
 घणेअचंतघणतीदशभावनाचैतंनकरीहा
 वेएप्रकारेअन्योअन्यचैतनथईने ॥ जेटलांत
 लुपोषांतांतेटलां ॥ १६२ ॥ पोतपोतानांहलए
 चलएचेष्टाकरवालाग्या ॥ दोहा ॥ देवतत्वत
 लुपोषक ॥ अदभूतकंदकराल ॥ षटगुणघण
 सहीतहीजेही ॥ ओरुकहसेईडविसाल ॥ १६३
 जेहीतनुतत्ववईराटके ॥ पोषेहवृतीपराय ॥ के
 हेकुवेरवीचरणतीनु ॥ नारण्यदाससुण्यताय

१६४ ॥ अथ वैराटतनुपंचीकरण क्रतु देवावे
 ननामस्रसमोकंद ॥ ७ ॥ प्रारंभ ॥ हावेते वैराटने
 षट्माहाददेवनी आद्यलेईने ॥ आंन्य सरवदे
 वने विषे ॥ कीयां कीयांत त्वविभागनी ॥ केईकेई
 चिष्टायथे ॥ १ ॥ हावेते कहीये छीये जे ॥ प्रथंमता
 स्वट्माहाददेवतनुनी आद्यलेईने ॥ वैराटतनु
 नांत त्वनी चिष्टा कहीये छीये ॥ २ ॥ हावेते वैराट
 तनुने जे टलावी भाग पोख्याता जेते सरवेईना
 वैराटने वीषे तनुबंधाईने एक वैराटथयुछे ॥ ३ ॥
 हावेते वैराटने वीषे ॥ जे जे हेना विभागतनुनी क्रि
 या त्यारी त्यारी थायथे ॥ ते देवाई ए छीये जे प्रथम
 अहंकार घणनां पंचभूत जेते हे मे प्रथवी तत्वना
 ध ॥ नवभाग लेईने अने ते हेने वीषे ओर चतुर
 तत्वना ॥ चतुरपा भाग नो एक भाग मेलीने ॥ एद
 सभाग पोख्याता ते कुण ॥ ५ ॥ हावेते कहीये छी
 ये जे ॥ नवभाग प्रथवी तत्वना पोख्याता ते हे नो
 तो ॥ सरवपर्वत से हे व्रत मान मे रूप रवतथयो
 द ॥ अने हावेते हेने वीषे पाभाग जलनो पोख्यो
 तो ते कुण ॥ हावेते कहीये छीये जे ॥ पाभाग जलने
 ते जे एय करीने ॥ परवत जडाकार जतमत बाधी
 रहाथे ॥ ७ ॥ ते जलने वीभागे करीने बाध्या रहा
 थे ॥ हावेते कीमजाणी ये जे जाहारे पाखाणने ल

ज्ञानेवीषेजलावीनेचूतोकरेछे ॥८॥ ताहारेज
 लनोवीभागजलीजेकरीने ॥ ताहारेपासांणचु
 जतमतपणुछुटीनेविषरीजायछे ॥ तेजलनोवी
 भागजलीजेकरीने ॥९॥ वीषरिजायछेएपुकारे
 प्रथवीतत्वनेविषे ॥ जलनोविभागजांणवो अ
 नेहावेतेहेनेविषेपाभागवायुनोतेजे ॥१०॥ परव
 तनेवीषेसांसाणसक्तीरहीछे ॥ तेणेकरीनेजल
 नुसांसाणकरीजायछे ॥ तेवायुनोवीभागजांण
 वो ॥११॥ अनेतेहेनेविषेपाभागआकाशतत्व
 नोतेजेछेइनेवीषेपासांणमेजलपरवेसकरेछे
 तेआकासनोविभागजांणवो ॥१२॥ अनेहावेते
 पासांणजलनुसांसाणकरीने ॥ तुरतनातुरतसु
 कईजायछे ॥ तियाभागअज्ञीतत्वनोजांणवो ॥१
 ३॥ अनेहावेजलतत्वनातवभागलेईने ॥ अने
 ओरचतुरतत्वनाचतुरपाभागनो ॥ एकभागते
 हेनेवीषेमेलीने ॥ एदशभागवेराटतनुनेपोख्या
 तातेकुण ॥१४॥ हावेतेकहीयेछीयेजेतवभाग
 जलतत्वना ॥ वैराटतनुनेपोख्यातातेहेनुतो
 वैराटनेवीषेअवनीकेनीचेमाहादजलययुछे
 १५॥ हावेमाहादजलतेजेपरीवुतराजाना ॥ रथने
 पाईयेकरीनेअवनीनुआवुणछेदायेसातस
 मुड्डमडीआवाछे ॥१६॥ तेसातसमुड्डतेमाहा

दजलनातसीयाऊरीनेभरईरह्याछे॥तेहेमेथीते
 माहादजलजांणवु॥अनेतेहेनेवीषेपाभागप्रथ
 वीतत्वनोपोरयोतोतेकुण॥१७॥हावेतेकहीए
 छीयेजेपसुकाएमनुसनीआद्यलेईनेजलनीउ
 परतरछे॥अोरुअनेहजारोमणबोजलेईने॥१८
 नावतरांजायछे॥अनेडुवतांनथीतेजलनेवी
 षेप्रथवीनीकणतायेकरीनेनथीडुवतां॥ए
 प्रकारेमाहादजलनेवीषेप्रथवीतत्वजांणवु॥१९
 अनेहावेमाहादजलनेविषे॥पाभागअज्ञीतत्व
 नोपोरयोतोतेकुण॥हावेतेकहीयेछीयेजे॥मा
 हादजलनेवीषेपाभागअज्ञीनोपोरयोतोतेहे
 नोतो॥२०॥वडवादलअज्ञीथईरह्योछे॥तेनीस
 दीननुचोसटजोजनजलपरलेकरेछे॥तेकी
 मजांणीयेजेपरभात्यकाले॥जलनीउपरधुम
 रनीकसेछे॥२१॥तेवडवानलअज्ञीजलनेवा
 लेछे॥तेणेकरीनेधुमरनीकसेछे॥एप्रकारे
 माहादजलनेविषेअज्ञीनोवीभागरह्योछे॥
 २२॥अनेहावेमाहादजलनेवीषेपाभागवा
 युनोपोरयोतोतेकुण॥हावेपाभागवायुनोते
 जेजलनेचालवापएरह्युछे॥२३॥तेवायुनेवी
 भागेकरीनेजलगवनकरेछे॥एप्रकारेजलने
 वीषेवायुनोवीभागरह्योछे॥अनेहावेमाहाद

जलनेवीषेपाभाग ॥२४॥ आकाशतत्वनोषोषो
 तोतेकुण ॥ हावेपाभाग आकासतोतेजेघेरा
 जलनेवीषेनावचालेछेताहारेदुरमीयेकरीने
 २५ ॥ जुवेछेजेमछमगरादीकनी आछलेईने ॥
 हुंडाजलमेपरवतदृष्टीयेआवेछे ॥ तेआकास
 नाभागनेअविकासेदेषायछे ॥२६॥ अनेओरु
 नीरमलजलनेवीषेअवतीनोआवेसजणाय
 छे ॥ अनेदृष्टीरोधनथीपांमती ॥ तेआकाशनी
 विभागजाणवो ॥२७॥ एप्रकारेमाहादजलनेवी
 षे ॥ चतुरतत्वनाचतुरपाभागरह्याछे ॥ अनेवे
 राटनेवीषेअज्ञीतत्वनानवभागलेईने ॥२८॥
 तेहेनेवीषेओरचतुरतत्वना ॥ चतुरपाभागने
 एकभागमेलीने ॥ एदशभागपोष्यातातेकुण ॥
 हावेतेकहीयेछीयेजे ॥२९॥ नवभागअज्ञीनापो
 ष्यातातेहेनोतो ॥ वैराटनामाहादसुन्यउद्रनेवी
 षे ॥ माहादअज्ञीथईनेरह्योछे ॥ तेकीमजांणीयेजे
 ३० ॥ जाहारेबुंस्तानानीतपरलानेवीषे ॥ सुरज
 नीएककलाछेतेहेनेवीषे ॥ बीजीपंद्रकलापरवे
 सथईने ॥ आंबावरणीप्रथवीतपेछे ॥३१॥ तेमाहा
 अज्ञीनेवीषेथीकलाआवीनेतपेछे ॥ तेमाहाअ
 ज्ञीजांणवो ॥ अनेहावेतेविषेपाभागजलनोतेजे
 आंबावरणीप्रथवीतप्यापुत्रमाहाजलनी ॥३२॥

वृष्याथर्त्नेसरखप्रथवीजलमयेकरीतोषेष्टे ॥ ते
 माहादक्षिणीनेविषेपाभागजलनोजांणवो ॥ अने
 तेहेनेवीषेपाभागवायुनोपोष्योतेतेकुण ॥ ३३ ॥
 हावेतेकहीएषीयेजे ॥ माहावृष्यानाजलनेपाष्टो
 माहाक्षिणीसोसणकरीलेष्टे ॥ तेसोसणसकीते
 माहाक्षिणीमेपाभागवायुनोजांणवो ॥ ३४ ॥ अने
 तेहेनेवीषेपाभागप्रथवीनोतेजे ॥ अक्षिणीनीज्वाला
 तुरूपबंधायष्टे ॥ तेरूपनेवीषेपीलोरंगदेषायष्टे
 तेप्रथवीनोविभागजांणवो ॥ ३५ ॥ अनेक्षिणीनो
 तोलालरंगष्टे ॥ अनेक्षोरक्षिणीनीकलानोरूप
 बंधायष्टे ॥ तेप्रथवीनेविभागेकरीनेबंधायष्टे ॥ अने
 हावेतेहेनेवीषेपाभागआकाशनोतेजे ॥ ३६ ॥ अक्षिणी
 नाप्रकासनेवीषेअविकाशयणुरह्युष्टे ॥ एप्रका
 रेचतुरतत्वनाचतुरपाभागरह्याष्टे ॥ माहाक्षिणी
 नेवीषे ॥ ३७ ॥ अनेहावेवैराटनेवीषेनवभागवायु
 तत्वनालेईने ॥ अनेतेहेनेवीषेक्षोरचतुरतत्वना
 चतुरपाभागनोएकभागमेलीने ॥ एदशभागपोष्या
 तातेकुण ॥ ३८ ॥ हावेतेकहीयेष्टीयेजेनवभागवायुना
 पोष्यातातेहेनोतो ॥ वैराटनेविषेमाहादवायुथयो
 ष्टे ॥ तेमाहादवायुकेहेतांतेजेहेना ॥ ३९ ॥ अंसतुस
 सुमारचक्रयुष्टे ॥ तेजेहेनेआधारेसरवदेशरह्या
 ष्टे ॥ अनेहावेतेहेनेवीषेपाभागप्रथवीतत्वनोपो

सस.

॥४२॥

ष्योतोतेकुण ॥४०॥ हावेतेकहीयेछीयेजे पाभाग
प्रथवीतत्वनोतेजेससुमारचक्रनाप्रथकप्रथ
कुमालनेवीषेसरवदेवरह्याछे ॥४१॥ तेसरवेदे
वनेधारणकरीरेहेछे ॥ तेधारणाशक्तीतेवायु
नेवीषे ॥ पाभागप्रथवीतत्वनोजाणवो ॥ अनेहा
वेवायुनानवभागनेवीषे ॥४२॥ पाभागजल
नोपोष्योतोतेकुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे पाभा
गजलनोतेजे ॥ उंतालेशियालेधुमेरनीआद्य
लेईने ॥ मेघरवोअनेबुसांणवसेछे ॥४३॥ तेवायु
नेवीषेपाभागजलनोजाणवो ॥ अनेहावेवा
युनेवीषेपाभागअज्ञीनोतेकुण ॥ हावेतेकही
येछीयेजे ॥ पाभागअज्ञीनोतेजेससुमारचक्र
नेवीषे ॥४४॥ गवंनकरवानावेगनीआक्रतीर
हीछे ॥ तेपाभागअज्ञीनेकरीतेरहीछे ॥ तेवायु
नेवीषेअज्ञीनोविभागजाणवो ॥४५॥ अनेहा
वेवायुनेवीषे ॥ पाभागआकासनोपोष्योतो
तेकुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ पाभागआकाश
नोतेजे ॥ ससुमारचक्रनासरवमालतां ॥४६॥
तारामंडांणआरपारदेषायछे ॥ अनेदृष्टीरोध
नथीपांमती ॥ तेवायुनेवीषेआकाशनोवीभा
गजाणवो ॥ एप्रकारेवायुनेवीषेचतुरतत्वना
४७ ॥ चतुरपाभागसेहेव्रतमानवैराटनेवीषेवा

युरहोषे ॥ अनेहावेवैशटतनुनेवीषेनवभाग
 आकासतत्वनालेईने ॥ ४८ ॥ अनेओरचतुर
 तत्वनाचतुरपाभागतो ॥ एकभागतेहेनेवीषे
 मिलीने ॥ एदशभागपोष्यातातेकुण ॥ हावेतेक
 हीयेछीयेजे ॥ ४९ ॥ तेहेनुतोवैशटनेवीषेमाहा
 दआकाशथयु ॥ तेमाहादआकाशकेहेतातेजे
 आगणपंचाशवायुनीआद्यलेईने ॥ ५० ॥ द्वादश
 मेघमंडांणजेतेहेनीउप्रांत्यसुंत्यरहुषे ॥ तेहेने
 माहादआकाशकहीयेछीये अनेहावितेमाहा
 दआकाशनानवभागनेवीषे ॥ ५१ ॥ पाभागप्र
 थवीतत्वनोपोषोतोतेकुण ॥ हावेतेकहीयेछीए
 जे ॥ माहादआकाशनेवीषेगरुडहंशनीआद्य
 लेईनेदेववैमानप्रधरगवनकरेछे ॥ ५२ ॥ तेमा
 हादआकासनेवीषेपाभागप्रथवीनेआधारेक
 रीनेगवंनकरेछे ॥ एप्रकारेमाहादआकासनेवी
 षेपाभागप्रथवीनोजांणवो ॥ ५३ ॥ अनेहावेमाहा
 दआकासनेविषे ॥ पाभागजलनोपोष्योतोतेकु
 ण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजेपाभागजलनोतेजेजा
 हारेआवुणरहीतनीरमलआकाशहोय ॥ ५४ ॥
 ताहारेओसप्रवनीपरजांमेछेजेऊकलपडे
 छे ॥ तेमाहादआकासनेवीषेपाभागजलनो
 जांणवो ॥ ५५ ॥ अनेहावेमाहादआकासनेवीषे

पाभागअज्ञीनोपोरष्योतोतेकुण ॥ हावेतेकही
 येष्ठीयेजे ॥ पाभागअज्ञीनोतेमाहादसुंन्यनेवीषे
 ५६ ॥ कोइसमेआकाशवांणीघायछे ॥ तेआका
 शवांणीनेवीशेभयंकारयएरहछे ॥ तेभयंकार
 रुपीतगाजपएते ॥ १५७ ॥ माहादसुंन्यनेवीषेपा
 भागअज्ञीनोजांणवो ॥ अनेहावेतेआकाशन
 भयंकारनेनीचोउतारीनेसप्तदीपनालोकने
 श्रवणकरावेछे ॥ ५८ ॥ तेमाहादआकाशनेवीषे
 पाभागवायुनोपोष्योतोजेतेसब्बनाभयंकार
 ने ॥ नीचोउतारीनेश्रवणकरावेछे ॥ ५९ ॥ एअ
 नुभवेकरीनेमाहासुंन्यनेवीषे ॥ पाभागवायुनो
 जांणवो ॥ हावेएयुकारेपंचभूत ॥ दशदशभागवैरा
 टतनुनेपोरष्यातां ॥ तेहेनांवीचरणकहंसां ॥ ६० ॥
 अनेहावेरजोगुणनीदशआकंसाजे ॥ तेहेमेसुगं
 धआकंसातापंचभाग ॥ अनेएकभागतेहेनेवी
 शे ॥ मलवीसरजंनआकंसानोमेलीने ॥ ६१ ॥
 एषटभागलेइनेअनेओर ॥ चतुरभागअहंकार
 घणनीगंधमात्रानातेहेनेवीषेमेलीने ॥ एदश
 भागवैराटतनुनेपोष्यातातेकुण ॥ ६२ ॥ हावेते
 कहीयेष्ठीयेजेवैराटनेवीषेरजोगुणनीसुगंध
 आकंसातापंचभागनेवीषेचतुरभागअहं
 कारघणनीगंधमात्रानीसंधेपोरष्याताजे ॥ ६३ ॥

तेहेनीतोवैराटतनुनेवीषेमतीकारूपीप्रथवीच
 इरहीछे ॥ अनेहवितेहेनेवीषेएकभागमलवीस
 रजनआकंक्षानोपोष्योतोतेकुण ॥ ६४ ॥ हवितेकही
 ऐछीयेजे ॥ एकभागमलवीसरजननोते ॥ जाहा
 रेल्लगरभारवनसपतीनांबीजग ॥ प्रथवीनेवी
 शीघीउगीनीकलेछे ॥ ६५ ॥ तेकालेसरवनाअं
 कुरपीतरंगनोवीभागलेईनेउदेयांमेछे ॥ तेपी
 तरंगतेप्रथवीनेवीषेएकभागरजोगुणनीम
 लवीसरजनआकंक्षानोजाणवो ॥ ६६ ॥ तेकी
 मजांणीयेजेबालकजांहांसुधीपेपांनकरीनेरे
 हेछे ॥ तांहांसुधीमलवीसरजनपीतरंगनुजक
 रेछे ॥ तीमप्रथवीतत्वपणजलनुजपांनकरीने
 ६७ ॥ रेहेछेतेजमाटेतेहेनेपणपीतरंगनुमलवी
 सरजनथायछे ॥ अनेहावेवैराटनेवीशेपंचभाग
 गंधआकंक्षानातेजे ॥ ६८ ॥ अणारभारवनसप
 तीनीसुगंधीनीआद्यलेईनेपसुपंखीमनुषना
 देहपातथायछे ॥ अनेओरतेहोनामलवीसरज
 ननीदुरगंधीने ॥ ६९ ॥ वैराटतनुग्रहणकरीनेपो
 तानासरूपतेवीषेलीनपमाडीदेछे ॥ अनेतारपी
 छेतेदुरगंधीने ॥ सुगंधीनीवासनांवैराटनेवीषे
 ७० ॥ षोजीनथीपावती ॥ तेसामाटेजेपंचभागगं
 धआकंक्षानावैराटनेवीषेरहाछेतेसरवसुगंधी

तुग्रहणकरीलेछे ॥७१॥ एप्रकारेवैराटनेवीषे
 सुगंधआकंक्षानीताशीकाजांणवी ॥ अनेहा
 वैवैराटनेवीषे ॥ रजोगुणनीक्षुधापीपासाआ
 कंक्षाना ॥७२॥ पंचभागनेवीषेएकभागवीसी
 येआकंक्षानोमेत्नीनेएषटभागलेईने ॥ अने
 ओरअहंकारघणनीरसमात्राना ॥ चतुर्भा
 गतेहेनेवीषेमेत्नीने ॥७३॥ एदशभागपोरमा
 तातेकुण ॥ हावितेकहीयेछीयेजे ॥ रजोगुणनीक्षु
 धापिपासाआकंक्षानापंचभागतुतोवैराट
 नेवीषे ॥७४॥ आभ्ररुपीवादलययुछे ॥ अने
 अहंकारघणनीरसमात्राना ॥ चतुर्भागतु
 तोतेआभ्रनेविषेवृष्यारुपीजलययुछे ॥ अने
 तेहेनेवीषे ॥७५॥ एकभागवीसीयेआकंक्षा
 नोपोष्योतोजे ॥ तेहेतोतोतेहेनेविषे ॥ कामरुपी
 विदुतअस्त्रीथयोछे ॥ तेकीमजांणीयेजे ॥७६॥
 हावितेहेचुदृष्टांतकहीयेछीयेजेकोईअस्त्रीपु
 रुषनासंजमनीआद्येप्रथमदेषतांपेहेलोपु
 रुषनेवीषेकामचलकीतथायतो ॥७७॥ तेषु
 रुषनेविषेथीअस्त्रीनेविषेपरीपुरणरतुदां
 नहोय ॥ हावितेपुरुषनेकुणअंगेकामचलकी
 तहोय ॥ ताहारेरतुदांनवृष्यापरीपुरणहोय
 ७८ ॥ अनेजेहेणेकरीनेअस्त्रीनेअभरहेनेस्वा

तीपांसे ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ जाहारेपुरुषनी
 नाभीनीचेदाहेनीकुषायेकांमचलकीतहो
 य ॥ ७९ ॥ तोपुरुषअस्त्रीनेपरीपुरणरतुदांन
 आपिसके ॥ अनेतेबिंदुनोग्रभरहेतेपरीपुर
 णआर्बलभोगवे ॥ अनेजोकदाचीकनेपुरु
 षनेआंन्यअंगेकांमचलकीतहोयते ॥ ८० ॥
 पुरुषअस्त्रीनोसंजमकरेतो ॥ परीपुरणरतुदां
 नवुरव्यातवहोय ॥ अनेजोवृष्याहोयतोग्रभ
 नवरहे ॥ अनेजोग्रभरहेतोअलफआयूसभो
 गवे ॥ ८१ ॥ हावेएहष्टांतेकरीनेवेराटनेवीषेवी
 सीयेआकंक्षाना ॥ एकभागनोवीदुतअस्त्रीथ
 योछे ॥ तेहेनीक्रीयाकहीयेछीये ॥ ८२ ॥ तेजाहा
 रेप्रथवीनीआतुरतानेवृष्यारतुनीआद्येप्र
 थमअसाडीपंचमीनेदीनवेराटनेविषे ॥ कां
 मरूपीवीदुतअस्त्रीचलकीतहोयतो ॥ ८३ ॥
 प्रथवीनेपरीपुरणवुरव्यारतुदांनआपीसके
 हावेजंमपुरसनीदाहेनीकुषाये ॥ नाभीनीनी
 चेकांमचलकीतकहोहते ॥ ८४ ॥ तीमयांहां
 वेराटतनुनेविषे ॥ केस्कुण्येविदुतअस्त्रीचल
 कितहोयतो ॥ प्रथवीनेपरीपुरणवृष्यारतुदांन
 आपिसके ॥ ८५ ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ वेराट
 तनुनीउत्रायणदसायेईसांनकुण्येनेविषे ३

डीमूलनेवीदूतअज्ञीचलकीतहोयतो ॥८७॥
 तेप्रथवीनेपरीपूरणवुष्यारतुदांतआपीसके
 अनेजोकदाचीकनेवैराटनेवीषे ॥आंत्यदसा
 कुणनेविषेवीदूतअज्ञीचलकीतहोयतो ॥८८॥
 तेप्रथवीनेपरीपूरणवुष्यारतुदांतआपीतवस
 के ॥हावेएप्रकारेवैराटनेवीषे ॥वीसीयेआकां
 स्यातोएकभाग ॥तेवीदूतअज्ञीजांणवो ॥८९॥
 अनेहावेवैराटनेवीषेरजोगुणतीनीरक्षणआ
 कंस्यातापंचभाग ॥अनेएकभागगवनआकं
 स्यातो ॥एषटभागलेईने ॥९०॥ अनेओरूअहं
 कारघणती ॥रूपमात्रानाचतुरभागतेहेनेवी
 षेमेलीने ॥एदशभागपोष्यातातेकुण ॥हावेते
 कहीयेछीयेजे ॥९१॥ रजोगुणतीनीरक्षणआ
 कंस्याता ॥पंचभागतोसंसदसरूपेवैराटनेवीषे
 व्यापकरह्याछे ॥हावेतेकीमजांणीयेजे ॥९२॥ जे
 हेनाकंचीतअंशतोचंडमाथईनेआकाशनेवी
 षेरह्याछे ॥अनेहावेअहंकारघणतीरूपमात्रा
 ना ॥चतुरभागतेहेनेवीषेपोष्याताजे ॥९३॥ तेही
 पणकाएपासांणनाअज्ञीवत ॥अव्यक्तमांन
 वैराटनेवीषेव्यापकरह्याछे ॥हावेतेकीमजांणी
 येजे ॥९४॥ भाईजेहेनोकंचीतअंसरजनोसूरी
 येथईनेआकासनेवीषेरह्याछे ॥तेअहंकारघ

लनीरूपमात्राना ॥ चतुरभागपोरख्यजेतेहेनो
 अंससुरीयेजांणवो ॥ ९५ ॥ अनेहावेतेहेनेवीषे
 एकभाग ॥ रजोगुणनीगवनआकंक्षानोपोरख्यो
 तोजे ॥ तेहेनुतोचंडसुरजनेविषेगवनकरवाप
 एउथईरहूछे ॥ ९६ ॥ अनेहावेरजोगुणनीसीतउ
 सआकंक्षानापंचभागजे अनेएकभागग्रहाऊ
 आकंक्षानो ॥ एषटभागलेईने ॥ ९७ ॥ अनेओरु
 अहंकारघणनीसप्रसमात्रानाचतुरभागते
 हेनेवीषेमेलीने ॥ एदशभागवैराटतनुनेपोरख्य
 तातेकुण ॥ ९८ ॥ हावेतेकहीएछीयेजे ॥ रजोगुण
 नीसीतउएआकंक्षानापंचभागतीतो ॥ वैराट
 तनुनेवीषेतुचाभागथईरहूछे ॥ ९९ ॥ तेजेएक
 रीनेईडकटाक्षपडदेवेटाईनेगोलाकारजतमत
 रहूछे ॥ अनेहावेतेहेनेवीषेएकभागग्रहाऊआ
 कंक्षानोपोरख्योतोजे ॥ १०० ॥ तेसेसकोरंमनेमी
 डकनीपीठनेग्रहीरहीने ॥ वैराटअसंषकालतु
 अडगएक ॥ सकांतपरथीररहूछे ॥ १०१ ॥ तेएकभा
 गग्रहाऊआकंक्षानेकरीनेरहूछे ॥ अनेहावेचु
 तुरभागअहंकारघणनी ॥ सप्रसमात्रानापोष्य
 तातितो ॥ वैराटनेवीषेव्यापकरहूछे ॥ १०२ ॥ ते
 कीमजांणीयेजे जेहेनाअंसनीवैराटनेवीषे ॥
 ओगणपंचाससाध्यासंजुक्तमारुतथईरहूछे

ते अहंकारघणनी सप्तसमात्राना चतुरभाग
 नोजांणवो ॥ १०३ ॥ अने हावे वैराटने वीषे रजो
 गुणनी श्रवण आकंक्षाना पंचभाग ॥ अने एक
 भाग उचार आकंक्षानो ॥ एषटभाग लेईने ॥ १
 ०४ ॥ अने ओरु अहंकारघणनी शब्द मात्राना
 चतुरभाग ते हेने विषे मेलीने ए दशभाग पोख्या
 ताते कुण ॥ हावे ते कहीये धीयेजे ॥ १०५ ॥ रजोगुण
 नी श्रवण आकंक्षाना पंचभाग नी तो वैराट
 ने वीषे ॥ दशे दशाथ ईर हीछे ॥ ते की मजांणी येजे
 जे हेना अंशना ॥ १०६ ॥ वैराटने विषे दसूद्रगया
 लथयाछे ॥ अने चतुरभाग अहंकारघणनी सब
 मात्राना पोख्याताजे ॥ ते हे तु तो वैराटने वीषे स
 त्वसुन्यथयु ॥ १०७ ॥ हावे ते सत्वसुन्यके हेताजे
 जांहां सुधी दशमेघमंडांणी आद्य लेईने ओ
 गण पंचाशवायुनु आवुण रहूछे ॥ ते हेने सत्वसु
 न्यकहीए ॥ १०८ ॥ अने हावे ते हेने वीषे एक भाग
 रजोगुणनी उचार आकांक्षानो पोख्यातो जे ते
 तो सत्वसुन्यने विषे आपकरह्योछे ॥ १०९ ॥ हावे
 ते की मजांणी येजे ॥ ज्याहारै वृष्यारतुने नै वीदुत
 ना संजमने विषे गजनाकरी उवेछे ॥ ते उचार आ
 कंक्षाना एक भाग तो अंशजांणवो ॥ ११० ॥ एप्रका
 रे रजोगुणनी दश आकंक्षाने अहंकारघणनी

पंचमात्रानाविभाग ॥ वैशटतनुनेपोख्याताजे
 तेहेनीसफुरणताकही ॥ १११ ॥ हावेवैशटनेवीषे
 स्वकासघणनांपंचसंभसक्रण ॥ अनेपंचवि
 वस्ताजेएदसनानवनवभागलेइने ॥ अनेते
 हेनेवीषेएकभागसतोगुणना ॥ ११२ ॥ अनेपं
 चअंतसक्रणअनेपंचअवस्ता ॥ एदशमेधी
 एकएकभागमेलीने ॥ वैशटतनुनेपोख्याताजे
 तेहेमेप्रथंमस्वांत्यसंभसक्रणना ॥ ११३ ॥ नव
 भागअनेएकभागमंनअंतसक्रणनो ॥ एद
 शभागतेकुणअनेकीयातत्वनेविषेरह्याछे
 हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ ११४ ॥ स्वांत्यसंभसक्रण
 नानवभागतेजेवैशटसदायकालस्वांतिवत
 सरषुजरहछे ॥ अनेवैशटतनुनाप्रथवीतत्व
 नेथुलशरीरनेवीषेरह्याछे ॥ ११५ ॥ अनेतेप्रथवी
 तत्वपणसदायस्वांतिवतजरेहेछे ॥ अनेहावे
 तेहेनेवीषेएकभागमंनअंतसक्रणनोपोष्यो
 तीतेकुण ॥ ११६ ॥ हावेतेकहीएछीयेजेमंनअंत
 सक्रणनोभागतेजेवैशटनेवीषेपणसुक्ष्मसं
 कल्पपथयांजजायछे ॥ हावेतेवैशटनेवीषे ॥ ११७
 संकल्पवीकल्पतेकुणप्रकारेथाताजाणीये ॥ हा
 वेतेकहीएछीयेजे ॥ वैशटनेवीषेउलटासुलटीप
 वंनपलटायछे ॥ ११८ ॥ तेपवंनपलटायेसंकल्प

वीकलपजांणवा ॥ हावेतेकीमजांणीयेजे ॥ वैराट
 नेवीषेपवंनपलटायेसंकलपवीकलपथाताह
 शे ॥ ११६ ॥ हावेतेकहीयेधीयेजे ॥ जंमप्रापणमनु
 सजंगमजातीनेवीषे ॥ पंचप्रकारनापुणायंम
 वायुउलटासुलटी ॥ पलटायेकरीनेप्रापणेवीषे
 १२० ॥ पणसंकलपवीकलपउठेछे ॥ हावेतेप्राप
 णेवीषेकीयातत्वनोपुणायंमवायुपलटायेकुण
 प्रकारनासंकलपउठेछे ॥ १२१ ॥ हावेतेकहीये
 छीयेजेप्रथंमप्रथवीतत्वनोपुणायंमचालतेक
 रीनेतो ॥ जेटलापदारथांनावीभागहोयते ॥ प
 दारथांनाजसरवेसंकलपउठे ॥ १२२ ॥ अनेकदा
 चीकनेतेसमेअंन्यसंकलपउठेतोहोयपण
 मोक्षपदारथनासंकलपनेराषीनेउठे ॥ अनेहा
 वेप्रापणेवीषे ॥ १२३ ॥ जलतत्वनोपुणायंमवा
 युचालतोहोयतो ॥ षटप्रकारनारसनीआद्ये
 लेईने ॥ जेटलीरसनीजातीहोयतेसरवेईरसस
 वादनासंकलपउठे ॥ १२४ ॥ अनेकदाचीकने
 अंन्यसंकलपउठेतोहोय ॥ पणमोक्षरससवा
 दनासंकलपनेराषीनेउठे ॥ १२५ ॥ अनेहावे
 प्रापणेविषेअज्ञीतत्वनो ॥ पुणायंमवायुचाल
 तोहोयतो ॥ कोईनीसाथेलडाईवेखरगकोजु
 धकरवानीआद्यलेईनेजेटलाप्रकारनाआच

रणमे ॥१२६॥ विरोधनेपरीतापउपजेतेटलापका
 रनासंकलपउठे ॥ अनेजोकदाचीकनेआंसु
 संकलपउठेतोहोय ॥ पणवीरोधनासंकलप
 नेमोक्षराषीनेउठे ॥१२७॥ अनेहावेआपणेवी
 षेवायुतत्वनोपुणायंमवायुचालतोहोयतो दे
 शपरदेशकेगंमपरगंमनीआद्यलेईनेघरथी
 बाहरकेबाहरथीघेर ॥१२८॥ गवनकरवाना
 सरवेईसंकलपउठे ॥ अनेजोकदाचीकनेआं
 नसंकलपतेसमयेउठतोहोय ॥ पणमोक्षगवन
 करवानासंकलपनेराषीनेउठे ॥१२९॥ अनेहा
 वेआपणेवीषेआकाशतत्वनोपुणायंमवायु
 चालतोहोयतोसरवसंकलपलीनपांमीने
 सुंन्यवतथईजवाय ॥१३०॥ अनेजोकदाचीकने
 तेसमयेसुंन्यवतसुक्ष्मसंकलपउठेतो ॥ आल
 सनीडाकेसैनकरवानीआद्यलेईने ॥ सत्रुमी
 त्रुकेसगासमंधीथी ॥१३१॥ हारपांम्पानासंकल
 पउठे ॥ हावेएप्रकारेसरीरनेवीषे ॥ प्राणवायुपल
 टायेसंकलपउठे ॥ तेजप्रकारेवैराटनेवीषेपण
 १३२ ॥ उलटासुलटीपवंनपलटायजपण ॥ संक
 लपवीकलपजांणवा ॥ अनेहावेतेवैराटनेवीषे
 कीयाकीयातत्वनो ॥१३३॥ पुणायंमचालेकरीने
 केईकेईदिसानोपवंनपलटाय ॥ अनेकीयाकीया

तत्त्वनेवीषेकुणकुणप्रकारनासंकलपउठताह
 शे ॥१३४॥ हावेतेकहीएषीयेजेदक्षणेनेपछमनी
 संधीनेविषेथोवायुआवतोहोयतोतेवैराटना
 प्रथवीतत्वनोप्रणायंमचालताजांणवो ॥१३५॥
 हावेतेजाहारेएकुणनोवायुवायछे ॥ताहारेवेत्र
 क्रसणनेघासनीआद्यलेईने ॥ओरसरववन
 सपतीजेटली ॥अणजातीहोयतेटलानांपत्रने
 बीजगनेवृष्याथोडीहोयतोहोय ॥१३६॥ एवायुए
 करीनेप्रथवीनाविभागरसनेपोषीनेपकवीदे
 छे ॥तेमटितेसमयेवैराटनेवीषेपण ॥१३७॥ अल
 पसंकलपपदारथभावनानाजउठताजांणवा
 अनेअलपसंकलपतेसामाटेजेसतोगुणनासं
 नअंतसकरणो ॥१३८॥ एकजभागतहेनेवीषे
 पोख्योछे ॥तेमाटेअलपसंकलपउठतोवैराटने
 वीषेजांणवो ॥अनेहावेउतरनेपुरवनीसंधीने
 वीषेथो ॥१३९॥ वायुवायतोवैराटतनुनाजलत
 त्वनोप्रणायंमचालताजांणवो ॥अनेतेसमयेप
 णवैराटनेवीषेरसभागनासंकलपउठताजांण
 वा ॥१४०॥ अनेहावेपुरवनेदक्षणीसंधीनोवा
 युवायतोवैराटनेवीषेअजीतत्वनोप्रणायंमचा
 लताजांणवो ॥अनेतेहेसमयेवैराटनेवीषेपण ॥
 १४१॥ तांमसवीभागनाजसंकलपउठताजांणवा

अनेहावेउतरनेपछमनीसंधीनोवायुवायतो
 तेवैराटतनुना ॥१४२॥ वायुतत्वनोपूणायंमजं
 णवो ॥ अनेतेसमयेवैराटनेवीषेपणगवंतआ
 कंक्षानाविभागनासंकलपउठताजंणवा ॥१
 ४३॥ अनेहावेउतरदक्षणाते ॥ एचारकुएयनावा
 युसंमदंमथईने ॥ सुन्यपडीजायअनेमाहासुक्ष
 मभागेत्रणहालेनही ॥ एहेवोवायुवैराटना ॥१
 ४४॥ मध्यभागनेवीषेधीमेधीमेवायतोतेवैरा
 टतनुनाआकाशतत्वनोपूणायंमजंणवो ॥
 अनेतेसमयेवैराटनेवीषेपणसर्वसंकलप
 १४५॥ संमदंमथईगयाजंणवा ॥ अनेजोकदा
 चीकनेसुक्षमसंकलपउठताहोयतोतेउदा
 सीनाकेसुन्यवतउठताजंणवा ॥१४६॥ अनेहा
 वेआपणमनुसजंगमजातीनेवीषेपूणायंम
 पलटायेसंकलपउत्तमकेमध्यमथायछे ॥ तेज
 प्रकारेओरुवैराटनेवीषे ॥१४७॥ पूणायंमपल
 टायेउत्तममध्यमसंकलपउठताहशेतेहेनी
 क्रीयायोतेकुण ॥ हावितेकहीयेछीयेजे ॥ वैराटने
 वीषेप्रथवीतत्वनो ॥१४८॥ पूणायंमवायुजेनि
 रात्मकुएयनोचालेछेताहारेसरववनसपती
 नांपत्रफुलफलनीआद्यलेईने ॥ जेटलांत्रणजा
 तीहोयतेहेने ॥१४९॥ धीरेधीरेप्रथवीनारसनु

सस

४६

पोक्षणकरीनेघाटकरीदेछे ॥ अनेताहारेसर
वअनाजनाकएनेघासपाकीनेपदारथयई
जायछे ॥ १५० ॥ तेसामाटेजेप्रथवीनाप्रणायंम
नेवीषेपदारथभावनारहीछे ॥ तेणेंकरीनेस
रवनेपकवीनेकठणकरेछे ॥ तेकठणतातेजप
दारथभागजांणवो ॥ १५१ ॥ एप्रकारेप्रथवीतत्व
नाप्रणायंमनासंकलपनीक्रीयाजांणवी ॥ अ
नेहावेवैराटनेवीषेजलतत्वनोप्रणायंमचाले
जेईशानकुण्यनो ॥ १५२ ॥ वायुवायतोतेहेनेवी
षेरसभागनासंकलपरहाछे ॥ तेरसनीबुधी
करेछे ॥ हावेतेकीमजांणीयेजे ॥ जाहारेकोईअ
षात्रीजनेदीवस ॥ १५३ ॥ वावृतीयावायुजोवे
छेताहारेजोजलतत्वनाप्रणायंमनोवायुजे ॥
ईशानकुण्यनोवायतोतेरसजेजलतेजलनीबु
धीहोय ॥ १५४ ॥ हावेतेकुणप्रकारेहोयतेकहीए
छीयेजे ॥ जाहारेबीजउतररीरहापुठल ॥ अनेअ
षात्रीजनोअमलबेसतां ॥ १५५ ॥ जोएकमुहरत
ईशानकुण्यनोवायुवायतो ॥ एकमासनाजेदर
बुष्यायाय ॥ अनेतेथीजोकमतीवायतोते ॥ प्रमाणे
बुष्यापणकमतीहोय ॥ १५६ ॥ अनेजोडेमुहर
तएनोएवायुवायतोदोमासनीबुष्टीहोय ॥
अनेजोतिनमुहरतएवायुवायतो ॥ तीनमास

नीवृष्याहोये ॥१५७॥ अने चतुरमुहरत एवायुवा
यतो चतुरमासनीवृष्याथाय अने फागणमही
नानीचो उदसउतरतां अने होलीनीपुंन्यमवे
सतां ॥१५८॥ अने ओरुअसाडमहीनानीचोथ
उतरतां अने पंचमीवेसतां ॥ जो एदोनुवषतमे
अषात्रीजनाप्रणयंमवायुना ॥ संकलपनीक्री
याकहीहती ॥१५९॥ तेनेतेप्रमाणे एदोनुसम
येपणक्रीयाजांणवी ॥ अने पंचमीनेदीनकां
मदेवरूपीविदूतअज्ञीचलकीतथायछे ॥१६०॥
तेहीपणवैराटनारसभागनासंकलपनीक्री
याजांणवी ॥ एप्रकारेवैराटनेवीषेजलतत्वना
प्रणयंमवायुनासंकलपनीक्रीयाजांणवी ॥
१६१॥ अनेवैराटनेवीषेअज्ञीतत्वनोप्रणयंम
चालेजेअज्ञीकुणनोवायुवायतोतेहेनेविषे
तांमसभागनासंकलपरह्माछे ॥१६२॥ तेवैराट
नेविषेतांमसनीवृधीकरे ॥ अनेहावेतेकीमजां
णीयेजे ॥ जाहारेकोईवावृतीयाअषात्रीजहोली
केअसाडीपंचमीनेदीनवायुज्वेछे ॥१६३॥ ता
हारेएतीनदीनांमेजोकदाचीकते ॥ वैराटना
अज्ञीतत्वनोप्रणयंमजेअज्ञीकुणनोवायुवा
यतो कालपडेकेअलपवरसे ॥१६४॥ तेकुणप्रका
रेदकालपडे ॥ अनेकुणप्रकारेअलपवरसे ॥ हा

वेतेकहीएषीयेजे ॥ एतोएवायुजेटलोसुहरतवा
 युतेटलामासअनावृष्टीहोय ॥ १६५ ॥ तेसामाटे
 जेअज्ञीतत्वनाप्रणायंमनेवीषे ॥ तांससनांसं
 कलपरह्याछे ॥ तेमाटेतेतांससेकरीनेरसनुमू
 लजेवृष्पातेहेनोपरलेकरेछे ॥ १६६ ॥ एप्रकारेवै
 राटनाअज्ञीतत्वना ॥ प्रणायंमनासंकलपनीक्री
 याजांएवी ॥ अनेहावेवैराटनेवीषेवायुतत्वने
 प्रणायंमजेवायुकुणनो ॥ १६७ ॥ वायुवायतोते
 हेनेवीषेगवनकरवानासंकलपरह्याछे ॥ तेवै
 राटनेवीषेगवनकरवानुजउपजावेछे ॥ हावेते
 कीमजांणीयेजे ॥ १६८ ॥ कोर्वावृतीयाअषात्री
 जहोलीकेअसाडीपंचमीनेदीनवायुजुवेछे ते
 जोएतीनदीनांमेवायुकुणनोवायुवायतोवृ
 ष्पाथोडीहोय ॥ १६९ ॥ अनेपाछोएतोएवायूवा
 यतोसरवघासअनाजनैपरलेकरीदेछे ॥ तेणे
 करीनेअननीआद्यलेईनेसर्ववस्तुमांधीवेका
 यछे ॥ १७० ॥ तेमाटेसरवपदार्थांनाविभागने
 आदेशथीपेलेदेशअनेपेलेदेशथीआंणेदेश ॥
 लेईलेईनेगवनकरावे ॥ १७१ ॥ तेसामाटेजेवायु
 तत्वनाप्रणायंमनेविषेगवनकरवानासंकलप
 रह्याछे ॥ तेणेकरीनेगवनकरवातीवृधीथाय
 छे ॥ १७२ ॥ एप्रकारेवैराटनावायुतत्वना प्रणायंम

नासंकल्पनीक्रीयाजांणवी ॥ अनेहावेवैराटने
वीषे ॥ आकाशतत्त्वनोपुण्यंम ॥ १७३ ॥ चालतो
होयतोतेहेनेविषेतोसर्व ॥ संकल्पनीनास्तीथुवा
नीक्रीयारहीछे ॥ हावेतेवैराटनेवीषेआकाशतत्त्व
नोपुण्यंमतेकुणप्रकारेजांणिये ॥ १७४ ॥ अनेके
ईश्वरतथातोहशे ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ जाहारे
चारुकुणनावायुसंमदंमथईजाय ॥ नेएकीलोम
ध्यवायु ॥ १७५ ॥ वैराटनेउरधभागेमाहासुक्ष्मचा
लेते ॥ जेकछुतएहालेनहीएहेवो ॥ तेसमयेवै
राटनेवीषेआकाशतत्त्वनोपुण्यंमजांणवो ॥ १
७६ ॥ अनेहावेवैराटनेवीषेजेसमयेआकाशत
त्वचालेंछेतेकहीयेछीयेजे ॥ जाहारेसुरीयेदस्य
णायणनाओतरायणनाथाय ॥ १७७ ॥ अनेओ
तरायणनादक्षणायणथाय ॥ तेहेनीमध्यसम
येवैराटनेवीषेआकाशतत्त्वचालतुजांणवुअ
नेहावेतेहेनासंकल्पनीक्रीयातेकुणप्रकारे
जांणवी ॥ १७८ ॥ हावेतेकहीयेछीयेजेजाहारेचै
तनमहीनेवर्षबदलायछे ॥ तेहेनीसंक्रांतीजे
मेसजेकालेबेसेछे ॥ तेदीनवेराटनेवीषेलेता
स्वासनुआकाशतत्त्वहोयतो ॥ १७९ ॥ तेपुण्य
ंमलेतास्वासनोवैराटनाउदनेविषेजेदला
देशमेपरवेशकरेतेदलादेशमेसगालरहीहो

य ॥१८०॥ अने जे टलादेश मे वैराटनालेता स्वास
 नोपुणायंमपुवेसकरितासके ॥ ते टलादेश मे अ
 नावही होय ॥ अने जो कदाची कने ते समये वै
 राटतनुना मुकता पुणायंमना वायुवायतो ॥१
 ८१॥ जे स्थान कधी उठो होय ॥ ते स्थान कधी जे
 टलां स्थान कजे मुल कने वेधीसके ते टलादेश
 ते वीषे ॥ अनावही होय ॥१८२॥ अने जे टलादे
 शने वीषे प्रवेशनां करीसके ॥ ते टलादेशने वी
 षे वही होय ॥ हावे ते की मजांणी येते कुणदसा
 नोपवंनपलटायता हारे ॥१८३॥ लेता पुणा
 यंमजांणीये ॥ हावे ते कहीये छीये जे ॥ जाहोरपु
 रवपवंनजातो होय ॥ ते हेने उलटावीने पछम
 चलावे ॥१८४॥ ताहारि ते वैराटनी मुकतो पु
 णायंमजांणीवो ॥ अने ते समये सुध्यपछमथी
 पूरवने वीषे पवंनपलटायतो ते वैराटनो लेतो
 पुणायंमजांणीवो ॥१८५॥ ए प्रकारे वैराटतनुना
 पुणायंमना संकल्पनि क्रीयाजांणीवी ॥ हावे ए
 प्रकारे वैराटने विषे स्वांत्यसंभसक्रणानानद
 भागमे ॥१८६॥ एकभागमंन अंतसक्रणनी
 रहो छे ते कहो ॥ हावे वैराटने वीषे नवभागसी
 लसंभसक्रणनालेईने ॥ अने ते हेने वीषे एकभा
 गबुधी अंतसक्रणनोसेलीने ॥१८७॥ एदशभा

गपोख्यातातेकुण॥हावेतेकहीयेषीयेजे॥सील
 संभसक्रणनानवभागतेजे॥वैराटसदायक
 लसीलवंतजरहेछे॥१८८॥तेसामाटेजेसील
 संभसक्रणनानवभागरह्याछे॥तेणेकरीने
 वैराटसीलवंतरेहेछे॥अनेहावेतेहेनेवीषेए
 कभाग॥१८९॥बुधीअंतसक्रणनोपोख्याती
 तेकुण॥हावेतेकहीयेषीयेजे॥एकभागबुधीअं
 तसक्रणनोतेजे॥वैराटनेविषेवैराटनावेहेवा
 रप्रमाणे॥१९०॥वैराटनेवीषेघाटघडायछे॥हा
 वेतेघाटतेकुणजेवैराटनेवीषेसाठसमछरनेष
 टरतुनीआचलेईने॥१९१॥द्वादशमासनेअसे
 षजुगवीत्याजायछे॥अनेतेसरवेईनाघाटघ
 डायछे॥नेतेहेनांनांमरुपगुणनीसांथयांजा
 यछे॥१९२॥तेबुधीअंतसक्रणनाएकभागनी
 क्रीयाजाणवी॥अनेहावेवैराटनेवीषेसेहेजसं
 भसक्रणनानवभागनेवीशेएकभाग॥१९३॥
 अहंकारअंतसक्रणनोमेलीने॥एदशभागपो
 ष्यातातेकुण॥हावेतेकहीयेषीयेजे॥सेहेजसं
 भसक्रणनानवभागतेजे॥१९४॥वैराटसदा
 यकालसेहेजदसावंतसरखुजजणायछे॥तेसा
 माटेजेनवभागसेहेजसंभसक्रणनापोष्याछे
 तेणेकरीनेवैराट॥१९५॥सेहेजदसावंतसरखुज

सस

॥५२॥

रहेछे अनेतेहेनेवीषे एकभाग अहंकार अंतः
सक्रणनोतेजेवैराटनेअसंभजुगनुतोलीरह्यो
छे ॥१९६॥ तेवैराटनेवीषेअहंकारअंतसक्रण
नो एकभाग तोलीरह्योछे ॥ एप्रकारेवैराटनेवी
षेअहंकारअंतसक्रणनो एकभागजांणवो
१९७ ॥ अनेहावेवैराटनेवीषेसंतोससंभस्र
क्रणनानवभाग ॥ अने एकभागचीतअंतस
क्रणनोमेलीते ॥ एदशभागपोष्यातातेकुण ॥
१९८ ॥ हावेतेकहीयेछीयेजेसंतोससंभस्रक्र
णनानवभागतेजेवैराटसदायकालसंतोष
सरषुजरेहेछे ॥ तिसामाटेजेवैराटनेवीषे ॥ १९
९ ॥ कोइसमेवुष्याजास्तीहोयकेवाकमती
होय ॥ तेप्रमाणेवैराटनेवीषेउपजएयजास्ती
कमतीथायछे ॥ एवैराटपोकारनथीकरतु
२०० ॥ जेहंअसंतोस्त्रीछुएप्रकारेवैराटनेवीषे
नवभागसंतोषसंभस्रक्रणनाजांणवा अ
नेहावेतेहेनेवीषे एकभागचीतअंतसक्रण
नोपोरव्योतोतेकुण ॥ २०१ ॥ हावेतेकहीयेछीये
जे ॥ चीतअंतसक्रणनो एकभागतेजेप्रथंम
मंतथकीसंकल्पआगलकह्याहता ॥ २०२ ॥ ते
संकल्पनोनीस्येबुधीअेकरेहते ॥ अनेते
बुधीनानीस्येकरेलाघाटनेअहंकोरतोलीरह्यो

107

५२

हतो ॥ अने ते अहंकारनांतो लेला पदार्थाने ॥ २०३ ॥
 चीतचीतवंत करीने साक्षात्कारपणुध
 रावेछे ॥ तेचीतनो एकभागधरावेछे ॥ हावेते सा
 क्षात्कारकेहेतांजे ॥ रतुछंमछरनेजुगनी ॥ २०४ ॥
 आद्यलेईनेतेहेनुताद्रसपणुददरसावेछे ॥
 तेसाक्षात्कारपणुजांणुवुएप्रकारेवैराटनेवीषे
 चीतअंतसक्रणनो एकभागजांणवो ॥ २०५ ॥ अ
 नेहावेसमतासंभसक्रणनानवभागलेईने ॥
 अनेतेहेनेवीषे एकभागनचीदअंतसक्रण
 नोमेलीनेएदसभागवैराटनेवीषेपोख्याताते
 कुण ॥ २०६ ॥ हावेतेकहीएछीयेजे ॥ संमतासंभ
 सक्रणनानवभागतेजे ॥ वैराटसदायकालसं
 मदंमसमतावतजरहेछे ॥ तेसंमतावतकेहेतां
 २०७ ॥ जेवैराटनाउद्रनेवीषेचौदेईलोकमणक
 रेछे ॥ अनेयोदेछेपणुछेपणुवैराटकोईनीउपरद
 शकेअोरुहेतुनथीराखतु ॥ २०८ ॥ तेसामाटेजे
 संमतासंभसक्रणनानवभागरहाछे ॥ तिएपु
 करीनेवैराटनेवीषेअतीसेसमतापणुअरहसुछे
 अनेतेहेनेविषे एकभाग ॥ २०९ ॥ नचीदअंतसक्र
 णनोतेजेवैराटसदायकाल ॥ नचीदसरषुजरहे
 छे ॥ तेजांणुकॉईप्रवृतीजनथी ॥ अनेध्यांनाकार
 जरहूछे ॥ २१० ॥ एप्रकारेवैराटनेवीषेपंचसंभसक्र

ण ॥ अने पंच अंतसक्रणनावी भागरह्याछे ॥
 नेहावे वैशटना कुणकुणतत्वने वीषे ॥ २११ ॥ पंच
 संभसक्रणना नवभाग ॥ अने एक एक
 भाग पंच अंतसक्रणनो रह्यो छे ॥ हावे ते कही ए
 छी येजे ॥ स्वांत संभसक्रणना नवभाग ॥ अने ए
 क भाग मंत्र अंतसक्रणनो ॥ २१२ ॥ एदश भागतो
 वैशटना प्रथवी तत्वने स्थुल देहने वीषे रह्याछे
 अने हावे सील संभसक्रणना नवभाग ॥ अने
 एक भाग बुधी अंतसक्रणनो ॥ २१३ ॥ एदश भा
 गतो वैशटना जल तत्वने सुक्ष्म सरीरने वीषे
 रह्याछे ॥ अने हावे सेहे ज संभसक्रणना नव
 भाग ॥ अने एक भाग अहंकार अंतसक्रणनो
 २१४ ॥ एदश भागतो वैशटना अज्ञी तत्वने कार
 ण सरीरने वीषे रह्याछे ॥ अने हावे संतोष संभ
 सक्रणना नवभाग ॥ अने एक भाग चीत अंत
 सक्रणनो ॥ २१५ ॥ एदश भागतो वैशटना वायु
 तत्वने माहाकारणते हेने वीषे रह्याछे ॥ अने हा
 वे संमता संभसक्रणना नवभाग ॥ अने एक भा
 गन चीद अंतसक्रणनो ॥ २१६ ॥ एदश भागतो वै
 शटना आकास तत्वने परमकारण देहने वी
 षे रह्याछे ॥ हावे ए पंच संभसक्रण अने पंच अंत
 सक्रणना वी भागती ॥ २१७ ॥ क्रीया पंच तत्व

नेवीषेदेष्टाईयेछीये॥जेस्वांत्यसंभसक्रणना
 विभागप्रथवीतत्वनेविषेरह्याछे॥तेएकेकरी
 नेप्रथवीस्वांतीवतजरहीछे॥२१८॥अनेएक
 भागमंनअंतसक्रणनोतेजेप्रथवीनेवीषेस
 रवनीउपजणरहीछे॥अनेसीलसंभसक्र
 णनाविभागजलतत्वनेवीषेरह्याछे॥२१९॥
 तेजेजलसीलवंतजछे॥अनेएकभागबुधीअं
 तसक्रणनोतेजेजलनेवीषेमधुरतारहीछे
 अनेसेहेजसंभसक्रणनाविभागतोवैराटना
 अज्ञीतत्वनेविषेरह्याछे॥२२०॥तेएकेकरीनेमा
 हासुंन्यनेवीषेमाहाअज्ञीसेहेजसभावेजर
 हेछे॥जेकोईकसमेपरलेकालेजद्रसमान
 थायछे॥२२१॥बाकीसदायकालसेहेजसभा
 वेजरेहेछेअनेअहंकारअंतसक्रणनोएकभा
 गतेजेसदायकालमाहाअज्ञीनेतोलीरह्याछे
 २२२॥तेजेसघलेफेलावानथीदेतोअनेसंतो
 ससंभसक्रणनाविभागतोवायुतत्वनेवीषे
 रह्याछेतेएकेकरीनेवायुतत्वजे॥२२३॥ससुमा
 रचक्रतेससुमारचक्रसदायकालकेछुभ
 ह्यणविनासंतोसवांनजरहेछे॥अनेचीतअं
 तसक्रणनोभागतेजेससुमारचक्रनेवीषे॥२
 २४॥वीसेसचलकीतपणुरह्याछे॥अनेसमता

संभसक्रणनाविभागतोऽप्राकाशतत्त्वनेप
 रमकारणसरीरनेवीषेरह्याछे ॥२२५॥ तेणैक
 रीनेऽप्राकाशस्रतीसेसंमदंमरहछे ॥ अनेए
 कभागनचीदंभंतसक्रणनेतेजेऽप्राकाशस
 दायकालनचीदयेजरह्युछे ॥२२६॥ एप्रकारेपंच
 संभसक्रणनानेपंचभंतसक्रणनाविभाग
 वैराटनांपंचभूतनेवीषेरह्याछे ॥ अनेहावेवै
 राटनेवीषेस्वकासघणनी ॥२२७॥ स्थीतीवि
 वस्तानानवभाग ॥ अनेएकभागसतोगुण
 नीजाग्रतऽवस्तानोमेलीनेएदसभागपो
 ष्यातातेकुण ॥२२८॥ हावेतेकहीयेछीयेजे
 एदशभागतोवैराटनाप्रथवीतत्त्वनेस्थुलदे
 हनेवीषेरह्याछे ॥ तेमाटेप्रथवीसदायकालथी
 तीवंतजरहीछे ॥२२९॥ अनेजाग्रतऽवस्ताना
 वीभागनीतोवैराटनेवीषेजाग्रतऽवस्ताथ
 ईछे ॥ अनेहावेवैराटनेवीषेउदारवीवस्ताना
 २३० ॥ नवभागनेवीषेएकभागसुपनऽवस्ता
 नोमेलीने ॥ एदसभागपोष्यातातेकुण ॥ हावे
 तेकहीयेछीयेजेएदशभागतो ॥२३१॥ वैराटना
 जलतत्त्वनेसुक्ष्मदेहनेवीषेरह्याछे ॥ तेणैक
 रीनेतोमाहाजलसदायकालप्रथाहउदारने
 गंभीरवतजरहेछे ॥२३२॥ अनेतेहेनेवीशेए

कभागसुपनप्रवस्तानोपोष्योतो॥तेहेनी
 तोवैराटनेवीषेसुपनप्रवस्ताथईछे॥अनेहा
 वैवैराटनेवीषे॥२३३॥गलीतविवस्तानानवभा
 गनेवीषेएकभागससोपतीप्रवस्तानोमेली
 नेएदसभागपोष्यातातेकुण॥हावेतेकहीये
 छीयेजे॥२३४॥एदशभागतोवैराटनाकारणदे
 हनेअज्ञीतत्वनेवीषेरह्याछे॥तेणेकरीनेमाहा
 अज्ञीकाएपासांणीआद्यलेईतेसरववैरा
 टनेवीषे॥२३५॥गलीतवांनजरह्योछे॥तेमा
 टेतेहेमेथीअज्ञीआपोआपप्रकाशनथीथई
 सकतो॥तेगलीतविवस्तानानवभागगेकरी
 ने॥२३६॥थईनिथीसकतोअनेतेहेनेवीषेएक
 भागससोपतीप्रवस्तानोपोष्योतोतेहेनी
 तोवैराटनेवीषेससोपतीप्रवस्ताथईछे॥२३
 ७॥अनेहावेकुंभवीवस्तानानवभागनेवीषे
 एकभागतुरीयाप्रवस्तानोमेलीनेएदशभा
 गवैराटतनुनेपोष्यातातेकुण॥२३८॥हावेते
 कहीएछीयेजेतेदशभागतोवैराटनावायुतत्व
 नेमाहाकारणदेहनेवीषेरह्याछे॥तेणेकरीने
 तोवायुतत्वजेससुमारचक्रते॥२३९॥करेछेष
 रूपणकुभवतसरषुजदेखायछे॥तेकीमजांणी
 एजेसरवचंडसुरजनीआद्यलेईनेतारामंडल

तेहेनेऽप्यधारेरहंछे ॥२४०॥ पणतारामंडलने
 चंद्रसुरजचालता देवातानथी ॥ तेसामाटेजेते
 हेनेवीषेनवभागकुंभवीवस्तानारहाछे ॥२४१॥
 अनेतेहेनेवीषेएकभागतुरीयाअवस्तानोपो
 ष्यातोतेहेनीतोवैराटनेवीषेतुरीयाअवस्ताथ
 ईछे ॥ अनेहावेवैराटनेवीषे ॥२४२॥ सांमानवी
 वस्तानानवभागतेवीषे ॥ एकभागउनमुनी
 अवस्तानोमेलीने ॥ एदशभागपोष्यातोतकु
 णहावेतेकहीयेछीयेजे ॥२४३॥ एदशभागतो
 वैराटनापरमकारणदेहेनेआकाशतत्वने
 वीषेरहंछे तेणेकरीनेतोआकाशतत्वसांमा
 न्यवतजरह्युछे ॥२४४॥ अनेतेहेनेवीषेएक
 भागउनमुनीअवस्तानोपोष्यातोतेहेनीतोवै
 राटनेवीषेउनमुनीअवस्ताथईछे ॥ अनेहावे
 एपंचतत्वनेवीषे ॥२४५॥ पंचअवस्तातेकुणकु
 णसमयेथायछे ॥ अनेकेटलाकेटलादीवसंभा
 गवेछे ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ एपंचपंचअवस्ता
 तेपंचपंचप्रकारना ॥२४६॥ लोकनेवीषेपंचप्रका
 रेरहीछे ॥ हावेतेकुणकुणलोकनेवीषेकीयेकी
 येप्रकारेरहीछे ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥२४७॥ ना
 गलोकदेवेनमनुसनीआद्यलेईनेतेहेनेवी
 षेताजाग्रतअवस्ताश्रेष्ठभोगवेछेअनेबीजीआ

त्यचतुरस्रोतेहेनाउद्रनेवीषेवृत्तमांनकरेछे ॥
 २४८ ॥ अनेहावेपसुपतंगकीटनीआद्यलेई
 नेतेहेनेवीषेतोसुपनअवस्ताश्रेएरहीछे ॥ अ
 नेबीजीचतुरस्रोतेहेनाउद्रनेवीषेवृत्तमांनक
 रेछे ॥ २४९ ॥ अनेहोवंत्रेणजातीवेखीजातीने
 वृक्षजातीनीआद्यलेईनेतोतेहेनेवीषेसस्रो
 पतीअवस्ताश्रेएभोगवेछे ॥ २५० ॥ अनेआंन्य
 अवस्तातोतेहेनाउद्रनेवीषेवृत्तमांनकरेछे ॥
 अनेहावेतीनगुणअनेतीनघणनीआद्यलेई
 नेवैराटसमेत ॥ २५१ ॥ तेहेनेवीषेतोतुरीयाअव
 स्ताश्रेएरहीछे ॥ अनेबीजीआंन्यचतुरस्रोतेहेना
 उद्रनेवीशेभोगवेछे ॥ अनेओरुचारुतत्वकार
 णजे ॥ २५२ ॥ आनंदतत्वकारणनेमाहातत्वका
 रण ॥ अनेप्रकृतीतत्वकारणनेधनंजेतत्वकार
 णनीआद्यलेईनेओरुअव्याकृतनीरंजनस
 मेत ॥ २५३ ॥ तेहेनेवीषेतोउनमुनीअवस्ताश्रेए
 रहीछे ॥ अनेबीजीचतुरअवस्तातोतेहेनाउद्रने
 वीषेवृत्तमांनकरेछे ॥ हावेणपंचअवस्ताते ॥ २५४ ॥
 एपंचजातीनेवीषेएकएकश्रेएवरतेछेपणआ
 पणेतोवैराटनेवीषेतुरीयाअवस्ताश्रेएकहीछे
 जेतेहनाउद्रनीचतुरअवस्ताने ॥ २५५ ॥ ओरुतुरी
 यासमेतकेहेवीछे ॥ हावेवैराटनेवीषेतुरीयाअव

सस

॥५६

स्ताश्रेष्ठतेजे वैराटसदायकालसेहेजसभावे
तुरीयावतसरषुजरहेछे ॥२५६॥ अनेहावेतेहे
नाउद्रनेवीषेअनअवस्तावृतमानकरेछे।
हावेतेकहीयेछीयेजेप्रथम ॥तुरीयानेवीषेउ
नमुनीअवस्तातेजे ॥एकमासवसंतरतुनो ॥
२५७ ॥ अनेहेमासग्रीषमकालना ॥ एनेवदी
वसतो डीतो उनमुनीअवस्ताजांणवी ॥ अने
हावेतुरीयाअवस्तानेवीषे ॥२५८॥ जाग्रतअ
वस्तातेजेअसाडश्रावणनेभाडमास ॥ एत्री
सतारीन्येवदीवसतो डीतो ॥ जाग्रतअवस्ता
जांणवी ॥२५९॥ अनेहावेतुरीयानेवीषेसुपन
अवस्तातेजे ॥ एकमाससरदरतुनो ॥ असासा
सअनेओरहेमाससीतरतुना ॥ एत्रीसतारी
न्येवदीवसतो डीतो ॥२६०॥ वैराटनेवीषेतुरी
यानाउद्रनीसुपनअवस्ताजांणवी ॥ अनेहावे
तुरीयानेवीषेससोपतीअवस्तातेजे ॥ हेमास
हीमरतुनाअनेएकमासवसंतरतुनो ॥२६१॥
एत्रीसतारीन्येवदीवसतो डीतो वैराटनेवीषे
तुरीयानाउद्रनीससोपतीअवस्ताजांणवी
एचतुरअवस्तातेतुरीयानाउद्रनीवैराटने
वीषेकही ॥२६२॥ अनेपंचमीतुरीयातेजे ॥ वै
राटनेवीषेसदायकालवृतमानकरेछे ॥ हावेए

५६

पंचप्रवस्तानीक्रीयातेवैराटनेवीषेकुणप्रका
 रेजांगीये ॥२६३॥ हावेतेकहीषेछीयेजेप्रथंमवे
 राटनेवीषेतुरीयाना ॥ उद्रनीजाग्रतप्रवस्तानी
 क्रीयातेजेचतुरमासना ॥ न्येवदीवसतोडीविद्
 तवादल ॥२६४॥ नेवृष्णानेग्रजनानीआद्यलेईने
 अतीसेउपाधीसफुरणथायछे ॥ तेजाग्रतप्रव
 स्तायेकरीनेथायछे ॥ अनेहावेवैराटनेविषे ॥२
 ६५॥ तुरीयानाउद्रनीसुपनप्रवस्तानीक्रीया
 तेजेएकमाससरदरतुनो ॥ अनेद्वेमाससीतर
 तुना ॥ एनेवदीवसनेवीषेतो ॥२६६॥ अलपवृष्णा
 नेओरुधुमेरओसनीआद्यलेईनेसुसमउपा
 धीउठेछे ॥ तेसुपनप्रवस्तायेकरीनेउठेछे ॥ तेसा
 माटेजेजमआपणेवीषे ॥२६७॥ जाग्रतप्रवस्ता
 नाअंकुरसुपननेवीषेसफुरणथायछे ताहासु
 पनप्रवस्ताजणायछे ॥ एप्रकारेवैराटनेवीषेपण
 २६८॥ जाग्रतप्रवस्तातेजेवृष्णाकालतेवरुआका
 लनाअंकुरजे ॥ अलपवृष्णानेधुमेरओसनी
 आद्यलेईने ॥ सुपनप्रवस्तानान्येवदीवसनेवी
 षे ॥२६९॥ सफुरणथायछेतेमाटेएनेवदीवस
 तोडीसुपनप्रवस्ताजांगवी ॥ अनेहावेवैराट
 नेवीषेससोपतीप्रवस्तानीक्रीयातेजे ॥२७०
 ज्यंसआपणेवीषेससोपतीप्रवस्तातेजेसुप

न अवस्तानां प्रकुर उठे छे जे संकल्प ॥ ते संकल्प
 पतां रूप बंधाय छे ॥ अने ससोपती अवस्ताने वी
 षे तो ॥ २७१ ॥ सुपना के संकल्प कर तां यपण घण
 क सुक्ष्म संकल्प उठे छे ॥ जे आल पंपाल द्रुस मां
 नथाय छे ॥ अने ते संकल्प जाग्रतने वीषे के हे
 वाता नथी ॥ २७२ ॥ ते प्रकारे वैराटने वीषे ही मरतु
 नाहे मास ॥ अने एक मास वसंतरतु तो ॥ एने वदी
 वसने वीषे पण वैराटनी सुपन अवस्ताना वीका
 र जे अलप बुख्या ॥ २७३ ॥ धुमेरने ओस जे ते वीका
 र थकी वैराटने वीषे ने वदी वस ससोपती के मां
 ही मेघरवा ओसनी आछले ईने ॥ अलप सुक्ष्म
 वीकार उठे छे ॥ २७४ ॥ ते ससोपती अवस्ताये करी
 ने सुक्ष्म विकार उठे छे ॥ अने हावे वैराटने वीषे उ
 नमुनी अवस्तानी क्रीयाते जे ॥ ग्रीषम काल नात्य
 वदी वसने वीषे वीदूत ॥ २७५ ॥ वादल धुमेर के गज
 नाकी आछले ईने ॥ कछु उपाधी विसेसनथी उठती
 ते उनमुनी अवस्ताये करी ते नथी उठती ॥ २७६ ॥
 अने जो कदाची कने ते समये मावरु के मेघरवा
 नी आछले ईने उपाधी थायतो ते उनमुनी ने वीषे
 फेरी जाग्रत वृत्तती जाणवी ॥ २७७ ॥ अने हावे तुरी
 या अवस्ता वैराटने वीषे सदाय काल वृत्ते छे ते जे
 जाहारे अर अवस्तानी क्रीया थरि थरि ने रही

जायछे ॥२७८॥ जेवुष्यावुसीनेपाधरुवैराटनीरम
लुथईजायछे ॥ अनेतेनेतेप्रकारेधुमेरसेघरवोने
आसवुसीवुसीनेवैराटनीरमलुपाछुयायछे ॥
२७९॥ एप्रकारेचारुअवस्तानीक्रीयायावुतीवु
तीनेरहीजायछे ॥ तेहेनीवीचेवीचेअंतरनेवीषे
वैराटनीरमलुजसदापरहेछे ॥२८०॥ तेतुरीयाअ
वस्तासदायवुततीजांणीवी ॥ एप्रकारेवैराटनेवी
षेपंचअवस्ताभोगवेछेतैकही ॥ अनेहांवेवैराटने
वीषेअचंतघणती ॥२८१॥ दशभावनाजेतेहेमेअ
हंनभावनाकेनवभागलेईनेअनेतेहेनेवीषेएक
भागतमोगुणनादशकालजे ॥ तेहेमेकांमनाका
लनोएकभागमेलीने ॥२८२॥ एदशभागपोरआ
तातेकुण ॥ हांवेतेकहीयेछीयेजेअहंनभावनाके
नवभागतेजेवैराटसदायकालअहंनसरषूज
रेहेछे ॥२८३॥ जेअसंषकालजेहेनेवीतीजायछे
तोहोयतबुधपणानुतात्वरअधीकनुननथी
जणातु ॥ तेअहंनभावनाकेनवभागकरीनेन
थीजणातु ॥२८४॥ अनेतेहेनेवीषेएकभागकां
मनाकालनोतेजे ॥ मातपीतावीनाजलप्रयवी
नेजोगेअनेकप्रकारनाकीटजीवजेवुख्यार
तुनेवीषे ॥२८५॥ उत्तपनथायछेतैवैराटनेकांम
नाकालेकरीनेउतपनथायछे ॥ एप्रकारेवैराटने

वीषेऽहंनभावनातेकांमनाकालनाविभाग
 रहाछे ॥२८६॥ अनेहावेवैराठनेविषेसंभभाव
 नाकेनवभागनेवीषे ॥ एकभागप्रथककालने
 मेलीने ॥ एदसभागपोष्यातातेकुण ॥२८७॥ हावे
 तेकहीयेछीयेजेसंभभावनाकेनवभागतेजे ॥
 वैराटसदायकालसंभाकारसरषुजरहेछे ॥ ते
 संभभावनाकेनवभागकरीनेरहछे ॥२८८
 अनेतेहेनेवीषेएकभागप्रथककालनोपोष्योते
 तेकुणहावेतेकहीयेछीयेजेप्रथककालनोएक
 भागतेजे ॥२८९॥ वैराटनेवीषेकहीस्त्रोवृणनी
 भोमका ॥ कहीचांदीनीभोमका ॥ कहीत्रांबाली
 हनीआद्यलेईनेहीशरतनपारसनेमृतकाले
 २९० ॥ ओरुषारामीगाजलसमेत ॥ एसरवेईभे
 दाभेदवैराटनेवीषे प्रथक्प्रथक्जणायछे ॥ ते
 प्रथककालनीक्रीयायेकरीतेजणायछे ॥२९१॥
 एप्रकारेवैराटनेवीषेसंभभावनातेप्रथकका
 लनावीभागरहाछे ॥ हावेवैराटनेवीषेविसर
 जनभावनाकेनवभागनेवीषे ॥२९२॥ एकभा
 गअज्ञानकालनोमेलीने ॥ एदशभागपोष्याता
 तेकुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ वीसरजनभावना
 केनवभागतेजे ॥२९३॥ वैराटनेवीषेगयावुस
 नीक्रीयाआणोवरसनहीअनेआवुसनीक्री

या प्रावते वृसनही ॥ तेवी सरजंन भावना ये करी
 ने ॥ २६४ ॥ पाछली क्रीयावी सरी जायछे ॥ अने ते
 हेने वीषे एक भाग अज्ञान काल नो पोरख्यो तो ते
 जे पाछलु वी सरेलु फरी सम्रती थवा देतही ॥ २६
 ५ ॥ ते अज्ञान कालने वी भागे करीने सांभरतु न
 थी ॥ ए प्रकारे वैराटने वीषे वी सरजंन भावनाते
 अज्ञान कालना वी भाग रह्याछे ॥ २६६ ॥ हावे वै
 राटने वीषे नीद्रा भावनाके नव भागने वीषे ए
 क भाग सभाव कालनो मेलीने ॥ ए दश भाग पा
 ष्याताते कुण ॥ २६७ ॥ हावे ते कही ये छी ये जे नीद्रा
 भावनाके नव भागते जे ॥ वैराट सदाय काल
 नीद्रा वत सरखु जरे हेछे ॥ ते जे हेना उदने वीषे
 सरख अ वस्तायो वृत्त मान करेछे ॥ २६८ ॥ तेकी
 मजांणी ये जे जंम प्रापणे वीषे नीद्रा आवेछे ॥ ता
 हारे सुपन ससोपतीनी आद्य लेईने ॥ फेरी ते हेने
 वीषे यपण वृत्त मान करेछे ॥ २६९ ॥ ते प्रकारे वै
 राटने वीषे पण जांणवुं ॥ अने ते हेने वीषे एक भा
 ग सभाव कालनो ते जे ॥ षट्तरतुनी आद्य लेईने
 वैराटने वीषे ॥ ३०० ॥ जे सभाव पडोछे तेने ते सदा
 य काल थयां जायछे ॥ ए प्रकारे वैराटने वीषे नी
 द्रा भावनाते सभाव कालना विभाग रह्याछे
 ३०१ ॥ अने हावे वैराटने वीषे अंधृतं सभावनाके

नवभागनेविषे एकभागदेषकालनोमेली
 ने ॥ एदसभागपोष्यातातेकुण ॥ ३०२ ॥ हावेतेक
 हीयेष्टीयेजे ॥ अंधतमभावनाकेनवभागतेजे
 वैराटनुमाहासुन्यउद्रभाग ॥ तेहेनेवीषेमाहा
 अज्ञीतत्वभागरह्योछे ॥ ३०३ ॥ तेमाहाअज्ञीत
 त्वनेवीषेनवभागअंधतमभावनाकारह्या
 छे ॥ तेणेकरीनेमाहाअज्ञीमाहासुन्यनेवीषे
 अंधनोअंधसरखोजरेहेछे ॥ ३०४ ॥ जेमाहासु
 न्यतीआद्यछोडीनेसरववैराटनेवीषेप्रकाश
 तोनथीतेनवभागतेहेनेवीषेअंधतमभावना
 कारह्याछे ॥ तेणेकरीनेनथीप्रकाशयवातु ॥ ३
 ०५ ॥ अनेतेहेनेवीषेएकभागदेशकालनोते
 जेकोईसमेबंखानानीतपरखानेवीषे ॥ माहा
 अज्ञीकीसोलकलासुरजनेवीषेपोषाईने ॥ ३
 ०६ ॥ वैराटतीरहेतेवैराटनाउद्रनालोकजेथाव
 रजंगमादीकनीआद्यलेईनेपरलेकरीजायछे
 तेदेशकालनोवीभागजाणवो ॥ ३०७ ॥ एप्रकारे
 वैराटनेवीषेअंधतमभावनातेदेषकालनावी
 भागरह्याछे ॥ अनेहावेवैराटनेवीषेष्टवीअचे
 तभावनाकेनवभागनेवीषे ॥ ३०८ ॥ एकभागअ
 क्रंतकालनोमेलीने ॥ एदशभागपोष्यातातेकु
 ण ॥ हावेतेकहीयेष्टीयेजेअचेतभावनाकेनव

भागतेजे ॥३०८॥ वैराटसदायकालअचेतस
 रषुजरहेछे ॥ तेसामाटेजेचौदेईलोकजेहेनाउ
 दनेवीषेषोदेछेपणेछेनेषुदेछेपणबोलतुचाल
 तुनथी ॥३१०॥ अनेअचेतनेअचेतसरषुजरे
 हेछे ॥ अनेतेहेनेवीषेएकभागआक्रंतकाल
 नातेजेवैराटनेषोदतांपणतांनेषुदतांसदाय
 काल ॥३११॥ आक्रंतीनेआक्रतीवांनजरेहेछे
 तेआक्रंतकालनेवीभागकरीनेरेहेछे ॥ एष
 कारिवैराटनेवीषे ॥ अचेतभावनातेआक्रंत
 कालनावीभागरहाछे ॥३१२॥ अनेहोवैरा
 टनेवीषेसातमीउचाटभावनाकेनवभागने
 वीषे ॥ एकभागआश्रयेकालनोमेलीनेएदश
 भागपोष्यातातेकुण ॥३१३॥ हावेतेकहीयेछी
 येजेउचाटभावनाकेनवभागतेजे ॥ वैराटग्री
 षमकालनेउनमुनीअवस्तानेवीषेउचाटस
 रषुजरेहेछे ॥३१४॥ अनेतेहेनेवीषेएकभागआ
 श्रयीयेकालनातेजे ॥ वैराटनेवीषेचतुरअव
 स्तानीआधीजे ॥ आभ्रविदूतग्रजनातेवृसां
 णधुमेरनी ॥३१५॥ आद्यलेईनेएसरवेईक्रीया
 तेसमयेसुन्यनेवीषेलीनपांमीजायछे ॥ पणते
 दलांमेनुपाछुकांयदृष्टेआवतुनथी ॥३१६॥ ते
 आचरीयेकालनेवीभागकरीनेआचरजयई

सस.

॥६०॥

जायछे ए प्रकारे वैराटने वीषे उच्चाटभावनाते
आचरी एकालना विभाग रह्याछे ॥३१७॥ अने
हावे वैराटने वीषे आठमी अभावभावनाके न
वभागलेईने अने तेहेने वीषे एक भाग रागस
कालने मेलीने ॥ एदस भाग पोष्याताते कुण ॥
३१८ ॥ हावेते कही ये छी येजे ॥ अभावभावनाके
नवभागतेजे वैराटनी सप्रसमात्राने वीषेर
ह्याछे ॥ ते सप्रसमात्राके हेतांजे ॥ ३१९ ॥ ओगण
पंचाशवायुते वायु अनंतपदार्थांते वीषे वैरा
टमे वायछे एणकसापदार्थने वीषे वलगतो
नथी ॥ ३२० ॥ ते अभावभावनाये करीने नथी
वलगतो ॥ अने तेहेने वीषे एक भाग रागसका
कतो पोष्योतोतेजे पवनपुसपादिकधुपदीप
नी ॥ ३२१ ॥ वासनानी आद्यलेईने ते सरवेईनी
उपरवायछे ॥ ताहारेषेत्रवाके वेषे तरवाते वा
सनाने ग्रहण करीने लेतो जायछे ते रागसका
लने वीभागे करीने ग्रहण करेछे ॥ ३२२ ॥ अने दु
रजातो पाछे नीरमलयुई जायछे ॥ तिअभावभा
वनाये करीने नीरमलयुई जायछे ॥ ए प्रकारे वैरा
टने वीषे अभावभावनाते रागसकालना वी
भाग रह्याछे ॥ ३२३ ॥ अने हावे वैराटने वीषे नव
मीसुअभावनाके नवभागने वीषे ॥ एक भाग

वशीतकालनोमेलीने॥एदसभागपोष्याताते
कुण॥३२४॥हावेतेकहीयेछीयेजे॥सुंन्यभावना
केनवभागतेजे॥वैशटसदायकालसुंन्यसर
पुजरहेछे॥तेकीमजांणीयेजे॥३२५॥जेहेनाउड
नेवीषेदेवमनुसनेषटगुणघणनीआद्यलेई
ने॥असंयलोककरहायकावरतेछे॥तेहेमेकेट
लाकलोकमाहारुडांकांमआचरेछे॥३२६॥अ
नेकेटलाकलोकअतीसेअधरमजचालेछे॥
पणवैशटनातोअधरमीनीसाथेबोलीनेया
रीराषे॥अनेओरुनातो॥३२७॥सुधरमीनीसा
थेबोलीनेउपमादेवे॥तेसामाटेजेनवभागसुं
न्यभावनाकारहाछे॥तेणेकरीनेकोईनीसा
थेवैशटेबोलातुनेथी॥३२८॥अनेतेहेनेवीषे
एकभागवशीतकालनोपोख्योतोतेजेहीमद
कालने॥अतीवृष्टीअजीरोगलुकअज्ञीनीआ
द्यलेईनेवैशटनेवीषे॥३२९॥वाधीउतपनथाप
छेतेवशीतकालनोविभागजांणवो॥एप्रकारे
वैशटनेवीषेसुंन्यभावनानेवशीतकालना
विभागरहाछे॥३३०॥अनेहावेवैशटनेवीषे
दशमीअसांअथुभावनाकेनवभागनेवीषे
एकभागवधीअंतकालनोमेलीने॥एदशभा
गपोष्यातातेकुण॥३३१॥हावेतेकहीयेछीयेजे

सप्त

॥६१॥

असंमत्तभावनाकेनवभागतेजे॥वैराटवैरा
टनामाहादशरीरप्रमाणेमाहादसक्तीरहीछे॥
३३२॥पणतेमाहादसक्तीप्रमाणेवैराटहलण
चलणथतुनथी॥तेसामाटेजेवैराटनेवीषेन
वभागअसंमत्तभावनाकेरहाछे॥३३३॥तेणे
करीनेवैराटनेहलातुचलातुनथी॥अनेतेहे
नेवीषेएकभागवुधीअंतकालनोपोष्योतो
जेतेतोवैराटनाईडकटासनीतुचाभागनेवी
षेरहोछे॥३३४॥तेसामाटेजेवैराटवैराटना
देहप्रमाणेवुधीपांमीरह्युछे॥तारपीछेहावेफे
रीनवीनवुधीपांसतुनथी॥३३५॥तेसामाटेवु
धीपांसतुनथी॥जेवैराटनीतुचाभागनेवीषे॥
एकभागवुधीअंतकालनोरहोछेतेणेकरीने
वैराटनीतुचानेवुधीपांसवादेतोनथी॥३३६॥
ताहारैवैराटनुअंतरकाठपणवुधीपांसतुन
थी॥एप्रकारेवैराटनेविषेअसंमत्तभावनाने
वुधीअंतकालनावीभागरहाछे॥३३७॥अने
हावेधतंजेतत्वकारणनामुलतीनघणजे॥एक
अहंकारघणअनेबीजोस्वकाशघण॥अने
त्रीजोअचंतघण॥३३८॥एतीनघणजेतेहेमेअ
हंकारघणनानवभागलेइने॥तेहेनेवीषेएक
भाग॥प्रकृतीतत्वकारणनातीनगुणजे॥३३९॥

रजोतमोनेसात्वीक॥तेहेमेरजोगुणनोएकभा
 गमेलीने॥एदशभागलेईने॥अनेस्वकासघण
 नानवभागलेईने॥तेहेनेवीषे॥३४०॥एकभा
 गसतोगुणनोमेलीने॥अनेअचंतघणनानव
 भागलेईने॥तेहेनेवीषेएकभागतमोगुणनो
 मेलीने॥३४१॥एतीनगुणअनेतीनघणनाद
 शदशभागतीनप्रकारेत्रीसभागवैराटतनु
 नेपोख्यातातेकुण॥३४२॥हावेतेकहीयेष्टीयेजे
 प्रथमअहंकारघणनानवभागनेवीषे॥एकभा
 गरजोगुणनोमेलीने॥एदशभागपोष्यातातेतो
 वैराटनां॥३४३॥पंचभूतनेपंचमात्रानेवीषेर
 ह्याछे॥तेहेमेरजोगुणनोएकभागतेअहंकार
 घणनीरसमात्रानेवीषेरहोछे॥३४४॥अनेवी
 जानवभागरह्याजेतेहेमेथीपंचभागतोवैरा
 टनांपंचभूतनेवीषेरह्याछे॥अनेआंत्यचतुर
 भागरह्याते॥३४५॥बीजीचतुरमात्रानेवीषेर
 ह्याछे॥हावेतेकीमजांणीयेजेरजोगुणनोवीभा
 गरसमात्रानेवीषेरहोछे॥अनेबीजाआंत्यन
 वभागपंचभूतने॥३४६॥चतुरमात्रानेवीषेरह्या
 छेहावेतेकहीयेष्टीयेजे॥अहंकारघणतेउर
 धगवनीदृष्टीवांनछे॥अनेरजोगुणतोअधोमु
 षगवनदृष्टीवांनछे॥३४७॥तेमाटेरजोगुणनो

वीभागरसमात्राजे ॥ बुष्पारतुनुजलतेहेनेवीषे
 रह्योछे ॥ तिलेकरीनेबुष्पारतुनाजलनेअधोमुष
 गवंनकरावेछे ॥ ३४८ ॥ तिसामाटेजेरजोगुणनीअ
 धोमुषटहीछे ॥ तिलेकरीरजोगुणनेभागरसमा
 त्राने ॥ अधोमुषगवनकरावेछे ॥ ३४९ ॥ अनेहा
 वेअहंकारघणानानवभागजेहेनेवीषेरहाछे
 तेहेनेतोउरधमुषेगवनकरावेछे ॥ तेकहीयेछी
 येजेहावेतेहेमेप्रथंम ॥ ३५० ॥ प्रथवीतत्वनेगंधमा
 त्रानेवीषेदेभागरहाछेते ॥ जेसरवपरवतनेमृ
 तीकानीआद्यलेईते ॥ उरधमुखवृधीपांम्यारूपी
 गवंनकरेछे ॥ ३५१ ॥ अनेहावेअज्ञीतत्वनेरूपमा
 त्रानादेभागनेवीषेदेभागअहंकारघणानारहा
 छे ॥ तेमाटेअज्ञीतत्वनेरूपमात्राने ॥ ३५२ ॥ पण
 उरधमुषेगवनकरावेछे ॥ अनेहावेपवंनतत्वने
 सप्रसमात्राजे ॥ एहेनेवीषेदेभागअहंकारघ
 णानारहाछे ॥ ३५३ ॥ तेमाटेमाहाद्वायुनेसप्रस
 वायुनेउरधमुषेगवनकरावेछे ॥ तेकीमजांणी
 येजेवायुनेकोईशेकणकरेतोउरधमुषेचाले ॥
 ३५४ ॥ पणअधोमुषेप्रथवीमेनांप्रवेसकरेअ
 नेहावेआकाशतत्त्वनेसब्दमात्राजे ॥ एहेनेवीषेदे
 भागअहंकारघणानारहाछे ॥ ३५५ ॥ तेमाटेमाहा
 दआकाशनेअबुणआकाशनेउरधमुषेगवन

करावेछे॥ हावेतेकीमजांणीयेजे॥ आकाशतोभा
 गतेसब्दकहीये॥ ३५६॥ तेशब्दनीपणउरधमुखे
 आवीकासमेदृष्टीछे॥ जेअधोमुखेअवनीमेस
 बदनथीधुसतो॥ अनेहावेमाहादजलतत्वनेवी
 षे॥ ३५७॥ एकभागअहंकारघणनोरहोछे॥ तेणे
 करीनेमाहादजलजे॥ पृथ्वीनीतलेसंसदंम
 सढाकारअडोलवतरहुछे॥ ३५८॥ अनेतेहेने
 वीषेएकभागअहंकारघणनोतेजेउरधमुख
 गवनदृष्टीयेकरीनेअवनीनेतोलीरहोछे
 तेसामाटेजेअहंकारघणनी॥ ३५९॥ उरधमुखे
 दृष्टीछेतेणेकरीने॥ तेहेनावीभागजेहेनेवीषे
 रहोछे॥ तेहेनेपणउरधमुखेगवनकरावेछे॥
 ३६०॥ एप्रकारेवैराटनेवीषेअहंकारघणनेरजा
 गुणनाविभागरहोछे॥ अनेहावेवैराटनेवीषे
 नवभागस्वकासघणनालेइने॥ ६१॥ तेहेनेवी
 षेएकभागसतोगुणनोमेलीने॥ एदशभागपो
 ष्यातातेकुण॥ हावेतेकहीयेछीयेजे॥ एदशभाग
 तोपंचसंभसक्रण॥ ३६२॥ अनेपंचवीवस्ताना
 वीभागनेवीषेरहोछे॥ तेहेमेसतोगुणनोएक
 भागतो॥ उदारवीवस्तानेसुपनअवस्तानेवीषे
 रहोछे॥ ६३॥ हावेतेकीमजांणीयेजेसतोगुणनो
 सभावपण॥ आरधउरधनीमध्यसंसदंमउदार

वतजछे।तेणेकरीनेउदारवीवस्ताने॥३६३॥अ
 नेसुपनअवस्तानेपणजागतअवस्तानाक
 रतांउदारवतजराषेछे॥अनेहावेआंननवभा
 गस्वकासघणना॥३६५॥पंचसंभसक्रणने
 चतुरवीवस्तानेवीषेरह्याछे॥तेजेवैराटनेवीषे
 पंचसंभसक्रणने॥चतुरवीवस्तानीमांहीजेट
 लु॥३६६॥स्वकासपणउजणवेछेजेवैराटनेविषे
 नीरमलपणतेस्वकासरूपीनीरमलपणतेस्व
 कासघणनेनवभागकरीनेजणायछे॥३६७॥
 एप्रकारेवैराटनेवीषेस्वकासघणनानवभाग
 नेएकभागसतोगुणनेएदशभागरह्याछे॥
 अनेहावेवैराटनेवीषे॥३६८॥नवभागअचंत
 घणनालेईने॥तेहेनेवीषेएकभागतमोगुणने
 मेलीने॥एदशभागयोप्यातातेकुण॥हावेतेकही
 येछीयेजे॥३६९॥एदशभागतोअचंतघणनीद
 शभावनाकेवीषेरह्याछेतेहेमेएकतमोगुणने
 भागतोअचंतघणनीअसंमतभावनानेबुधी
 अंतकालना॥३७०॥वीभागनेवीषेरह्याछे॥ते
 एकेकरीनेवैराटनाबुधीपणनेतमोगुणनेवीभा
 गभक्षणकरतोरहेछे॥तेमाटेवैराटेवैराटनी
 ३७१॥आद्यमुकीनेबुधीपांमीसकतुनथी॥तेत
 मोगुणनेवीभागकरीनेनथीबुधीपांमतु॥अ

नेहावेऽप्रचंतघणानाऽननवभाग ॥३७२॥ न
 वभावनानेवीषेरह्याछेतेजेएनवभावनाके
 वीषेऽप्रचंतपणउपजेछेजेऽप्रचेतपण ॥तेऽप्रचेत
 नेऽप्रचंतपणतेऽप्रचंतघणनेवीभागेकरीने
 उपजेछे ॥३७३॥ एप्रकारेवैराटनेवीषेऽप्रचंतघ
 णनेतमोगुणनाविभागरह्याछे ॥अनेहावेए
 तीनघणनेतीनगुणनाविभागतेवैराटनेवीषे
 ३७४ ॥ कुणकुणसमेयेवृत्तमांनकरेछे ॥ हविते
 कहीयेछीयेजे ॥ अहंकारघणानानवभागते
 वैराटमेचारमासचुमासानाभोगवेछे ॥ ३
 ७५ ॥ अनेतेहेनेवीषेएकभागसजोगुणनेतेजे
 वृष्णाउदेकरेछे ॥ अनेहावेस्वकाशघणानानव
 भागतोचतुरमाससीतकालनेवीषेवृत्तमांन
 करेछे ॥ ३७६ ॥ अनेतेहेनेवीषेएकभागसतोगु
 णनेतेजे ॥ अतीसेसीतलताउपजावेछे अने
 हावेऽप्रचंतघणानानवभागतो ॥ ३७७ ॥ धुपका
 लानाचतुरमासवृत्तमांनकरेछे ॥ अनेहाविते
 हेनेवीषेएकभागतमोगुणने ॥ तेजेधुपकाला
 नेवीषेअतीसेतांमस्रअज्ञीउतपंनकरेछे ॥ ३
 ७८ ॥ एप्रकारेवैराटनेवीषेष्टगुणघणनाविभा
 गरह्याछे ॥ अनेहावेऽप्रव्याक्रतथकी ॥ चतुरत
 लकारणउतपंनथयांछेजे ॥ ३७९ ॥ तेहेमेपेहेलां

तेऽनन्दतत्त्वकारणनेमांहांतत्त्वकारणथयां
 हुतां ॥ तेहेमेऽनन्दतत्त्वकारणथीतोप्रकृतीत
 त्वकारणथयु ॥ ३८० ॥ अनेमांहांतत्त्वकारणथी
 तो ॥ धनंजेतत्त्वकारणथयुहतु ॥ तेहेमेमांहांतत्त्व
 कारणानानवभागलेईने ॥ ३८१ ॥ तेहेनेवीषेए
 कभागऽनन्दतत्त्वकारणनोमेलीने ॥ एदश
 भागवैराटनेवीषेपोरमातातेकुण ॥ हावैतेकही
 येछीयेजे ॥ ३८२ ॥ माहातत्त्वकारणानानवभाग
 तुतोवैराटप्रमाणे ॥ वैराटनेवीषेमांहांतत्त्वका
 रणथयुछे ॥ हावैतेवैराटनुमांहांतत्त्वते ॥ ३८३ ॥
 वैराटनेवीषेकुणऽस्त्रानेरहसुछे ॥ हावैतेकही
 येछीयेजेवैराटनुपंचमुऽस्त्राकाशतत्त्वजेसब्द
 आकृतीसंजुक्तसुंसु ॥ ३८४ ॥ तेहेनाविभागने
 छोडीनेजेऽननादिषगाकाररुहछे ॥ जेसदायका
 लछेछेतेछेज ॥ हावैतेऽननादिषगाकारसुसनेवी
 षे ॥ ३८५ ॥ मांहांतत्त्वकारणानानवभागरह्याछे ॥
 हावैतेकीमजाणीयेजेमांहांतत्त्वकारणानानवभा
 गऽननादिषगाकारनेवीषेरह्याछे ॥ ३८६ ॥ हावैते
 हेनीक्रीयाकहीयेछीयेजे ॥ मांहांतत्त्वकारणतेजे
 वैराटनुऽस्त्राकाशतत्त्वनेऽनोरु ॥ अनादिषगाका
 रजेएवेहनीवीचेरह्यकु ॥ ३८७ ॥ आभ्रवीदूतग्र
 जनानेपवननीऽघलेईने ॥ एसरवेईनेपोताना

सरूपनेवीषेमेखवीनेरूपकरीनांखेछे॥३८८
 अनेजेहेनेवीषेएकभागआश्ररीयेकालनोर
 होछे॥तेजेदलीसरवउपाधीनाअरूपअंकुरने
 ग्रहीराषेछे॥३८९॥ताहारेवैराटनेवीषेआश्ररी
 येजणायछे॥अनेआश्ररीयेकालनाग्रहीराष्या
 बीनातो॥मांहांतत्वनेवीषेलीनपांमेषरंपण॥३
 ९०॥तुरतनांतुरतपाधरंकबाहरनीकसीआ
 वे॥तेमाटेआश्ररीयेकालनेग्रहीराषेकरीनेमां
 हांतत्वनीमांहीनांमांहीरहेछे॥३९१॥तेहेनुदछे
 ततेजेकोरहलकीजणसनेजलनेवीषेडुवावेतो
 डुवेषरी॥पणकरमेथीछोडीदेतोपाछीतेजणस
 उपरतरीआवे॥३९२॥एप्रकारेआश्ररीयेकाल
 नोवीभागमांहांतत्वनेवीषेरहोथको॥सरवउपा
 धीनेग्रहीराषेछेताहारेरेहेछे॥३९३॥अनेहावेतेहे
 नेवीषेएकभागआनंदतत्वकारणनोपोष्योतो
 तेकुण॥हावेतेकहीयेथीयेजेआनंदतत्वकारण
 नो॥३९४॥एकभागतेजेआभ्रविदूतनेग्रजनाने
 मांहांतत्वनेवीषेलीनपांम्याथकांनेपाछांससेसमे
 अरूपथकोरूपधरावीनेउदेपमाडेछे॥३९५॥ते
 आनंदतत्वकारणनोवीभागउदेपमाडेछे॥एप्र
 कांखैराटनेवीषेमांहांतत्वकारण॥नेआनंद
 तत्वकारणनाविभागरहाछे॥३९६॥अनेहावेध

नंजेतत्वकारणानानवभागलेईनेतेहेनेवीषेण
 कभागप्रकृतीतत्वकारणनोमेखीने ॥ एदशभा
 गवैराटनेवीषेपोरव्यातातेकुण ॥ ३९७ ॥ हावेतेक
 हीयेछीयेजे ॥ एदशभागतोवैराटनीशब्दमात्रा
 जेसत्वसुन्यतेहेनेवीषेरह्याछे ॥ तेकीमजाणीये
 जे ॥ ३९८ ॥ एदशभागसत्वसुन्यतेवीषेरह्याछे ॥
 हावेतेकहीयेछीयेजेवैराटनीशब्दमात्रानेवीषे
 ऊंकारनीआद्यलेईनेबावंनअक्षरबंधायछे ॥
 ३९९ ॥ तेधनंजेतत्वकारणनीसक्तीयेकरीने
 अक्षरनारूपबंधायछे ॥ हावेतेहेनुदृष्टांतकही
 येछीयेजे ॥ जंमकोईनेनदीनीवेलुनो ॥ ४०० ॥ गो
 लोबांधवोहोयतोतेवीषेथोडीकचीकणीमती
 काभेलवीनेबांधेतोबंधाय ॥ अनेनीकरतोवेल
 वीषरीजाये ॥ ४०१ ॥ एप्रकारेआकासपणवेलव
 तजाणवु ॥ तेमाटेतेहेनेवीषेधनंजेतत्वकारण
 रूपीमतीकायेकरीनेअक्षरनुरूपबंधायछे ॥ ४
 ०२ ॥ अनेनीकरतोचीकाशवीनावेलुवीषरी
 जाय ॥ तेणीपेरेशब्दमात्रापणवीषरीजाय अने
 तेहेनेवीषेएकभाग ॥ ४०३ ॥ प्रकृतीतत्वकारणनो
 पोष्योतोतेकुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ प्रकृतीत
 त्वकारणनोएकभागतेजेसरवअक्षर ॥ ४०४ ॥
 अक्षरनेवीषेस्वररह्याछे ॥ नहीकरतो नसाबोडा

रोडाअक्षरजबोलीनेरहीजवायपणअक्षरमां
 हीस्वरनीकसेछे ॥४०५॥तेप्रकृतीतत्वकारण
 नावेगथकीनीकसेछे ॥एप्रकारेवैराटनेवीषे
 नंजेतत्वकारणने ॥प्रकृतीतत्वकारणनावीभा
 गरह्याछे ॥४०६॥अनेहावेवैराटनेवीषे ॥पंचभाग
 नीरंजननालेईनेअनेतेहेनेवीषेपंचभागअ
 व्याकृतनामेलीने ॥४०७॥एदशभागपोख्या
 तातेकुण ॥हावेतेकहीयेछीयेजेवैराटनेवीशे ॥नी
 रंजननेअव्याकृतनाविभागबराबरीपोख्याछे
 ४०८ ॥तेणेकरीनेतोवैराटतपुचकथयुछे ॥जेना
 तोवैराटपुरशकेहेवाय ॥अनेनातोवैराटअक्षरी
 केहेवाय ॥तेसामाटेजे ॥४०९॥अव्याकृतने
 नीरंजननाबराबरीवीभागछे ॥तेणेकरीनेन
 रीअक्षरीकेनसोपुरुषनांकेहेवाय ॥अनेओ
 रु ॥४१०॥वैराटनेवीषेजलप्रथवीतेजवायुआ
 काशनीआद्यलेईनेपोतानांनेपोतानांतत्व
 संजमथयेकरीने ॥४११॥अनेकजीवउतपनया
 यछे ॥तेनीरंजननेअव्याकृतनाविभागबराब
 रीयेकरीनेथायछेएप्रकारेवैराटनेवीषे ॥४१२
 अव्याकृतनेनीरंजननाविभागरह्याछे ॥अने
 हावेवैराटनेवीषेकरतानीपुकासंबुलवृती
 नांतीनमाहात्वजे ॥४१३॥एकअवीकाशमाहा

त्वन्नेवीजुवीकाशमाहात्व ॥ अनेत्रीजुकुंभस्त
 माहात्व ॥ एतीनमाहात्वजेतेहेमेधी ॥ ४१४ ॥ अष्ट
 भागअवीकाशमाहात्वनालेईने ॥ तेहेनेवीषे
 एकभागवीकासमाहात्वनो ॥ अनेएकभाग
 कुंभस्तमाहात्वनो ॥ ४१५ ॥ एदोनुभागपेलाअवी
 कासमाहात्वनाअष्टभागनेवीषेमेलीने ॥ ए
 दशभागवैशटतनुनेपोष्यातातेकुण ॥ हावितेक
 हीएछीयेजे ॥ ४१६ ॥ तेहेनोतोवैशटनेवीषेओ
 हंकारपुणायंमथयोछे ॥ तेओहंकारपुणायंमते
 वैशटनेवीषेलेतोस्वासजांणवो ॥ ४१७ ॥ अनेतेहे
 नेवीषेएकभागवीकासमाहात्वनोपोष्योतो ॥
 तेतोऊंकारपुणायंमनेमोक्षअग्रभागेरहोछेते
 आगेआगे ॥ ४१८ ॥ वैशटनाउदनेवीषेवीकास
 करतोजायछे ॥ ताहारेपुठेपुठेऊंकारपुणायंमपु
 वेशकरेछे ॥ अनेओरुएकभागकुंभस्तमाहात्वने
 ४१९ ॥ तेहेनेवीषेपोरव्योतोतेतोऊंकारपुणायंम
 नेवीषेव्यापकथईने ॥ पुणायंमनेधीरेधीरेचाल
 वादेछे ॥ ४२० ॥ तेसामाटेजेकुंभस्तमाहात्वनेविषे
 तोयंभनशक्तीरहीछे ॥ तेमाटेतेहेनोवीभागपण
 पुणवनेयंभनवतकरतोरेहेछे ॥ ४२१ ॥ अनेहावेअ
 षभागवीकासमाहात्वनालेईनेअनेतेहेनेवी
 षेएकभागअवीकासमाहात्वनोअनेएकभा

गकुंभस्तमाहात्मनो ॥४२३॥ एदोनुभागपेलावी
 कासमाहात्मनाप्रष्टभागनेवीषेमेलीने ॥ एदश
 भागवैराटतनुनेपोष्यातातेकुण ॥ हावेतेकहीये
 छीयेजे ॥४२३॥ एदशभागनीतोवैराटनेविषेसोहं
 गप्रणायंमथयोछे ॥ हावेतेसोहंगप्रणायंमतेमुकते
 स्वासजांएवो ॥४२४॥ अनेतेहेनेवीषेएकभाग
 वीकासमाहात्मनोपोष्योतोतेकुण ॥ अनेएकभा
 गकुंभस्तमाहात्मनोतेकुण ॥ होवतेकहीयेछीये
 जे ॥४२५॥ एकभागअवीकासमाहात्मनीतेतो सो
 हंगप्रणायंमनेमोक्षप्रग्रभागरहोछे ॥ तेणेकरी
 नेसोहंगप्रणायंमना ॥४२६॥ विगप्रमाणेयोडोक
 चालवादेईनेपाछोउलटावेछे ॥ तेसामाटेजेअवी
 कासमाहात्मनीतोसंपटसक्तीछे ॥४२७॥ तेमाटे
 तेहेनीवीभागपणसोहंगप्रणायंमनेसंपटवतपा
 छोउलटावेछे ॥ अनेएकभागकुंभस्तमाहात्मनो
 तेतोसोहंगप्रणायंमनेवीषे ॥४२८॥ व्यापकरहो
 छेतेणेकरीनेतोप्रणायंमनोरेचकधीरेधीरेथवा
 देछे ॥ तेमाटेवैराटनोआरबलघणोकपोहोवेछे ॥
 ४२९॥ अनेहावेअष्टभागकुंभस्तमाहात्मनालेई
 ने ॥ अनेएकभागअवीकासमाहात्मनो ॥ अनेए
 कभागविकासमाहात्मनो ॥४३०॥ एदोनुभागपे
 लाकुंभस्तमाहात्मनाप्रष्टभागनेवीषेमेलीने

एदशभागवैराटतननेपोख्यातातेकुण ॥ हावेते
 कहीयेछीयेजे ॥ ४३१ ॥ एदशभागतोवैराटनादोन
 प्रणायंमनेवीषेकुंभकथईरहोछे ॥ तेकुंभकके
 हेतांजेदोनुस्वासनीवीचेस्वासयंभनपांमेछे
 ४३२ ॥ तेकुंभस्तमाहात्वजांणवु ॥ अनेतेहेनेवीषे
 द्वेभागअवीकासमाहात्वनेवीकासमाहात्वना
 पोष्यातातेहेमेएकभागवीकासमाहात्वतोतो
 ४३३ ॥ कुंभस्तमाहात्वनाउरधमुखनेवीषेअग्र
 भागेरहोछे ॥ तेकुंभकनेयोडीकवारराषीनेवा
 हारयोडीदेछे ॥ ४३४ ॥ अनेएकभागअवीकास
 माहात्वतोतोकुंभकनाअधोमुषनेअग्रभागे
 रहोछे ॥ तेकुंभकनेवैराटनेवीषेपकडीराषेछे
 ४३५ ॥ एप्रकारेवैराटनेवीषेअवीकासमाहा
 त्वनेवीकासमाहात्वनेकुंभस्तमाहात्वनावीभा
 गरहोछे ॥ हावेवैराटनेवीषे ॥ ४३६ ॥ करतानीसं
 जमभोगवृतीनांतीन चक्षुसत्वजेएकवृगज्ञा
 नचक्षुसत्व ॥ अनेबीजुअनंगचक्षुसत्व ॥ अने
 त्रीजुकालचक्षुसत्व ॥ ४३७ ॥ एतीनचक्षुसत्वजे
 तेहेमेतीनभागवृगज्ञानचक्षुसत्वनालेईने ॥
 अनेतीनभागअनंगचक्षुसत्वनालेईने ॥ ४३८
 अनेचतुरभागकालचक्षुसत्वनालेईने ॥ एदश
 भागवैराटतनुनेपोष्यातातेकुण हावेतेकही

एषीयेजे वैराटनेवीषेप्रथम ॥ ४३९ ॥ वृगज्ञान
 चक्षुसत्वजेतेवैराटनां सरवतत्वनेईडीयोनी
 वीभक्तीन्यारीन्यारीराषेष्टेजेप्रातत्वईडीयो
 नीक्रीया ॥ ४४० ॥ पेलातत्वईडीयोनेवीषेनांमले
 अनेपेलातत्वईडीयोनीक्रीयाप्रातत्वईडीयो
 नेवीषेनांमले ॥ अनेप्रोरुजेतत्वईडीयोनी ॥ ४
 ४१ ॥ क्रीयाजेसमयेजेइयेतेसमयेतेतत्वईडी
 योनीक्रीयाजणावेष्टे ॥ तेवृगज्ञानचक्षुसत्वज
 णावेष्टे ॥ ४२ ॥ अनेतेहेनेवीषेअनंगचक्षुसत्व
 नातीनभागतेजेवैराटनां ॥ सरवतत्वईडीयो
 निवृगज्ञानचक्षुसत्वनाजणमापुठल ॥ ४४३
 उमंगावीनेजेजेहेवुसत्वतेहेवीक्रीयाकरावे
 ष्टे ॥ तेअनंगचक्षुसत्वकरावेष्टे ॥ हावेतेअनंग
 चक्षुसत्वकेहेतां ॥ तेजेकांमदेवजाणवो ॥ ४४४
 तेकांमनायेकरीनेसरवतत्वनीक्रीयायोयाय
 ष्टे ॥ अनेतेहेनेवीषेचतुरभागकालचक्षुसत्व
 ना ॥ तेजेपेलातत्वईडीयोनीक्रीयायोने ॥ ४४५
 पुठलथीनाशपमाडतुजायष्टे ॥ तेनाशकेहेतां
 तेजेपेहेलीरतुनोनाशथायष्टे ॥ ताहारेबीजी
 रतुबदलायष्टे ॥ ४४६ ॥ तेकालचक्षुसत्वपेहेली
 रतुनीक्रीयायोनेनाशकरेष्टे ॥ ताहारेबीजी
 रतुबदलायष्टे ॥ हावेएप्रकारेतीतीनचक्षुसत्व

नी उपक्रीया रही छे ॥ ४४७ ॥ अने हावे ती नच
 ससत्वनी मुलमकांनी अस्थाननी क्रीया क
 ही ये छी ये ॥ जे मुलमकांनी अस्थानते जे करता
 नी प्रकाशबं सवृतीनां ॥ ४४८ ॥ तीनमाहात्वजे
 अकअवीका समाहात्व ॥ अने बीजुवीका समा
 हात्व ॥ अने त्रीजुकुंभस्तमाहात्व ॥ एतीनमाहा
 त्वते ॥ ४४८ ॥ तीनचससत्वना मुलमकांनी अ
 स्थानजांणवो ॥ हावे ते क्रीया क्रीया माहात्वने वी
 षे क्रीयु क्रीयु चससत्वरह छे ॥ ४४९ ॥ हावे ते कही
 र छी ये जे प्रथम अवीका समाहात्वने वी षेतो ॥
 प्रगज्ञानचससत्वरह छे ॥ अने बीजुवीका समा
 हात्वने वी षेतो कालचससत्वरह छे ॥ ४५० ॥ अने
 त्रीजुकुंभस्तमाहात्वने वी षेतो ॥ अनंगचससत्व
 रह छे ॥ हावे एतीनमाहात्वके हेतांते जे अवीका
 समाहात्वतो ॥ ४५१ ॥ वैराटनोर्ककारले तो प्रणायं
 मजांणवो ॥ अने वीका समाहात्वते वैराटनो सु
 कतो सोहंग प्रणायंमजांणवो ॥ ४५२ ॥ अने हावे
 ताहारपछे बहुस्वासनी संधीने वी षे प्रणायंम
 यं मनपांमे छे ते कुंभस्तमाहात्वजांणवु ॥ ते हेने
 वी षेतो अनंगचससत्वरह छे ॥ ४५३ ॥ हावे एती
 नअस्थानने वी षे ती नचससत्वरहं छे ॥ हावे
 ते हेनी क्रीया अनुक्रमकही ये छी ये जे प्रथंमव

गज्ञानचक्षुसत्वते ॥४५४॥ लिताप्रणयंमस्वास
 नेभीतरपूरानीयुष्टीकरेछे ॥तेणेकरीनेप्रणयंम
 अतीसेवाहारनथीवहीजातो ॥हावेअनंगचक्षु
 सत्वते ॥४५५॥ कुंभस्तमाहात्वजेलेतोस्वासपो
 रकनेमहीषीचीकरीराषेछे ॥तेणेकरीनेवैराट
 नेवीषेप्रणयंमथोडोकभरईरेहेछे ॥४५६॥ ताहा
 रेसर्ववैराटनेवीषेसमतारेहेछे ॥हावेतारपीछे
 कालचक्षुसत्वते ॥सुकताप्रणयंमस्वासने ॥४
 ५७॥ बाहाररेचककरीनांषेछे ॥तेसामाटेजेका
 लचक्षुसत्वतो एकभागजास्तीछे ॥तेप्रणयंम
 नोकालकरवासारूपप्रणयंमनेबाहरउलकी
 नांषेछे ॥४५८॥ तेजाहारेअनंगचक्षुसत्वजेदलु
 नीरबलतापांमतुजायछे ॥ताहारेतेदलोप्रणा
 यंमनेकालचक्षुसत्ववीसेसबाहाररेचकक
 रीनांखेछे ॥४५९॥ तेणेकरीनेवैराटकोकाले
 नास्तीपांमेछे ॥तेसामाटेजेद्वेचक्षुसत्वनातोती
 नतीनभागहता ॥४६०॥ अनेकालचक्षुसत्वना
 तोचतुरभागहता ॥तेकालचक्षुसत्वनेएकभा
 गजास्तीयेकरीने ॥कोकालेवैराटनास्तीपांमेछे
 एप्रकारेवैराटनेवीषेतीनचक्षुसत्वरह्यांछे ॥४
 ६१॥ दोहरा ॥अतीथीरईडवैराटके कीयेहसक
 लअनुक्रम ॥सचीतसबुधअधीकारीकु ॥दरसा

वंननीजमंम ॥४६२॥ अत्रषट्गुणघणमाहाद
 के ॥ नारण्यदाससुण्यसंत ॥ पोषेहवृतीक्रीया
 जेहीवीधे ॥ कुवेरसोक्रतविस्तरत ॥४६३॥ षट्
 माहाददेवतनुपंचीकरणदेखावंननाम
 एमोकंदः ॥ ८ ॥ प्रारं ॥ अनेहावेकरतानीक्री
 यावृतीयेषट्माहाददेवतनुस्त्र्यांछे ॥ तेहेनीक्री
 याकहीएछीयेजे ॥ रजोगुणनापंचभागलेईने
 १ ॥ अनेओरपंचनापंचभागजे ॥ एकअहंकार
 घणनो ॥ अनेबीजोस्वकाशघणनो ॥ अनेत्रीजो
 अचंतघणनो ॥ २ ॥ अनेचोथोसतोगुणनो ॥ अने
 पांचमोतमोगुणनो ॥ एपंचभागपेलारजोगुण
 नापंचभागनेवीशेमेलीनेएदशभाग ॥ ३ ॥ ष
 ट्माहाददेवतनुनेपोष्यातातेकुण ॥ हावेतेक
 हीएछीएजे ॥ एदशभागपोष्यातातेहेनातोषट्
 माहाददेवनेवीषेबुंस्त्राययाछे ॥ ४ ॥ अनेहावेते
 हेनेवीषेएकभागसतोगुणनोपोष्योतो ॥ तेजेबुं
 स्त्रानेकोईसमेस्वांतीउपजेछे ॥ अनेतेहेनेवीषेए
 कभाग ॥ ५ ॥ अहंकारघणनोपोरख्योतोतेजेबुंस्त्रा
 नेकोईसमेंअहंकारउपजीजायछे ॥ अनेतेहेने
 वीषेएकभागस्वकासघणनोपोष्योतोतेजे ॥ ६ ॥
 बुंस्त्रानेकोईसमेंस्वकाशपणअविछे ॥ जेसरव
 वीशेथीत्रपतीपईने९फूलीतथायछे ॥ अनेतेहे

नेवीशे एकभाग ॥७॥ अचंतघणनीपोष्योतोतेजे
 बुंस्नाकोईसमेअचंतवतध्यांनाकारथईजाय
 छे ॥ अनेतेहेनेवीषे एकभागतमोगुणनीपोष्यो
 तोतेजे ॥८॥ बुंस्नानेकोईसमेतांमसगुणउपजीजा
 यछे ॥ अनेहावेपंचभागसतो गुणनालेईने ॥ अने
 ओरपंचभागपंचगुणघणनातेहेनेवीषेमेलीने
 ९ ॥ एदशभागपोरव्यातातेहेनातो ॥ षटमाहाददे
 वतनुनेवीषेवीसुदेवथयाछे ॥ अनेहावेतेहेनेवी
 षेओरपंचगुणघणनावीभागपोष्यातातेकुण
 १० हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ पंचभागसतो गुणना ॥
 पोष्यातातेलेकरीनेतोवीसुअतीसेस्वांतीवतछे
 अनेतेहेनेवीषे एकभाग ॥११॥ रजोगुणनोतेजेवी
 सुनेकोईसमेलस्यमीतीउपरमोहउपजेछे ॥ अ
 नितमोगुणनो एकभागतेजेवीसुनेकोईसमेत
 मोगुणउपजेछे ॥१२॥ ताहारेअवतारधरीनेघण
 कदहीतनांछेदनकरेछे ॥ अने एकभागअहंका
 रघणनोतेजेवीसुअष्टीनुपालणकरवानोअ
 हंकारधरेछे ॥१३॥ तेअहंकारघणनेवीभागेक
 रीनेधरेछे ॥ अने एकभागस्वकाशघणनोतेजे
 वीसुकोईसमेस्वकाशपदेजरहेछे ॥१४॥ अनेहा
 वे एकभागअचंतघणनोतेजेकोईसमेवीसुध्यां
 नाकारअचंतवतसखाजरहेछे ॥ हावेनेएप्र

कारे षटेऽङ्गुणघणने वीषे ॥ १५ ॥ ओरपंचगुणघ
 णनविभागजांणवो ॥ हावे ए प्रकारे षटेऽङ्गुण
 घणने वीशे मोह उपजेते ॥ रजोगुणनो विभागजां
 णवो ॥ १६ ॥ अनेतां मस उपजेतो ते तमो गुणनो
 विभागजांणवो ॥ अने स्वांती उपजेतो ते सतो गु
 णनो विभागजांणवो ॥ १७ ॥ अने अहंकार उपजे
 तो ते अहंकारघणनो वीभागजांणवो ॥ अने पंच
 मुखकाशपण उपजेतो ते स्वकाशघणनो विभा
 गजांणवो ॥ १८ ॥ अने छवो अचंतभाव उपजेतो
 ते अचंतघणनो वीभागजांणवो ॥ अने हावे पंच
 चभागतमोगुणनाले ईने अने ते हेने वीषे ॥ १९ ॥
 ओरपंचभागपंचगुणघणनामेलीने एदशभा
 गषटमाहाददेवतनुने योष्याता ते हेनातो सी
 वदेवथयांछे ॥ २० ॥ अने हावे पंचभाग अहंकार
 घणनाले ईने ॥ अने ओरपंचभागपंचगुणघण
 नाते हेने वीषे मेलीने ॥ २१ ॥ एदशभागयोष्याता
 जे ॥ ते हेनातो षटमाहाददेवतनुने वीषे से सजी
 थयांछे ॥ अने हावे पंचभाग स्वकाशघणनाले ई
 ने ॥ २२ ॥ अने ते हेने वीषे ओरपंचभागपंचगुण
 घणनामेलीने ॥ एदशभागषटमाहाददेवतनु
 ने योष्याता जे ते हेनातो ॥ २३ ॥ षटमाहाददेवेन
 वीषेमाहादमीदक देवथयांछे ॥ अने हावे पंच

भागस्य चंत घणना लेईने ॥ अने ओर ते हे ने वी
 षे ॥ २४ ॥ पंच भाग पंच गुण घणना मे लीने ॥ एद
 श भाग षट माहा द देव त मुने पोष्या ता ते हे ना तो
 षट माहा द देव ने वी शे माहा द कोरं म देव य या छे
 २५ ॥ अने हा वे ए षट माहा द देव ने वी शे ॥ ओर
 तत्व ई डी यो ना वी भाग पोष्या छे ॥ ते हे नी क्री या
 यो तो आ ग ल ओर देव ने वी षे क ही शु ॥ २६ ॥ ते
 ने ते प्र सां ए ए षट माहा द देव ने वी षे प ए जां ए जे
 अने हा वे ए षट माहा द देव त मुने कु ए कु ए अ
 स्थाने र ह्या छे ॥ २७ ॥ हा वे ते क ही ये छी ये जे ॥ ए षट मा
 हा द देव तो वै रा ट नां षट सी ष र रू पी अंग ने वी
 षे र ह्या छे ॥ अने हा वे ए वै रा ट ते कु ए प्र का रे के ए
 मो रे ष डुर ह छे ॥ २८ ॥ अने हा वे की या की या अंग
 ने वी षे कु ए कु ए दे व र ह्या छे ॥ हा वे ते क ही ये छी ये
 जे वै रा ट तो अधो मु षे र ह छे जे उ र ध मु षे तो वै रा
 ट ना ॥ २९ ॥ च र ण र बी द ने लीं ग रू पी ती न सी ष र
 र ह्या छे ॥ अने अधो मु षे तो वै रा ट मु स्त क ने क
 र र ह्या छे ॥ अने पुर व द सा ये तो वै रा ट नी पु व र
 ही छे ॥ ३० ॥ अने वी श्व प छ म के हे छे ते ए पी पा से
 तो वै रा ट त्र मु ष र ह छे ॥ ते हे मे उ र ध भा ग नां ती न
 च र ण र बी द रू पी ॥ ने लीं ग रू पी सी ष र जे ॥ ३१ ॥
 ते हे मे ज म ए च र ण र बी द रू पी सी ष र उ प र तो

वीसुरहाछे। अनेडावाचरणरबीदरूपीसीष
 रउपरतोशीवजीरहाछे॥३२॥ अनेवैराटनाली
 गरूपीसीषरउपरतोबुंलारहाछे। अनेहावेअ
 धोमुषनांमुस्तकनेकररूपीतीनसीषरजेतेहे
 मे॥३३॥ मुस्तकरूपीसीषरनीतलेतोसेसजीदेव
 रहाछे। अनेजंमणाकररूपीसीषरनीतलेतो
 कोरंमदेवरहाछे॥३४॥ अनेहावेडावाकररूपी
 सीषरनातलेतोमीडकदेवरहाछे। अनेहावेए
 प्रकारेष्टमाहाददेवतनुवैराटनांष्टसीषर
 गनेवीषेरहाछे॥३५॥ दोहा॥ षटगुणघणतनुतत्व
 केपंचीकरणप्रभाव॥ कहेहरचनारचीजेहीवी
 धी॥ नीजकरताक्रतभाव॥३६॥ ओरुईडादीकसु
 रनके। वीषुवीलासईतीहास॥ नारण्यदासतेही
 तत्वनकी। केहंकुवैरपरकास॥३७॥ अथसोमं
 न्यदेवतनुवीचरणपंचीकरणदेशावंनकंद॥
 १॥ अनेहावेएष्टमाहाददेवतनुनीआद्यलेईने
 सरवदेवतनुनांतत्वनीक्रीयाकहीयेछीयेजे॥ १
 हावेदेवनेवीषेपंचभूतनापंचभागरहाछेतेकुण
 हावितेकहीयेछीयेजेप्रथंमप्रथवीतत्वनोभागते
 जेदेवसुरतीमांनछे॥ २॥ अनेरवीचंडतारामंडल
 नीआद्यलेईनेद्रसमांनछे॥ तेप्रथवीतेभागेकरीने
 दरसेछे॥ अनेसुरतीमांनतेप्रथवीनेवीभागेजणा

यथे ॥३॥ ए प्रकारे देवने वीषे सुक्ष्म मन्त्रवती रही छे ।
 हावे ते देवने वीषे जल तत्व नो विभागते कुण ॥ हावे
 ते कही ये छी ये जे ॥४॥ देवने वीषे जल तत्व ते देवने
 वीषे रूप मी रही छें ॥ ते अमी दृष्टी ये करी ने कोई नी
 सांहां मु भाले छे ॥ ते हे ने ली लाले हे रथा यथे ॥५॥ ए प्र
 कारे देवतनु ने वीषे जल तत्व नो वी भाग रह्यो छे
 हावे देवने वीषे ते जल तत्व नो विभागते कुण ॥ हावे ते
 कही ये छी ये जे ॥६॥ ते जल तत्व ते देवने वीषे प्रकासर
 ह्यो छे ॥ हावे देवने वीषे पवन तत्व नो वी भागते कु
 ण ॥ हावे ते कही ये छी ये जे ॥७॥ पवन तत्व ते देवने वी
 षे हल लण चलण पण रह्ये ॥ हावे देवने वीषे आका
 श तत्व नो विभागते कुण ॥ हावे ते कही ये छी ये जे ॥
 ८॥ आकाश तत्व ते देव ग्राहा वाय नही ॥ अने अ
 दृष्ट पण रह्यो छे ॥ हावे देवने वीषे पंचमात्रा नवनव
 भागे रही छे ते कुण प्रकारे रही छे ॥९॥ हावे ते कही ये
 छी ये जे ॥ प्रथं म गंध मात्रा ते देव वासना ये त्रपती
 पां मे छे ॥ ते मारे सुगंधी ली धा पण घण कर रह्ये ॥
 ते सा मारे जे नवनव भाग गंध मात्रा नार ह्यो छे ॥१०॥ ए
 प्रकारे देवने वीषे गंध मात्रा रही छे ॥ हावे देवने वी
 षे रस मात्रा ते कुण ॥ हावे ते कही ये छी ये जे रस मात्रा
 ते देवनी रसना ये रही छे ॥११॥ ते मारे देव रसना
 ये करी ने वचन कहे छे ते फल प्रापती या यथे ॥ ते न

वभागे रसमात्रा रही छे ॥ तेमा देवचन मे रस जईने
 फलजां मे छे ॥ १२ ॥ ए प्रकारे देवने वीशे रसमात्रा रही
 छे ॥ हावे देवने वीशे रूपमात्रा ते कुण ॥ हाविते कही
 ए छी येजे ॥ रूपमात्रा ते देवनां चक्षुने वीषे रही छे ॥ १
 ३ ॥ जिन वभाग तेणे करीने देवनां चक्षुनी पलकन
 थी पडती ॥ अने देवनी दृष्टी घणी कपो चे छे ॥ तेसामा
 टेजे नवभागे रूपमात्रा रही छे ॥ १४ ॥ तेणे करीने दृष्टी
 घणी कपो चे छे ॥ हावे देवने वीषे सप्रसमात्रा ते कुण
 हाविते कही ये छी येजे ॥ सप्रसमात्रा ते देव सप्रसेक
 रीने आनंदपां मे छे ॥ १५ ॥ ते सप्रसजे चंदनलेपजल
 आसां नलेपनती आद्यलेईने त्रपती देवपां मे छे ते
 नवभाग सप्रसना तुचाने वीषे रह्या छे ॥ १६ ॥ तेमा
 टे तुचा अे परसे करीने आनंदपां मे छे ॥ ए प्रकारे
 देवने वीषे सप्रसमात्रा रही छे ॥ हावे देवने वीषे सब
 मात्रा ते कुण ॥ १७ ॥ हाविते कही ये छी येजे सब मात्रा
 ते देवनां अवणने वीषे रही छे ॥ तेणे करीने घंटा त्या
 दसंषनादनी आद्यलेईने देवने वाजंत्रपीये लागे
 छे ॥ १८ ॥ तेसामा टेजे नवभाग सब मात्रा ना छे ॥ तेमा
 टे वाजंत्रपीये लागे छे ॥ ए प्रकारे देवने वीषे सब मात्रा
 रही छे ॥ अने हावे देवने वीषे रजोगुणी ॥ १९ ॥ दश
 कंसाते हे मे थी पंच आकंसा नानव नवभाग ॥ अ
 ते पंच आकंसा नो एक एक भाग ते कुण ॥ हाविते क

हीयेछीयेजे ॥२०॥ प्रथमश्रवणआकंक्षानोदेवने
 वीषेनवभागेरहीछे ॥ तेहेनातोदेवनेकरणयया
 जेहेमेसब्दमात्रानवभागेरहीछे ॥२१॥ तेसामाटेजे
 नवभागश्रवणआकंक्षानाहुता ॥ ताहारेनवभा
 गेसब्दमात्रासमाई ॥ अनेहावेदेवनेवीषेसुगंधः
 कंक्षानो ॥२२॥ हावेतेकहीयेछीयेजेसुगंधः
 कंक्षानीतो ॥ देवनेवीषेनासाईडीथई ॥ जेहेनेवीषे
 नवभागगंधमात्रारहीछे ॥२३॥ तेनवभागसुगं
 धःआकंक्षाहुतीताहारेनवभागगंधमात्रासमा
 ई ॥ अनेहावेदेवनेवीषेनीरक्षणआकंक्षानान
 वभागतेकुण ॥२४॥ हावेतेकहीएछीयेजे ॥ तेनीर
 क्षणआकंक्षानांतोदेवनेवीषेनेत्रथयां ॥ जेहेने
 वीषेनवभागेरूपमात्रारहीछे ॥ तेनवभागनीर
 क्षणआकंक्षाहुती ॥२५॥ ताहारेनवभागेरूपमा
 त्रासमाई ॥ अनेहावेदेवनेवीषेवीसीयेआकंक्षा
 नानवभागतेकुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥२६॥ वी
 सीयेआकंक्षानीतोदेवनेवीषेलीगईडीथई ॥ ते
 देवनीईडीमुकायनही ॥ सदायकालषडीरेहेछे ते
 सामाटेजेनवभागवीसीयेआकंक्षानारहाछे
 २७ ॥ तेणेंकरीतेदेवनीईडीमीचायनही ॥ अने
 हावेदेवनेवीषेगवनआकंक्षानानवभागतेकु
 ण हावेतेकहीयेछीयेजे ॥२८॥ गवनआकंक्षानोते

देवनाचरणारवीदनेवीषेरहीछे ॥ तेलसकोश
 घडीयेगवनकरेतोहीयेदेवनेसरमपोचेनही
 २९ ॥ तिसामाटिजेनवभागगवनआकंक्षाना
 रहाछे ॥ तेणेकरीनेदेवनेसरमपोचेनही ॥ हा
 वेएप्रकारेपंचआकंक्षादेवमेनवनवभागेरही
 छे ॥ ३० ॥ हावेदेवनेवीषेपंचआकंक्षानोएकएक
 भागतेकुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजेप्रथंमउचार
 आकंक्षानोएकभागते ॥ ३१ ॥ कोईसमेदेवउचार
 करेछे ॥ श्रीरूकोईसेवकनेवरदांनदेवाउचरे
 छे ॥ अनेहावेदेवनेवीषेएकभागसीतउस्रआ
 कंक्षानोतेकुण ॥ ३२ ॥ हावेतेकहीएछीयेजेसी
 तउस्रआकंक्षाते ॥ सुरीयेनीआद्यलेईनेतेजवं
 तदेवथीबीजानांतेजमुकाईजायछे ॥ ३३ ॥ अने
 रात्रीयेसीतलतापांमीनेचंद्रतारानीआद्यले
 ईनेप्रफुलीतथायछे ॥ तेसीतउस्रआकंक्षाजांए
 वी ॥ ३४ ॥ अनेहावेदेवनेवीषेग्राहाकआकंक्षाते
 कुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजेग्रहाकआकंक्षाना
 तीदेवनेवीषेहस्तययाछे ॥ तेहस्तेकरीनेपुसया
 दीकवस्तुनी ॥ ३५ ॥ आद्यलेईनेपोतपोतानांसेहे
 र्त्रआभक्षणग्रहीरेहेछे ॥ तेग्रहाकआकंक्षाजांए
 वी ॥ अनेहावेदेवनेवीषेमलवीसरजंनआकं
 क्षातेकुण ॥ ३६ ॥ हावेतेकहीएछीयेजेमलवीसर

जनआकंक्षातेदेववैभवकरीनेत्रपतीपांमेछे
 अनेपाशाअत्रपतीथईजायछे ॥३७॥ तेमलवीस
 रजनआकंक्षाजांणवी ॥ एप्रकारेजरजोगुणवीद
 शआकंक्षादेवनेवीषेसफुरणतापांमतीहवी ॥
 ३८ ॥ अनेहावेदेवनेवीषेसतोगुणनांपंचअंत
 सक्रणनानवनवभागतेकुण ॥ अनेपंचअवस्ता
 स्तानीएकएकभागतेकुण ॥ ३९ ॥ हावेतेकहीपेछे
 येजेप्रथमपंचअवस्तानापंचभागतेदेवनेवीषे
 सांसांत्यसंजुक्तसंमदंमरहाछे ॥ तेसदायका
 लपंचेईअवस्ताअहरतीश ॥ ४० ॥ वरततीजणाय
 छे ॥ अनेअवस्तापलटातीनथीदीसती ॥ तेकीम
 जांणीयेजेजाग्रतअवस्तातेसदायकालनेत्रती
 टगटगीलागीरेहेछे ॥ ४१ ॥ अनेसुपनअवस्ताते
 कंठनेवीषेदेवअप्रापतीभोगतीवंधनाकरीनेघा
 टघडांकरेछे ॥ अनेससोपतीअवस्ताते ॥ ४२ ॥ देवस
 दायसंमदंमभासेछे ॥ अनेतुरीयाअवस्तातेदेवस
 दायकालध्यांनाकारजणायछे ॥ अनेउत्तमुनीअ
 वस्तातेचारअवस्तायोनी ॥ ४३ ॥ जांणनीचासणी
 लेईनेआनंदपांमीनेउदारपणउदेवनेवीषेसदाय
 दरसेछे ॥ एप्रकारेपंचेईअवस्तादेवनेवीषेसंजुक्त
 वरतेछे ॥ ४४ ॥ तेमाटेदेवघणोकालेकोईसमेनी
 डावसथायछे ॥ अनेहावेदेवनेवीषेपंचअंतसक्र

सस

॥७४

एतानवनवभागतेकुण॥हावितेकहीयेछीये
 जे॥४५॥प्रथंममंनअंतसक्रणजेदेवनेवीषेसंक
 लपवीकलपरह्माछे॥तेकीमजाणीयेजेदेवकोई
 नेप्रसनयईनेफलीभूतथायछे॥४६॥अनेकोईने
 स्रापदेईनेपरलेकरेछे॥तेमंननेसंकलपवीक
 लवेकरीनेथायछे॥अनेहावेदेवनेवीषेबुधीअं
 तसक्रणतेकुण॥४७॥हावितेकहीएछीयेजेबुधीअं
 तसक्रणजेपोतपोतानालोकवेहेवारवीचारना
 घाटदेवघडताजरहेछे॥४८॥अनेहावेदेवनेवीशे
 अहंकारअंतसक्रणतेकुण॥हावितेकहीएछीये
 जेअहंकारअंतसक्रणतेजेदेवलोकनावेहेवा
 रकारीयेनो॥४९॥तोलकरेछेअनेकोईदेवनीशे
 वाकरेछे॥ताहारेवरदानआपेछेतेअहंकारअं
 तसक्रणकरेने॥पोतानासांमृतनीमांनीनता
 रेहेछे॥५०॥तेअहंकारअंतसक्रणजाणवु॥हावे
 देवनेवीषेचीतअंतसक्रणतेकुण॥हावितेकहीए
 छीयेजेचीतअंतसक्रणते॥५१॥देवनांहांनाप्रका
 रनावैभवतुचीतवंनकरांजजायछे॥अनेहावे
 देवनेवीषेनचीतअंतसक्रणतेकुण॥५२॥हाविते
 कहीयेछीयेजेनचीतअंतसक्रणते॥चारअंत
 सक्रणजावीशेनीचासणीलेईनेमोदीतपणवर
 तेछे॥तेनचिंतअंतसक्रणजाणवु॥५३॥एप्रकारेदे

147

७४

वनेवीशोपंचमंत्रसंक्रणनेपंचवस्तारहीछे
 अनेहावेदेवनेवीषेस्वकाशघणनांपंचसंभस
 क्रणना ॥५४॥ नवनवभागतेकुणअनेपंचवी
 वस्तानोएकएकभागतेकुण ॥हावेतेकहीयेछी
 येजे ॥पुयंमस्वांत्यसंभसक्रणते ॥५५॥ दिवनेवीषे
 स्वांतीपणरहछे ॥तेकीमजांणीयेजेदेवपोतानु
 धांमछोडीनेबहुडोलतानथी ॥अनेहावेदेवनेवी
 षेस्थीतीवीवस्तानोएकभागतेकुण ॥५६॥ हावे
 तेकहीएछीयेजेस्थीतीवीवस्तातेदेवहालेचाले
 पणस्थीतीपणजणायछे ॥अनेहावेदेवनेवीषेसे
 हेजसंभसक्रणनानवनवभागतेकुण ॥५७॥ हावेते
 कहीयेछीयेजेसेहेजसंभसक्रणतेदेवविचरण
 करताथकासेहेजसभावेजणायछे ॥५८॥ अने
 हावेदेवनेवीषेउदारवीवस्तानोएकभागतेकु
 ण ॥हावेतेकहीयेछीयेजेउदारवीवस्तातेदेवनेवी
 षेअंतरचाहना ॥५९॥ पणउपरउदारपणजणाय
 छे ॥अनेहावेदेवनेवीषेसीलसंभसक्रणनान
 वभागतेकुण ॥हावेतेकहीयेछीयेजे ॥६०॥ सील
 संभसक्रणतेदेवसदायसीलवंतजजणायछे
 अनेहावेदेवनेवीषेगलीतवीवस्तानोएकभा
 गतेकुण ॥हावेतेकहीएछीयेजे ॥६१॥ गलीतवीव
 स्तातेदेवकोईनेआपदेछे ॥ताहारपाछेआपनो

षनारो अस्तुती करे छे ॥ ते हारे देव गलीत थईने
 थो डोक आपवाली ले छे ॥ ६२ ॥ ते गलीत वीवस्ता
 नो भाग जांणवो ॥ अने हावे देवने वीषे संतोष सं
 भसकरणानवभागते कुण हावेते कहीये छीये
 जे ॥ ६३ ॥ संतोष संभसकरणते देव वासनाये क
 रीने संतोष पांमे छे ॥ ते माटे संतोष संभसकरण
 जांणवु ॥ अने हावे देवने वीषे कुंभ वीवस्तानो ए
 क भागते कुण ॥ ६४ ॥ हावेते कहीये छीये जे ॥ कुंभ
 वीवस्ताते देव आसन उपर ब्रीश जमान होय
 तांहां सुधी चलायवां न जणाय नही ॥ ६५ ॥ अने हा
 वे देवने वीषे समता संभसकरणते कुण ॥ हावेते
 कहीये छीये जे समता संभसकरणते कोई देवनी
 नंघा अस्तुती करे तो होय को पायवांने ईपण ॥ ६६ ॥
 वेहेलानयाय अने फलीभूते ईपण उतावलाथा
 यनही ॥ ते समता संभसकरणनो गुण जांणवो अ
 ने हावे देवने वीषे सांमान्य वीवस्तानो एक भाग
 ते कुण ॥ ६७ ॥ हावेते कहीये छीये जे सांमान्य वीव
 स्ताते कोई देवने घणाकाल सेवा करे छे ॥ अने को
 ई थो डाक दीन सेवा करे छे ॥ ६८ ॥ तो होय फलीभु
 त थईने वेहने वर वरी फल आपीज वाय छे ॥ ते
 सांमान्य वीवस्ताना अमलने एहे बु थई जाय छे
 ६९ ॥ अने हावे देवने वीषे तमो गुणना दशकाल

तेमेथीपंचकालनानवनवभागतेकुण।अने
पंचकालमेथीएकएकभागतेकुण॥७०॥हावेते
कहीयेछीयेजेएकसभावकाल।अनेबीजेकां
मनाकालअनेत्रीजेआक्रंतकाल।अनेचोथो
आश्ररीयेकाल॥७१॥अनेपंचमोदेशकालएपंच
चकालनातोदेवनेवीषेनवनवभागरहाछे।
हावेतेकहीयेछीयेजेपुथंमदेवनेवीषेसभावका
लनानवनभागते॥७२॥देवनासभावहोयतेप
लटायनही।कांमीतोकांमीजअनेक्रोधीतोक्रो
धीजअनेस्त्रीलतोस्त्रीलसदायकालरहेपण॥
७३॥कोईनोबोधलागीनेसभावपलटायनही
एपुकारेदेवनेवीषेसभावकालरहोछे।अनेहा
वेदेवनेवीषेकांमनाकालतेकुण॥७४॥हावेतेक
हीयेछीयेजेकांमनाकालते देववईभवनेकाजे
सालपताबुहकरेछे।अनेहावेदेवनेवीषेआक्रं
तकालतेकुण॥७५॥हावेतेकहीयेछीयेजेआक्रंत
कालतेदेवनेवीषेआक्रतीबुहरहीछे।तेणेकर
नेसरवलोकदेवथीत्रासपांमछे॥७६॥अनेहावे
देवनेवीषेआश्ररीयेकालतेकुण।हावेतेकहीए
छीयेजेआश्ररीयेकालतेदेवनेवीषेअंतरध्या
ननेअदर्शपणरहसुछे॥७७॥अनेहावेदेवनेवीषेहे
सकालनानवनभागतेकुणहावेतेकहीयेछीयेजे

देशकालतेदेवकोइनुसारुवंधेनहीतेकीमजा
 णीयेजे ॥७८॥ कोईजपतपकरतुहोमतोतेहेनोज
 इनेभंगकरीआवेएप्रकारेदेवमेदेशकालरहोछे
 एप्रकारेएपंचकालनानवनवभागरह्याछे ॥७९॥
 देवमे ॥ अनेहावेदेवनेवीषेप्रथमप्रथककाल ॥
 अनेबीजोवप्रीतकाल ॥ अनेत्रीजोअज्ञानकाल
 अनेचोथोरगसकाल ॥८०॥ अनेपंचमोवृधी
 अंतकाल ॥ एपंचकालनोएकएकभागतेकुण
 हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ प्रथमदेवनेवीषेप्रथकका
 लनो ॥८१॥ एकभागतेदेवप्रथकप्रथकदरसेछे
 पोतानाधाममेरहाथकाबीजीजायगायेदरसे
 छे ॥ तेदेवनेवीषेप्रथककालजाणवो ॥८२॥ अने
 हावेदेवनेवीषेबीजोवप्रीतकालनोएकभागते
 कुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजेवप्रीतकालतेदेव ॥
 कोईसमेअनहतुकामकरेछे ॥८३॥ ताहोरतेहे
 नुवप्रीतथायछे ॥ तेकीमजाणीयेजेइदेवताये
 गोतमनीनारनुहेरुकरुचंडमासेहेवृतमान
 तेहेनुवप्रीतथयु ॥८४॥ तिस्रापेसेहेरुभगयया
 अनेशीवजीयेबुलानुमुस्तकछेदु ॥ तेहेबुबुलक
 पालथइनेवलगु ॥ तेवप्रीतथयुएप्रकारेदेवमे ॥८
 ५॥ वप्रीतकालवरतेछे ॥ अनेहावेदेवनेवीषेत्रीजो
 अज्ञानकालनोएकभागतेकुण ॥ हावेतेकहीये

छीयेजे ॥ ८६ ॥ अज्ञानकालते देवत्रीकालदर्शी
 छेपणकोईसमेचुकीजायछे ॥ तेकीमजाणीयेजे
 जाहारेबलीराजानेघेरवांसनजाचवागयो ॥
 ८७ ॥ ताहारेशुक्राचारकाशमेवेग ॥ पणजंअणु
 नहीतेमाहारुनेत्रघंडीतयशे ॥ अनेप्रसुनीचे
 रथवाशे ॥ अनेत्रीकालदर्शीहता ॥ ८८ ॥ पणए
 मकोईसमेचुकीजायछे ॥ तेदेवनेवीषेअज्ञान
 कालजाणवो ॥ अनेहाविदेवनेवीषेचोथोरगस
 कालनोएकभागतेकुण ॥ ८९ ॥ हावेतेकहीये
 छीयेजेरगसकालतेदेवसेवाकरसांकोईकोई
 नीसाथेपुतीराषेछे ॥ तिरगसकालजाणवो ॥ ९०
 अनेहाविदेवनेवीषेपंचमीवुधीअंतकालनोए
 कभागतेकुण ॥ हावेतेकहीएछीयेजेवुधीअंतका
 लते ॥ देवतनुघणेककालेवुधीपांसीनेरहेछे ॥ ९१
 १ ॥ पछेवधेनहीतेवुधीअंतकालजाणवो ॥ एप्रका
 रतमोगुणनादशकालदेवतनुमेरहाछे ॥ अने
 हाविदेवनेवीषे ॥ ९२ ॥ अचंतघणनीदशभावना
 मेथीपंचभावनाकेनवनवभाग ॥ अनेपंचभा
 वनानोएकएकभागतेकुण ॥ हावेतेकहीयेछी
 येजे ॥ ९३ ॥ एकअहंतभावना ॥ अनेबीजीसंभ
 भावना ॥ अनेत्रीजीअचेतभावना ॥ अनेचोथीउ
 चारभावना ॥ अनेपंचमीमुंन्यभावना ॥ ९४ ॥ एपं

चभावनाकेतो नवमवभागदेवनेवीषेरह्याछे
 अनेहावेएकवीसरजनभावना अनेबीजीनी
 डाभावना ॥९५॥ अनेत्रीजीअंधतमभावना
 अनेचोथीअभावभावना ॥ अनेपंचमीअसां
 अतभावना ॥ एपंचभावनानोएकएकभाग ॥९६॥
 अनेहावेदेवनेवीषेप्रथमअहंतभावना नवभा
 गेरहीछेतेकुण ॥ हावेतेकहीएछीयेजे ॥ अहंतभा
 वनातेदेवघणाककालअंशभोगवेछे ॥९७॥ प
 णगतीपलटातीनथी ॥ तेमाटेदेवनेवीशेसदा
 यकालअहंतपणरुहछे ॥ अनेहावेदेवनेवीषेबी
 जीसंभभावनाकेनवभागतेकुण ॥९८॥ हावे
 तेकहीयेछीयेजेसंभभावनातेदेवसदायकाल
 संभाकारजणायछे ॥ हालेचालिपणसरवअंगे
 संभाकारवतदीसेछे ॥९९॥ अनेहावेदेवनेवी
 षेत्रीजीअचेतभावनाकेनवभागतेकुण ॥ हा
 वेतेकहीयेछीयेजेअचेतभावनातेदेवपोतानी
 हद्यछोडीने ॥१००॥ उंचीगतीपांमेनहीतेसामा
 टेजेदेवनेवीषेअचेतभावनारहीछे ॥ अनेहावे
 देवनेवीषेचोथीउचाटभावनाकेनवभागेरही
 छेतेकुण ॥१०१॥ हावेतेकहीयेछीयेजेउचाटभा
 वनातेदेवनेवीशेचरीमुडारहीछे ॥ तेचरी
 मुडानोसुंन्यसभावछे ॥ तेसुंन्यउचाटवतछे ॥१०२॥

तेमाटेदेवमेउचाटभावनाकहीएछीये॥अने
 हावेदेवनेवीषेपंचमीसुंन्यभावनाकेनवभाग
 तेकुण॥हावेतेकहीयेछीयेजे॥१०३॥सुंन्यभावना
 तेदेवसदायकालसुनीवुतसरवादेषायछे॥अ
 नेअतीसेवांणीनथीउचरतातेमाटेदेवमेसुंन्य
 भावनाकहीयेछीये॥१०४॥एपंचभावनानव
 नवभागेदेवमेएप्रकारेरहीछे॥अनेहावेदेव
 नेवीषेपंचभावनाकोएकएकभागतेकुण॥१
 ०५॥हावेतेकहीएछीयेजेपुथंसवीसरजनभाव
 नानोएकभागदेवनेवीषेतेदेवनेअग्यंसनीगं
 मसुकेछेतोहोयपण॥१०६॥कोईसमेदेवअसु
 ऊनुकांमकरेछे॥तेदेवनेवीषेविसरजनभाव
 नायेकरीनेथायछे॥अनेहावेदेवनेवीषेबीजी
 नीडाभावनाकोएकभागतेकुण॥१०७॥हावेतेक
 हीयेछीयेजेनीडाभावनातेदेवमंत्रआवाहने
 करीनेप्रगटथायछे॥एणकोईसमेमंत्रआवाहं
 ननथीसुणता॥१०८॥ताहारेनथीप्रगटयताते
 नीडाभावनायेकरीनेनथीयता॥अनेहावेदेव
 नेवीषेत्रीजीअंधतंसभावनातेकुण॥१०९॥
 हावेतेकहीयेछीयेजेअंधतंसभावनातेदेवने
 कोईसमेकसीककांमनाउठेछे॥ताहारेपोता
 नास्वांरथनेकाजेअनेकजीवनु॥११०॥कारज

बगाडेछेतेअंधतंसभावनाजांणवी॥अनेहावेदे
 वनेवीषेचोथीअभावभावनातेकुण॥हावेतेक
 हीएछीयेजे॥१११॥अभावभावनातेदेवनीसेवा
 करतांकोईनेचुकपडेताहारेदेवनेअभावउपजे
 छे॥तेणेकरीनेदेवफलीभूतनथीयता॥११२॥
 तेअभावभावनायेकरीनेनथीयता॥अनेहा
 वेदेवनेवीषेपंचमीअसंम्रतभावनातेकुण॥
 हावेतेकहीयेछीयेजे॥११३॥असंम्रतभावनाते
 देवचाहायसोकरेएदलुसंम्रथछे॥एणकांईए
 करतानथीतेअसंम्रतभावनायेकरीनेगती
 नथीपोचती॥११४॥एप्रकारेदेवनेवीषेअचंतघ
 णनीदशभावनारहीछे॥अनेहावेदेवनेवीषेत्रे
 एगुण॥अनेत्रेणघणनापंचपंचभागतेकुण॥११
 ५॥हावेतेकहीयेछीयेजे॥प्रथंमरजोगुणनापंचभा
 गदेवनेवीषेतेअहंकारघणनापंचभागमांही
 मलाथकाछे॥११६॥तेमाटेदेवनेवीषेरजोगुण
 अपंडरहोछे॥सामाटेजेपंचअहंकारनाभागमे
 मलाथकापंचरजोगुणनारह्याछे॥११७॥तेएये
 करीनेअहंकारभसोरजोगुणदेवनेवीषेसदाय
 रेहेछे॥तेमाटेदेवनोरजोगुणवीरंमयांसतो नथी
 ११८॥एप्रकारेदेवनेवीशेरजोगुणरहोछे॥अने
 हावेदेवनेवीषेअहंकारघणनापंचभागतेकुण

हावेतेकहीएषीयेजे ॥११८॥ अहंकारघणनापंच
 भागतेदेवनेवीषेअभीमानघणकरहछे ॥ते
 अभीमानतेसो गुणनापंचभागमेमलुयेकु
 रुहछे ॥तेमाटेदेवनेअभीमानअंधरहेछे ॥१२०
 एप्रकारेदेवनेवीशेअहंकारघणनापंचभाग
 रह्याछे ॥अनेहावेदेवनेवीषेसतो गुणनापंच
 भागतेकुण ॥हावेतेकहीयेषीयेजे ॥१२१॥ सतो गु
 णनापंचभागतेदेवअनेकप्रकारनावइभिवक
 रछेपणस्वांतीवतदेषायछे ॥तेसामाटेजेस्वकाश
 घणनापंचभागमे ॥१२२॥ मलायकासतो गुणना
 पंचभागरहाछे ॥तेणेकरीनेस्वांतीवतसदायज
 णायछे ॥एप्रकारेदेवनेवीषेसतो गुणनापंचभा
 गरहाछे ॥१२३॥ अनेहावेदेवनेवीषेस्वकाशघण
 नापंचभागतेकुण ॥हावेतेकहीएषीयेजे स्वका
 शघणनापंचभागतेदेवसदायकालस्वेप्रकाश
 रेहेछे ॥१२४॥ तेसामाटेजेसतो गुणनापंचभाग
 स्वकाशघणनापंचभागमे ॥मलायकारहाछे ॥
 तेणेकरीनेस्वकाशघणदेवमे ॥१२५॥ अंधरहे
 छेअनेहावेदेवनेवीषेतमोगुणनापंचभागतेकु
 ण ॥हावेतेकहीयेषीयेजेतमोगुणनापंचभागते
 १२० ॥ देवनेवीशेतांससपणरहसुछे ॥तेकीमजाए
 येजेतेणेकरीनेदेवकोईनेश्रापेदेछे ॥तेतमोगुण

नाविभागयुक्तीस्त्राष्टदेहे ॥१२१॥ एषकारेदेवने
 वीषेतमोगुणनापंचभागरह्याहे ॥ तेतमोगुणसदा
 यकालदेवनेवीषेअंतरमेअष्टदरेहेहे ॥१२२॥ प
 णकोईसमिपुगटदेखायहे ॥ बाकीगुप्तरेहेहे ॥ ते
 सामाटेजेअचंतघणनापंचभागमलायकार
 ह्याहे ॥१२३॥ तमोगुणनापंचभागमेतेअचंतघ
 णनोभावते ॥ अचेतपणनेपमाडेतेअचेतपण
 तेअसांमतीनेप्रापतीकरे ॥१२४॥ तेअसांमती
 भावतेअघोरपणउपजावे ॥ तेअघोरपणतेअज्ञा
 नज्ञाणवु ॥ तेअज्ञानेकरीनेतांमसउपजे ॥ तेतांम
 सतेतमोगुणनोभागज्ञाणवो ॥१२५॥ तेमाटेदेव
 नेवीषेसदायतमोगुणवरतेहे ॥ अनेहावेदेव
 नेवीषेअचंतघणनापंचभागतेकुण ॥ हावेतेक
 हीयेछीयेजे ॥१२६॥ अचंतघणतेदेवकष्टुकारी
 येकरेहेताहारेअकसमातकरीविसेहे ॥ चाहेभ
 लाथावकेबुराथावपणविचारकरीनेकरेनही
 १२७ ॥ तेसामाटेजेअचंतघणनेवीभागेकरीने
 तेसदायअचंतपणदेवनेवीषेरेहेहे ॥ तेसामा
 टेजेतमोगुणनापंचभागमहीमलायकारह्याहे
 १२८ ॥ अचंतघणनापंचभागमेतेणेकरीनेसदा
 यअचंतपणदेवनेवीशेवरतेहे ॥ अनेहावेदेव
 नेवीषेचारतत्वकारणना ॥१२९॥ पंचपंचभाग

तेकुण ॥ हावेतेकहीएषीयेजेप्रथमप्रकृतीतत्वका
 रणना ॥ पंचभागतेदेवनेवीषेचंचलपणुरहुछे
 १३० ॥ तिणेकरीनेदेवकोइसमेगवंनकरेछे ॥ तप्र
 कृतीतत्वकारणनोविभागजांणवो ॥ अनेहावेदे
 वनेवीषेधनंजेतत्वकारणना ॥ १३१ ॥ पंचभागते
 कुण ॥ हावेतेकहीएषीयेजे ॥ धनंजेतत्वकारण
 तेदेवनेवीषेचंडसुरतारामंडलनीआद्यलेइने
 १३२ ॥ हलणचलणगवनकरेछे ॥ पणथीरनाथी
 रजणायछे ॥ जांण्येचालताजतथीतेधनंजेतत्व
 कारणनेवीभागकरीने ॥ १३३ ॥ अचलजणायछे
 अनेहावेदेवनेवीषेआनंदतत्वकारणनापंचभा
 गतेकुण ॥ हावेतेकहीयेषीयेजे ॥ १३४ ॥ आनंदतत्व
 कारणतेदेवपोतपोतानावीषेनेवीषेआनेदव
 रतेछे ॥ तेआनंदतत्वकारणनोविभागजांणवो ॥
 १३५ ॥ अनेहावेदेवनेवीषेसांहांतत्वकारणनापंच
 भागतेकुण ॥ हावेतेकहीयेषीयेजेसांहांतत्वका
 रणते ॥ १३६ ॥ देवनेवीषेसांहांतासांनुभावपणुरहु
 छे ॥ तेसांहांतत्वकारणनोविभागजांणवो एप्रका
 रेदेवनेवीषेआरतत्वकारणरहांछे ॥ १३७ ॥ अने
 हावेदेवनेवीषेनीरंजननेअव्याकृतनाविभाग
 तेकुण ॥ हावेतेकहीयेषीयेजेनीरंजननाअष्टभा
 गलेइने ॥ असेतांमडेभागअव्याकृतनामेलीने

१३८ ॥ एदशभागदेवतनुनेपोख्याता ॥ तेहेनातो
 देवतनुनेवीषेषुरुषथयाछे ॥ अनेहावेदेवनेवीषे
 अष्टभागअव्याकृतनालेईने ॥ १३९ ॥ अनेद्वेभा
 गनीरंजननामेलीनेएदशभागदेवतनुनेपोष्या
 ता ॥ तेहेनीतोदेवतनुनेवीषेदेवंज्ञाअस्त्रीथईछे
 १४० ॥ हावेएप्रकारेनीरंजननाअष्टभागनातो
 देवनेवीषेषुरुषथया ॥ अनेअव्याकृतनाअष्ट
 भागनीतोअस्त्रीयोथई ॥ १४१ ॥ अनेहावेद्वेभा
 गनीरंजननाअव्याकृतनाअष्टभागमेमेस्त्री
 नेदेवतनुनेपोख्यातातेहेनीतोदेवनेवीषेदेवं
 ज्ञाअस्त्रीथईतेअस्त्रीनेवीषे ॥ १४२ ॥ नीरंजनना
 द्वेभागतेकुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजेअष्टभागअ
 व्याकृतनामेथीससभागतोदेवंत्याअस्त्रीनी ॥
 १४३ ॥ देहनीससधातुनेवीषेमलीजईने ॥ नीषाथी
 तेसीषापरजंतअस्त्रीलंगदेहकरीदियो ॥ हावेद्वे
 भागनीरंजनना ॥ १४४ ॥ एकभागअव्याकृततो
 एत्रेणभागअस्त्रीनेवीषेरहाछेतेकहीएछीयेजे ॥
 एकभागअव्याकृतनोरहोतो ॥ १४५ ॥ तेतोअस्त्री
 नेवाचेअंगेईगलानाडीमेरहोछे ॥ अनेद्वेभागनी
 रंजननारह्नाछे ॥ तेहेमेथीएकभागअस्त्रीनेदा
 हेनेअंगे ॥ १४६ ॥ पीगलानाडीनेवीषेरहोछे ॥ अ
 नेहावेएकभागनीरंजननाअस्त्रीनेवीषेरहो

छे। तेमेथीअरधभागतोअस्त्रीनीभगस्थानई
 डीनेवीषेरहोछे॥१४७॥अनेबीजोअरधभागते
 अस्त्रीनानेत्रद्वारनेवीषेरहोछे॥एप्रकारेदेव
 तनुअस्त्रीनेवीषेनीरंजननादेभागरहोछे॥१
 ४८॥तेहेमेएकभागतोअस्त्रीनीपीगलानाडी
 मेरहोछे॥अनेएकभागमेथीआधोभागअ
 स्त्रीनीभगस्थानईडीनेवीसेरहोछे॥१४९॥अने
 आधोभागअस्त्रीनानेत्रईडीनेवीषेरहोछे।तेकी
 मजांणीयेजेअस्त्रीनेनेत्रेकरीनेपुरुषउपरमोह
 यायछे॥१५०॥अनेभगस्थानईडीयेकरीनेपुरुष
 नोभोगकरेछे॥तेसामाटेजेपुरुषनावीभागबहुजा
 यगाएरहोछे॥तेमाटेपुरुनीचाहनाकरेछे॥१५१
 तेकेहेनीपरेजांणीएजेतेजतोवीभागनेत्रेरहोछे
 तेणेकरीनेतेजनुआक्रसणनेत्रकरेछे॥तेकीम
 जांणीयेजे॥१५२॥नेत्रमुदीनेसपरसेवायुजांणी
 येनेनेत्रमुदीनेउदकपरशेजणायछे॥अनेनेत्र
 मुदीनेअवनीग्रहायेजणायछे॥अनेनेत्रमुदी
 नेआकाशशब्देकरीतेजणायछे॥१५३॥एनेत्र
 वीनातेजतोपुकासजणायनही।तेसामाटेजेजे
 जेहेनोवीभागहोय॥तेतेहेनेग्रहीसके॥एप्रका
 रेआकाशनोभागकरणेवीशेरहोछे॥१५४॥ते
 शब्दआकाशनोभागनेग्रहणकरेछे॥अनेहावे

तुचानेवीषेवायुनोवीभागरह्योछे॥तेणेंकरीने
 तुचावायुनोसपरसग्रहेछे॥१५५॥अनेहावेना
 साअपेपृथवीतोवीभागरह्योछे॥तेणेंकरीनेपृथ
 वीनागंधनेग्रहणकरेछे॥अनेहावेउदकनोवी
 भागरसनायेरह्योछे॥१५६॥तेणेंकरीनेरसना
 जलनावीभागरसनेग्रहणकरेछे॥एप्रकारेजे
 जेहेनोवीभागहोयतेतेहेतुग्रहणकरेछे॥१५७
 तेमाटेअस्त्रीनानेअनेवीषे॥अनेभगनेवीषे
 पुरुषनोवीभागरह्योछे॥तेणेंकरीनेवेहजायगा
 येपुरुषनीचाहनाकरेछे॥१५८॥अनेहावेनीरंज
 ननाअष्टभागमेदभागअव्याकृतनामेलीने॥दे
 वतनूनेपोष्यातातेहेनातो॥देवनेवीषेपुरुशय
 याछे॥१५९॥तेपुरुषनेवीषेदेभागअव्याकृत
 नापोरव्यातातेकुणजायगायेरह्योछे॥हावेतेक
 हीषेछीयेजे॥१६०॥अष्टभागनीरंजननामथीस
 सभागतोदेवपुरुशनीदेहनीससधातुनेवीषे
 सलीजईनेतीषाथीतेसीषापरजंतपुरुशलंग
 देहकरीदीयो॥१६१॥अनेहावेदेभागअव्याकृत
 नाअनेएकभागनीरंजननोएत्रेणभागदेव
 पुरुषनेवीषेरहाछेतेकुण॥हावेतेकहीएछीए
 जे॥१६२॥एकभागनीरंजननोरह्योतोतेतो
 पुरुषनेदाहनेअंगेपीगलानाडीनेविषेरह्योछे

तेलेंकरीनेपीगलानाडीपुरुषलंगथई ॥१६२॥
 अनेहावेदेभागअव्याकृतनारह्याछे।तेहेमेथी
 एकभागदेवपुरुषनीइगलानाडीनेवीषेवा
 वेअंगेरहोछे ॥१६३॥तेलेंकरीनेइगलानाडी
 अस्त्रीलींगथई।अनेहावेएकभागअव्याकृत
 नोपुरुषनेवीषेरहोछे ॥तेहेमेथीअरधभाग
 तो ॥१६४॥पुरुषनीलींगस्यांनईडीनेवीषेरहो
 छे।अनेवीजोअरधभागतेपुरुषनानेत्रद्वारईडी
 नेवीषेरहोछे ॥तेकीमजांणीयेजे ॥१६५॥पुरशने
 नेत्रेकरीनेअस्त्रीउपरमोहथायछे ॥अनेलींग
 ईडीयेकरीनेअस्त्रीनोभोगकरेछे ॥तेसामाटेजे
 १६६ ॥अस्त्रीनावीभागबेहजायगायेरह्याछे ॥ते
 सामाटेजेअस्त्रीनावीभागछेतेअस्त्रीनीचाहे
 नाकरेछे ॥एप्रकारेनीरंजनने ॥१६७॥अव्याकृत
 तनावीभागदेवतनुनेवीषेरह्याछे ॥तेलेंकरीने
 जेजेनाविभागछे ॥तेतेहेनीचाहनाकरेछे ॥१६८॥
 पणसुनकादीकसुषदेवनेदतात्रीनवजोगीनी
 आद्यलेईनेसर्वअस्त्रीयोनात्यागकरीनेमाहा
 योगीराजतद्वततदाकार ॥१६९॥थईगयातेकु
 णप्रकारेकरीनेथयाहशे ॥अनेअस्त्रीयोनेवीषे
 क्रमीतीकर्मामीरांबाईनेगार्गीनीआद्यले
 ईने ॥१७०॥सर्वपुरुषनात्यागकरीनेमाहोवेराग

सस.

॥८२

वानयोगीराज ॥ तदवततदाकारधर्गियोतेकण
 प्रकारेकरीनेथयोहशे ॥१७१॥ अनेतमेतोआग
 लएमकहुजे ॥ जेजेहेनाविभागहोयतेतेहेनुग्रह
 एकरांजजायपणतेसर्वत्यागीतेकीमथया ॥१७२॥
 हावितेकहीएछीयेजेअमेआगलकहसुहृतुतेजेहे
 नाथीभागहोयतेतेहेनाविभागनुग्रहएकरे
 तेतोसाधारणपसे ॥१७३॥ सर्वजीवाजोजननेवी
 षेसेहेजसभावे कछुसाधंनरूपीआक्रसण
 करावीनाथयांजायतेअमेकहीगयाछीये ॥१७४॥
 तेकेहेनीपेसेजेपोपटमेंनांतीआद्यलेईने ॥ सरव
 पक्षीपोतानीसजातीबोलीआगलबोलतांह
 तां ॥१७५॥ पणतेहेनेकोईमनुशपडाविछें ॥ ताहा
 रेतेमनुषनीबोलीबोलेछे ॥ हावितेहेनुओरदृष्टां
 तकहीयेछीयेजे ॥ जंमयांचपचीश ॥१७६॥ स्यामोहो
 रनेवीषेकत्रांबामोहोरमेलवीने ॥ ओरुतीनके
 मांहीसोहागाषारडारंकेकेरीअगनीकेवीषेतपा
 वीने ॥१७७॥ एकसकरेछेताहारपेलात्रांबामो
 होरनीजातीनेपलटावीनेरुपामोहोरनासरु
 पमेएकरसकरीनेपोतासमांतकरीलेछे ॥१७८॥
 पछेतेत्रांबामोहोरत्रांबानीजातीनेवीषेनांम
 ले ॥ अनेत्रांबानेमुखेपणतेबेकायनही ॥ तेप्रका
 रयांहांपुरुषनाअष्टभागनेवीषे ॥१७९॥ हेभाग

१६३

८२

अस्त्रीनामलायकारहाछे ॥ तेतीनकेमांहीसत
 संघरूपीघारडारीनेपीछेवैरागरूपीअस्त्रीनेवी
 षेतपावेतो ॥ १८० ॥ पुरुषनाअष्टभागनेवीषे ॥
 अस्त्रीनाद्वेभागमलीजईनेएकरसथायछेता
 हारेतेअस्त्रीनाद्वेभागनेपुरुषनाअष्टभाग
 १८१ ॥ आपसमांत्यपुरुषरूपकरीलेछे ॥ ताहा
 रतेहेनेमाहाद्वैरागउत्पन्नथायछे ॥ अनेअस्त्री
 नीचाहनापणतेहीनेनथीथती ॥ १८२ ॥ तेसामा
 टेजेअस्त्रीनाविभागहतातेपुरशरूपथईगयाछे
 तोहावेअस्त्रीनीचाहनातेकुणकरे ॥ १८३ ॥ एष
 कोरसुषसुनकादीकदतात्रीनीआद्यलेईनेरं
 कावंकागारगीसमेतआद्यथकीतेअबलगे ॥ १
 ८४ ॥ माहादत्यागउत्पन्नथायछे ॥ तेमाटेजीवनो
 ईश्वरकरवालायकतोसतसंघवैरागनेज्ञान
 त्रणमलीनेछे ॥ १८५ ॥ अनेएकीलाज्ञानथकी
 जजीवईश्वरपणुमांतीने ॥ अहंबुंझाअस्त्रीके
 हेछे ॥ तेकेहेवाजांणवाजेजंम ॥ १८६ ॥ त्रांबामो
 होरनेचांदीनुउपररसांणरसेछे ॥ पणतेचांदी
 नेठेकांणेअरथआवेनही ॥ तीमएकीलाज्ञान
 थकीज ॥ १८७ ॥ अहंबुंझाअस्त्रीकेहेछे ॥ तेत्रांबा
 उपरचांदीनारसांणीवेरेकोईमाहादपुरसो
 नुज्ञानलेईनेवाचारथेबोलीनेवीषे ॥ १८८ ॥ ई

सस

८३

श्वरपणुजणवेपणपोतानानीजअनुभवनेवी
 धेतोजीवदसायेजवुतेछे॥तेकीमजाणीयेजे
 १८६॥जाहारेकोइसमेपोतानेनीजअनुभवे
 करीनेबोलेतोजीवदसायेजबोलाय॥तेमाटे
 नरेएकीलेवाचारथज्ञाने॥१८७॥जीवनोइश्व
 रथायनही॥तेजसारुजीवनोइश्वरथवुहोय
 तो॥सतसंघवैरागनेज्ञाननुधारणकरवु॥१
 ८८॥तेमाटेसतसंघवैराग्यनेज्ञान॥तेदेवलो
 कनेपणदुरलभछे॥पणआभुतलकेमांहीम
 नसादेहीनेवीधेकरीसकेतोसुरलभछे॥१८
 ९॥अनेनाकरीसकेतोतेहेनेदुरलभछे॥अने
 हावैरांमक्रसनेजनषवदेहीनीआद्यलेइनेस
 र्वयुरुष॥१९३॥अनेअहत्यातारुद्रुपतीसीता
 मतावरीनेउंमीयानीआद्यलेइनेसर्वअस्त्री
 जाती॥तेवीनात्यागेकरीने॥१९४॥एअस्त्रीये
 नेपुरशइश्वररुपकेहेवायां॥तेकुणसम्रताये
 करीनेकेहेवायाहरी॥हावेतेकहीएछीयेजे॥१
 ९५॥एतोसरवेकरतानावीशेशअंशछेतेवी
 शेशअंशनीवीशेशतायेदरीनेतेहोना॥१९६॥
 अषंडज्ञाननीसमतीजेजीनाविभागनीक्री
 याकरवादेतांयपणनथीजाती॥अनेसामां
 न्यअंशनेतोसुभक्रीयावीनासमतीजातीरे

हेछे ॥१८७॥ अनेहावेकरतानीप्रकाशबुल्लव
 तीके ॥ अवीकाशमाहात्वअनेवीकाशमाहा
 त्व ॥ अनेकुंभस्तमाहात्वएतीनमाहात्वजे ॥१
 ८८॥ तेहेमेशीअएभागअवीकाशमाहात्वना
 लेईने ॥ अनेएकभागविकाशमाहात्वना ॥ अ
 नेएकभागकुंभस्तमाहात्वना ॥ तेदोनुभाग
 अवीकाशमाहात्वनाअएभागमेमेलीने ॥
 एदशभागदेवतनुनेपोख्यातातेकुण ॥ अ
 नेहावेविकाशमाहात्वनाअएभागलेईने ॥
 २०० ॥ अनेएकभागअवीकाशमाहात्वना
 अनेएकभागकुंभस्तमाहात्वनामेलीने ॥ ए
 दशभागदेवतनुनेपोख्यातातेकुण ॥ २०१ ॥ अने
 हावेअएभागकुंभस्तमाहात्वनालेईने ॥ अनेए
 कभागअवीकाशमाहात्वना ॥ अनेएकभाग
 वीकाशमाहात्वनामेलीने ॥ २०२ ॥ एदशभाग
 देवतनुनेपोख्यातातेकुण ॥ हावेतेकहीपेछीए
 जेंप्रथमअवीकाशमाहात्वदशभागेसुपुतु
 देवतनुने ॥ २०३ ॥ तेहेनोतोदेवनेवीषेओहंगप्र
 णायंमथयो ॥ अनेवीकाशमाहात्वदशभागेदे
 वतनुनेसुपुतु ॥ तेहेनोतोदेवनेवीषेओहंग
 प्रणायंमथयो ॥ २०४ ॥ अनेकुंभस्तमाहात्वद
 शभागेदेवतनुनेसुपुतु ॥ तेहेनोतोदेवनेवीषे

२८६

कुंभकप्रणायामथयो ॥ तेकीमजांणीयेजे ॥ २०५ ॥
 अवीकासमाहात्मनो ओहंगप्रणायामथयो
 अनेवीकाशमाहात्मनो सोहंगप्रणायामथ
 यो ॥ अनेकुंभस्तमाहात्मनो कुंभकप्रणायाम
 थयो ॥ २०६ ॥ तेकहीयेछीयेजे अवीकाशमाहा
 त्वतेसंपटवतजांणवु ॥ तेणेंकरीनेओहंगप्रण
 यामपंडमेखीचायछें ॥ २०७ ॥ सामारेजेपीडसंप
 टवतछे ॥ अनेवीकाशमाहात्वतेप्रकासीकजां
 णवु ॥ तेणेंकरीनेसोहंगप्रणायामबाहारसुन्य
 मेप्रवेशकरेछें ॥ २०८ ॥ सामारेजेसुन्यमेवीका
 शप्रणरहूछे ॥ अनेकुंभस्तमाहात्वतेसंमदंस
 जांणवु ॥ तेणेंकरीनेकुंभकसंमदंसथायछे ॥
 २०९ ॥ तेकुंभकसंमदंसतेकीमजांणीये ॥ हा
 वितेकहीएछीयेजे ॥ उंकारप्रणायामनेपीडमेषी
 चता ॥ अनेसोहंगप्रणायामनेबाहरमेलतो ॥ २
 १० ॥ तेहेनीमध्येस्वासथंभनपांमेछे ॥ तेकुंभस्त
 माहात्वजांणवु ॥ तेकुंभस्तमाहात्वस्वासने
 थंभावेछे ॥ २११ ॥ तेणेंकरीनेदेवतनुनेवीषेसो
 मथप्रणरहूछे ॥ अनेहावेदेवनेवीषेअवीका
 समाहात्मनो अष्टभागमेएकभागवीकाश
 माहात्मनो ॥ २१२ ॥ अनेएकभागकुंभस्तमाहा
 त्वनो ॥ एदोनभागअवीकाशमाहात्मनाअष्ट

भागनी संघे पोष्याताते कुण ॥२१३॥ हावे ते कही
 ये छी ये जे वीकाशमाहात्मनो एक भाग ते अवी
 काशमाहात्मना ओहंगकार पुणायंमने मोक्ष
 रह्यो छे ॥ तेकी मजांणी ये जे ॥२१४॥ जाहारे उंका
 र पुणायंम सरीर मे प्रवेश करे छे ॥ ताहारे सरव
 नाडीयो ने आगे आगे वीकाश करतो जाय छे
 २१५ ॥ ते वीकाशमाहात्मनो वीभाग नाडीयो ने
 वीकासे छे ॥ अने तीनकी पीछे पीछे उंकार पु
 णायंम संचरे छे ॥२१६॥ ए प्रकारे वीकाशमाहा
 त्वनो वीभाग ॥ अवीकाशमाहात्मने वीघेर हे
 छे ॥ अने कुंभस्तमाहात्मनो एक भाग ते ॥२१७॥
 उंकार पुणायंमने वीघे व्याप करह्यो छे ॥ तेकी
 मजांणी ये जे जाहारे कोई जोगी साधंन करे छे ॥
 २१८ ॥ ताहारे साधंन करतां करतां पुणायंम घ
 णीक वार थंभन पांमे छे ॥ ते कुंभस्तमाहात्मनो
 एक भाग पुणायंम मे व्याप करह्यो छे ॥२१९॥
 तेमाटे साधंन करे पुणायंम थंभन पांमे छे ॥ ए
 प्रकारे कुंभस्तमाहात्मनो एक भाग अविका
 समाहात्मने रह्यो छे ॥२२०॥ अने हावे देवने वी
 शी वीकाशमाहात्मना अष्टभाग मे एक भाग अ
 वीकाशमाहात्मनो ॥ अने एक भाग कुंभस्तमा
 हात्मनो ॥२२१॥ ए दोनु भाग वीकाशमाहात्मना

सस ॥

॥ ८५

अष्टभागनी संघे पोष्याताते कुर्यात् ॥ हावेते कही
एषीयेजे ॥ २२२ ॥ अवीकाशमाहात्मनो एक
भागते वीकाशमाहात्मना सोहंगपुणायंमने
मोषेरहोछे ॥ तिकी मजांणीयेजे ॥ २२३ ॥ द्वाद
शश्रां गुलस्वासचालीने थंभी जायछे ॥ ते अवी
काशमाहात्मनो भागमोक्षयो थंभेछे ॥ ताहा
रे सर्वस्वास थंभीने पाछो उल्लटेछे ॥ २२४ ॥ ए
प्रकारे अवीकाशमाहात्मनो एक भाग वीका
समाहात्मना सोहंगपुणायंमने वीषेरहोछे
२२५ ॥ अने कुंभस्तमाहात्मनो एक भागते ॥ वि
काशमाहात्मना सोहंगपुणायंमने वीषे व्याप
करहोछे ॥ २२६ ॥ तेणे करीने पुणायंमने वीषे ॥
घाटय एरुहछे ॥ ते घाटयणे पुणायंम उतावलो
वही नथी जातो ॥ २२७ ॥ ए प्रकारे कुंभस्तमाहा
त्मनो एक भाग वीकाशमाहात्मना सोहंगपु
णायंमने वीषेरहोछे ॥ अने हावे देवने वीषे ॥
२२८ ॥ कुंभस्तमाहात्मना अष्टभागने वीषे अ
विकाशमाहात्मनो एक भाग ॥ अने वीकाशमा
हात्मनो एक भाग ॥ २२९ ॥ ए दोनु भाग कुंभस्त
माहात्मना अष्टभागनी संघे देवतनुने पोष्या
ताते कुर्यात् ॥ हावेते कही एषीयेजे ॥ २३० ॥ यते कुंभ
स्तमाहात्वेतो ॥ पथंम अवीकासमाहात्मनो भा

गरहोछे ॥ अने वीषराते कुंभस्तमाहात्वे तो
 वीकाशमाहात्वनो भागरहोछे ॥ २३१ ॥ अने
 हावेथते कुंभस्तमाहात्वे अवीकाशमाहात्वं
 नाभागते की मजांणीये ॥ जे कुंभस्तमाहात्वे
 षीचरी राषेछे ॥ २३२ ॥ अने वीषराते कुंभस्तमाहा
 त्वे वीकाशमाहात्वनो भागते की मजांणीये ॥ हा
 वेते कहिये छीये जे कुंभस्तमाहात्वे ने वीषेरीनां
 षेछे ॥ २३३ ॥ अने हावे ए प्रकारे देवतनुने वीषे ॥
 करतानी प्रकाशबुद्धवृत्तीनांतीनमाहात्वर
 हांछे ॥ अने हावे देवने वीषे करतानी ॥ २३४ ॥
 स्रजमभोगवृत्तीनांतीनचक्षुसत्वजे ॥ प्रथमवृ
 गज्ञानचक्षुसत्व ॥ अने बीजुअने गचक्षुसत्व
 २३५ ॥ अने त्रीजु कालचक्षुसत्व ॥ एतीनचक्षुस
 त्वते हेमेथीवृगज्ञानचक्षुसत्वनातीनभागले
 ईने ॥ अने तीनभागअने गचक्षुसत्वना ॥ २३६ ॥
 एषटभागदेचक्षुसत्वनाले ईने ॥ तामेचतुरभा
 गकालचक्षुसत्वतामेलीने ॥ एदशभागदेवत
 नुने पोष्याताते करण ॥ २३७ ॥ हावेते कहिये छीए
 जे प्रथमदेवने वीषे वृगज्ञानचक्षुसत्वते देवपु
 रुषदेवंज्ञानस्त्रीनुआलोचनकरे दृष्टी करीने
 २३८ ॥ केवाध्याने करीने ते वृगज्ञानचक्षुसत्व
 जांणवु ॥ ते आलोचनकरायकी देवकांमातुर

धायते अनंग चक्षुसत्वजांणवु ॥२३८॥ अनेहा
 वेतारपीछे पंचभूतनी आद्यलेईने ॥ सरवअंग
 नो अरघनी कालीने ॥ बीदु एकठी करीनेने वंक
 नालमे लावे ॥२३९॥ ते काल चक्षुसत्वजांणवु ॥ हा
 विते सरवतत्वनी बीदु काल चक्षुसत्व वंक नाल
 मे एकठी करीते की मजांणीये ॥२४१॥ हाविते कही
 एछीये जे प्रथंम पंचभूतना अरघनी वी भाग बी
 दुमे देषा वीये छीये ॥ ते पंचभूतने वीषे सरवईडी
 तत्वना वी भाग रहाछे ॥२४२॥ ते आगे सफुरण
 थशे ते की मजांणीये जे ॥ जंम बीजने वीषे वृक्षर
 हुते उदेपांमे सर्व देषायछे ॥२४३॥ ए प्रकारे सरव
 तत्वना वी भाग बीदुने वीषे रहाछे ॥ पण ते हे मे मे
 स्य पंचभूतना वी भाग बीदुने वीषे देषा वीये छी
 ये ॥२४४॥ अनेहा वे बीदुने वीषे घाट पण रहुछे ॥
 ते प्रथवी नो वी भाग जांणवो ॥ अनेहा वे बीदुने वी
 षे उस्स पण रहुछे ॥ ते जे नो वी भाग जांणवो ॥२४
 ५॥ अनेहा वे बीदुने वीषे रस पण रहुछे ॥ ते जे नो
 वी भाग जांणवो ॥ अनेहा वे बीदुने वीषे विकास प
 ण रहुछे ॥२४६॥ ते आकाश नो वी भाग जांणवो ॥
 अनेहा वे बीदुने वीषे वेग पण रहुछे ॥ ते वायु नो वी
 भाग जांणवो ॥ ए प्रकारे बीदुने वीषे ॥२४७॥ पंचभू
 तनो अरघमे सार होछे ॥ अनेहा वे ए प्रकारे मूल

कारजक्रीयातीनचक्षसत्वकीदेवाः ॥ २४८ ॥
रूपगटकरीयात्तसतीनचक्षसत्वकीदेवाः ई
षीये ॥ अनेहावेअस्त्रीपुरुषनालंगनोसंजमक
रीआपे ॥ २४९ ॥ तेवुगज्ञानचक्षसत्वजाणवु ॥
अनेहावेसंजमकसापीछेमीथुनकरीयाकरे
छे ॥ तेअज्ञानचक्षसत्वजाणवु ॥ २५० ॥ अनेहावे
मीथुनकसापीछेबीदुयातथायछे ॥ तेकालच
क्षसत्वकरेछे ॥ तेकालचक्षसत्वजाणवु ॥ २५१ ॥
एप्रकारेवुगटकरीयातीनचक्षसत्वकीदेवा
इतेदेवनेवीषेदेवाः ॥ अनेहावेदेवंजाअस्त्री
नेवीषेतीनचक्षसत्वरहांछेतेकुण ॥ २५२ ॥ हा
वेतेकहीएषीयेजे ॥ देवंज्ञाअस्त्रिपुथंमदेवपु
रसनुआयोचनकरेछे ॥ तेवुगज्ञानचक्षसत्व
जाणवु ॥ २५३ ॥ हावेतारपीछेदेवंजाकांमातु
रथायछे ॥ तेअनंगचक्षसत्वेकरीनेथायछे ॥
तेअनंगचक्षसत्वजाणवु ॥ २५४ ॥ अनेहावेते
कांमातुरथयापीछे ॥ अस्त्रीनाकमलनेवीषे
रसबीदुडतपंनथायछे ॥ तेकालचक्षसत्वअ
स्त्रीना ॥ २५५ ॥ सरीरमेथीबीदुषीचीलावेछे ॥
हावेतेकालचक्षसत्वेअस्त्रीनीरसबीदुनेवी
षपंचभूतनीआछलेइने ॥ २५६ ॥ सरवतत्वनो
अरधषीचीआण्योछे ॥ तेकीमजाणीये ॥ हावेते

कहीयेछीयेजे ॥ प्रथम अस्त्रीनीबीदुनेवीषे
 चीकासपएने ॥ २५७ ॥ दुर्गंधपएरेहेछेतेप्र
 यवीनोविभागजांणवो ॥ हावेतारपीछेअस्त्री
 नीबीदुनेवीषेअतीसेरसपएरुहछे ॥ २५८ ॥
 तेजलनेविभागजांणवो ॥ हावेतारपीछेअस्त्री
 नीबीदुनेवीषेउसतापएरुहछे ॥ तेतेजनोवी
 भागजांणवो ॥ २५९ ॥ हावेतारपीछेजाहारेपु
 रुषनीबीदुने ॥ अनेअस्त्रीनीबीदुनोसंजम
 थायछे ॥ ताहारेपुरुषनीबीदुनेवीचेघालीने
 २६० ॥ अस्त्रीनीबीदुउपररेहेछे ॥ अनेमध्येपुरु
 षनीबीदुशेषेछे ॥ तेअस्त्रीनीबीदुमेआकाश
 तत्वजांणवु ॥ २६१ ॥ हावेपुरुषनीबीदुनेआक्र
 सणकरीनेअस्त्रीनीबीदुपोतानीबीदुमेमे
 लवीदिछे ॥ तेअस्त्रीनीबीदुमेवायुनोवीभागजां
 णवो ॥ २६२ ॥ हावेएप्रकारेमुलकारजकरीयाअ
 स्त्रीकेतीनचक्षसत्वकिदेखाई ॥ हावेप्रगट
 करीयालक्षअस्त्री ॥ २६३ ॥ तीनचक्षसत्वकी
 कहीयेछीये ॥ हावेजाहारेपुरषमीथुनकरेछे ॥
 अस्त्रीनुतेवषतअस्त्रीनालीगतेवीषेवीषे ॥ २
 ६४ ॥ आनंदउपजावेछे ॥ अनेपुरुषनीबीदुने
 षीचीने ॥ अस्त्रीनाकमलमेपोचावेछे ॥ तेअ
 स्त्रीनोप्रगटअनंगचक्षसत्वजांणवो ॥ २६५ ॥

हावेषु पुरुषनोकां मचक्षुसत्त्वते पुरुषनीनीची
 बीदु उतारेछे ॥ अने अरुनीनोकां मचक्षुसत्त्वते
 अरुनीनी बीदुने उची चढवेछे ॥ २६६ ॥ ते सामा
 टेजे पुरुषने वीषेतो अधो मुखे अनंग चक्षुसत्वर
 होछे ॥ अने अरुनीने वीषेतो उरधु मुखे अनंग
 चक्षुसत्वर होछे ॥ २६७ ॥ ते माटे अरुनीनो अनं
 ग चक्षुसत्वर उरधु मुखे बीदुषिचेछे ॥ अने मीथुन
 करतां अरुनी स्वांती नथी पां मती वैहे छी ॥ २६८
 ते उरधु मुखे अनंग चक्षुसत्वर होछे ॥ ते एक
 रीने अने पुरश थोडी कवार मे स्वांती पां मे छे
 ते अधो मुखे अनंग चक्षुसत्वर होछे ॥ २६९ ॥ ते
 एक रीने स्वांती पां मे छे ॥ ए प्रकारे अरुनीने वीषे
 प्रगट अनंग चक्षुसत्वर विचरण नांची न कह्यां ॥
 अने हावे अरुनीने वीषे वृगज्ञान चक्षुसत्वरनी ॥ २
 ७० ॥ प्रगट करीयाते कुण ॥ हावे ते कहीये छी येजे
 अरुनीना कमलने वीषे ॥ बीदुनीवे चणप करी
 ने जे जे हेनांत त्वई डीयो नो ॥ २७१ ॥ अरघते ते हे
 नांत त्वई डीयीनी जाय गाये पोषीने घाट घडेछे
 बीदुनीते अरुनीनु वृगज्ञान चक्षुसत्वर जाणवु ॥
 २७२ ॥ अने हावे ते घाटने परीपक व करीने कम
 लयी वछोडीने भीन करीनां वेछे ॥ ताहारे बास
 कप्रसवथाय छे ॥ २७३ ॥ ते अरुनीने वीषे तुकाल

सस.

८८

चक्षुसत्वज्ञाणवु ॥ एप्रकारेकरतानी संजमभो
गवृतीनांतीनचक्षुसत्वदेवपुरशनेवीषे ॥ २
७६ ॥ अनेदेवंज्ञाअरुनीनेवीषेसफुरणथईने
वरतेछेतेकहं ॥ हावेएप्रकारेतेत्रीसक्रोडप्र
कारनादेवलोककरतारेसफुरणकसातेक
हं ॥ २७५ ॥ **दोहा** ॥ देवतनुनरनारीके ॥ कीये
विचरणविविधाय ॥ भूतभवीसवृतमांनके ॥
सुणतांघेहेनगमाय ॥ २७६ ॥ अबथावरजंगम
जीनु ॥ तीनुतनतत्वअनुसार ॥ नारणपदास
तेहीसुणवीधी केहंकुवेरसुवीचार ॥ २७७ ॥
थावरजंगमतनुतत्वकोसणदशमोकंदः ॥ ॥
१० ॥ अनेहावेतारपीछेकरतारेथावरजंगम
कीटपतंगरचुछे ॥ तेकहीएछीयेजेनीजसजांण
स्वरूपकेवल ॥ १ ॥ करतारनीकरीयावृतीयेपं
चवृतीयोनांतत्वनाविभागनेउलटासुलटी
संजममेखवीने ॥ चोरशीलक्षप्रकारनांतनु
रचोछे ॥ २ ॥ करतानीकरीयावृतीयेतेहेनी ॥ वी
धीवीगततेनीजअधीकारीश्रोतानेश्रवणक
रवासारुकहीयेछीयेजे ॥ ३ ॥ अनेहावेअहंका
रघणनांपंचभूतनेपंचमात्राथईछे ॥ तेहेमेथी
षट्भागप्रथवीतत्वनालेईनेअनेचतुरभाग
४ ॥ चतुरतत्वनामेखीने ॥ एदशभागयलचरनापी

इते त्रैलोक्यप्रकारनाथे ॥ ५ ॥ ते हे मे एक तो मनुष्य
 ने बीजां पसु ॥ अने त्रीजां ते कीट ए त्रैलोक्यप्रकारे य
 लचर जीवनापी डछे ॥ अने हावे मनुष्य ते ते हे मे
 ६ ॥ ते रलक्षप्रकारनां अने पसु ते सप्तलक्षप्रका
 रनां अने कीट ते दशलक्षप्रकारनां ॥ अने हावे
 षट्भागजलतत्वना लेईने ॥ ७ ॥ अने चतुरभा
 गओरचतुरतत्वना मेलीने ॥ एदशभागजल
 चरजीवनातनुने पोष्या ॥ ते जलचरजीवनात
 नुते ॥ ८ ॥ बावीशलक्षप्रकारनाथे ॥ ते बावीशल
 क्षप्रकारनामे द्वे प्रकारे बीचरणकरेछे ॥ ते हे मे
 ओगणीशलक्षप्रकारनातो ॥ ९ ॥ जलमे जवी
 चरणकरेछे ॥ ते जलछोडीने बाहरजायनही अ
 ने त्रैलोक्यप्रकारनातो जलपीबाहारनीकसी
 ने ॥ १० ॥ चारो करीने पाछा जलमे आवीरहेछे ॥ अ
 ने हावे षट्भागपवंतत्वना लेईने ॥ अने चतुरभा
 गओरचतुरतत्वना मेलीने ॥ ११ ॥ एदशभागप
 तंगना जीवतनुने पोख्याते पतंगनातनुते चौ
 दलक्षप्रकारनाथे ॥ ते चौदलक्ष ते त्रैलोक्यप्रकारे
 छे ॥ १२ ॥ ते हे मे नवलक्षप्रकारनातो आकाश
 मे अत्यवर्ते ॥ अने पाछा अवनी उपर आवी
 रेहेछे ॥ अने हावे षट्भाग अज्ञीतत्वना ॥ १३ ॥ अ
 ने चारभागओरचतुरतत्वना ॥ एदशभागेपतं

गते अग्नीमेष्वेशकरेछे ॥ अनेहावेषटभागआ
 काशतत्वना ॥ १४ ॥ अनेचतुरभागओरचतुरत
 त्वना ॥ एदशभागपतंगतेआकाशमेजरहेछे ॥
 अनेअवनीउपरआवेनही ॥ १५ ॥ अनेहावेत्रै
 एयलक्षप्रकारनांपतंगतेअवनीउपरअल्यआ
 वे ॥ अनेपाछांआकाशमेरहेछे ॥ अनेद्वेयलक्षप्र
 कारनांपतंग ॥ १६ ॥ तेआकाशमेजरहेछे ॥ अनेअ
 वनीउपरआवेजनही ॥ अनेहावेअष्टभागअव
 नीतत्वना ॥ अनेचतुरभागआधा ॥ १७ ॥ ओरचतु
 रतत्वना ॥ एदशभागथावरजातीयईछे ॥ हवितेथा
 वरजातीतेअवारलक्षप्रकारनीछे ॥ तेअवारल
 क्षतेपंचप्रकारेछे ॥ १८ ॥ हावेतेपंचप्रकारकही
 एछीयेजे ॥ एकतोतर्णजाती ॥ अनेबीजीतोपन
 डीजाती ॥ अनेत्रीजीतोवेलीजाती ॥ १९ ॥ अनेचो
 थोतोजलजाती ॥ अनेपंचमीतोब्रह्मजाती ॥ ए
 अवारलक्षनीपंचजातीथईछेतेकही ॥ अनेहा
 वेएपंचजाती ॥ २० ॥ तेकणप्रकारेथईछे ॥ हावेतेक
 हीयेछीयेजे ॥ तर्णजातीबीजकेअंकुरमेतोवा
 युतत्वरुहछेतेएकेरीनेतर्णजातीथईछे ॥ २१ ॥
 अनेपनडीजातीबीजकेअंकुरमेतो ॥ आकास
 तत्वरुहछे ॥ तेणंकरीनेपनडीजातीथईछे ॥ अने
 वेलीजातीबीजकेअंकुरमेतो ॥ २२ ॥ जलतत्वर

हुंछे ॥ तेणें करीने वेली जाती थई छे ॥ अने जल
 जाती बीजके अंकुरमे तो उरध भागे जल तत्वर
 हुंछे ॥ २३ ॥ अने अधो भाग मूल अंकुरने वीषे
 अजीत तत्वर हुंछे ॥ ते उरध भाग अंकुरने वीषे ज
 ल तत्वर हुंछे ॥ २४ ॥ तेणें करीने तो जलने वीषे
 रहे छे ॥ अने मूले अधो मुख अंकुरमे अजीत त
 र हुंछे ॥ तेणें करीने जल जातुर हे छे ॥ २५ ॥ तो सुक
 ई जाय छे ॥ अने हावे वृक्ष जाती बीजके अंकुर
 मे तो प्रथवी तत्व व्याप कर हुंछे ॥ तेणें करीने वृ
 क्ष अती से पुष्टी पां मे छे ॥ २६ ॥ ते प्रथवी तत्वे क
 रीने प्रथवी अधीक जां मे छे ॥ अने हावे करता
 नी ईछा वृतीनां बो हो तर तं तथुं छे ॥ २७ ॥ ते हे ना
 वी भाग था वर जंगमने पोख्या नी जुती कही ए
 छीये ॥ हावे प्रथम करता नी ईछा वृती थकी ॥ २८
 नी रंजन उतपंन थया छे ॥ ते नी रंजन थकी अया
 क्रत उतपन थई ॥ ते अया क्रत से एक आनंद
 तत्व कारण थयु ॥ २९ ॥ अने बीज ते मांहां तत्व का
 रण थयु ॥ ते मांहां तत्व कारण थकी धनंजे तत्व
 कारण थयु ॥ अने आनंद तत्व कारण थकी प्र
 क्रती तत्व कारण थयु ॥ ३० ॥ ते प्रक्रती तत्व कार
 ण थकी ॥ ३१ ॥ जो तमोने सा लीक एती न गुण उत
 पन थया ॥ अने हावे धनंजे तत्व कारण थकी ॥ ३२

अहंकारघणाने स्वकाशघण ॥ अने अचंत
 घण ॥ एत्रैण घण धनं जेतत्वकारणथकीथया
 एत्रैण गुणनेत्रैण घणते ॥ ३२ ॥ प्रकृती तत्वका
 रणने धनं जेतत्वकारणथीथयाछे ॥ अने हावे
 प्रकृती तत्वकारणथकी ॥ त्रैण गुण उतपनथ
 याछे ॥ ३३ ॥ तेहेमे तमोगुणथकी दशकाल उ
 तपंनथयाछे ॥ अने रजोगुणथकी दश आकं
 द्या उतपंनथईछे ॥ ३४ ॥ अने सतोगुणथकी पं
 च अंतसक्रणने पंच अवस्ता एदश सतोगुण
 थकी उतपनथयांछे ॥ एचो त्रीशतंतते ॥ ३५ ॥ आ
 नंदतत्वकारणथकी उतपंनथयाछे ॥ अने हा
 वे धनं जेतत्वकारणना त्रैण घण उतपंनथया
 छे ॥ तेहेमे अहंकारघणथकी ॥ ३६ ॥ पंचभुतने
 पंचमात्रा उतपनथईछे ॥ अने स्वकाशघणथकी
 पंचसंभसक्रण अने पंचवीवस्ता एदश उतपं
 नथयांछे ॥ ३७ ॥ अने अचंतघणथकी दशभाव
 ना उतपनथईछे ॥ एचो वीशतंतते मांहांतत्वका
 रणथकी उतपंनथयांछे ॥ ३८ ॥ अने हावे त्रैण गु
 णने त्रैण घणते हेमे रजोगुणने अहंकारघणते
 जोटे जांणवा ॥ अने हावे सतोगुणने स्वकासघ
 ण एदो हु जोटे जांणवा ॥ ३९ ॥ अने हावे तमोगुण
 ने अचंतघण ॥ एदो नु एकयांती जांणवी ॥ अने हावे

एत्रैण गुणनेत्रैण घण ॥ ते हे मे अचंत घुणी
 दशभावना मेथी ॥ ४० ॥ नवनवभाग लेईने अ
 ने एक एक भाग तमो गुणना दशकाल मेथी
 मेथीने ॥ एदशदशभाग या वरजाती बीजग
 ने पोष्या ॥ ४१ ॥ अने हावे तमो गुणना दशकाल
 ते हे मेथी ॥ नवनवभाग लेईने ॥ अने अचंत
 घुणी दशभावना ते हे मेथी ॥ एक एक भाग मे
 लीने ॥ ४२ ॥ एदशदशभाग जंगमजातीने वी
 षे पोष्या ॥ अने हावे सतो गुणना पंच अंत स्र
 ण ॥ अने पंच अवस्ता ॥ ४३ ॥ एदश ते हे मेथी न
 वनवभाग लेईने ॥ अने स्वकाश घणना पंच सं
 भसक्रण ॥ अने पंच वीवस्ता एदश ते हे मेथी ॥ ४
 ४ ॥ एक एक भाग मेथीने ॥ एदशदशभाग जंग
 मजातीने वी षे पोष्या ॥ अने हावे स्वकाश घणना
 पंच संभसक्रण ॥ ४५ ॥ अने पंच वीवस्ता एदश ते
 हे मेथी ॥ नवनवभाग लेईने ॥ अने सतो गुणना
 पंच अंत सक्रण ॥ अने पंच अवस्ता एदश ते हे
 मेथी ॥ ४६ ॥ एक एक भाग मेथीने ॥ एदशदशभा
 ग या वरजाती बीजगने पोष्या ॥ अने हावे रजो
 गुणथी दश आकंसा उत्तपंतथ ईछे ॥ ४७ ॥ ते हे
 मे पंच आकंसा जे एक गवंत आकंसा ॥ अने वी
 जीवीसीये आकंसा ॥ अने त्रीजी अवरण आकंसा

सस ॥

६२ ॥

छे ॥ तिहेमे आनंदतत्वकारण ॥ ६५ ॥ अने प्रक
 तीतत्वकारणानवनवभागलेईने ॥ अने ए
 कएकभागसांहांतत्वकारण ॥ अने धनंजेतत्व
 कारणानोसेलीने ॥ एदशदशभागजंगमजा
 तीनेपोष्या ॥ ६६ ॥ अने हावेनवनवभागसां
 हांतत्वकारण ॥ अने धनंजेतत्वकारणनालेईने
 अने एकएकभागआनंदतत्वकारण ॥ अने प्र
 कतीतत्वकारणमेथीसेलीने ॥ ६७ ॥ एदशदश
 भागथावरजातीबीजगनेपोष्या ॥ अने हावेपं
 चभागनीरंजनना ॥ अने पंचभागअव्याकृत
 नालेईने ॥ ६८ ॥ एदशभागथावरजातीबीजग
 नेपोष्यातेथावरजातीनेत्रैणप्रकारेपोष्या ॥ तेत्रै
 णप्रकारे ॥ हावितेकहीएषीएजे ॥ ६९ ॥ पंचभाग
 नीरंजनना ॥ अने पंचभागअव्याकृतना ॥ एद
 शभागतेवुसजातीनेपोष्या ॥ अने हावेपंचभा
 गनीरंजनकाआधा ॥ ७० ॥ अने पंचआधाभा
 गअव्याकृतना ॥ एदशआधाभागवेलीजाती
 नेपोष्या ॥ अने हावेपंचपाभागनीरंजनना ॥
 ७१ ॥ अने पंचपाभागअव्याकृतना ॥ एदशपाभा
 गपनडीजातीजलजाती ॥ अने त्रैणजातीएती
 नजातिनेपोष्या ॥ ७२ ॥ अने हावेअष्टभागनीरं
 जनना ॥ अने षडेभागअव्याकृतनासेलीने ॥ एद

शभागमनुषजंगमजातीनेपोष्या ॥७३॥ अ
 नेहावेअष्टभागअव्याकृतना ॥ अनेदनाग
 तीरंजननामेलीने ॥ एदशभागओरुमनुषजं
 गमजातीनेपोष्या ॥७४॥ अनेहावेअष्टआ
 धाभागतीरंजनना ॥ अनेद्वेआधाभागअव्या
 कृतनामेलीने ॥ एदशभागआधापंषीजंग
 मजातीनेपोष्या ॥७५॥ अनेहावेअष्टआधाभा
 गअव्याकृतना ॥ अनेद्वेआधाभागतीरंजन
 नामेलीने ॥ एदशआधाभागओरुपंषीजंगम
 जातीनेपोष्या ॥७६॥ अनेहावेअष्टआधाभाग
 तीरंजनना ॥ अनेद्वेआधाभागअव्याकृतना
 मेलीने ॥ एदशआधाभागअष्टप्रकारनाजल
 जातीजीवनेपोष्या ॥७७॥ अनेचतुरलक्षप्रका
 रनांकीटनेपोष्या ॥ अनेनवलक्षप्रकारनांप
 तंगनेपोष्या ॥ अनेसप्तलक्षप्रकारनांपसुनेपो
 ष्या ॥७८॥ अनेहावेपंचपाभागतीरंजनना ॥
 अनेपंचपाभागअव्याकृतना ॥ एदशपाभाग
 बरावरीषटलक्षप्रकारनांकीटनेपोष्या ॥७९॥
 अनेबीजाचोदलक्षप्रकारनाजलजातीजीव
 नेपोष्यो ॥ अनेत्रीजांपंचलक्षप्रकारनांपतंग
 नेपोष्या ॥८०॥ एपचीशलक्षप्रकारनाजंगमजा
 तीजीवने ॥ तीरंजनअव्याकृतनाभागवरा

सस ॥

॥६३॥

वरीयोष्याद्ये ॥ ते अस्त्रीपुरुषनासंजोगवीना
८१ ॥ तत्र पृथ्वीने संजोगे उतपनथायद्ये ॥ अने
हावे करतानी संजमभोगवृतीनां ॥ तीनचक्षु
सत्वजेते हेमेथी ॥ ८२ ॥ अने गचक्षुसत्वनाती
नभागलेईने ॥ अने तीनभागवुगज्ञानचक्षु
सत्वनालेईने ॥ अने चतुरभागकालचक्षुसत्व
ना ॥ ८३ ॥ ते हेमेमेलीने एदशभागमनुषजंग
मजातीने योष्या ॥ हावेते मनुषजंगमजातीने
पंचविभागे योष्या ॥ ८४ ॥ हावेते कुणकुणपं
चवीभागे योष्याद्ये ॥ हावेते कहीयेथीयेजे ॥ मनु
षजंगमजातीनां पंचशरीरजे ॥ ८५ ॥ सूक्ष्मसु
क्ष्मकारणमाहाकारण ॥ अने यर्मकारण ए
पंचशरीरमनुषजंगमजातीनां ॥ ते हेमेतीन
भागवुगज्ञानचक्षुसत्वना ॥ ८६ ॥ अने तीन
भागअने गचक्षुसत्वना ॥ अने चतुरभागका
लचक्षुसत्वना ॥ एदशभागतो मनुषजंगमजा
तीनास्युल्लशरीरने योष्या ॥ ८७ ॥ अने हावेती
नआधाभागवुगज्ञानचक्षुसत्वना ॥ अने ती
नआधाभागअने गचक्षुसत्वना ॥ अने चतुर
आधाभागकालचक्षुसत्वना ॥ ८८ ॥ एदशआ
धाभागलेईने तो ॥ जंगमनासुक्ष्मसरीरने वी
षे योष्या ॥ अने हावेतीनपभागवुगज्ञानचक्षु

सत्वना ॥ ८६ ॥ अने तीन पाभाग अनेंग चक्षुस
त्वना ॥ अने चतुर पाभाग काल चक्षुस त्वना ॥ ए
दश पाभाग लेईने तो ॥ मनुषजंगम जातीना ॥ ८७
० ॥ कारण शरीरने वीषे पोष्या ॥ अने तीन पाभा
गना आधा तीन भाग बुगजांन चक्षुस त्वना ॥
अने तीन पाभागना आधा तीन भाग ॥ ८८ ॥ अ
नेंग चक्षुस त्वना ॥ अने चतुर पाभागना आधा
चतुर भाग काल चक्षुस त्वना ॥ एदश पाभागना
आधा दश भाग लेईने ॥ ८९ ॥ जे मनुषजंगम जा
तीना साहाकारण शरीरने वीषे पोष्या ॥ अने
हावेते साहाकारण शरीरना ॥ दश पाभागना
आधा पाभागजे ॥ ९० ॥ तेहेना दश आधा भाग ले
ईने तो ॥ मनुषजंगम जातीना परमकारण शरी
रने वीषे पोष्या ॥ अने हावेतीन आधा भाग ॥ ९१
अनेंग चक्षुस त्वना लेईने ॥ अने तीन आधा भा
ग बुगजांन चक्षुस त्वना लेईने ॥ अने चतुर आ
धा भाग काल चक्षुस त्वना ॥ ९२ ॥ तेहेमे सेलीने
एदश आधा भाग लेईने तो ॥ अष्ट प्रकारना जल
जाती जीवने पोष्या ॥ अने समलक्ष प्रकारनां प
शुजंगम जातीने पोष्या ॥ ९३ ॥ अने चतुर ल
क्ष प्रकारनां कीटजंगम जातीने पोष्या ॥ अने न
वलक्ष प्रकारनां पतंगजंगम जातीने पोष्या

१४४ ॥ अने हावेतीनपाभाग अनंग चक्षुसत्वना
 लेईने ॥ अने तिंनपाभाग वृगज्ञान चक्षुसत्व
 १४५ ॥ नालेईने ॥ अने चतुरभाग पाकाल चक्षुसत्व
 नामेलीने ॥ १४५ ॥ एदशपाभाग लेईने तो ॥ षटल
 क्षप्रकारनां कीटजंगमजातीने पोष्या ॥ अने
 चौदलक्षप्रकारनां जलजाती जंगमने पोष्या
 १४६ ॥ अने पंचलक्षप्रकारनां पतंगने पोष्या अ
 ने हावेतीनप्राधाभाग अनंग चक्षुसत्वना ले
 ईने ॥ अने तीनप्राधाभाग वृगज्ञान चक्षुसत्व
 नालेईने ॥ १४७ ॥ अने चतुरप्राधाभाग कालच
 क्षुसत्वना ते हे मे मेलीने ॥ एदशप्राधाभाग था
 वरमे वृक्षजाती ॥ अने वेलीजातीने पोष्या ॥ १
 ४८ ॥ अने हावेतीनपाभाग अनंग चक्षुसत्वना
 लेईने ॥ अने तीनपाभाग वृगज्ञान चक्षुसत्व
 नालेईने ॥ अने चतुरपाभाग कालचक्षुसत्वना
 १४९ ॥ ते हे मे मेलीने ॥ एदशपाभाग थावरमे पनडी
 जातीने ॥ अने त्रेणजातीने अने जलजातीने ए
 तीनजातीने पोष्या ॥ १५० ॥ अने हावे करतानी
 प्रकसंबुलवृतीतांतीनमाहात्वजे ॥ ते हे मे थीअ
 षभाग अवीकासमाहात्वनालेईने ॥ १५१ ॥ अने
 एकभाग वीकासमाहात्वतो ॥ अने एकभाग कु
 भस्तमाहात्वतो ॥ एदोनभाग अवीकासमाहा

त्वनाष्ट्रभागमेमेलीने ॥१०२॥ एदशभागमनु
 सजंगमजातीनेपोष्या ॥ अनेहावेविकासमा
 हात्वनाष्ट्रभागलेईने ॥ अनेएकभागअवी
 काशमाहात्वनी ॥१०३॥ अनेएकभागकुंभस्त
 माहात्वनी एदोनुभागविकाशमाहात्वना
 अष्टभागमेमेलीने ॥ एदशभागपुनीमनुष
 जंगमजातीनेपोष्या ॥१०४॥ अनेहावेअष्ट
 भागकुंभस्तमाहात्वनालेईने ॥ अनेएकभा
 गअवीकाशमाहात्वनी ॥ अनेएकभागवी
 काशमाहात्वनी ॥१०५॥ एदोनुभागकुंभस्त
 माहात्वनाअष्टभागमेमेलीने ॥ एदशभाग
 ओरुमनुषजंगमजातीनेपोष्या ॥१०६॥ तेते
 रलक्षप्रकारतांमनुषनेपोष्या तेपंचप्रकारे
 पोख्यातेकुणकुणप्रकारेपोष्याछे ॥ हावेतेक
 हीयछीयेजे ॥१०७॥ युलसुक्ष्मकारणमाहाका
 रण ॥ अनेपरमकारण ॥ एपंचसरीरनोजंगम
 जातीदेहतेहेनेवीषेअष्टभाग ॥१०८॥ विकाश
 माहात्वना ॥ अनेएकभागअवीकाशमाहात्व
 नी ॥ अनेएकभागकुंभस्तमाहात्वनी ॥ एदश
 भागतोमनुषजंगमजातीमेंपर्मकारणदेह
 नेपोष्याछे ॥१०९॥ अनेहावेअष्टभागअवीका
 शमाहात्वना ॥ अनेएकभागवीकाशमाहात्व

सप्त ॥

६५ ॥

नो ॥ अने एक भाग कुंभस्तमाहात्वना मेलीने ॥
११० ॥ एदशभाग तो मनुषजंगमजातीसे माहा
कारण देहने वीषे पोख्याछे ॥ अने हावे अष्टभाग
कुंभस्तमाहात्वना ॥ १११ ॥ अने एक भाग वीका
शमाहात्वना ॥ अने एक भाग अवीकाशमाहा
त्वना ॥ एदशभाग मेलीने तो मनुषजंगमना ॥ १
१२ ॥ पंचशरीरमे माहाकारण देहने ॥ परमका
रण देहनीसंधीने वीषे पोख्याछे ॥ अने हावे अ
रशरीरने वीषे ॥ ११३ ॥ एतीन माहात्वनाके त
नाकेतना वीभाग पोख्याछे ॥ हावे ते कही एछी
येजे अष्टप्राधाभाग वीकाशमाहात्वना ॥ ११४
अने ओरद्वेभाग प्राधाअवीकाशमाहात्वने
कुंभस्तमाहात्वना मेलीने एदशप्राधाभागले
इने तो मनुष ॥ ११५ ॥ जंगमना माहाकारण देह
ने वीषे पोष्या ॥ अने हावे अष्टपाभाग वीकाश
माहात्वना ॥ अने ओरद्वेपाभाग ॥ ११६ ॥ अवि
काशमाहात्वने कुंभस्तमाहात्वना मेलीने ए
दशपाभागले इने तो जंगमना कारण देहने
वीषे पोष्या ॥ ११७ ॥ अने हावे अष्टपाभागना प्राधा
पाभाग वीकाशमाहात्वनाले इने ॥ अने द्वेपाभा
गना प्राधापाभाग अवीकाशमाहात्वने ॥ ११८
कुंभस्तमाहात्वना मेलीने ॥ एदशपाभागना प्रा

धायाभागलेईनेतो जंगमना सुक्ष्मशरीरने
 वीषेपोष्या ॥११५॥ अनेहावेते दशयाभागना
 आधायाभागतेहेना आधादशभागलेईनेतो
 जंगमना सुक्ष्मदेहने वीषेपोष्या ॥१२०॥ एप्रका
 रतो वीकाशमाहात्मना दशदशभागजंगम
 नापंचशरीरने वीषेपोष्या ॥ अनेहावे अष्टआ
 धाभाग अवीकाशमाहात्मना ॥१२१॥ अनेदे
 आधाभाग वीकाशमाहात्मने कुंभस्तमाहा
 त्वना ॥ एदशआधाभागलेईनेतो जंगमना ॥
 परमकारणदेहने फेरीपोष्या ॥१२२॥ अनेहावे
 अष्टयाभाग अवीकाशमाहात्मना ॥ अनेद्वेया
 भाग कुंभस्तमाहात्मने वीकाशमाहात्मना ए
 दशयाभागलेईनेतो ॥१२३॥ जंगमना कारण
 शरीरने वीषेपोष्या ॥ अनेहावे अष्टयाभागना
 आधा अष्टभाग अवीकाशमाहात्मनालेईने
 अनेद्वेयाभागना आधायाभाग ॥१२४॥ विका
 शमाहात्मने कुंभस्तमाहात्मना ॥ एदशभाग
 लेईनेतो जंगमना सुक्ष्मशरीरने वीषेपोष्या
 अनेहावेते दशयाभागना ॥१२५॥ आधायाभा
 गजेतेहेना दशआधाभागलेईनेतो ॥ जंगमना
 सुक्ष्मशरीरने वीषेपोष्या ॥ एप्रकारे तो जंगमना
 पंचशरीरने वीषे ॥१२६॥ अवीकाशमाहात्मना

सस. ॥
६६ ॥

दशभागपोष्याछे ॥ अनेहावेकुंभस्तमाहात्वना
अष्टभागनेवीषे ॥ द्वेभागप्रवीकाशमाहात्वने
१२७ ॥ वीकाशमाहात्वनामेलीने ॥ एदशभागजे
जंगमनामाहाकारणसरीरनेपरमकारण
सरीरनीसंधीनेवीषेआगलपोष्याता ॥ १२८ ॥
तेहेमेपंचभागतोउरधमुषेपरमकारणदेहने
वीषेपोष्या ॥ अनेआरपंचभागतेअधोमुषेमा
हाकारणदेहनेवीषेपोष्या ॥ १२९ ॥ अनेहावेअ
ष्टपाभागकुंभस्तमाहात्वना ॥ अनेद्वेपाभाग
वीकाशमाहात्वने ॥ अवीकासमाहात्वनामे
लीने ॥ १३० ॥ एदशपाभागलेईनेजंगमनाका
रणदेहने ॥ माहाकारणदेहनीसंधीनेवीषेपो
ष्या ॥ अनेहावेअष्टपाभागनाआधापाभाग
१३१ ॥ कुंभस्तमाहात्वनालेईने ॥ अनेद्वेपाभाग
आधापाभागवीकाशमाहात्वनेअवीकाश
माहात्वनामेलीने ॥ १३२ ॥ एदशभागलेईनेतो
जंगमनासुक्ष्मसरीरनेकारणशरीरनीसं
धीनेवीषेपोष्या ॥ अनेतेदशपाभागनाआधा
पाभागजे ॥ १३३ ॥ तेहेनादशआधाभागलेईने
तो ॥ जंगमनायुलशरीरनेसुक्ष्मसरीरनीसं
धीनेवीषेपोष्या ॥ एप्रकारेकुंभस्तमाहात्वना
१३४ ॥ वीभागतोजंगमनापंचशरीरनीसंधी

नेवीषेयोष्या ॥ हावेयेनेएप्रकारेथावरजंगम
 नेवीषेजेहेमेजेटलावीभाग ॥ १२५ ॥ तेहेमेते
 प्रमाणेपंचशरीरनेवीषे ॥ एप्रकारेवेहेच्यण
 जाणवी ॥ पणमनुषजंगमजातीनेतोवीस्ता
 रकसोछे ॥ १२६ ॥ अनेआंत्यजातीनेतोएकए
 कप्रकारेकहीशु ॥ अनेहावेअष्टआधाभाग
 अवीकाशमाहात्मनालेईने ॥ १२७ ॥ अनेएकआ
 धोभागवीकाशमाहात्मनो ॥ अनेएकआधि
 नागकुंभस्तमाहात्मनो एहेभागमेलीने ॥ एद
 शआधाभागतो नवलसप्रकारनांपंषीजंग
 मजातीनेयोष्या ॥ अएलसप्रकारनांजलजा
 तीजंगमनेयोष्या ॥ अनेससलसप्रकारनांपु
 सुजंगमजातीनेयोष्या ॥ १२८ ॥ अनेचतुरलस
 प्रकारनाकीटजंगमजातीनेयोष्या ॥ अनेहा
 वेअष्टआधाभागवीकाशमाहात्मनालेईने
 १३० ॥ अनेएकआधिभागअविकाशमाहात्म
 नो ॥ अनेएकआधिभागकुंभस्तमाहात्मनो
 एहेभागपेलाअष्टभागमेमेलीने ॥ १३१ ॥ एदश
 भागआधायुनीलसनेवप्रकारनांपंषीजंग
 मजातीनेयोष्या ॥ अनेअएलसप्रकारनांजल
 जातीजंगमनेयोष्या ॥ १३२ ॥ अनेससलसप्रका
 रनांपसुजातीजंगमनेयोष्या ॥ अनेचतुरलस

सप्त ॥

प्रकारनां कीटजंगमजातीनेपोख्या ॥१३३॥
 अनेहावेअष्टाधाभागकुंभस्तमाहात्वना
 लेईने ॥ अनेएकआधोभागअवीकाशमा
 हात्वना ॥ अनेएकआधोभागविकाशमाहा
 त्वना ॥ १३४ ॥ एहेभागपेलाअष्टभागमेमेली
 नेएदशभागओरुनवलक्षप्रकारनापंषीजं
 गमजातीनेपोख्या ॥ अनेअष्टलक्षप्रकारना
 १३५ ॥ जलजातीजंगमनेपोख्या ॥ अनेसप्तलक्ष
 प्रकारनांपसुजातीजंगमनेपोख्या ॥ अनेचु
 तुरलक्षप्रकारनांकीटजातीजंगमनेपोख्या
 १३६ ॥ अनेहावेअष्टाधाभागअवीकाशमा
 हात्वनालेईने ॥ अनेएकपाभागवीकाशमा
 हात्वना ॥ अनेएकपाभागकुंभस्तमाहात्वना
 १३७ ॥ एहेभागपेलाअष्टभागमेमेलीने ॥ एद
 शपाभागचोदलक्षप्रकारनाजलजातीजंग
 मनेपोख्या ॥ अनेषटलक्षप्रकारनांकीट ॥ १३८
 जातीजंगमनेपोख्या ॥ अनेपंचलक्षप्रकारनां
 पतंगजातिजंगमनेपोख्या ॥ अनेहावेअष्टाधा
 भागविकाशमाहात्वनालेईने ॥ १३९ ॥ अने
 एकपाभागअवीकाशमाहात्वना ॥ अनेएक
 पाभागकुंभस्तमाहात्वना ॥ एहेभागपेलाअष्ट

॥६७॥

भागमेमेलीने ॥ १४० ॥ एदशपाभागओरुचो
 दलक्षप्रकारनांजलजातीजंगमनेपोष्या ॥
 नेषटलक्षप्रकारनांकीटजंगमजातीनेवीषे
 पोष्या ॥ १४१ ॥ अनेपंचलक्षप्रकारनांपतंग
 जंगमजातीनेपोष्या ॥ अनेहावेअष्टपाभाग
 कुंभस्तमाहात्वनालेईने ॥ अनेएकपाभाग ॥
 १४२ ॥ अवीकाशमाहात्वनो ॥ अनेएकपा
 भागवीकाशमाहात्वनो ॥ एदभागपेला
 अष्टभागमेमेलीने ॥ एदशपाभागफेरीचो
 दलक्ष ॥ १४३ ॥ प्रकारनांजलजातीजंगमनेपो
 ष्या ॥ अनेषटलक्षप्रकारनांकीटजातीजंग
 मनेपोष्या ॥ अनेपंचलक्षप्रकारनां ॥ १४४ ॥ प
 तंगजातीजंगमनेपोष्या ॥ अनेहावेअष्टभा
 गअवीकाशमाहात्वनालेईने ॥ अनेएकभा
 गविकासमाहात्वनो ॥ १४५ ॥ अनेएकभागकुं
 भस्तमाहात्वनो ॥ एदभागपेलाअष्टभागमे
 मेलीने ॥ एदशभागद्यावरमेवुक्षजातीनेवी
 षेपोष्या ॥ १४६ ॥ अनेजेहेकेलीघणांकवरसरे
 हेछे ॥ तेबेलीनेवीषेपोष्या ॥ अनेहावेअष्टभाग
 विकाशमाहात्वनालेईने ॥ अनेएकभागअवी
 काशमाहात्वनो ॥ १४७ ॥ अनेएकभागकुंभ
 स्तमाहात्वनो ॥ एदभागपेलाअष्टभागमेमे

लीने ॥ एदशभागथावरमेवस्यजातीनेपुनीपो
 ष्या ॥ १४८ ॥ अनेस्रो रुजेवेलीघणंकवसरहे
 छेतेहेनेपोष्या ॥ अनेहावेअष्टभागकुंभस्तमा
 हात्वनालेईने ॥ अनेएकभागअवीकाशमाहा
 त्वनो ॥ १४९ ॥ अनेएकभागवीकाशमाहात्व
 नो ॥ एदोनुभागपेलाअष्टभागमेमेलीने ॥ एद
 शभागस्रो रुथावरमेवस्यजातीनेपोष्या ॥ १५
 ० ॥ अनेजेवेलीघणंकवरसरहेछे ॥ तेहेनेवी
 षेपोष्याअनेहावेअष्टप्राधाभागअवीकाश
 माहात्वनालेईने ॥ १५१ ॥ अनेएकप्राधोभाग
 लेईनेवीकाशमाहात्वनो ॥ अनेएकप्राधोभा
 गकुंभस्तमाहात्वनो ॥ एदोनुभागपेलाअष्टभा
 गमेमेलीने ॥ १५२ ॥ एदशप्राधाभागथावरमे
 जेत्रेणजातीघणककालपोहोचेछेतेहेनेपो
 ष्या ॥ अनेजलजातीवेलीमेजेवेलीघणकका
 लपोहोचेछेतेहेनेवीषेपोष्या ॥ १५३ ॥ अनेहावे
 अष्टप्राधाभागवीकाशमाहात्वनालेईनेअ
 नेएकप्राधोभागअवीकाशमाहात्वनो अने
 एकप्राधोभाग ॥ १५४ ॥ कुंभस्तमाहात्वनो ॥ ए
 दोनुभागपेलाअष्टभागमेमेलीने थावरमे
 स्रो रुजेतएजातीघणककालपोहोचेछेतेहे
 नेपोष्या ॥ १५५ ॥ अनेजलजातीवेलीमेजेवेलीघ

एकाककालपोचेतेहेनेपोरव्याअनेहावेअष्टा
 धाभागकुंभस्तमाहात्वनालेईते ॥१५६॥अने
 एकभागआधोअवीकाशमाहात्वतोअने
 एकआधोभागवीकाशमाहात्वतो ॥एदोन
 भागपेलाअष्टभागमेलीने ॥१५७॥एदशआ
 धाभागथावरमेपुनीजेत्रैणजातीघणाकका
 लपोहोचेतेहेनेपोष्या ॥अनेजलजातीवे
 लीमेजेवेली ॥१५८॥घणाककालपोहोचेते
 तेहेनेपोरव्या ॥अनेहावेअष्टपाभागअविका
 समाहात्वनालेईते ॥अनेएकपाभागवीका
 शमाहात्वतो ॥१५९॥अनेएकपाभागकुंभस्त
 माहात्वतो ॥एदोनभागपेलाअष्टभागमे
 लीने ॥एदशपाभागथावरमेजेत्रैणजातीअल
 पआयुसभोगवे ॥१६०॥तेत्रैणजातीनेपोष्या
 अनेआरुजेवेलीजातीमेजेवेलीअलपआ
 युसभोगवेतेहेनेपोष्या ॥अनेहावेअष्टपाभा
 गवीकाशमाहात्वनालेईते ॥१६१॥अनेएकपा
 भागअवीकाशमाहात्वतो ॥अनेएकपाभाग
 कुंभस्तमाहात्वतो ॥एदोनपाभागपेलाअष्ट
 पाभागमेमेलीने ॥१६२॥एदशपाभागथावर
 मेपुनीजेत्रैणजातीअलपआयुसभोगवेतेहे
 नेपोष्या ॥अनेवेलीजातीमेजेवेलीअलपआयु

सप्त ॥

॥ १६६ ॥

शभोगवेतेहेनेपोष्या ॥ १६३ ॥ अनेहावेअष्ट
पाभागकुंभस्तमाहात्वनालेईने ॥ अनेएकपा
भागअवीकासमाहात्वनो ॥ अनेएकपाभा
गवीकाशमाहात्वनो ॥ १६४ ॥ एदीनुपाभाग
पेलाअष्टपाभागमेसेलीने ॥ यावरसेजेत्रेण
जातीअलपआयुसभोगवेछेतेहेनेपोष्या ॥
अनेजेवेलीजातीसेवेली ॥ १६५ ॥ अलपआ
युशभोगवेछेतेहेनेपोष्या ॥ अनेहावेएप्रकार
नातत्वसंजुक्तकरतानीक्रीयावृत्तीयेथाव
रजंगमकीटपतंग ॥ १६६ ॥ मनुषपशुनांतनु
उतपनकरांपणसरवजडवतंततुरह्यां ॥ ताहा
रेकरतारेकरतानीसजीवंनवृत्तीसरवतंतु
नेवीषेपेशककरी ॥ १६७ ॥ तेकरतानीसजीवंन
वृत्तीयेकरीने ॥ सरवघाटवृधीपांमीनेजेटला
तत्वविभागपोष्याता ॥ तेटलासरवतनुनेवीषे
१६८ ॥ सफुरीनेपरीपकवथईरह्या ॥ जंमवृक्ष
नेवीषेबीजगपरीपकवथायछे ॥ तेजंमजलपु
थवीनाजोगवीना ॥ जडनांजडरेहेछे ॥ १६९ ॥ ए
प्रकारेसरवतंतुरच्यांपरांपणजडनांजडरह्यां
पणकोईहलणचलणचेष्टाकरवालाग्यांनही
१७० ॥ ताहारेनीजसजांणस्वरूपकेवलकर
तारे ॥ करताअंशवृत्तीयेकरीनेपोतानाअंश

१७५

१६६

प्रेरककरताहवा ॥१७१॥तेकरतानाअंशतेनीज
 जांणस्वरूपजांणवा ॥तेनीजजांणस्वरूपअंश
 प्रेरकथयेकरीने ॥करतानीप्रकाशबुद्धवृत्तीनां
 १७२ ॥तीनमाहात्वजेएकअवीकाशमाहात्व
 अनेबीजुवीकाशमाहात्व ॥अनेत्रीजुकुभस्त
 माहात्व ॥एतीनमाहात्वचहीतंनकरां ॥१७३॥एती
 नमाहात्वचैतंनथईने ॥तारपीछेकरतानीसेज
 मभोगवृत्तीनां ॥तीनचक्षुसत्वचहीतंनकरां
 तेतीनचक्षुसत्वचहीतंनथईने ॥१७४॥करता
 नीईष्टावृत्तीनांनारंजननेअव्याकृतचैतंनक
 रां ॥तेनारंजननेअव्याकृतनाविभागचैतंनथे
 ईने ॥१७५॥चारतत्वनावीभागचैतंनकरां ॥तेचा
 रतत्वतेकीयांकियां ॥हावितेकहीयेछीयेजे ॥एक
 तोमांहांतत्वकारण ॥१७६॥अनेबिजुआनेदतत्व
 कारण ॥अनेत्रीजुधनंजेतत्वकारण ॥अनेचो
 युप्रकृतीतत्वकारण ॥एचारतत्वकारणनावी
 भाग ॥१७७॥चहीतंनथईनेत्रैणगुणतेत्रैणघण
 नाविभागतेचैतंनकरां ॥तेत्रैणगुणतेत्रैणघ
 णनावीभागचहीतंनथईने ॥१७८॥प्रथमसतो
 गुणसतोगुणतोपंचअंतसक्रणअनेपंचअव
 स्ताचहीतंनकरी ॥अनेहावैरजोगुणेरजोगुण
 नीदश ॥१७९॥आकंझाचहीतंनकरी ॥अनेहा

सस ॥

॥१००॥

वेतारपीछेतमोगुणेतमोगुणनादशकालचही
तंनकरा ॥१८०॥ अनेहावेतारपीछेअहंकार
घणे ॥ अहंकारघणानीपंचमात्राअनेपंचभूत
चहीतंनकरा ॥ अनेहावेतारपीछेस्वकाशघ
णे ॥ १८१ ॥ स्वकाशघणानापंचसंभसक्रणने ॥
पंचवीवस्ताचहीतंनकरी ॥ अनेहावेतारपीछे
अचंतघणे ॥ अचंतघणानीदशभावनाचहीतं
नकरी ॥ १८२ ॥ अनेहावेएप्रकारेअंत्योअंत्य
चहीतंतथईनेजेटलाविभागनांतत्वयोषाता
तेटला ॥ पोतपोतानांचलणहलणचेष्टाकरवा
लागां ॥ १८३ ॥ **दोहाः** ॥ एहीविधीथावरजंगम ॥
कीनेहतत्वजमाव ॥ अधिकनुंत्यवीभूतिवग
समरेहुवीपुविभाव ॥ १८४ ॥ तामहीप्रथंमप्रका
सहु ॥ थीरथावरतनुचीन ॥ नारण्यदासरजतज
करीकेहंकुवेरभीनभीन ॥ १८५ ॥ **थावरतनु**
पंचीकरणक्रीयादेशावंतरकादशेकंद ॥ ११
अनेहावेतेथावरजंगमनांतनुनेवीषेकीयां
कीयांतत्वनांविभागनीकेईकेईचेष्टा ॥ हावेते
कहीयेछीयेजे ॥ १ ॥ जेतत्वनाविभागनीतत्वक
रीयाकरेछे ॥ हावेतेदेशाईछीये ॥ जेनीजसजां
णस्वरूपकेवलकरतारनीक्रीयाबूतीयेकरी
ने ॥ २ ॥ थावरजातीउतपनकरीछे ॥ तेहेनांतत्व

वीभागनीचेष्टाकहीयेछीयेजेहावेप्रथमथा
 वरनेविषेरजोगुणतीदशआकंक्षाजे॥३॥तेहे
 नाभागथावरनेवीषेपोष्यातातेकुण॥हावे
 तेकहीयेछीयेजे॥तेहेमेपंचआकांक्षानापंच
 पंचभागतेपंचनाएकएकभागपोष्याताते
 जेप्रथमश्रवणआकंक्षायारनेवीषे॥४॥र
 हीछेतेजाहारेमेघगरजनागगंतमेथायछे
 ताहारेसर्ववीनाससी॥षडकथईनेकटाक्ष
 मांडेछे॥तेश्रवणआकंक्षायारनेजांणवी
 ५॥अनेहावेथावरनेवीषेसुगंधआकंक्षाते
 कुण॥हावेतेकहीयेछीयेजे॥अछिभोम्यओरु
 पतलीभोम्यकानीथावरपरीक्षाकरीते॥६॥
 तेप्रमाणेजांमेछेतेअछीभोम्यकामे॥तरवर
 अतीसेपुष्टीपांमेछे॥अनेनीरबलभोम्यका
 मेतरवरनीरबलरहेछे॥७॥तेसुगंधआकंक्षा
 येकरीने॥थावरभोम्यकानीप्रसकरेछे॥एप्र
 कारेथावरमेसुगंधआकंक्षारहीछे॥अनेहावे
 थावरनेवीषे॥८॥नीरक्षणाआकंक्षानोएकभा
 गतेकुण॥हावेतेकहीयेछीयेजे॥नीरक्षणाआकं
 क्षातेसर्ववतसपतीनांबीजगभोमीकेउद्रमे
 रेहेछे॥९॥तेकोईदोआंगुलकेचतुरआंगुलके
 वेहेत्यभरकेहाथभर उडांगुपतहोयतोपण

सस ॥ जाहारेवंतवृक्षासेअवनीभीजेछेताहारे ॥१०
 सरवबीजगनाअंकुरनेवीषेतीरक्षणआकं
 ॥१०१॥ सारहीछे ॥ तेमाटेसरवउरधभागेउगीनेउप
 रआवेछे ॥ अनेमुलपातालेजायछे ॥११॥ तेजो
 थावरनेवीषेतीरक्षणआकंसातहोयतो ॥
 अंकुरअवलासवलीथईजाय ॥ तेमाटेएपका
 रेथावरमेतीरक्षणआकंसारहीछे ॥१२॥ अ
 नेहावेथावरनेवीशेसुधापीपासाआकंसाते
 कुण ॥ हावेतेकहीएछीयेजे ॥ सुधापीपासाआ
 कंसातेथावरजंलप्रथवीतुसोसणकरेछे ॥१३
 ताहारेवृक्षबुधीपांमेछे ॥ एप्रकारेथावरमेसुधा
 पीपासाआकंसारहीछे ॥ अनेहावेथावरने
 वीशे ॥१४॥ उचारआकंसातेकुण ॥ हावेतेकही
 एछीयेजे थावरनेवीषेमुषरसनावीनाउचा
 रआकंसारुंधनपांमी ॥१५॥ तारेतेहेनांअने
 कमुलप्रगत्ययां ॥ तेउचारआकंसातेप्रता
 पेथयांछे ॥ एप्रकारेथावरमेउचारआकंसार
 हीछे ॥१६॥ सामाटेजेसुक्षमभागेउचारआकं
 सारहीछे ॥ तेणेकरीनेथावरतेरसनानेमुषन
 ही ॥ अनेहावेथावरनेवीशेसीतउसआकंसा
 तेकुण ॥१७॥ हावितेकहीएछीयेजेसीतउसआ
 कंसातेजाहारेहिमपडेछे ॥ ताहारेवृक्षजलीजा

वी० ॥ ताहारे उष्णपणानी ॥ १८ ॥ आकंसाथाव
 रने उपजे० ॥ पण उष्णपणते वषत पावतु नथी
 ताहारे वृक्षजली जाय० ॥ ते उष्ण आकंसाजां
 णवी ॥ १९ ॥ अने जाहारे सुरीये अती सेत पेछे ता
 हारे वृक्षनापत्र कर्माई जाय० ॥ ते अवसरे थाव
 रने सीतनी आकंसाथाव ॥ २० ॥ ए प्रकारे थाव
 रने वीषे सीत उष्ण आकंसा रही० ॥ अने हावे
 थावरने वीषे आहारु आकंसाते कुण ॥ हावे ते
 कहीये छीये जे ॥ २१ ॥ ग्रहारु आकंसाते थावर
 सुले करीने पृथ्वीने पकडी रे हे० ॥ ते थावरने
 वीषे ग्रहारु आकंसाजां णवी ॥ २२ ॥ अने हावे था
 वरने वीषे वीशीये आकंसाते कुण ॥ हावे ते क
 हीये छीये जे ॥ वीसीये आकंसाते थावरने द्वाद
 शमासमे ॥ २३ ॥ फुलफल आवे० ते वीसीये आ
 कंसाजां णवी ॥ अने हावे थावरने वीषे मलवीस
 रजन आकंसाते कुण ॥ हावे ते कहीये छीये जे
 २४ ॥ मलवीसरजन आकंसाते थावरने वर
 से दाढे पत्र घरी पडे० ॥ ते मलवीसरजन आकं
 साजां णवी ॥ अने हावे थावरने वीषे ॥ २५ ॥ गवं
 न आकंसाते एक भाग सुक्ष्म रहो० ते कुण ॥
 हावे ते कहीये छीये जे ॥ ते गवंन आकंसाथावरने
 चरणवीनारुधनयां मी० ॥ २६ ॥ ताहारे ते हेनी अ

सस ॥

नेकवृक्षनेसाक्षायोथइतिगवंनआकंक्षानेप्र
तापेतेसाख्यासफुरणपांमीछे ॥ एप्रकारेया

॥१०२॥

वरमेगवंनआकंक्षारहीछे ॥२७॥ एदशआकं

क्षारजीगुणनीयावरमेएप्रकारेवरतेछेतेक

ही ॥ अनेहावेअहंकारघणथीदशतत्वउपना

छेजे ॥२८॥ पंचभूतनेपंचमात्रातेहेमेप्रथवी

तत्वनातोअष्टभाग ॥ अनेअर्धअर्धभागचतु

रतत्वना ॥ एजुगलभागचतुरतत्वनालेइने

२९ ॥ अनेअष्टभागप्रथवीतत्वनातेहेमेमेखी

ने ॥ एदशभागथावरनेपोष्पातातेकुण ॥ हावेते

कहीएछीयेजे ॥३०॥ अष्टभागप्रथवीतत्वनाथा

वरमेरह्याछे ॥ तेणेंकरीनेतोथावरजातीयेप्रथ

वीथीअलगथइने ॥ हलएचलएनथीयतु ॥३१

अनेअतीसेजडवततंनतेप्रथवीने ॥ विशेषभा

गेकरीनेथयांछे ॥ अनेहावेथावरमेजलनोआ

धोभागतेकुण ॥३२॥ हावेतेकहीएछीयेजे ॥ याव

रनाकाएभागनेवीयेअरघरहोछे ॥ जेचंदन

नीआद्यलेइने ॥ अतरउतरेछे ॥ तेथावरमेजल

नोभागजांणवो ॥३३॥ अनेहावेथावरनेवीशे

तेजनोआधोभागतेकुण ॥ होवेतेकहीयेछीयेजे

थावरनाकाएभागनेवीयेअसीरहोछे ॥३४

तेकाएनेमथंनकरेछे ॥ ताहारेप्रगटथायछे ॥ ते

थावरसेतेजनाभागजांणवो॥अनेहावेथावरने
 वीशेपवंतनोआधोभागतेकुण॥३५॥हावेते
 कहीयेछीयेजे॥थावरनेवीषेजलसंचरेछे॥जे
 नाडीयोयेकरीनेतेनाडीयोपवननाआधाभा
 गनीयोथईरहोछे॥३६॥एप्रकारेथावरसेपवंत
 नोआधोभागरहोछे॥अनेहावेथावरनेवीषे
 आकाशतत्वतीआधोभागतेकुण॥३७॥हावेते
 कहीयेछीयेजे॥थावरनाकाएनेवीषेचीकाश
 पणरुहछेजे॥तेणेकरीनेकाएजलनेवीषेडुवतु
 नथी॥तेसामाटेजे॥३८॥काएनेवीशेआकाश
 नोभागरहोछे॥तेणेकरीनेकाएडुवतुनथी
 अनेकोईकाएनेवीषेलोहनोषीलोमारोछे॥३९॥
 तेमांहीगडीजायछे॥तेथावरसेआकाशनोभाग
 जांणवो॥अनेहावेथावरनेवीषे॥एप्रकारेपंचभू
 तरहोछे॥४०॥अनेहावेथावरनेवीषेपंचमात्रा
 रहीछेतेकुण॥हावेतेकहीयेछीयेजे॥पथंमसब्
 मात्रातेथावरनाकाएनेविषेसब्बरहोछे॥४१॥
 तेकीमजांणीयेजेढोलमदंगडफषंजरीनीआ
 छलेईने॥काएनांवाजंत्रवाजेछे॥तेसब्बमात्राये
 करीनेनादथायछे॥४२॥एप्रकारेथावरसेशब्
 मात्रारहीछे॥अनेहावेथावरसेसप्रसमात्राते
 कुण॥हावेतेकहीयेछीयेजेथावरनेवीषेतुचाभा

सस ॥

॥१०३॥

गसरवशरीरनेवीषेरहोछे ॥४३॥ तेसप्रसमा
त्राजांणवी ॥ अनेहावेथावरनेवीषेरूपमात्राते
कुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ रूपमात्रातेथावरने
वीषे ॥४४॥ जेथावरनांमुलप्रथवीनेवीषे ॥ प्रथवी
नाविकाशनेजोईजोईनेप्रवेशकरेछे ॥ नहीत
रतोमुलनेवीषेकुमलताघणीकछे ॥४५॥ तेजांही
तांहीमुलदेव्यावीनाचालेतोकहीककवणता
मेलग्येतो ॥ मुलघुमरेजायतेमारेरूपमात्रायेक
रीनेप्रथवीना ॥४६॥ वीकाशनेषीजीनेमुलप्रवे
शकरेछे ॥ एप्रकारेथावरनेरूपमात्रारहीछे ॥ अ
नेहावेथावरनेवीषेरसमात्रातेकुण ॥४७॥ हावे
तेकहीयेछीयेजे ॥ रसमात्राजेथावरनीकुंपलकु
पलनेवीषेअमीरहीछे ॥ अनेथावरनामुलनेअ
ग्रभागेकुमलपणरुहछे ॥४८॥ तेरसमात्राती
अमीयेकरीनेकुमलतापणरुहछे ॥ अनेप्रथवी
नारसनोस्वादलेइजांणेछे ॥ तेरसमात्राजांणवी
४९॥ अनेहावेथावरनेवीषेगंधमात्रातेकुण ॥
हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ गंधमात्रातेथावरनेवीषे
जांहांरजोगुणानी ॥५०॥ सुगंधआकंसारहीछे ॥ जे
अछीपतलीभोमकानीपरषकरेछे ॥ तेरजोगुण
नीसुगंधआकंसांमेगंधमात्रारहीछे ॥५१॥ तेगं
धमात्रायेकरीनेसुगंधआकंसायायछे ॥ एप्रका

रथावरनेवीषेगंधमात्रारहीछे॥एप्रकारेअहं
 कारघणानीपंचमात्रा॥५२॥थावरनेवीषेरहीछे
 अनेहावेथावरनेवीषेसतीगुणनांपंचअंतस
 क्रण॥अनेपंचप्रवस्तानोएकएकभागरही
 छेतेकुण॥५३॥हावेतेकहीयेछीयेजे॥प्रथमथाव
 रनेवीषेजाग्रतअवस्तानोएकभागते॥बुधप्र
 फुलीतरहेछे॥तेहेनेवीषेमंनअंतसक्रणनी
 अंशरहीछे॥५४॥तेकीमजाणीयेजेजाहारेरात्री
 पडेछे॥ताहारेबुधनीद्रावशथायछे॥तेआग्ने
 जाग्रतअवस्ताहुतीताहारे॥५५॥नीद्राअवस्ता
 थायतेनीद्रावसतेकीमजाणाय॥जेबुधनांपत्र
 रात्रीनेवीषेमलीजायछेकोईकोईनां॥तेहेनी
 आयलेईने॥५६॥सरबथावरनीद्रावसजाणवां
 तेवषतमंनअंतसक्रणनोअंसलीनपांमीजा
 य॥ताहारेसुपनअवस्ताथावरनेविषेहोये॥
 ५७॥तेसुपनअवस्तातेकीमजाणीयेजेरात्रीने
 वीषेसरबबुधजातीप्रथवीनेवीशेथु॥जलन
 सोसणकरेछेतेसुपनअवस्तानेवीषे॥५८॥बु
 धीअंतसक्रणनोविभागरहेछे॥तेप्रथवीना
 नीरनुसोसणकरेछेते॥एप्रकारेसुपनअवस्ता
 जाणवी॥५९॥अनेहावेथावरनेवीषेससोप
 तीअवस्तानोएकभाग॥अनेअहंकारअंतस

सस.

१०४

क्रणनो अंशजे हे मे रहो छे ते कुण ॥ ६० ॥ हावे ते क
 हीये छीये जे ससो सी अवस्ता ते जाहारे प्रथवी से
 युजल सो सतु वृक्षर ही जाय छे ॥ ताहारे ससो सी
 अवस्ता जाणवी ॥ ६१ ॥ अने अहंकार अंत स्र
 णनो विभाग पण ते हे ते वीषेर हो छे ॥ ते गें क
 रीने वृक्षने अवनी नुजल सो सवानी क्रीया
 हुती ते ॥ ६२ ॥ अहंकार अंत स्र णनो विभाग
 संमदं म करी नां रे छे ॥ ते वृक्ष संमदं म थ युते की
 म जाणीये जे जाहारे वृक्षने ससो सी अवस्ता
 थाय ॥ ६३ ॥ ताहारे वृक्ष ते वषत वृधी पां म तुर
 ही जाय छे ॥ ते जां हां सुधी ससो सी अवस्ता होय
 तो हां सुधी वृक्ष वेध नही ॥ ६४ ॥ ते वृक्षनी कुपो
 ले ये धांणी राषीने घडी मापीने जुवे ताहारे जण
 य ॥ ते जे घडीने वीषे वृक्ष ती लभारे ई वृधी पां मे न
 ही ॥ ताहारे ससो पती अवस्ता जाणवी ॥ ६५ ॥ अ
 ने जे घडीने वीषे वृक्ष ती लभारे ई ॥ वृधी पां मे तो
 ससो सी नही ॥ अन्य अवस्ता ते जाणवी ॥ अने
 हावे थावरने वीषे ॥ ६६ ॥ तुरीया अवस्ता ते कुण
 हावे ते क हीये छीये जे ॥ जाहारे ससो सीने अहं
 कार अंत स्र णनी न पां मे छे ॥ ताहारे तुरीया
 अवस्ता ॥ ६७ ॥ थावरने वीषे होय ते तुरीया अव
 स्ता ते की म जाणीये जे जाहारे वृक्षने सरी रनुभा

१०५

१०४

नवीसरजंनथरजायछे ॥६८॥ ताहारेकोईबुस
 नीडानेवीषेटुटीनेगरीपडेछे ॥ तेतुरीयाअव
 स्तायेकरीनेबुसनेशरीरनुभांननथीरेहेतु
 ई॥ ताहारेबुसगरीपडेछे ॥ तेकोईकबुसतु
 रीयोनेवीषेगरीपडेछे ॥ तेहेनीआछलेईनेस
 रवथावरनेवीषेतुरीयाअवस्ताजांणीवी ॥७०॥
 अनेचीतअंतसकरणोविभागतेहेनेवीषे
 रहोछे ॥ तेचीतनुसरीरअतीसेसुसमअने
 नीरमलछे ॥ तेणेकरीबुसनेपकडीनथीरषा
 तु ॥७१॥ ताहारेतुरीयाअवस्तानेवीषेबुस
 गरीपडेछे ॥ एप्रकारेथावरनेवीशेतुरीयाअ
 वस्तारहीछे ॥ अनेहावेथावरनेवीषे ॥७२॥
 उनमुनीअवस्तातेकुण हावेतेकहीयेछीए
 जे ॥ उनमुनीअवस्तातेजाहारेबुसनेतुरीया
 अवस्ताअस्तपांसतां ॥७३॥ अनेजाग्रतअव
 स्तानीउदयतां ॥ एबेहअवस्तानीसंधीमेउ
 नमुनीअवस्तानेनचिंतअंतसकरणजांणी
 वु ॥ तेनचिंदाअंतसकरणे ॥७४॥ उनमुनीअ
 वस्तातेकीमजांणीयेजे ॥ तुरीयाअवस्तानुवी
 सरजंनपणुगयुछे ॥ अनेसरवबुसप्रकाश
 वांनथयुछे ॥७५॥ पणतेवखतजाग्रतपणानी
 उपाधीनथी ॥ तेमाटेउनमुनीअवस्तानेनची

॥ १०५ ॥ द्वात्रिंशत्संक्राणजांणवु ॥ एप्रकारेथावरनेवीषे ॥
 ७६ ॥ पंचप्रवस्तानोत्प्रनेपंचत्रिंशत्संक्राणनोए
॥ १०५ ॥ कएकभागरह्योछे ॥ अनेमनुषनेवीषेनवन
 वभागरह्योछे ॥ तोहोयपणत्रेणप्रवस्तानी ७
 ७ ॥ गतीमनुशनथीजांणीसकतु ॥ तीथावरने
 वीषेएकएकभागतेकीमजणाय ॥ तेमाटेथाव
 रनेवीषेघणीकसुसमतायेप्रवस्ताने ॥ ७८ ॥
 अत्रिंशत्संक्राणवरतेछेतेकहां ॥ अनेहावेस्वकाश
 घणनांपंचसंभसक्राण ॥ अनेपंचविवस्ताएद
 शानानवनवभागथावरनेवीषेरह्योछेतेकु
 ण ॥ ७९ ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ प्रथमस्वांत्यसं
 भसक्राणानवनवभागरह्योछेतेकीया ॥ हावेते
 कहीयेछीयेजे ॥ वृक्षसदायकालस्वांतीवतरहे
 छे ॥ ८० ॥ अनेस्थितीवीवस्तानेविषे ॥ स्वांत्यसं
 भसक्राणरहंछे ॥ तेस्थितीवीवस्तानेवृक्षसदा
 यकालस्थितीवांनजरहेछे ॥ ८१ ॥ एप्रकारेस्वां
 त्यसंभसक्राण ॥ अनेस्थितीविवस्ताथावरनेवी
 षेरहीछे ॥ अनेहावेथावरनेवीषेसेहेजसंभस
 क्राण ॥ ८२ ॥ अनेउदारवीवस्तानानवनवभा
 गतेकुण ॥ हावेतेकहीएछीयेजे ॥ सेहेजसंभस
 क्राणतेजेवृक्षसेहेजे ॥ उपजेनेसेहेजसभावेरे
 हेछेसदायकाल ॥ ८३ ॥ अनेउदारविवस्तातेहे

नेवीशेरहीछे जेते एकाएकी वृक्ष उदारवतरे
 हेछे सदायकाल ॥ ८४ ॥ अने कोईके हेतो संघनथी
 करतु ॥ ८४ ॥ ए प्रकारेथा वरनेवीशे सेहेजसं
 भसक्रणने उदारवीवस्तारहीछे ॥ अनेहावे
 थावरनेवीशे सीलसंभसक्रणने ॥ ८५ ॥ गली
 तविवस्तानानवनवभागरहाछे तेकुण हा
 वेतेकहीयेछीयेजे ॥ सीलसंभसक्रणनेजेव
 लसदायकाल ॥ ८६ ॥ सीलवंतसरषुजरेहे
 छे ॥ अनेकोईकोटेकटेपणतो होयसीलनुश
 लजणायछे ॥ अनेगलीतवीवस्तातेहेनेवीषे
 रहीछे ॥ ८७ ॥ तेजेवृक्षसदायकालगलीतपणे
 जरेहेछे ॥ जोपोलेदुषसेहेपणवृक्षकोईनेदुष
 दितुनथी ॥ ए प्रकारेथावरनेवीषे ॥ ८८ ॥ सीलसं
 भसक्रणनेगलीतवीवस्तारहीछे ॥ अनेहावे
 थावरनेवीषे ॥ संतोषसंभसक्रणनेकुंभवी
 वस्ताना ॥ ८९ ॥ नवनवभागरहाछे तेकुण
 हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ संतोषसंभसक्रणने
 जेवृक्षएकस्थलसदायकालसंतोशवतजर
 हेछे ॥ ९० ॥ अनेवृक्षकहीयेईअरुलछेडीने
 डोलायेवांननथीथतु ॥ तेकुंभवीवस्ताजाणवी
 ए प्रकारेथावरनेवीषेसंतोशसंभसक्रणने
 ९१ ॥ कुंभवीवस्तारहीछे ॥ अनेहावेथावरने

सस ० ॥ वीशे समता संभस क्रण ॥ अने सांसां न्यविवस्ता
 नानवतवभागरहा छे ते कुण ॥ ६२ ॥ हावे ते क
 ही ए छी ये जे ॥ संमता संभस क्रण ते जे थावर ॥
 १०६ ॥ सदाय काल संमदं मसर खुजर हे छे ॥ अने
 सांसां न्यविवस्ता ते ॥ ६३ ॥ वस सदाय काल सां
 सां न्यजर हे छे ॥ जे कोई नी साथे राग देश वृक्षने
 नथी होते ॥ ए प्रकारे थावरने वीषे ॥ ६४ ॥ संम
 ता संभस क्रण अने सांसां न्यविवस्तार ही छे ॥
 ए पंच संभस क्रण अने पंचविवस्ता ॥ स्वकाश घु
 एनी थावरने ए प्रकारे रही छे ॥ ६५ ॥ अने हावे
 थावरने वीषे ॥ तमो गुणना दशकालना दशभा
 गरहा छे ॥ एक एक भागे ते कुण ॥ हावे ते कही ये
 छी ये जे ॥ ६६ ॥ प्रथं मसभाव काल जे पोतानी मले
 उदे अस्त वृक्ष पांमेने कोई के हेनी साथे एकता
 नही ॥ अने कोई वृक्षनी प्राकृती छबी एक सर
 षी नही ॥ ६७ ॥ सरवनी छबी न्यारी न्यारी होय छे
 ते मारे सभाव काले करीने न्यारी न्यारी छबी प
 डे छे ॥ ए प्रकारे थावरने वीषे ॥ ६८ ॥ सभावका
 लरही छे ॥ अने हावे थावरने वीषे कांमना का
 लना ॥ एक भाग पोष्यो तो ते कुण ॥ हावे ते कही
 ये छी ये जे ॥ ६९ ॥ जाहारे थावरने फल फूल लागे
 छे ॥ ते हेने वीषे कांमना कालना वीभागवरते छे

एप्रकारेथावरनेवीषेकांमनाकालरहोछे॥१००॥
 अनेहावेथावरनेवीषेआक्रंतकालतेकुण॥
 हावेतेकहीयेछीयेजे॥आक्रंतकालतेथावरसु
 दायकालअकडरहेछे॥१०१॥कोईकाटेकुटेतोहो
 येअकडनुअकडजरहेछे॥तेथावरनेवीषेआक्रं
 तकालजाणवो॥अनेहावेथावरनेवीषेआश्रये
 कालनोभागतेकुण॥१०२॥हावेतेकहीयेछीयेजे
 आश्रयेकालतेजेथावरनेवीषे॥नीडाअनेजा
 ग्रतअवस्ताथायछे॥तिनेत्रवीनारात्रीदीनजा
 णिछे॥१०३॥तेआश्रयेकालनोअंशजाणवो॥अ
 नेजेदीनुहतीनेरात्रीक्याथीतेआश्रयेपांमी
 नेनीद्रावसथायछे॥१०४॥अनेओरुरात्रीह
 तीने॥सुरीयेउदयोताहारेकहेआप्रकासकेसी
 एआश्रयेपांमीनेजाग्रतपणथायछे॥एबेअ
 वस्तानेवीषे॥१०५॥थावरनेआश्रयेकालनो
 अंशरहोछे॥तेथावरनेआश्रयेकालजाणवो
 अनेहावेथावरनेवीषेप्रथककालनोअंशतेकु
 ण॥१०६॥हावेतेकहीयेछीयेजे॥प्रथककालतेथा
 वरनेवीषे॥पत्रफुलफलसाष्यान्यारीन्यारीअले
 कारछे॥तेहेमेप्रथककालनोअंशवरतेछे॥१०७॥
 जेकोरिसाष्याकेपत्रफुलफलआगेसेपाकीनेऊ
 डीपडेछे॥तेथावरनेवीषेप्रथककालजाणवो॥१०८॥

सस ॥ अनेहावेथावरनेवीशेवप्रीतकालतेकुण ॥ हा
 वेतेकहीएछीयेजेवप्रीतकालतेथावरनेवीषे
 ॥ १०७ ॥ कोईरीगलागेछे ॥ १०८ ॥ केघणषायछेताहारे
 वृससुकाईजायछे ॥ तिथावरनेवीषेवप्रीतका
 लजांणवो ॥ अनेहावेथावरनेवीषे ॥ ११० ॥ अज्ञां
 नकालनोविभागतेकुण ॥ हावेतेकहीएछीयेजे
 अज्ञानकालजेथावरपोतानीआद्यतेईनेअं
 त्यकोईकेहेनेलेहेतुनथी ॥ १११ ॥ एप्रकारेथाव
 रनेवीषेअज्ञानकालवरतेछे ॥ अनेहावेथावर
 नेवीषे रागसकालतेकुण ॥ हावेतेकहीएछीए
 जे ॥ ११२ ॥ रागसकालतेथावरनेवीषे ॥ सुधापी
 पासाआकंसारहीछे ॥ तेहेनेवीषेरगसकाल
 नोअंशवरतेछे सामादेजे ॥ ११३ ॥ वृसनेप्रथवी
 नोरससोसानीप्रीतीरहीछे ॥ तेहेनेवीषेरगस
 कालरहोछे ॥ एप्रकारेथावरनेवीषेरगसका
 लरहोछे ॥ ११४ ॥ अनेहावेथावरनेवीषेदेशका
 लनोवीभागतेकुण ॥ हावेतेकहीएछीयेजेदेश
 कालतेथावरनेसीतउसलागेछे ॥ ११५ ॥ तेहेने
 वीषेदेशकालनोविभागवरतेछेजेजाहारेअती
 सेसीतव्यापेछे ॥ ताहारेसीतउपरदेशहोय ॥ ११६ ॥
 अनेजाहारेउसतापणअतीसेथायताहारेउ
 सतापणउपरदेशहोय ॥ तेकीसजाणीयेजेउस

ताथावरनेपरसेछे ॥११७॥ ताहारेदशकाले
 करीनेकुमलेइजायछे ॥ अनेसीतपरसेछेया
 वरनेतेदेषकालेकरीनेदग्धथायछे ॥११८॥
 एप्रकारेथावरनेवीषेदेषकालरह्योछे ॥ अने
 हावेथावरनेवीषेवृधीअंतकालतेकुण ॥ हा
 वेतेकहीयेछीयेजे ॥११९॥ वृधीअंतकालजेथा
 वरपोतानीहद्यप्रमाणेवृधीपांमीनेपछेवधतु
 नथी ॥ अनेघणाकदीवसफुलीफलीने ॥१२०॥
 नाशथायछेएपोतानामापथी ॥ अतीसेवृधी
 पांमीनेआकाशेजातुनअरहे ॥ तेवृधीअंत
 कालेकरीने ॥१२१॥ अतीसेवध्यांजतुनथी ॥ ए
 प्रकारेथावरनेवीषेवृधीअंतकालरह्योछे ॥ ए
 दशकालतमोगुणनातेहेनादशभाग ॥१२२॥
 तेथावरनेवीषेएप्रकारेरह्योछे ॥ अनेहावेथा
 वरनेवीषे ॥ अचंतघणतीदशभावनाकेनव
 नवभागरह्योछेतेकुण ॥१२३॥ हावेतेकहीए
 छीयेजे ॥ पुष्टमअहंतभावनाकेनवभागते
 जेअतीशे ॥ वृसअहंतपणेजरहेछे ॥ सामाटेजे
 सतोगुणनां ॥१२४॥ अंतसक्रणतीएकएकभा
 गरह्योछे ॥ अनेस्वकाशघणनांपंचसंभसक्र
 णानानवनवभागरह्योछे ॥१२५॥ तेमाटेथाव
 रनेवीषेअतीसेअहंतभावनाएप्रकारेरहीछे

॥सस॥ अनेहावेथावरनेवीषेबीजीसंभभावनाते
 कुण॥१२६॥हावेतेकहीएषीयेजे संभभावना
॥१०८॥ तेजेथावरसदायकालसंभाकारजरहेछे॥अ
 नेहालतुचालतुनथी॥१२७॥एपुकारेथावर
 नेवीषेसंभभावनारहीछे॥अनेहावेथावरने
 बीषेत्रीजीवीसरजनभावनातेकुण॥हावेते
 कहीएषीयेजे॥१२८॥वीसरजनभावनाते
 थावरनेकुलफलप्रसवधईनेऊडीपडेछे॥ते
 हेनीयोतानेसंभतारहेतीनथी॥जंगमजाती
 नाजेहेवी॥१२९॥सामाटेजेजंगमजातीनेतो
 फरजनप्रसवथायछे तेहेनीसरवनेफरज
 नतीसंभतानुहेतुरेहेछे॥अनेबुसनेफरज
 नतेबीजगजाणवु॥१३०॥तेबीजगऊडीपड्या
 पीछेबुसनेसंभतारहेतीनथी॥तेसामाटेजे
 नवभागवीसरजनभावनाकेरहाछे॥१३१
 तेणेकरीनेअतीसेंवीसरजनपणरुहछे॥ए
 पुकारेथावरनेवीषेवीसरजनभावनाजां
 एवी॥अनेहावेथावरनेवीषेचीथी॥१३२॥नी
 डाभावनातेकुण॥हावेतेकहीएषीयेजेनीडा
 भावनातेजेथावरआवेईपोहारअचेतसरघु
 जरेहेछे॥१३३॥तेअतीसेअचेतपणुतेनवभा
 गनीडाभावनाकेरहाछे॥तेणेकरीनेरेहेछे॥

ए प्रकारेथावरनेवीषेनीडाभावनारहीछे ॥१३४॥
 अनेहावेथावरनेवीषेपंचमीअंधतंम
 भावनातेकुण ॥हावेतेकहीयेछीयेजे ॥अंधतं
 मभावनातेजे ॥१३५॥थावरसदायकालअंधा
 ध्वंधसरषुजरहेछें ॥सामाटेजेनेत्रवीनातेसां
 लोकरीनेदेषे ॥तेमाटेअंधाध्वंधसरषुजरहेछे ॥१
 ३६॥ए प्रकारेथावरनेवीषेअंधतंमभावनार
 हीछे ॥अनेहावेथावरनेवीषेछगीअचेतभा
 वनातेकुण ॥१३७॥हावेतेकहीएछीयेजेअचे
 तभावनाते ॥जेथावरफलेफुलेनेपलवेछे ॥ते
 प्रकारेचेतनदरसेछे ॥नहीतरसदायकाल
 १३८॥अचेतसरषुजरहेछें ॥तेमाटेथावरनेवी
 षेअचेतभावनाए प्रकारेरहीछे ॥अनेहावेथा
 वरनेवीषेसप्तमी ॥उच्चारभावनातेकुण ॥१३९॥
 हावेतेकहीएछीयेजे ॥उच्चारभावनातेजेथावर
 सदायकालउच्चारसरषुजरहेछे ॥संमदंसं
 त्यवतजेहेवुते ॥१४०॥उच्चारभावनायेकरीने
 रेहेछे ॥ए प्रकारेथावरनेवीषेउच्चारभावना
 रहीछे ॥अनेहावेथावरनेवीषेअष्टमी ॥१४१॥
 अभावभावनातेकुण ॥हावेतेकहीयेछीयेजे
 अभावभावनातेजेथावरपोतानीमेलेएका
 एकीउदारवतरेहेछें ॥१४२॥कोईजातीसाथेभा

सस ॥ वशीती नही ॥ तेमाटे अभावभावनाथावरने
 वीषे ए प्रकारे रही छे ॥ हावे थावरने वीषे नवमी
 १४३ ॥ मुंन्यभावनाते कुण ॥ हावे ते कही ए छी
 ॥ १०६ ॥ येजे ॥ मुंन्यभावनाते जे थावर सदाय काल मुं
 न्यजरे हे छे ॥ अने कोईनी साथे बोलतु नथी ॥
 १४४ ॥ तेमाटे थावरने वीषे ए प्रकारे मुंन्यभाव
 ना रही छे ॥ अने हावे थावरने वीषे दशमी ॥ असां
 मत्तभावनाते कुण ॥ १४५ ॥ हावे ते कही ए छी ए
 जे ॥ असां मत्तभावनाते जे थावरने कोईकाटे
 कुटेने पत्रफुलफलतोडी लेहे तो होय पण पो
 ते ॥ १४६ ॥ कोईने बरुजी सकाय नही ॥ अने ना
 सीये ई पण जवाय नही ॥ सामाटे जे असां मत्त
 भावनाके नवभाग रहा छे ॥ १४७ ॥ तेणे करी
 ने थावरने अतीसे असां मत्त पण रहु छे ॥ तेमा
 टे थावरने वीषे असां मत्तभावना ए प्रकारे रही
 छे ॥ १४८ ॥ एदशभावना अचंत घण कियावर
 ने वीषे नवनवभागे ए प्रकारे रही छे ॥ अने हा
 वे थावरने वीशेत्रेण गुण ॥ १४९ ॥ अने त्रेण घ
 ण रहा छे ॥ तेषटनुमांहां तापणुते कुण ॥ हावे ते
 कही ए छी येजे ॥ प्रथं मत्तमोगुणनी माहाताते
 थावरने वीषे ॥ १५० ॥ साषापेठपत्रमांही टेंढे प
 ण रहु छे ॥ ते मोगुणनी मांहाताजाणवी ॥ अने

हावेथावरनेवीषेरजोगुणनीमांहांतातेकुण ॥१
 ५१ ॥ हावेतेकहीएछीयेजेरजोगुणनीमांहांतातेजे
 थावरनांपत्रफलफलनेवीशे ॥ चलकीतपएर
 हुंछेतेणेकरीने ॥१५२ ॥ थावरदीमशोभायमान
 दषायछे ॥ तेरजोगुणनीमांहांताजांणवी ॥ अने
 हावेथावरनेवीषेसतोगुणनीमांहांतातेकुण ॥
 १५३ ॥ हावेतेकहीयेछीयेजेसतोगुणनीमांहांता
 तेजेथावरनाबुधीअंकुरभागनेवीशेकुमलप
 एरुहुंछे ॥१५४ ॥ तेसतोगुणनीमांहांताजांणवी
 अनेहावेथावरनेवीशेअहंकारघणनीमांहांता
 तेकुण ॥ हावेतेकहीएछीयेजे ॥१५५ ॥ अहंकारघ
 णनीमांहांतातेजे ॥ थावरअकडपणेनीरधार
 रेहंछे ॥ तेअहंकारघणनीमांहांताजांणवी ॥१५६
 अनेहावेथावरनेवीषेस्वकाशघणनीमांहांता
 तेकुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ स्वकासघणनी
 मांहांतातेजे ॥१५७ ॥ थावरनेवीषेवीकाशपएघ
 एकछे ॥ अनेसाष्यान्यारीन्यारीवीषरेछे ॥ तेस्व
 काशघणनीमांहांताजांणवी ॥१५८ ॥ अनेहावे
 थावरनेवीषेअचंतघणनीमांहांतातेकुण ॥ हावे
 तेकहीयेछीयेजे ॥ अचंतघणनीमांहांतातेजेथा
 वर ॥१५९ ॥ सदायकालवीनाचीतवेनअचंत
 सरपुजरेहंछे ॥ तेथावरनेवीषेअचंतघणनीमा

॥ ११० ॥ हांताजांणवी ॥ अनेहावेथावरनेवीषे ॥ १६० ॥
 प्रकृतीतत्वकारणाने ॥ एकभागरहोछेतेकु
 ण ॥ हावेतेकहीएछीयेजेप्रकृतीतत्वकारणते
 जेथावरनेवीषेरजोगुणती ॥ १६१ ॥ वीसीयेआ
 कंक्षारहीछे ॥ तिहेनीआद्यलेइनेव्यापकरुह
 छे ॥ तिणेकरीनेसरवआकंक्षायोआकृतीयांमे
 छे ॥ १६२ ॥ तेप्रकृतीतत्वकारणतोवीभागजांण
 वो ॥ अनेहावेथावरनेवीषेआनंदतत्वकारण
 तोएकभागरहोछेतेकुण ॥ १६३ ॥ हावेतेकही
 येछीयेजेआनंदतत्वकारणते ॥ जेथावरसदा
 यकालप्रफुलीतएकाएकीआनंदमेजरहेछे
 १६४ ॥ अनेसोषातुरयांमीनेसुकार्इनेथीजतु
 तेथावरनेवीषेआनंदतत्वकारणतोवीभा
 गजांणवो ॥ अनेहावेथावरनेवीषे ॥ १६५ ॥ धनं
 जेतत्वकारणानानवभागरहोछेतेकुण ॥ हा
 वेतेकहीयेछीयेजे ॥ धनंजेतत्वकारणतेजेथाव
 रनांबीजअंकुर ॥ १६६ ॥ छोटोछेपणसफुरण
 करीने ॥ अतीसेपुष्टीयमाडेछे ॥ तेधनंजेतत्वका
 रणना ॥ नववीभागजांणवा ॥ अनेहावेथावर
 नेवीषे ॥ १६७ ॥ मांहांतत्वकारणानानवभागर
 होछेतेकुण ॥ हावेतेकहीएछीयेजे ॥ माहांतत्व
 कारणतेजेथावरमेमांनुभावपणउवीशेशरह

છે ॥ ૧૬૮ ॥ અનેથાવરણધોમુષેઘણકકાલરેહે
 છે ॥ પણવુક્ષનેસરમપોચતોનથી ॥ તેમાહાતત્વ
 કારણને ॥ પ્રતાપેકરીનેનથીપોચતો ॥ ૧૬૯ ॥ પ્રો
 રુથાવરનેવરશદાઢેરતુજાગેછે ॥ પણઅતંતવી
 જગનીવૃધીથાયછે ॥ તેમાંહાંતત્વકારણનેપ્ર
 તાપેકરીનેથાયછે ॥ ૧૭૦ ॥ પ્રોરૂકરતાનીઈંચા
 વૃત્તીનીત્રીજીપેઠીનુમાંહાંતત્વકારણથયુછે ॥
 તેમાટેઈંચાપણાનોભાગમાંહીવિશેશરહ્યોછે
 ૧૭૧ ॥ તેમાટેબીજગનીઉતપતીઘણીકથાય
 છે ॥ એપ્રકારેથાવરનેવીષેમાંહાંતત્વકારણર
 હુછે ॥ અનેહાવેથાવરનેવીશેતીનગુણ ॥ ૧૭૨ ॥
 અનેતીનઘણઅનેપંચમુતઅનેચતુષ્ટતત્વકા
 રણતે ॥ ઉલટાસુલટીજેઅંગનાવીભાગનેવી
 ષેવીશેશરહ્યાંછે ॥ ૧૭૩ ॥ હાવેતેહેનીક્રીયાક
 હીયેછીયે ॥ હાવેજેથાવરનીતુચાનેવીષે ॥ સ્વકા
 શઘણનેરજોગુણરહ્યાંછે ॥ ૧૭૪ ॥ તેથાવરનેફ
 લફલદોહુઆવેપણતેતુચાનેવીશેલાગે ॥
 નેહાવેજેથાવરનાઅંકુરનેવીષે ॥ સ્વકાશઘ
 ણનેરજોગુણરહ્યાંછે ॥ ૧૭૫ ॥ તેહેનેમુસ્તકઉપ
 રડીરનેઅગ્રભાગેફલફલલાગે ॥ અનેહાવેજે
 થાવરનીતુચાવાઅંકુરનેવીષે ॥ રજોગુણેકી
 લોજરહ્યોછે ॥ ૧૭૬ ॥ તેથાવરનેફલવીનાફ

लएकलुजलागे। अनेहावेजेथावरनीतुचावा
 अंकुरनेवीषे॥ एकीलोखकाशघणरह्योछे
 १११॥ तेहेनेएकीलुफुलजलागेपणफलआ
 वेनही। अनेहावेजेथावरनामुलनेवीषे॥ र
 जोगुणअनेखकाशघणरह्योछे॥ ११८॥ तेहे
 नेफुलनेफलबहुलागेनही॥ तेहेनेमुलनेवी
 षेकंदमुलथाय॥ अनेहावेजेथावरनाकाष्ठ
 भागनेवीषे॥ ११९॥ रजोगुणनेखकासघणर
 ह्योछे॥ तेहेनेफलफुलनेकंदतीनुयनथाय
 तेफलफुलकंदवीनानुजथावररहे॥ १२०॥ अ
 नेहावेजेथावरनीतुचानेवीषे॥ तमोगुणरह्यो
 छे॥ तेहेनांपत्रपत्रनेस्थानककंटाउतपंनथा
 य॥ अनेहावेजेथावरनाअंकुरनेवीशे॥ १२१
 अहंकारघणरह्योछे॥ अनेतुचानेवीषेतमो
 गुणरह्योछे॥ तेथावरनापेहनीआद्यलेईने॥ प
 त्रफुलफलसरखनेवीषे॥ १२२॥ रोमरोमकंटा
 उतपंनथाय॥ अनेहावेजेथावरनारसनेवीशे
 अहंकारघणनीरूपमात्रारहीछे॥ तेथावरने
 लालपुस्यआवे॥ १२३॥ अनेहावेजेथावरनार
 सनेवीशेरसमात्रारहीछे॥ तेहेनेखेतरंगको
 फुलआवे॥ अनेहावेजेथावरनारसनेवीशेघं
 धमात्रारहीछे॥ १२४॥ तेहेनेपीलारंगकाफुल

आवे ॥ अने हावे जेथा वरनारसने वीषे सप्रस
 मात्रा रही छे ॥ तेहेने हरीया रंगका पुष्प आवे
 १८५ ॥ अने हावे जेथा वरनारसने वीषे सब
 मात्रा रही छे ॥ तेहेने सांमरंगका फुल आवे ॥
 अने हावे जेथा वरनारसने वीषे ॥ १८६ ॥ रुप
 ओरु रसबेह मात्रा रही छे ॥ तेहेने पंचरंगी फु
 ल आवे ॥ अने हावे जेथा वरनारसने वीषे ॥
 सब ओरु सप्रस ए दोनु मात्रा रही छे ॥ १८७
 तेहेने उदारंगका पुष्प आवे ॥ अने हावे जेथा
 वरनारसने वीषे तेज ओरु गंध मात्रा रही
 छे ॥ तेहेने कणोरंगका पुष्प आवे ॥ १८८ ॥ अ
 ने हावे जेथा वरनारसने वीषे सप्रस ओरु
 सब मात्रा रही छे ॥ तेहेने धुंधलारंगका पुष्प
 आवे ॥ १८९ ॥ अने हावे जेथा वरनारसने
 वीषे पंचेइ मात्रा व्याप कर रही छे ॥ तेहेने तेथा
 वरनापत्रनारंग जेसा पुष्प आवे ॥ १९० ॥ अ
 ने हावे जेथा वरनारसने वीषे ॥ सब ओरु
 रस मात्रा रही छे ॥ तेहेने पुष्प भांमलारंगका
 आवे ॥ ए प्रकारे मात्राने संजोगे उलटा सुल
 टी ॥ १९१ ॥ बहु प्रकारके रंगका पुष्प हे तेहे
 अने हावे जेथा वरनी तुचाने वीषे गंध मात्रा
 वीशे रह रही छे ॥ १९२ ॥ तीनका फल पीतरंग

सस ॥ काहोय ॥ अनेहावेजेथावरनीतुचानेवीषे ॥ र
 समात्रावीशेशरहीछे ॥ तीनकाफलस्वेतरंगका
 ११२ ॥ होय ॥ १९३ ॥ अनेहावेजेथावरनीतुचानेवीशे
 रूपमात्रावीशेशरहीछे ॥ तीनकाफललाल
 रंगकाहोय ॥ अनेहावेजेथावरनीतुचानेवी
 शे ॥ १९४ ॥ सप्रसमात्रावीशेशरहीछे ॥ तिन
 काफलहरीयारंगकाहोय ॥ अनेहावेजेथा
 वरनीतुचानेवीषे ॥ १९५ ॥ सबसामानोवी
 भागवीशेशरहीछे ॥ तीनकाफलसंभरंग
 काहोय ॥ अनेहावेजेथावरनीतुचानेवीषे
 १९६ ॥ गंधमात्रानेप्रथवीतत्वएबुहनाविभा
 गवीशेशरहीछे ॥ तीनकाफलउपरभीतर
 ग्रभरससमेतपीतरंगकाहोय ॥ १९७ ॥ अने
 हावेजेथावरनीतुचानेवीशे ॥ रसमात्राने
 जलतत्वएबुहनावीभागवीशेशरहीछे ॥ १
 ९८ ॥ तीनकाफलउपरभीतरग्रभरससमे
 तस्वेतरंगकाहोय ॥ अनेहावेजेथावरनीतुचा
 नेवीशे ॥ रूपमात्राअनेअजीतत्व ॥ १९९ ॥ एबु
 हुनाविभागवीशेशरहीछे ॥ तीनकाफलउप
 रभीतरग्रभरससमेतलालरंगकाहोय ॥ २००
 अनेहावेजेथावरनीतुचानेवीषे ॥ सप्रसमात्रा
 नेवायुतत्वएबुहनावीभागवीशेषरहीछे ॥

तीनकाफलउपरभीतर ॥२०१॥ हरीयारंगका
 होये ॥ अनेहावेजेथावरनीतुचानेवीषे ॥ सब्
 मात्रानेआकाशतत्वएबेहंनाविभागवीशे
 शरह्ये ॥२०२॥ तीनकाफलउपरभीतरग
 भरससमेत ॥ सांमरंगकाहोय ॥ अनेहावेजे
 थावरनारतुभागनेवीषे ॥२०३॥ पृथ्वीतत्व
 अधीकरह्ये ॥ तेथावरकेफलमीष्टस्वादके
 होय ॥ अनेहावेजेथावरनारतुभागनेवीषे ॥२
 ०४॥ जलतत्ववीशेशरह्ये ॥ तीनकेफलमधु
 रास्वादकेहोय ॥ अनेहावेजेथावरनारतुभाग
 नेवीशे ॥२०५॥ अग्नीतत्ववीशेशरह्ये ॥ तीन
 केफलकास्वादतीक्ष्णहोय ॥ अनेहावेजेथाव
 रनारतुभागनेवीशे ॥२०६॥ वायुतत्ववीशेष
 रह्ये ॥ तीनकेफलकास्वादचरपराहोय ॥ अ
 नेहावेजेथावरनारतुभागनेवीशे ॥२०७॥ आ
 काशतत्ववीशेशरह्ये ॥ तीनकेफलकास्वाद
 फीकाहोय ॥ अनेहावेजेथावरनारतुभागने
 वीशे ॥२०८॥ तमोगुणवीशेशरह्ये ॥ तीन
 केफलकास्वादषटाहोवे ॥ अनेहावेजेथावर
 नारतुभागनेवीशे ॥२०९॥ रजोगुणविशेष
 रह्ये ॥ तीनकेफलकास्वादअतीशेमीष्ट
 होवे ॥ अनेहावेजेथावरनारतुभागनेवीषे ॥२१०

सस . ॥ सतीगुणवीशेशरहोछे ॥ तीनकेफलकास्वाद
 केहेवेमेआवेनही ॥ जेहीपावेसोईजाने ॥ २११ ॥
 ११३ ॥ अनेहावेथावरनारतुभागनेवीषेअहंकारघ
 णरहोछे ॥ तीनकेफलकास्वादकडवाहोये ॥ २
 अनेहावेजेथावरनारतुभागनेवीषे ॥ २१२ ॥ स्व
 काशघणरहोछे ॥ तीनकेफलकास्वादमसरी
 तसीतलताहोवे ॥ अनेहावेजेथावरनारतुभाग
 नेवीषेअचंतघणरहोछे ॥ २१३ ॥ तीनकेफल
 कास्वाददंडासाचरेशहोवे ॥ अनेहावेजेथावर
 नेवीशेगंधमात्रा ॥ अनेरजोगुणअनेप्रथवीत
 त्वव्यापकरहोछे ॥ २१४ ॥ तेथावरकासघलाफु
 लफलसाष्यापेठसहीतमीष्टहोवे ॥ अनेहावेजे
 थावरनेवीषेसबमात्रानेआकाशतत्व ॥ १५ ॥
 अनेअचंतघणव्यापकरहोछे ॥ तेथावरका
 स्वादनीषसीषसुधीपत्रफलफलसाष्यापेठ
 सहीतफ्रीकाहोवे ॥ २१६ ॥ अनेहावेजेथावरने
 वीशेअज्ञीतत्वरूपमात्रा ॥ अनेतमोगुणएती
 नव्यापकरहोछे ॥ तेथावरनीषसीषसुधीफु
 लफल ॥ २१७ ॥ समेततीसणहोए ॥ अनेहावेजे
 थावरनेवीशेरसमात्राजलतत्वनेसतीगुणव्या
 पकरहोछे ॥ तेथावरनीषसीषसुधी ॥ २१८ ॥ फु
 लफलसमेतमधुरास्वादकेहोये ॥ अनेहावेजे

यावरनेवीषेसप्रसमात्रान्प्रनेवायुतत्व॥प्रने
 स्वकाशघणतीतव्यापकरहोछे॥२१६॥तेथा
 वरनीषसीषसुधीफलफलसमेत॥चरपरस्वा
 दकाहोय॥प्रनेहावेजेथावरनेवीशेएकीलोत
 मोसुगरहोछे॥२१७॥तेथावरनीषसीषसुधी
 षटरसस्वादकेहोये॥प्रनेहावेजेथावरनेवीषे
 एकीलोअहंकारघणरहोछे॥२१८॥तेथावरनी
 षसीषफलफलसमेतकडवास्वादकाहोये॥
 प्रनेहावेसरवफलफलनास्वादेनेवीषेतरस
 ईसुगंधरहीछे॥२१९॥तेकुणसंजीगेरहीछेतेकी
 मजाणीये॥हावेतेकहीएछीयेजे॥हावेजेथावरना
 रतुभागनेवीषे॥प्रकृतीतत्वकारणवीशेशर
 होछे॥२२०॥तेथावरनाफलनेवीषेरसीकतर
 सेरहीछे॥प्रनेहावेजेथावरनारतुभागनेवीषे
 आनंदतत्वकारणनो॥२२१॥विभागवीशेषर
 होछे॥तीनकेफलमेसुगंधतरसेरहीछे॥प्र
 नेहावेजेथावरनारतुभागनेवीशेधनंजेतत्व
 कारणनेवीभागवीशेशरहोछे॥२२२॥तीनके
 फलकेवीषेअभावतरसेरहीछे॥प्रनेहावेजेथा
 वरनारतुभागनेवीषे॥मांहांतत्वकारणनो॥
 २२३॥विभागवीशेशरहोछे॥तीनकेफलमेवी
 भांततरसेरहीछे॥एच्यारतत्वकारणीफ

सस ॥ अने वीषे चार प्रकारे ॥ २२७ ॥ ते रसे रही छे पण
 जांहां जे हे बु फल ॥ तांहां ते हे वीषण अनंत प्रकार
 ॥ ११४ ॥ रेथ र्ही छे ॥ पण मुल तर से ते चार प्रकार नी
 जर ही छे ॥ २२८ ॥ अने हावे जे थावर नार तु भाग
 नि वीषे ॥ रजो गुण नी दश आ कं स्या यो नी वि भा
 ग वी शेश रहो छे ॥ २२९ ॥ तीन के फल मन सजा
 ती नी आ य ले ई ने सर व जी व भक्षण करे ॥ अ
 ने हावे जे थावर नार तु भाग नि वीषे ॥ २३० ॥ तमो
 गुण ना दश काल ना वि भाग वी शेष रहो छे ॥
 ती न के फल पशु पं ची के भक्षण कर मे आवे ॥ २
 ३१ ॥ ओरु मनुष के भक्षण करे मे ना आवे ॥ अ
 ने हावे जे थावर नार तु भाग नि वीषे अ चंत घ
 ण नी दश भाव ना के ॥ २३२ ॥ वी भाग वी शेश
 रहो छे ॥ ती न के फल मनुष नी आ य ले ई ने ॥ प
 शु पं र वी की ई ये भक्षण न व्य करे ॥ अने हावे जे र
 तु थावर ना भाग नि वी शे ॥ २३३ ॥ सतो गुण नी पं
 च अवस्तानि पंच अंत सक्रण ना वी भाग वी शे
 श रहो छे ॥ ती न के फल पु ग ट नी श लो प ड द
 रही त आवे ॥ २३४ ॥ अने हावे जे थावर नार तु
 भाग नि वीषे स्व का श घ ण नां पंच सं भ सक्रण
 अने पंच वी वस्ताना वी भाग वी शेश रहो छे ॥
 २३५ ॥ ते थावर नां फल शी फल नी आ य ले ई ने

संपटवतपडदासहीतआवे॥अनेहावेथावर
 नारतुभागओरुरसभागकी॥२३६॥बीचेसध
 भागेरजोगुणकीमलवीसरजनआकंक्षाओ
 रुतमोगुणकेदेशकालअनेबुधीअंतकाल
 २३७॥अनेअचंतघणकीनीडाभावना॥अ
 नेविसरजनभावना॥एपंचथावरनारसभा
 ग॥ओरुरतुभागकीबीचेरह्याछे॥२३८॥
 तीनकेफलपाकीनेआपसेआपऊडीपडे
 अनेहावेजेथावरनारसभागएकितामेए
 पंचेईरह्याछे॥२३९॥तेथावरकेपत्रपाकीने
 ऊडीपडे॥पणतेहोनांफलऊडीनांपडेपाकेतो
 हेऊडीपडेनही॥अनेहावेजेथावरनेविषे॥२४०
 ०॥एपंचेईव्यापकरह्याछे॥तीनकेपत्रफलदो
 ईनांऊडे॥पाकेतोहीनांऊडीपडे॥कोईकाटी
 लेकेतोरीलेजबीलेवाय॥२४१॥अनेहावेजे
 थावरनाअंकुरभागनेवीषे॥सतोगुणलुअ
 हंकारअंतसक्रण॥ओरुधतंजेतत्वकारण
 नाअहंकारघण॥२४२॥एबेहनीवीभागथा
 वरनाअंकुरनेवीशेवीसेसरहोहोयतो
 तेथावरनेसाख्यापलवनांथाय॥२४३॥एक
 डंडायमांसतेथावररहेतेहेनेनसांपत्रफल
 फुलथाययणसाख्यानीकलेनही॥एप्रकारेअ

सप्त ॥

॥११५॥

व्याकृतथीउतपनथयांयको ॥२४४॥ सीतर
तंतथावरकेतनुमेडलटासुलटीरहांछे ॥ ते
एकरीनेथावरनेवीशेअनंतप्रकारनीवी
भक्ती ॥२४५॥ न्यारीन्यारीजणायछे ॥ अनेहा
वेथावरनेवीशेपंचभागनीरंजनकाअने
पंचभागअव्याकृतकाथावरनेपोरव्याता
तेकुण ॥२४६॥ हावेतेकहीयेछीयेजेथावरने
वीशे ॥ अव्याकृतनेनीरंजनका बराबरीभा
गरहाछेतेएकरीनेथावरने ॥२४७॥ अस्त्री
पुरुषनासंजमवीनाएकाएकीरतुजागेछे
अनेफलफुलउतपनथायछे ॥ तेसामाटेजेअ
स्त्रीपुरुषता ॥२४८॥ बेहभागबराबरीएकने
वीशेजरहाछे ॥ तेजाहारेवसनेवीषेनीरंजन
अव्याकृतनाअंशनोसंजमथायछे ॥२४९॥
ताहारेवसनेरतुजागेछे ॥ अनेफलफुलआ
वेछे ॥ एप्रकारेथावरनेवीशेनीरंजननेअ
व्याकृतनापंचपंचभागरहाछे ॥२५०॥ अ
नेहाविथावरनेवीशेपंचआधाभागनीरंजन
का ॥ अनेपंचआधाभागअव्याकृतकापो
रव्यातातेकुण ॥२५१॥ हावेतेकहीएछीयेजेतेहे
नीतोथावरनेवीशेवेलीजातीथईछे ॥ तेसा
माटेजेनीरंजननेअव्याकृतना ॥२५२॥ अरध

अरधभागकमतीयोख्याता ॥ तेणेकरीनेवेली ॥
 जातीये ॥ ब्रह्मनाजेतीसफुरणानथीथती ॥ अ
 नेःप्राधारविना ॥ २५३ ॥ तीरधारचलातुनथी
 एपुकारेतीरंजननेःप्रव्याक्रतना ॥ दशप्राधा
 प्राधाभागथावरनेवीशेरह्याछे ॥ २५४ ॥ अने
 हावेथावरनेवीषेपंचनीरंजननापापाभा
 ग ॥ अनेपंचप्रव्याक्रतनापापाभागपोष्या
 तातेकुण ॥ २५५ ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ तेहेनी
 तोथावरनेवीशेत्रणजातीअनेःप्रोरुअल
 पअयुसवंतीवेलीजातीयईछे ॥ २५६ ॥ तेसामा
 टेजेनीरंजननेःप्रव्याक्रतनाअलपअलप
 अंशरह्याछे ॥ तेणेकरीनेअलपआयूसमे ॥ २
 ५७ ॥ फलीफलीनेवीलसीजायछे ॥ एपुकारेनी
 रंजननेःप्रव्याक्रतनादशपापाभागथावर
 नेवीषेरह्याछे ॥ २५८ ॥ अनेहावेथावरनेवी
 शेपंचभागनीरंजननापोष्याता ॥ तेहेमेथीच
 तुरभागनीरंजननातो ॥ थावरमेमलीजई
 ने ॥ २५९ ॥ थावरनेवीषेकठणपणकाष्टभा
 गकरीतांयु ॥ अनेपंचभागअव्याक्रतनाथा
 वरनेवीषेपोष्यातातेहेमेथी ॥ २६० ॥ अव्याक्र
 तनापण ॥ चतुरभागथावरनेवीषेमलीजई
 नेपत्रफुलग्रभनेतुचाभागथावरनेवीषेक

सस ॥

॥११६॥

रीनांषो ॥२६१॥ अनेहावे एकभागनीरंजन
नो ॥ अने एकभाग अवाकृतनो ॥ एतेनुभा
गरह्माछे ॥ तेहेमैथी एकनीरंजनना ॥२६२॥
भागनीतोथावरनेबीशेपीगलानाडीथई
नेपीगलानाडीमेरह्माछे ॥ अने एकभाग अ
वाकृतनोरह्माछे ॥२६३॥ तेहेनीतोथावरने
बीशेईगलानाडीथईनेईगलानाडीतेवीषेर
ह्माछे ॥ अने एबेहनाडीयोनासंजोगथयेकरी
ने ॥२६४॥ थावरनेवीषेसुषमणानाडीथईने
सुषमणानेवीषेरहीछे ॥ हावेतेईगलापीगला
नेसुषमणानाडीते ॥२६५॥ थावरनेवीषेकुण
प्रकारेजांणीये ॥ हावेतेकहीएछीएजे ॥ जाहारेस
खवनसपतीनांबीजगवृष्यारतुकाले ॥२६६॥
प्रथवीमांहांथीउदेपांमीनेउगीनीकलेछे ॥
ताहारेसखनेदेदेपत्रहोयछे ॥ तेसामाटेजेव
सनुअधोमुषछे ॥२६७॥ तेअधोमुषेपीगलाना
डीयेप्रथवीनोरससोसेछे ॥ तेहेनुतोथावरने
बाहरदाहनेअंगेपत्रउतपंनथयु ॥२६८॥ अने
ईगलानाडीयेकरीनेप्रथवीनोरससोसेछे
तेहेनुतोथावरनेबाहरबावेअंगेपत्रउतपंन
थयु ॥२६९॥ हावेबेहनाडीयोनासंजोगनी ॥ सु
षमणानाडीयेकरीनेप्रथवीनोरससोसेछे

तेहेतोतोथावरनेबाहारदोउपत्रकिवीच ॥२७०॥
 वृधीअंकरडीरभागकुंपलउतपनयईएप्रकारे
 थावरनेवीषेतीरंजनने ॥अव्याकृतनावीभाग
 रह्याछे ॥२७१॥अनेहावेथावरनेवीषेकरतानी
 प्रकाशबुंलवृतीनांतीनमाहात्वजे ॥एकअवी
 काशमाहात्व ॥२७२॥अनेवीजुवीकासमाहा
 त्व ॥अनेत्रीजुकुंभस्तमाहात्व ॥एतीनमाहात्व
 तेहेमेथी ॥एकेमाहात्वनाअष्टभागलेईने ॥२७
 ३॥अनेओरदेमाहात्वकोएकएकभागमेथी
 ने ॥एदशदशभागथावरजातीनेपोख्यातातेकु
 ण ॥हावेतेकहीएछीयेजे ॥२७४॥अष्टभागअवी
 कासमाहात्वना ॥अनेदभागदेमाहात्वनामे
 लीने ॥एदशभागथावरजातीनेपोख्याता ॥ते
 हेमेथीअवीकाशमाहात्वना ॥२७५॥अष्टभाग
 नातोथावरमेअधोमुषमुलनेवीषेओहंकार
 पुणायंमथईनेरह्योछे ॥तेकीमजांणीयेजेथाव
 रनामूलने ॥२७६॥ऊंकारपुणायंमषीचायछे
 तेहेनेसंघेकरीनेप्रथवीमेथूजलषीचाईनेवु
 हंनसीचायछे ॥एप्रकारेथावरनेवीशे ॥२७७॥
 अवीकाशमाहात्वनाउंकारपुणायंमथईर
 ह्योछे ॥अनेहावेथावरनेवीषेअवीकाशमाहात्व
 नाअष्टभागमे ॥२७८॥एकभागवीकाशमाहा

सप्त ॥ त्वनोपोष्योतीतेकुण ॥ अने एक भाग कुंभस्त
 माहा त्वनोतेकुण ॥ हावतेकहीछीयेजे ॥ २७५ ॥
 ॥ ११७ ॥ कुंभस्तमाहा त्वनो एक भाग अवीकाशमाहा
 त्वना ॥ अष्टभागमेपोष्योतीतेती ॥ उंकारपुणा
 यंनेवीशें व्यापकथईनेरह्योछे ॥ २८० ॥ तेणे
 करीनें उंकारपुणायंमनेवीषे स्वांतीघाटपण
 रुह्ये ॥ तेमाटे उंकारपुणायंमवृक्षनेवीषे धी
 मेधीमेरवीचायछे ॥ २८१ ॥ तेणे करीनेवृक्षने
 आरबुलघणेकपोहोच्ये ॥ अनेवीकाशमाहा
 त्वनो एक भागते ॥ उंकारपुणायंमनेमोक्षअ
 ग्रभागेरह्योछे ॥ २८२ ॥ तेकीमजांणीयेजे ॥ जाहा
 रे उंकारपुणायंमवृक्षनेवीषेरवीचायछे ॥ ता
 हारेवीकाशमाहा त्वनोभाग ॥ २८३ ॥ उंकार
 पुणायंमनेमोक्षअग्रभागेरह्योछे ॥ तेवृक्षने
 वीषेआगेआग्येविकासकरेछे ॥ ताहारेतेहेती
 पीछेवृक्षनेवीषे ॥ २८४ ॥ उंकारपुणायंमपवेश
 करेछे ॥ तेणे करीनेवृक्षपोषायछे ॥ एप्रकारेया
 वरनेवीषेअवीकाशमाहा त्वनोथावरमे ॥ २८
 ५ ॥ उंकारपुणायंमथईरह्योछे ॥ अनेहावेथा
 वरनेवीशेविकाशमाहा त्वनाअष्टभागमे ॥
 अनेद्वभागप्रोर्द्धमाहा त्वना ॥ २८६ ॥ एदशभा
 गथावरजातीनेवीषेपोष्याता ॥ तेहेमेधीविका

समाहात्वनाम्न एभागतोथावरनेवीषे ॥२८८
७॥ अर्धोभागेसुलनेवीषेसोहंगपुणायंमथ
ईरहोछे ॥ तिसोहंगपुणायंमथवीनेवीकाश
देवशवीनेयावरनांमुलप्रवेशकरेछे ॥२८८
अनेहावेविकासमाहात्वनाम्न एभागमे ॥ ए
कभागअवीकासमाहात्वनीपोष्योतोतेकुण
अकभागवलीकुंभस्तमाहात्वनीपोष्योतो
तेकुण ॥२८९॥ हावितेकहीएछीयेजेकुंभस्तमा
हात्वनी ॥ एकभागवीकाशमाहात्वनीअए
भागमेपोष्योतोतेभागतो ॥२९०॥ सोहंगपुण
यंमनेवीषेव्यापकरहोछे ॥ तेल्येकरीनेसोहं
गपुणायंमघाहपएउपोमीनेस्वातीसुवहेछे २९१
तेमाटेवुसघणाककालपोहोचेछे ॥ अनेहावे
अवीकाशमाहात्वनी ॥ एकभागतेविकाशमा
हात्वनाम्न एभागता ॥२९२॥ सोहंगपुणायंमने
मोस्रअग्रभागेरहोछे ॥ तेकीमजाणीयेजे ॥ जा
हारेसोहंगपुणायंमवुसतांमुलप्रथवीनेविषे
२९३॥ प्रवेशकरेछेताहारेअवीकाशमाहात्व
नीभाग ॥ सोहंगपुणायंमनावुसमुलनेअग्र
भागेरहोछे ॥ तिसोहंगपुणायंमनावुसनेसो
सतोजायछे ॥२९४॥ तीमतीमसोहंगपुणायं
ममुलनेपेरककरेछे ॥ एपुकारेपेरककरीर

सप्त ॥

हीनेतारपीछे ॥ मुलनेयंभावीनेमापेरावेछे ॥ २८५ ॥
 तेअवीकाशमाहात्मनोभागमोक्षमुलने
 ॥ ११८ ॥ अग्रभागेरहोछे ॥ तेणेंकरीनेवृक्षनांमुलयं
 भनपांमेछे ॥ २८६ ॥ एप्रकारेखीकासमाहात्म
 नोथावरनेवीषे ॥ सोहंगप्रणायंमथरिहोछे
 अनेहाविथावरनेवीषेकुंभस्तमाहात्मना ॥ २८७
 ॥ अष्टभागअनेओरहेमाहात्मनाद्वेभाग
 एदशभागथावरनेपोख्याता ॥ तेहेमेथीकुंभ
 स्तमाहात्मनाअष्टभागनोतो ॥ २८८ ॥ थावरने
 वीषेकुंभकप्रणायंमथरिहोछे ॥ तेकुंभकप्र
 णायंमतेकुणप्रकारेथयोछे ॥ हावेतेकहीएछी
 येजे ॥ २८९ ॥ उंकारप्रणायंमतेपोरककरीरे
 हेतां ॥ अनेसोहंगप्रणायंमनेबाहारसुकीरेहे
 तांथोरीकवार ॥ प्रणायंमतेहेनीमध्येयंभन
 पांमेछे ॥ ३०० ॥ तेकुंभकप्रणायंमजांणवो ॥ अ
 नेहावेकुंभस्तमाहात्मनाअष्टभागनेवीषे ॥ एक
 भागअवीकाशमाहात्मनो ॥ ३०१ ॥ अनेएकभा
 गविकाशमाहात्मनो ॥ एदीनुभागपोष्याताते
 कुंभकनेवीषेक्पांहांरहाछे ॥ हावेतेकहीएछी
 येजे ॥ ३०२ ॥ यताकुंभकनेअग्रभागे ॥ तेअवीका
 शमाहात्मनोएकभागरहोछे ॥ तेणेंकरीनेकुं
 भकनेखीचीरखेछे ॥ ३०३ ॥ अनेछटताकुंभक

237

॥ ११८

ने अग्रभागे ते वीकाशमाहात्म्ये एकभाग रहे
 छे ॥ ते कुंभकनाद्वारे ते वीकाशीनां वे छे ॥ ३०४ ॥
 ते लोकरिने कुंभकप्रणवयोडी कबेरमे छुटी जा
 यछे ॥ अने होवते उंकारप्रणयंम ॥ अने सोहंका
 रप्रणयंम ॥ ३०५ ॥ अने कुंभकप्रणयंम ते थाव
 रने वीषे प्रगटकि मजाणीये ॥ हावेते कहीये छीए
 जे जाहारे थावरने वीशे ॥ ३०६ ॥ उंकारप्रणयंम
 षीचायछे ॥ ते टलादी वससुधी वृक्ष ॥ रसपल
 वथई कुंपलकाठीने वृधीयां मतुजायछे ॥ ३०
 ७ ॥ अने हावेथावरने वीषे सोहंगप्रणयंमचा
 लेछे ॥ ताहारे ते टलादी वससुधी वृक्षने कुंपल
 कुटीनीकसे नही ॥ ३०८ ॥ अने वृधीयां मतुप
 णरहीजाय ॥ अने तांहां लगी वृक्षबाषडकर
 दुथईने रहे ॥ अने हावेजाहारे थावरने वीषे ॥
 ३०९ ॥ कुंभकप्रणयंमथायताहारे ते टलादी
 वससुधी वृक्षनांपत्रपाकीने ऊडीपडेछे ॥ अ
 ने हावेजेथावरने वीषे ॥ ३१० ॥ तीनमाहात्म्यना
 दशआधा आधाभाग पोख्याता ॥ अने जेथाव
 रने वीशे दशपायाभाग ॥ तीनमाहात्म्यनापो
 ख्याता ॥ ३११ ॥ ते हेमे ते प्रमाणे येने ए प्रकारे सु
 क्षमभागे तीनप्रणयंमथई रह्याछे ॥ ए प्रकारे
 करतानी प्रकासबुलवृत्तीनां ॥ ३१२ ॥ ती

सस०॥

॥११६॥

नमाहात्वथावरनेवीषेरह्याछे॥अनेहावेथा
वरनेवीषेकरतानी॥संजमभोगवृतीनांती
नचक्षुसत्वने॥३१३॥तेहेमेथीअनंगचक्षुस
त्वनातीनआधाभाग॥अनेतीनआधाभा
गवृगज्ञानचक्षुसत्वना॥एषटभागआधा
द्वेचक्षुसत्वनालेईने॥३१४॥अनेहावेचतुर
आधाभागकालचक्षुसत्वनातेहेमेमेलीने॥ए
दशआधाभागथावरनेवीषेपोष्यातातेकु
ण॥३१५॥हावेतेकहीएछीएजे॥थावरनेपंच
भागनीरंजनना॥अनेपंचभागअव्याकृत
ना॥एदशभागथावरनेवीशेपोख्याता॥३१६॥
तेहेमेथीपंचभागनीरंजननातो॥थावरना
पेठनेवीषेअधोमुखेरह्याछे॥तेहेनोतोथाव
रनेवीषेपुरशातनभागथईरह्योछे॥३१७॥
तेणेकरीनेथावरनुपेठभागएकडंडायमा
नरह्येछे॥अनेहावेपंचभागअव्याकृतना
तो॥थावरनाउरधभागनेवीशेउरधमुखेर
ह्याछे॥३१८॥तेहेनुतोथावरनेवीशेउरधभागे
अरुलीलीगथईरुह्ये॥तेणेकरीनेवृक्षनेउ
रधभागेशारव्याउतपंनथायछे॥३१९॥तेसा
माटेजेअरुलीढेतवीलासणीछे॥तेमाटेअने
तसायानेउतपनकरेछे॥एप्रकारेथावरने

25

॥११६॥

वीषेतीरंजनने ॥ ३२० ॥ अव्याकृतनाविभा
 गः अस्त्रीपुरुषयर्हरहाछे ॥ तेहेमेतीनुचस्य
 सत्वनादशः अर्धभागमेथी ॥ दशपाभागतो
 थावरना ॥ ३२१ ॥ उरधभागमेअस्त्रीलीगने
 वीषेरहाछे ॥ अनेओरदसपाभागचस्यसत्व
 नातो ॥ थावरनाअधोभागमेपुरुषलीगनेवी
 षेरहाछे ॥ ३२२ ॥ एप्रकारेतीनुचस्यसत्वनाद
 शपाभागथावरनाउरधभागमेअस्त्रीलीग
 नेवीषेरहाछे ॥ अनेदशपाभागथावरना ॥ ३
 २३ ॥ अधोभागमेपुरुषलीगनेवीषेरहाछे
 पणथावरनेवीषेअस्त्रीपुरुषनावीभागउल
 टासुलटीरहाछे ॥ ३२४ ॥ एकजेउरधमुषेअ
 नेएकअधोमुषे ॥ तेणेकरीनेथावरनेवीषेअ
 स्त्रीपुरुषनावीभागनोसंजमकोईकेहेनेन
 थीथेता ॥ ३२५ ॥ पणजाहारेथावरनेवीशेकर
 तानीप्रकाशबुल्लवृतीनांतीनमाहात्वरहा
 छे ॥ तेहेमेकुंभस्तमाहात्वनो ॥ ३२६ ॥ कुंभकप्रणा
 यंसथायताहारेथावरनेवीषे ॥ अस्त्रीपुरुष
 नाविभागनोसंजमथायछे ॥ तेकुंणप्रकारेक
 रीनेथायछे ॥ ३२७ ॥ हावेतेकहीएछीयेजेजाहा
 रेथावरनेवीषेकुंभकप्रणायंसथायछे ॥ ताहा
 रेतीनुचस्यसत्वनादशपाभागरहाछे ॥ ३२८

सस ॥

तेहेमेवुगज्ञानचक्षुसत्वनोवीभाग ॥ अस्त्री
नावीभागनेवीषेरहोछेते ॥ यावरनेकुंभक
थायछे ॥ ३२९ ॥ ताहारेअस्त्रीनाउरधमुष
वीभागनेअधोमुषेकरेछे ॥ अनेयावरमे
पुरुषनावीभागनेवीषे ॥ तीनचक्षुसत्व
नादशपाभागरह्याछे ॥ ३३० ॥ तेहेमेवुगज्ञा
नचक्षुसत्वनोवीभागरहोछेते ॥ पुरुषना
अधोमुषवीभागनेउरधमुषकरेछेताहा
रे ॥ ३३१ ॥ यावरनेवीषेअस्त्रीपुरुषनाविभा
गआंसांसांहांसीसनमुखथायछे ॥ तेअस्त्री
पुरुषनावीभागसनमुषथयाथकी ॥ ३३२
अस्त्रीनावीभागनेअनंगचक्षुसत्वनोवी
भागरहोछे ॥ तेअस्त्रीनावीभागनेबेहेउ
तपंतकरेछे ॥ ३३३ ॥ अनेपुरुषनावीभागने
वीषेअनंगचक्षुसत्वनोवीभागरहोछे ॥ ते
पुरुषनावीभागनेबेहेउतपंतकरेछे ॥ ३३४
तेबेहवीभागनेबेहेउतपंतथयाथकीयावर
नेवीषे ॥ अस्त्रीपुरुषनावीभागनोसंजमथा
यछे ॥ ३३५ ॥ तेअस्त्रीपुरुषनावीभागनोसं
जमथयापीछेयावरनेअस्त्रीनाविभागने
वीषेकालचक्षुसत्वनोवीभागरहोछे ॥ ३३६
तेअस्त्रीनाविभागनांपंचभुतनीरेसंबीहुउ

२३२

॥ २२०

तपंनकरेछे ॥ अनेथावरमे पुरुषनावीभाग
 नेवीषेकालचक्षसत्वनेवीभागरहोछे ॥ ३३
 ७ ॥ तेपुरुषनावीभागनापंचभूतनाअस्त्रीनी
 बीदुउतपंनकरेछे ॥ तेपुरुषनावीभागनीबी
 दुकालचक्षसत्वेउतपनकरापीछे ॥ ३३८ ॥ पुरु
 षनावीभागनुवुगज्ञानचक्षसत्वजे ॥ तेपुरुष
 नीबीदुनेलेईनेथावरमे ॥ अस्त्रीनावीभागने
 बीषेअस्त्रीनाकमलमेपोहोचावेछे ॥ ३३९ ॥
 तेथावरमेअस्त्रीनावीभागनेवीषेअस्त्रीनु
 कमलतेकुण ॥ हावेतेकहीएछीयेजेथावरनेवी
 षेअस्त्रीनुलीगकमलते ॥ ३४० ॥ थावरनीसा
 र्यापलवजांणवु ॥ तेसाप्यापलवअस्त्रीनाक
 मलनेवीषे ॥ पुरुषनुवुगज्ञानचक्षसत्वपुरुष
 नीबीदुनेपोचावेछे ॥ ३४१ ॥ अनेअस्त्रीनावीभा
 गनुवुगज्ञानचक्षसत्वअस्त्रीनापंचभूतनीर
 सबीदुलेईने ॥ अस्त्रीनासाप्याकमलनेवीषेपो
 होचावेछे ॥ ३४२ ॥ हावेतेपुरुषनावीभागनीबी
 दु ॥ अनेअस्त्रीनावीभागनीबीदु ॥ अस्त्रीनीसा
 प्याकमलमेएषहीसंजमययापीछे ॥ ३४३ ॥ अ
 स्त्रीनावीभागनुअनंगचक्षसत्वजे ॥ तेथाव
 रनासाप्यानेवीषेपुष्पउतपंनकरेछे ॥ अने
 पुरुषनावीभागनु ॥ ३४४ ॥ अनंगचक्षसत्व

सस ॥

॥१२१॥

तेपुष्पनेवीषे ॥ फलना अंकुरने उदेकरेछे ॥ हा
वेतारपीछे पुरुषना वीभागनु ॥ कालचक्षस
त्वते फलने वृधीपमाडेछे ॥ ३४५ ॥ अने होव फल
नी वृधीथईर ह्यापीछे अस्त्रीना वीभागनु का
लचक्षसत्वछे ॥ ते फलने पकवीने वृक्षथीगेर
वीपाडेछे ॥ ३४६ ॥ अने हावे तेथ्या वरने वीषे अ
स्त्रीना वीभागनी बीदुना अरघमे पंचतत्व आ
यांछे ते कीमजांणीये ॥ अने पुरुषना वीभाग
नी ॥ ३४७ ॥ बीदुना अरघमे पंचतत्व आयांछे ते
कीमजांणीए ॥ हावे ते कही एषीये जे फलने वी
षे बीजगथायछे ते पुरसना ॥ ३४८ ॥ वीभागनी
बीदुनु प्रथवी तत्वजांणवु ॥ अने बीजगने वीषे
अंकुरमेची कासरस भागरहोछे ॥ ते पुरसना
वीभागनी बीदुनु ॥ ३४९ ॥ जलतत्वजांणवु अने
हावे बीजगने वीषे सोसण सकीरहीछे ॥ ते जा
हारे बीजगवृक्षारतुकाले उदेयांमेछे ॥ ३५० ॥ ते
प्रथवीना जलने सोसण करीने उदेयांमेछे ॥ ते
पुरुसना वीभागनी बीदुनु वायुतत्वजांणवु ॥
ते वायुतत्वे करीने ॥ ३५१ ॥ जलपीचुयकु बीजग
ने वीषे ॥ पचवीने घाटुकवणपणुकरेछे ॥ ते पुरु
षना वीभागनी बीदुनु अग्नीतत्वजांणवु ॥ ३५२ ॥
अने हावे ते बीजगने वीषे विकासरहोछे ॥ ते

पुरुषनावीभागनीबीदुनुआकाशतत्वजां
 णवु ॥ एपंचभूतबीजगमे ॥ ३५३ ॥ फलनेवीषे
 पुरुषनाविभागनीबीदुनांजांणवो ॥ अनेहावे
 फलनेवीषेअरूनीनावीभागनीबीदुनांपंच
 तत्वकहीएछीए ॥ ३५४ ॥ जेहावेफलनेवीषेग
 रभभागरहोछे ॥ तेअरूनीनावीभागनीबी
 दुनुपृथवीतत्वजांणवु ॥ अनेगर्भनेवीषेरस
 रहोछे ॥ ३५५ ॥ तेअरूनीनावीभागनीबीदुनु
 जलतत्वजांणवु ॥ अनेतेफलनीउपरछलका
 भागतुचारहीछे ॥ तेअरूनीनावीभागनीबी
 दुनु ॥ ३५६ ॥ वायुतत्वजांणवु ॥ अनेहावेगर्भ
 भागनेछलकाभागकीबीचेसंधविकासर
 होछे ॥ तेअरूनीनावीभागनीबीदुनु ॥ ३५७ ॥
 आकाशतत्वजांणवु ॥ अनेहावेतेफलनागर
 भनेवीषेकठणपरहोयछे ॥ तेहेनेपकवीने
 नरमासपणकरेछे ॥ ३५८ ॥ तेअरूनीनावीभा
 गनीबीदुनुअजीतत्वजांणवु ॥ एपंचतत्वफ
 लनेवीषेअरूनीनावीभागनीबीदुनांजांण
 वो ॥ ३५९ ॥ अनेहावेएपुकोरथावरनेवीषेक
 रतानीसंजमभोगवृतीनातीनचससत्व
 क्रीयाकरतांजांणवो ॥ ३६० ॥ एणहावेतेतीनच
 ससत्वसुखमकान ॥ थावरनाक्रीयावीभाग

॥सस॥

नेवीषेरहांछे॥हावेतेकहीएछीयेजेथावरने
वीषे॥३६१॥करतावीप्रकाशबुसवतीनांती
नमाहात्वरहांछेजे॥एकरप्रविकाशमाहात्व
अनेबीजुवीकासमाहात्व॥३६२॥अनेत्रीजु
कुंभस्तमाहात्व॥एतीनमाहात्वतेहेमेथावर
नेवीशे॥सुकतोप्रणायंमतेवीकासमाहात्व
जाणवु॥३६३॥तेहेनेवीशेतोकालचक्षसत्व
रुहछे॥अनेहावेथावरनेवीषेतेतोप्रणायंम
तेअविकाशमाहात्वजाणवु॥३६४॥तेहेनेवी
षेतोवुगज्ञानचक्षसत्वरुहछे॥अनेहावेवेह
स्वासनीसंधीमध्ये॥प्रणायंमयंभनपांमेछे
३६५॥तेथावरनेवीषेकुंभस्तमाहात्वजाणवु
तेहेनेवीषेतेअनंगचक्षसत्वरुहछे॥एप्रका
शेथावरनेवीषे॥३६६॥तीनमाहात्वजेतेहेनेवी
षेतीनचक्षसत्वरहांछे॥अनेहावेथावरने
वीषेतीनचक्षसत्वनादशपापाभागपोष्याता
तेकुण॥३६७॥हावेतेकहीएछीयेजेथावरनेवी
षेजे॥अलपआयुषवतीवेस्त्रीजाती॥ओरुअ
लपआयुसकीपदडीजाती॥३६८॥ओरुअ
जातीओरुअलपआयुसवंतीजलजाती॥
ओरथावरनेवीषेजेतीअलपआयुसवंती
जाती॥तेहेनेतेदशपापाभाग॥३६९॥तीनच

ससत्वनापोख्यायेते ॥ तेहेनेवीषेतेप्रकारेसु
 स्पभागे ॥ तीनचससत्वनीक्रीयाजांणवी ॥
 ओरुथावरनेवीषेजेजातीमे ॥ ३७० ॥ जेटले
 दीनेकुंभकप्रणायंमथाय ॥ तेजातीमेतेटले
 दीनेफलउतपंतथाय ॥ जेथावरनेघणेकदी
 नेकुंभकप्रणायंमथाय ॥ ३७१ ॥ तेथावरनेघणे
 कदीनेफलफलउतपंतथाय ॥ अनेजेथाव
 रनेथोडेकदीनेकुंभकप्रणायंमथाय ॥ तेथाव
 रनेथोडेकदीनेफलफलउतपंतथाय ॥ ३७२ ॥
 हावेएप्रकारनीविभूतीसंजुक्तकरतानी ॥ क्री
 यावृतीयेथावरजातीउतपंतकरीछे ॥ ३७३ ॥
 ॥ दोहा ॥ थीरथावरगतीवरनेहु ॥ पातफलफल
 कंद ॥ जेहीजेतनेतनुतत्वके ॥ तेहुकरीकीये
 नीकंद ॥ ३७४ ॥ अंबजंगमगतीगाबुहु ॥ पाव
 हुपमुहिलास ॥ केहेकुवेरक्रतक्रतकरु ॥ सुन
 हुनारणीजदास ॥ ३७५ ॥ जंगमवीषुविल
 सक्रीयादेयावंनपंचीकरणदादशोकंदः ॥
 १२ ॥ अनेहावेजंगमजातीनेवीशेजेतत्वना
 वीभागपोख्याये ॥ तितत्वनाविभागनीक्री
 याकहीएछीयेजे ॥ १ ॥ हावेजंगमनेवीषेरजोग
 णनीदशआकंसारहीछेतेकुण ॥ तेहेमप्रथंम
 श्रवणआकंसाकहीयेछीयेजे ॥ २ ॥ श्रवणआ

सस ॥

॥१२३॥

कंक्षातेजंगमजाती ॥ अत्रलेकरीनेसबअव
णकरेछे ॥ तेअवणआकंक्षाजांणवी ॥ ३ ॥ अ
नेहावेजंगमनेवीशेबीजीसुगंधआकंक्षाते
कुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ सुगंधआकंक्षा
तेजंगमनासायेकरीने ॥ ४ ॥ सुगंधीलेछेतेसु
गंधआकंक्षाजांणवी ॥ अनेहावेजंगमनेवी
षेत्रीजीनीरक्षणआकंक्षातेकुण ॥ हावेतेक
हीयेछीयेजे ॥ ५ ॥ नीरक्षणआकंक्षातेजंग
मनेत्रेकरीनेनीरषेछे ॥ तेनीरक्षणआकंक्षा
जांणवी ॥ अनेहावेजंगमनेवीवेचोथी ॥ ६ ॥
सुधापीपासाआकंक्षातेकुण ॥ हावेतेकही
एछीयेजे ॥ सुधापीपासाआकंक्षाते ॥ जंगम
अंतजलनुभस्यणकरेछे ॥ ७ ॥ अनेहावेजंगम
नेवीषेपंचमीउचारआकंक्षातेकुण ॥ हावे
तेकहीयेछीयेजेउचारआकंक्षाते ॥ रसना
येकरीनेउचारकरेछे ॥ ८ ॥ तेउचारआकंक्षा
जांणवी ॥ अनेहावेजंगमनेवीषेछवीसीतउस्य
आकंक्षातेकुण ॥ हावेतेकहीएछीयेजे ॥ ९ ॥ तु
चानेवीषेसीतउस्यलागेछे ॥ तेसीतउस्यआकं
क्षाजांणवी ॥ अनेहावेजंगमनेवीषेसप्तमीग्र
हारुआकंक्षातेकुण ॥ १० ॥ हावेतेकहीएछीए
जेकरेकरीने ॥ जेजेवस्तुनेग्रहणकरेछे ॥ तेग्रह

ऊआकंसाजांणवी॥अनेहावेजंगमनेवीषेअ
 एमी॥११॥वीसीयेआकंसातेकुण॥हावेतेक
 हीएषीयेजेभोगईडीनेवीशेवीशेउतपतया
 यछे॥तेविसीएआकंसाजांणवी॥१२॥अनेहा
 वेजंगमनेवीषेनवमीमलवीसरजेनआकं
 सातेकुण॥हावेतेकहीयेषीयेजे॥मुलदारेक
 रीनेमलनीत्यागनकरेछे॥१३॥तेमलविसर
 जंनआकंसाजांणवी॥अनेहावेजंगमनेवी
 षेदशमीगवंनआकंसातेकुण॥हावेतेकही
 येषीयेजे॥१४॥जंगमचरणेकरीनेहलएचल
 एकरेछे॥तेगवंनआकंसाजांणवी॥एदशआ
 कंसारजोगुणती॥१५॥जंगमनेवीषेपंचआ
 कंसाएकएकभागेअनेवीजीपंचतोभागे
 रहीछे॥अनेहावेजंगमनेवीषेअहंकारघण
 ती॥पंचमात्रानेपंचभूतना॥१६॥वीभागपो
 ष्याछेतेकुण॥हावेतेकहीएषीयेजे॥जंगमनेवी
 षेपृथवीतत्वनावीभागते॥कठणतानेबोजे
 भारेपएरुहुछे॥१७॥तेणेकरीनेअवनीछोडी
 नेअधरचलायनही॥तेसामाटेजेषटभागअ
 वनीनारहाछे॥अनेचारतत्वनाचारजभा
 गरहाछे॥१८॥एप्रकारेदशदशभागमानवी
 पशनेकीट॥एतीनजातीनेवीशेरहाछे॥ते

॥सस ॥

एकरीनेएतीनुजातीये ॥१८॥ अरवनीछोडीने
अधरचलायनही ॥ तेजंगमनेविषेप्रथवीतत्व
नोविभागविसेसजांणवो ॥ अनेहावेजंगम
नेवीशे ॥२०॥ चारतत्वनोएकएकभागरहो
छितेकुण ॥ हावेतेकहीएछीयेजेप्रथमअज्ञीत
त्वनोवीभागतेजंगमनाउदनेवीषे ॥२१॥
जवराअगतीरहीछे ॥ जेअंतभोजननेपाच
कपरलेकरेछे ॥ तेजंगमनेवीशेअगतीतत्व
जांणवु ॥ अनेहावेजंगमनेवीशे ॥२२॥ जल
तत्वनोविभागतेकुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे
जलतत्वतेसरीरनेवीशेरुदूरहछे ॥ तेजल
तत्वनेविभागजांणवो ॥२३॥ अनेहावेजंगमने
वीषेवायुतत्वनोविभागतेकुण ॥ हावेतेकही
येछीयेजेवायुतत्वतेसरवसरीरति ॥२४॥
नाडीयोनेचलायवांनकरीतेधडकावेछे ॥ ते
वायुतत्वनोविभागजांणवो ॥ अनेहावेजंगम
नेवीशेआकाशतत्वनोविभागतेकुण ॥२५॥
हावेतेकहीएछीयेजेआकाशतत्वतेउदनीआ
द्यलेईनेजंगमनाशरीरनेवीशेवीकासरहो
छे ॥२६॥ तेआकाशतत्वजांणवु ॥ एप्रकारेपंच
तत्वअहंकारघणनांजंगमनेवीषेरहोछे ॥ अ
नेहावेजंगमनेवीषे ॥२७॥ अहंकारघणनी

पंचमात्रा नावी भागते कुण ॥ हावे ते कही ये छी ए
 जे ॥ प्रथंम शब्द मात्रा ते श्रवणे करीने शब्द तु श्र
 वण करे छे ॥ २८ ॥ तेशब्द मात्रा जांणवी ॥ अने हावे
 रूप मात्रा ते नेत्रने वीषे नी रक्षण पणु रह छे ॥ ते रू
 प मात्रा जांणवी ॥ अने हावे जंगमने वीषे ॥ २९ ॥
 गंध मात्रा ते नासने वीषे सुगंध लेवा पणु रह
 छे ते गंध मात्रा जांणवी ॥ अने हावे जंगमने वीषे
 रस मात्रा ते ॥ रसना ते वीषे अमी रह छे ॥ ३० ॥
 ते रस मात्रा जांणवी ॥ अने हावे जंगमने वीषे
 सप्रस मात्रा ते ॥ तुचने वीषे सप्रस पणु रह छे
 ते सप्रस मात्रा जांणवी ॥ ३१ ॥ ए प्रकारे जंगमने
 वीषे ॥ अहंकार घणनी पंचमात्राने पंचभूत
 रहं छे ॥ अने हावे जंगमने वीषे जलजाती अ
 ने पतंगजाती जंगमजे ॥ ३२ ॥ ते हे ते वीषे पंचमा
 त्रातो मनुसपशुने कीटना सरषी जरही छे ॥
 पण पंचतत्व अधी कतुं न्य रहं छे ॥ हावे ते क
 ही ये छी ये जे ॥ ३३ ॥ जलजाती जंगमने वीषे तो
 षट्भाग जलतत्व नारहं छे ॥ अने अंत्यचा
 रतत्व नो एक एक भागरहं छे ॥ ३४ ॥ तेणे करी
 ने जलजाती ना जीव जलेने वीषे वीचरण करे
 छे ॥ पण रूंधनयां मत्तानथी ॥ ते सामाटे जे षट्
 भाग जलतत्व नारहं छे ॥ ३५ ॥ ते सामाटे जलमेरे

सप्त ॥

॥१२५॥

हेछे ॥ अनेहावेपक्षीजंगमजातीनेवीषे ॥ तीन
प्रकारेतत्वनावीभागरह्याछे ॥ हावेतेकहीएछी
येजे ॥ ३६ ॥ हावेजेपक्षीनेवीषेष्टभागवायुतत्व
नारह्याछे ॥ अनेआंत्यचतुरतत्वनाचतुरभा
ग एदशभागेविहंगमआकाशमे ॥ ३७ ॥ अल
पगवनकरीनेपाछुप्रथवीउपरआवीरहे
अनेहावेजेवीहंगमनेवीषेष्टभागअज्ञीत
त्वनारह्याछे ॥ ३८ ॥ अनेआंत्यचतुरतत्वनाच
तुरभाग ॥ एदशभागेवीहंगमचकेरनीआछ
लेईने ॥ अज्ञीमेप्रवेशकरेपणतेहेनुसरीरदग्ध
पांमेनही ॥ ३९ ॥ तेसामाटेजेष्टभागअज्ञीत
त्वनारह्याछे ॥ तेएकेकरीनेदग्धपांमेनही ॥ ते
हीपणवोहंगमआकाशमेअलवरतीने ॥ ४० ॥
पाछुअवनीउपरआवीरहे ॥ अनेहावेजेवीहंग
मनेवीषेष्टभागआकाशतत्वनारह्याछे ॥ अ
नेआंत्यचतुरतत्वनाचतुरभाग ॥ ४१ ॥ एदशभा
गेविहंगमतेसदायकालआकाशमेजरहेअ
नेअवनीउपरतेआवेजनही ॥ एप्रकारेजंगम
नेवीषे ॥ ४२ ॥ पंचभूतनेपंचमात्रारहीछे ॥ अने
हावेजंगमनेवीषे ॥ सतोगुणनांपंचअंतसक्र
ण ॥ अनेपंचअवस्ता ॥ ४३ ॥ एदशनानवनवभा
गरह्याछेतकुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ प्रथममं

२५७

॥१२६॥

नअंतसक्रणतेसंकल्पवीकल्पयायछे॥४४
तेमंनअंतसक्रणजांणवु॥अनेहावेजंगमने
वीषेबुधीअंतसक्रणतेकुण॥हावेतेकहीएछी
येजे॥जेजेवीचारउठेछेतेहेना॥४५॥घाटघडेछे
हावेजंगमनेवीषेअहंकारअंतसक्रणतेकुण
हावेतेकहीएछीयेजे॥अहंकारअंतसक्रणते
जेबुधीनाघाटनो॥४६॥तोलकरीनेदृढराषेछे॥
तेअहंकारअंतसक्रणजांणवु॥अनेहावेजंग
मनेवीशेचीतअंतसक्रणतेकुण॥४७॥हावेते
कहीयेछीयेजेअंतरनेवीषे॥केएसुक्ष्मची
तवंनययांकरेछे॥तेचीतअंतसक्रणजांणवु॥
अनेहावेजंगमनेवीषे॥४८॥नचंतअंतसक्रण
तेकुण॥हावेतेकहीयेछीयेजेचारअंतसक्रण
नो॥संतोसस्वांतीयायताहारे नचंतअंतसक्र
णवस्तेछे॥४९॥तेकीमजांणीयेजेकोईमनुष
येमकरीनेकेहेछे॥जेभाईहमणेअमारेनचंत
ईआवीछे॥एहेबुकेहेछेतेनचंतअंतसक्रणतु
५०॥सुषवरततुजांणवु॥एषुकारेजंगमनेवी
षेपंचअंतसक्रणरहंछे॥अनेहावेजंगमने
वीशेपंचअवस्तातेकुण॥५१॥हावेतेकहीयेछी
येजेप्रथंम॥जाग्रतअवस्तातेनेत्रेकरीनेसर
वदेषायछे॥अनेदृष्टपदार्थसर्वनीसम्रतीया

सस ॥

॥१२६॥

यथे ॥५२॥ तेजाग्रत अवस्ता जांणवी ॥ अने हावे
जंगमनेवी शेषु प्र अवस्ता ते कुण ॥ हावे ते क
हीये छी ये जे सु प्र अवस्ता ते ॥५३॥ नी डाने वीषे सु
पन सफुरे छे ॥ अने मी था भा सण या यथे ॥ ते सु
प्र अवस्ता जांणवी ॥ अने हावे जंगमने वीषे ॥५४॥
ससो सी अवस्ता ते कुण ॥ हावे ते क ही ए छी ये
जे ससो सी अवस्ता ते ॥ जे कंची त अरध सात्री
का सु पन ॥५५॥ दर सी ने वी लाई जा यथे ॥ अने
जा गया पुठ लते हे नी सं मती न वर हे ॥ ते ससो सी
अवस्ता जांणवी ॥५६॥ अने हावे जंगमने वीषे
ए ती न अवस्ता ती न देह ने वीषे र ही छे ॥ ते क ही
ये छी ये जे ती न देह ते यु ल सु क्ष म ॥ अने कारण
क ही ये ॥५७॥ हावे ते हे मे यु ल देह ने वी शं तो जा
ग्रत अवस्ता र ही छे ॥ अने सु क्ष म देह ने वीषे तो
सु प्र अवस्ता र ही छे ॥५८॥ अने कारण देह ने वी
षे तो ससो सी अवस्ता र ही छे ॥ अने हावे जंगम
ने वीषे माहा कारण ने परम कारण देह ने वीषे
५९ ॥ तुरीया ने उन मुनी अवस्ता र ही छे ॥ अने
हावे ते माहा कारण ने परम का रण देह ते के हे
ने क ही ए ॥६०॥ हावे ते क ही ए छी ये जे ॥ ते देह तो
पु णा यं म अ जं यो न वीषे जांण वा ॥ अने हावे जे प्र
णा यं म ने वीषे उं का र श ब्द र ह्यो छे ॥ ते माहा का

२५९

॥१२६॥

रणदेहजाणवो ॥ ६१ ॥ अनेहावेजेप्रणायंमनेवीषे
 सोहंकारशब्दरहोछे ॥ तेपरमकारणदेहजाणवो
 तेहेमेमाहाकारणदेहनेवीषेतो ॥ ६२ ॥ तुरीयाअ
 वस्तारहीछे ॥ अनेपरमकारणदेहनेवीषेतो ॥ उ
 नमुनीअवस्तारहीछे ॥ अनेहावेजंगमनेवीषे
 ६३ ॥ माहाकारणदेहमेतुरीयाअवस्तातेकीम
 जाणीये ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ माहाकारणदे
 हतेंऊंकारप्रणायंमलेतोस्वासजाणवो ॥ ६४ ॥
 तेहेनेवीषेतुरीयाअवस्ताते ॥ ससोपतीनुअ
 लपसुपनदसंपणुवीलेपांमे ॥ ताहारेतुरीयाअ
 वस्ताजाणवी ॥ ६५ ॥ तेतुरीयाअवस्तानीक्रीया
 तेउंकारप्रणायंमनेवीषेजणायछे ॥ तेकहीयेछी
 येजे ॥ जाहारेलेतोस्वास ॥ ६६ ॥ ऊंकारप्रणायंम
 नासानेवीषे ॥ घोरकरतोपवेशथाय ॥ अनेमुक
 तोप्रणायंमस्वास्तघोरनांकरे ॥ ६७ ॥ ताहारे
 तुरीयाअवस्ताजाणवी ॥ तेतुरीयातेकीमजाण
 वीजे ॥ जाहारेजेदेहनीअवस्ताजाग्रतहोय ॥ ६८
 ताहारेतेदेहचेतनथाय ॥ तेसाटेतुरीयाअवस्ता
 नेदेहउंकारप्रणायंमछे ॥ तेएकेरीनेतुरीयाअ
 वस्ताये ॥ ६९ ॥ ऊंकारप्रणायंमचेतनथरनेघोर
 करेछे ॥ अनेहावेजंगमनेवीषे ॥ उनमुनीअवस्ता
 तेकीमजाणी ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ ७० ॥ जाहा

सप्त ॥

रेलेतोपुणायंमर्डेकार ॥ घोरकर्तोसमीजर्ने ॥
 सांमोन्वचाले ॥ अनेमुकतोसोहंगपुणायंमचेत
 नयईने ॥ ७१ ॥ कंचितसोहोरकर्तोनीकसेता
 हारेउनमुनीअवस्ताजांणवी ॥ तेवषतचारप
 कारनादेहनीक्रीया ॥ ७२ ॥ संमदंमसुन्यवतय
 ईजाय ॥ ताहारेउनमुनीअवस्ताएकलीजजाग्र
 तहीय ॥ तेउनमुनीअवस्ताजांणवी ॥ ७३ ॥ एपंच
 अवस्तानेपंचदेहतेपंचतत्वनेवीषेरह्याछे ॥
 अनेपंचअंतसक्रणपणतेहेमेरह्याछे ॥ ७४ ॥
 हावेतेकहीएछीयेजे ॥ पृथवीतत्वथुलदेहनेजा
 ग्रतअवस्ता ॥ अनेमंनअंतसक्रणतेहेनेवीषे
 रह्ये ॥ ७५ ॥ एचतुएनाचपुटीयेथुलदेहजांणवी
 अनेहावेजलतत्वसुक्ष्मदेह ॥ अनेसुप्रअवस्ता
 अनेबुधीअंतसक्रणतेहेनेवीषेरुह्ये ॥ ७६ ॥ ए
 चतुएनीचपुटीयेसुक्ष्मदेहजांणवी ॥ अनेहावे
 अज्ञीतत्वकारणदेहनेससोसीअवस्ता ॥ ७७ ॥
 अनेअहंकारअंतसक्रणतेहेनेवीषेरुह्ये ॥ एच
 तुएनीचपुटीयेकारणदेहजांणवी ॥ अनेहावेवा
 युतत्व ॥ ७८ ॥ अनेमाहाकारणदेहनेतुरीयाअ
 वस्ता ॥ अनेचीतअंतसक्रणतेहेनेवीषेरुह्ये
 एचतुएनीचपुटीये ॥ ७९ ॥ माहाकारणदेहजां
 णवी ॥ अनेहावेआकाशतत्वपरमकारणदेह

२९

॥७२७

अनेउनमुनीअवस्ता ॥ अनेनचंतअंतसक्र
 णतेहेनेवीषेरुहछे ॥ ८० ॥ एकचतुष्टनीचपुटीये
 परमकारणदेहजाणवो ॥ एप्रकारेजंगमनेवी
 षे ॥ सतोगुणनांपंचअंतसक्रण ॥ अनेपंचअ
 वस्तारहीछे ॥ ८१ ॥ अनेहावेजंगमनेवीषेस्व
 काशघणनांपंचसंभसक्रण ॥ अनेपंचवीव
 स्तानो ॥ ८२ ॥ एकएकभागरह्योछेतेकुण हा
 वेतेकहीयेछीयेजे ॥ पथंसस्वकाशघणनास्वा
 ल्यसंभसक्रणनोएकभागते ॥ ८३ ॥ जंगमनी
 उनमुनीअवस्ता ॥ निनचंतअंतसक्रण ॥ अ
 नेहावेआकाशतत्वनेपरमकारणदेहतेहे
 नेवीषेरह्योछे ॥ ८४ ॥ तेकीमजाणीयेजेउन
 मुनीनेवीषेसदास्वांतीजरहेछे ॥ अनेबीजीअ
 वस्तानेवीषेतोकोईसमेअल्पस्वांतीवरतेछे
 ८५ ॥ अनेउनमुनीअवस्तातोसदायस्वांतीने
 रहेवानुसदनजछे ॥ तेस्वांतीतेस्वकाशघणनु
 ८६ ॥ स्वांत्यसंभसक्रणजाणवु ॥ अनेहावेजंग
 मनेवीषेस्वकाशघणनीस्थीतीविवस्तातेक्या
 हांरहीछे ॥ ८७ ॥ हावेतेकहीयेछीयेजेस्थीतीवी
 वस्तानोएकभागपण उनमुनीअवस्तानेवी
 षेरह्योछे ॥ तेसामाटेजेउनमुनी ॥ ८८ ॥ अवस्ता
 नेवीषेसदायकालस्थीतीपणरहछेतेस्वका

सस ॥

सघणनीस्थीतीवीवस्तानोवीभागजाणवो

८९ ॥ अनेहावेजंगमनेवीषेस्वकाशघणना

॥१२८॥

सेहेजसंभसक्रणनोएकभाग ॥ अनेउदार

वीवस्तानोएकभागतेकुण ॥ ९० ॥ हावेतेक

हीएछीयेजेस्वकाशघणनासेहेजसंभसक्र

णनोएकभाग ॥ अनेउदारवीवस्तानोएक

भाग ॥ ९१ ॥ एबेहभागतेजंगमनीतुरीया

वस्तानेवीषेरह्याछे ॥ तेकीमजाणीयेजे ॥ तु

रीयानेवीशेसेहेजपएअनेउदारपएअनेवे

हरह्याछे ॥ ९२ ॥ तेस्वकासघणनुसेहेजसं

भसक्रण ॥ अनेउदारवीवस्तातेहेचाएबेह

वीभागरह्याछे ॥ अनेहावेजंगमनेवीषे ॥ ९३

स्वकाशघणनासीलसंभसक्रणनोएकभा

ग ॥ अनेगलीतवीवस्तानोएकभागतेकुण

हावेतेकहीएछीयेजे ॥ ९४ ॥ सीलसंभसक्रण

नोएकभाग ॥ अनेगलीतवीवस्तानोएकभा

ग ॥ एबेहभागतेजंगमनीससोपतीअव

स्तानेवीषेरह्याछे ॥ ९५ ॥ तेकीमजाणीएजेतां

हांउपाधीवीरवृत्तपांसेछे ॥ तेमाटेतांहांशीलप

एउजरुहछे ॥ अनेगलीतवीवस्तानोतांहांएक

भागरह्याछे ॥ ९६ ॥ तेससोपतीनीअर्धमात्री

कासुपनना ॥ उवतासंकल्पनेगलवीनेवी

लेकरेछे॥तेगलीतवीवस्तायेसंकलपवीला
 यछे॥६७॥एप्रकोरेस्वकाशघणतुसीलसंभ
 सक्रण॥अनेगलीतवीवस्तानाभाग॥जंगम
 नीससेापतीअवस्तानेवीषेरह्याछे॥६८॥अ
 नेहावेजंगमनेवीशेस्वकाशघणनासंतोश
 संभसक्रणनोएकभाग॥अनेकुंभवीवस्ता
 नोएकभागतेकुण॥६९॥हावेतेकहीयेछी
 येजे॥एबेहभागतेजंगमनीसुपनअवस्ता
 नेवीषेरह्याछे॥तेकीमजाणीयेजेसुपननेवी
 षे॥१००॥मीयापदारथनीप्राप्तीथईनेसंतो
 षथायछे॥तेसंतोससंभसक्रणनेवीभागे
 करीनेथायछे॥१०१॥अनेसुपननेवीषेसुप
 नकीक्रीयामे॥सुरतीबंधकोशथईनेवरते
 छे॥एणजाग्रतनाअस्थाननीसमतीनेवी
 षे॥१०२॥सुरतीयेजवातुनथी॥अनेसुपना
 मेतांहांहोयतांहांनातांहांसुपननीजसम
 तीनेवीशेकुंभकरीराषेछे॥१०३॥तेकुंभवी
 वस्तानोविभागकुंभकरीरहेछे॥अनेहावे
 जंगमनेवीषेस्वकासघणना॥समतासंभस
 क्रणनोएकभाग॥१०४॥अनेसांसांन्यवीवस्ता
 नोएकभागतेकुण॥हावेतेकहीएछीयेजे॥ते
 बेहवीभागतेजंगमनीजाग्रतअवस्तानेवी

सस ॥ घेरहाछे ॥ १०५ ॥ तेकेंमीमजांणीयेजे ॥ जाग्रतने
 वीषेकहीकहीसमतावरतेछे ॥ तेसमता
 ॥ १२५ ॥ संभसक्रणनोवीभागजांणवो ॥ १०६ ॥ अने
 जाग्रतनेवीषेकहीकहीसांमान्यदृष्टीभाव
 पणथायछे ॥ एप्रकोरस्वकोशघणनांपंचसं
 भसक्रणना ॥ १०७ ॥ अनेपंचवीवस्तानावी
 भागजंगमनीपंचप्रवस्तानेवीशेरहाछे
 पणअरसपरसडलटासुलटी ॥ एपंचवीव
 स्ताने ॥ १०८ ॥ पंचसंभसक्रणनाविभागजं
 गमनीपंचेई ॥ प्रवस्तानेवीषेवरतेछे ॥ अ
 नेमुलमकांनतोएपंचपणसरवमेवरतेछे
 १०९ ॥ हावेतेकहीएणीयेजेजंगमनीपंचेई
 प्रवस्तानेवीशे ॥ स्वांतीवरतेछेते ॥ स्वांसं
 भसक्रणनोविभागजांणवो ॥ १११ ॥ अनेहा
 वेजंगमनीपंचेईप्रवस्तानेवीशे ॥ कोइसमे
 सेहेजपणवरतेछे ॥ तेसेहेजसंभसक्रणनोवी
 भागजांणवो ॥ १११ ॥ अनेहावेजंगमनेवीषेको
 इंसमेसीलपणवरतेछे ॥ तेसीलसंभसक्रण
 नोवीभागजांणवो ॥ अनेहावेजंगमनेवीषे
 ११२ ॥ कोइसमेसंतोसपणवरतेछे ॥ तेसंतो
 ससंभसक्रणनोवीभागजांणवो ॥ अनेहा
 वेजंगमनेवीशेकोइसमेसमतापणवरते

छे ॥११३॥ ते समता संभस्रकणनो वीभागजां
 णवो ॥ ए प्रकारे पंचेई अवस्ताने वीषे ॥ पंचसं
 भस्रकणना वीभाग ॥११४॥ अरस्रपरस्रवर
 ते छे ॥ अने हावे जंगमने वीशे कोईसमे स्थीती
 पमाय छे ॥ ते स्थीति वीवस्तानो भागजां णवो वि
 ११५ ॥ अने हावे जंगमने वीशे कोईसमे ॥ उदार
 पणुवरते छे ॥ ते उदार वीवस्तानो विभागजां
 णवो ॥ अने हावे जंगमने वीषे ॥११६॥ कोईसमे
 गलीत पणुवरते छे ॥ ते गलीत वीवस्तानो विभा
 गजां णवो ॥ अने हावे जंगमने वीषे कोईसमे
 कुंभक पणुवरते छे ॥११७॥ जे कुंभते संभाका
 रथई जवाय छे ॥ ते कुंभ वीवस्तानो विभागजां
 णवो ॥ अने हावे जंगमने वीशे कोईसमे सांमां
 न्यभाव वरते छे ॥११८॥ ते सांमांन्य वीवस्तानो
 वीभागजां णवो ॥ ए प्रकारे पंचेई वीवस्ताने पं
 चसंभस्रकणना वीभागजंगमने वीशेर
 ह्या छे ॥११९॥ अने हावे जंगमने वीषे ॥ तमो
 गुणना दशकालना नवनवभाग रहा छे ते कु
 ण हावे ते कही ए छीये जे ॥१२०॥ पथंम सभावका
 लना नवभागे ते ॥ जेई डीयो अंतस्रकण ॥ अ
 पआपने सभावे वरते छे ॥ जे जे हेने जे हेवो स

सस ॥

भावपडो १२१ ॥ ते ते हे वो सभाव सदाय काल
वर त्यां जायछे ॥ ते सभाव काल जांण वो ॥ अ
ने हावे जंगमने वी शे वी जो कांमना काल ते कु
ण ॥ १२२ ॥ हावे ते कही ए छी ये जे कांमना का
ल ते सकल इं डी यो ने वी षे सभा वी क कांम
ना र ही छे ॥ ते कांमना काल जांण वो ॥ १२३ ॥ अ
ने हावे जंगमने वी षे त्री जो आ क्रंत काल ते
कुण हावे ते कही ए छी ये जे ॥ सकल इं डी यो अ
तस क्रण ने वी षे ॥ १२१ ॥ आ क्रती र ही छे ते आ
क्रंत काल जांण वो ॥ अ ने हावे जंगमने वी षे चो
थो ॥ आश्वरी ये काल ते कुण ॥ हावे ते कही ए छी
ये जे ॥ १२२ ॥ आश्वरी ये काल ते जे पो ले पो ताना
स्वरूप ने को ई ले हे तु न थी ॥ अ ने पो ताना दे ह ना
सा ज नी सु धी पो ता ने न ही ॥ १२३ ॥ अ ने प्रो सु
वार ता ने सर वण करी ते आ चर ज मां ने छे ॥ प
ण जे वस्तु पु त स्य छे ते हे ने को ई ले हे तु न थी ॥ १
२४ ॥ ते आश्वरी ये काल जांण वो ॥ अ ने हावे जं
गमने वी षे पंच मो प्रथ क काल ते कुण ॥ हावे
ते कही ये छी ये जे ॥ १२५ ॥ प्रथ क काल ते जे सुप
न मे जाग्र त नी सु धी न ही ॥ जे मे क्पां हां स्ये त क
रु तु ने क्पां हां आ व्यो छु ॥ ते ले हे तो न थी ॥ अ ने स
सो प ती मे ॥ १२६ ॥ सुप न नी सु धी र हे न ही ॥

॥ १३०

अनेतुरीयामेससोपतीनीसुधीनथीरहेती
 अनेतुरीयानीसुधीउनमुनीमेनही ॥१२७
 एप्रकारेजंगमनेवीषेप्रथककालरह्योछे अ
 नेहावेजंगमनेवीषेप्रथमोवप्रीतकालतेकु
 ण ॥हावेतेकहीयेछीयेजे ॥१२८ ॥वप्रीतकाल
 तेजेअप्राकालमृतीयानीअप्राद्यलेईनेदेवकी
 पनरपतीकोपपसुपिचासकोपअनेअध्या
 त्मरोगसरीरमेउपजेछे ॥१२९ ॥एदलाप्रकार
 नीउपाधीनोडरपदेहनेवीषेरह्योछे ॥तेवप्रीत
 कालनेवीभागकरीतेरह्योछे ॥एप्रकारेजंग
 मनेवीषे ॥१३० ॥वप्रीतकालजाणवो ॥अनेहावे
 जंगमनेवीषेप्रथमोअज्ञानकालतेकुण ॥हा
 वेतेकहीयेछीयेजे ॥अज्ञानकालतेजेपोतपोता
 नी ॥१३१ ॥बुणाअमजातीनेवीषेमस्तरहेछे ॥अ
 नेबुणाअमनोकसबमलीनहोयतोहुप्रीतीक
 रीतेआचरेछे ॥१३२ ॥पणमंनमेझाभतापांमेन
 ही ॥अोरुअणकरवानुकांसकरीतेपीछेप
 स्तावोकरेछे ॥अनेकोईसतवस्तुनीसीषदेवे
 तोहे ॥१३३ ॥सांन्यामेअवेजनही ॥अोरुदेहीना
 वृत्तमांनआग्यंसकोईनेसुजतानथी ॥एप्रका
 रेजंगमनेवीषेअज्ञानकालवरतेछे ॥१३४ ॥ते
 अज्ञानकालजाणवोअनेहावेजंगमनेवीषे

सस ॥

अथमो रागसकालतेकुण ॥ हावेतेकहीएषी
येजे ॥ १३५ ॥ रागसकालतेजंगमनेवीषे एकबी
जानेअंत्योअंत्यप्रीतीयायछे ॥ तेजंगमनेवीषे
रागसकालजाणवो ॥ १३६ ॥ अनेहावेजंगमने
वीषेनवमोहेसकालतेकुण ॥ हावेतेकहीएषी
येजेदेशकालतेजे एकबीजानीउपरदेसरेहे
छे ॥ १३७ ॥ अनेकोईकोईवस्तुनीसाथे ॥ सेहेज
सुभावेदेसरह्योछे ॥ तेजंगमनेवीषेदेशकाल
जाणवो ॥ अनेहावेजंगमनेवीशेदशमो ॥ १३८ ॥
वृधीअंतकालतेकुण ॥ हावेतेकहीयेषीयेजे
वृधीअंतकालतेजे ॥ पोतपोतानामायाप्रमां
लेवृधीपांमीनेपीछेबाधेनही ॥ १३९ ॥ तेपशु
पंखीकीटपतंगअोरु ॥ मनुसनीआयलेईने
जीनकेजेतनादेहीकाप्रमांणहोयते ॥ तेतना
वृधीपांमीनेपीछेबाधेनही ॥ १४० ॥ एप्रकारे
जंगमनेवीषेवृधीअंतकालरह्योछे ॥ एदश
कालतमोगुणानानवनवभागेजंगमनेवी
शेएप्रकारेरह्याछे ॥ १४१ ॥ अनेहावेजंगमने
वीषेअचंतघणनीदशभावनाके ॥ दशभाग
रह्याछेतेकुण ॥ हावेतेकहीयेषीयेजेप्रथमअ
हंतभावनाते ॥ १४२ ॥ जेअनेकवातसुलेपण
पीछेपोतानेकंवेआवेनही ॥ अोरुकोईकेहे

२५९

॥ १३९ ॥

नीकलाकोईकेहेनेआवीनांसके॥अनेजेजे
 वस्तुदेवेसुणे॥१४३॥पणपोतानेतेकेटलीक
 वस्तुआवेडनही॥तेटलीसर्वअहंतभावना
 जाणवी॥अनेहावेजंगमनेवीशेबीजीसंभभा
 वनातेकुण॥१४४॥हावेतेकहीयेछीयेजे॥संभ
 भावनातेजेअंतसक्रणनेवीषे॥मंदपणुवर
 तेछे॥अोरुकोईसमेकोईकोईकारजथोडुक
 होयतोहे॥१४५॥कर्तावेरधणीकथायछे॥ए
 प्रकारेजंगमनेवीशेसंभभावनारहीछे॥अ
 नेहावेजंगमनेवीषेत्रीजीवीसरजनभावना
 तेकुण॥१४६॥हावेतेकहीएछीयेजे॥वीसरजे
 नभावनातेजेजेवस्तुवीसरीजायछे॥अोरु
 तांहांनाप्रकारकेभोग॥१४७॥अनेअनेक
 प्रकारसुदुषभुगतेछे॥तेजांहांलगीभुगतेतां
 हांलगीसमतीरहेछे॥अनेभुगतीरह्यापीछे
 पाछुवीसरीजायछे॥१४८॥तेजांएदुषनेसु
 षबहुभुगतांजनथी॥एप्रकारेजेजेवीसरीजा
 यछे॥तेवीसरजनभावनाजाणवी॥१४९॥अ
 नेहावेजंगमनेवीषेचोथीनीडाभावनातेकुण
 हावेतेकहीएछीयेजेनीडाभावनाते॥जेहलए
 चलणकर्ता॥१५०॥जंगमनेशरसपोहोचैछे
 ताहारेआलसथायछेतेआलसथयापीछेका

सस ॥ रीयेसुजेनहीतेनीडाभावनाजांणवी ॥१५१॥ अ
 नेहावेजंगमनेवीशेषचमीअंधतमभावनाते
 ॥१३२॥ कुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ अंधतमभावनाते
 अणघटतुरोसकरीतेबोलेछे ॥१५२॥ अनेओ
 रुनीडानेवीषेवरलाईउवेछे ॥ अनेकोईकेहेजे
 कीमबरलायछे ॥ ताहारेजागीनेकेहेजेमेतो
 नथीबरलातो ॥१५३॥ एप्रकारेपोत्येजांणतो
 नथीतेअंधतमभावनाजांणवी ॥ अनेहावेजं
 गमनेवीषेएमीअचेतभावनातेकुण ॥१५४॥
 हावेतेकहीयेछीयेजेअचेतभावनातेजेबुद्धा
 दीकमसकादीकनीआयलेईनेसरवनेसी
 र ॥ मतीयुकालेछे ॥१५५॥ पणतेहेनोकोईनेत्रा
 सभयनथीआपतो ॥ ओरूसोवरसथतासुधी
 पणनचंतरेहेछे ॥ अनेओरुहंतेकपांहांथीआ
 व्हे ॥१५६॥ अनेकपांहांजाईश ॥ तेहेनोनरणेबो
 जकोईजांणतुनथी ॥ अनेकोईसमेशरीरने ॥
 अचेतपणथईजायछे ॥१५७॥ एतनेप्रकारेजं
 गमनेवीषेअचेतभावनारहीछे ॥ अनेहावेजं
 गमनेवीषेसप्तमीउचाटभावनातेकुण ॥१५८॥
 ॥ हावेतेकहीयेछीयेजेकोईकोईसमेशरीर
 मेउचाटपणथईजायछे ॥ ओरुकणकारीयेवण
 शीजायछे ॥१५९॥ ताहारेउचाटथायछे ॥ तेउचा

तभावनाजांणवी ॥ ए प्रकारे जंगमने वीषे उचा
 तभावना रही छे ॥ अने हावे जंगमने वीषे अष्ट
 मी ॥ १६० ॥ अभावभावनाते कुण ॥ हावे ते कही
 ए छी ये जे ॥ अभावभावनाते जे कोई नी साये
 धीती बंधाईने पाछी छुटी जाय छे ॥ १६१ ॥ ओरु
 कोई कोई वस्तुने वीषे अभाव थाय छे ॥ ते अभा
 वभावना जांणवी ॥ ओरु जे जे ईडी भोग करीने
 त्रपती थाय छे ॥ १६२ ॥ ते वषत भोगनो अभाव
 होय छे ॥ ते अभावभावना जांणवी ॥ ए प्रकारे जे
 गमने वीषे अभावभावना रही छे ॥ १६३ ॥ अ
 ने हावे जंगमने वीशे नवमी सुन्यभावनाते
 कुण ॥ हावे ते कही ए छी ये जे ॥ सुन्यभावनाते जे
 कारजाकारणे बोलाय छे ॥ १६४ ॥ अने पाछु सुन्य
 रही जवाय छे ॥ ए प्रकारे सदाय काल जंगमने
 वीषे सुन्यभावना रही छे ॥ अने हावे जंगमने
 वीषे दशमी ॥ १६५ ॥ असंमत्भावनाते कुण ॥
 हावे ते कही ये छी ये जे ॥ असंमत्भावनाते जे
 कछु कारीये करतां पाछु हठी जवाय छे ॥ १६६ ॥
 अने ओरु रणने वीषे ॥ संग्रामकी लडाई कर
 तां कोई सुरोयईने सन सुषभडे छे ॥ अने कोई
 कायरथईने भागी जाय छे ॥ १६७ ॥ ते असंमत्
 भावना जांणवी ॥ ए प्रकारे जंगमने वीषे असं

॥सस॥ मत्तभावना रही छे ॥ ए प्रकारे जंगमने वीषे अ
 चंत घणती ॥ १६८ ॥ दशभावना के दशभाग र
॥१३३॥ ह्या छे ॥ अने हावे जंगमने वीषे त्रण गुण के ॥ न
 वनवभाग र ह्या छे ते कुण ॥ हावे ते कही ये छी
 ये जे ॥ १६९ ॥ प्रथम र जो गुण ना नवभाग ते ॥
 के के वस्तु उपर सो हथाय छे ॥ ते र जो गुण ना वी
 भाग जां ए वा ॥ अने हावे जंगमने वीषे तमो गु
 ण ना वी भाग ते कुण ॥ १७० ॥ हावे ते कही ये छी
 ये जे ॥ तमो गुण ना विभाग ते जे तां मसपस उप
 जे छे ते तमो गुण जां ए वो ॥ अने हावे जंगमने वी
 षे ॥ १७१ ॥ सतो गुण ना वी भाग ते कुण ॥ हावे ते क
 ही ए छी ये जे सतो गुण ना वी भाग ते जे ॥ अंतर
 ने वीषे दया उपजे छे को ई समे ॥ १७२ ॥ ते सतो
 गुण ना वी भाग जां ए वो ॥ अने हावे जंगमने वी
 षे ॥ धनं जेतत्व कारण ना ती न घणते हे नो ॥ १
 ७३ ॥ एक एक भाग र हो छे ते कुण ॥ हावे ते कही
 ए छी ये जे ॥ प्रथम अचंत घणते एक भाग ते पं
 च अवस्तानी संधी ने वीषे र हो छे ॥ १७४ ॥ ते
 की मजां एी ये जे अवस्ताय ती पलटा ती जण
 ती न थी ॥ तिसा माटे जे तां हां अचंत घणते ना वी
 भाग र हो छे ॥ १७५ ॥ ते ए करी ने तां हां अचंत
 पण थाय छे ॥ ए प्रकारे जंगमने वीषे ॥ अचंत

घणनो वीभागरहोछे ॥ अनेहावेजंगमनेवीषे
 १७६ ॥ स्वकाशघणनो वीभागतेकुण ॥ हावेतेक
 हीयेछीयेजे स्वकासघणते ॥ तेसरवसररीरना
 अस्तनीसंधीनेवीषेरहोछे ॥ १७७ ॥ तेणेकरी
 नेसरवसररीरआडुटेडुबलेछे ॥ अनेगसातु
 नेषटकतुनथी ॥ तेसामाटेजेसंधीमेस्वकाश
 घणरहोछे ॥ १७८ ॥ तेसररीरनीसंधीनेस्वकाश
 राषेछे ॥ एप्रकारेजंगमनेवीषे ॥ स्वकाशघणनो
 वीभागरहोछे ॥ १७९ ॥ अनेहावेजंगमनेवीषे
 अहंकारघणनो वीभागतेकुण ॥ हावेतेकहीए
 छीयेजे ॥ अहंकारघणतेजे ॥ १८० ॥ पंचभूतनी
 संधीयोनेवीषेरहोछे ॥ तेणेकरीनेपंचभूतत्या
 रांत्यारांअकडबाजरहोछे ॥ एप्रकारेजंगमने
 वीषे ॥ १८१ ॥ तीतघणतेतीनगुणनीविभागर
 होछे ॥ हावेजंगमनेवीषेप्रकृतीतत्वकारणना
 नवभागतेकुण हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ १८२ ॥
 प्रकृतीतत्वकारणतेसकलसररीरनांतत्वने
 चंचलकरेछे ॥ तेप्रकृतीतत्वकारणनो वीभाग
 जाणवो ॥ १८३ ॥ अनेहावेजंगमनेवीषे ॥ आतं
 दतत्वकारणनानवभागतेकुण ॥ हावेतेकही
 एछीयेजे ॥ आनंदतत्वकारणते ॥ १८४ ॥ जेजे
 विशेषीभोगकरतां आनंदउपजेछे ॥ तेआनं

यो

सस ॥ दत्तत्वकारणजांणवु ॥ अनेहावेजंगमनेवीषे
 १८५ ॥ मांहांतत्वकारणनोएकभागतेकुण
 ॥ १३४ ॥ हावेतेकहीयेषीयेजेमांहांतत्वकारणतेजे ॥ स
 रवनीदेहीनेवीशेआपआपनुमांहांतापणुर
 हुंछे ॥ १८६ ॥ तेमांहांतत्वकारणनोवीभागजां
 णवो ॥ अनेहावेजंगमनेवीषेधनंजेतत्वका
 रणनोएकभागरहोछेतेकुण ॥ १८७ ॥ हावेते
 कहीयेषीयेजेधनंजेतत्वकारणते ॥ जेजेवीशे
 करुतांआनंदउपजेछे ॥ तेतेवीशेनोएवधीक
 रीते ॥ १८८ ॥ मंदपमाडेछे ॥ फेरीउपजेफेरीमंद
 पमाडेछे ॥ धनंजेतत्वकारणनोवीभागजांण
 वो ॥ एप्रकारेजंगमनेवीषे ॥ १८९ ॥ धनंजेतत्व
 कारणरहछे ॥ अनेहावेजंगमनाअंतसक्र
 णनेवीषे तमोगुणनोवीभागवीशेशरहोछे
 १९० ॥ तेअतीसेक्रोधीहोय अनेहावेजंगमना
 अंतसक्रणनेवीषे ॥ रजोगुणनोवीभागविशेश
 रहोछे ॥ तेअतिसेवीसईहोय ॥ १९१ ॥ अनेहा
 वेजंगमनेवीषेअंतसक्रणनेवीषे ॥ सतोगुणनो
 वीभागवीसेसरहोछे ॥ तेहेनेअतीसेस्वांती
 सभावहोय ॥ १९२ ॥ अनेहावेजेजंगमनाअंत
 सक्रणनेवीषेअहंकारणनोविभागविशेश
 रहोछे ॥ तेहेनेअतीसेअभीमानहोय ॥ १९३

अनेहावेजेजंगमनाअंतसक्रणनेवीषे। स्वका
 सघणनोविभागविशेशरह्याछे॥ तेहेनेअष्टयो
 होरहस्तुमुखरहे॥ १९४॥ अनेहावेजेजंगमना
 अंतसक्रणनेवीशे॥ अचंतघणनोवीभागवीशे
 शरह्याछे॥ तेहेनेआठेईयोहोरअचेतपणहोय
 १९५॥ अनेहावेजेजंगमनाअंतसक्रणनेवी
 शे॥ तमोगुणनेरजोगुणनावेहनावीभागरह्याछे
 तेहेतुवीसवासघातीयाय॥ १९६॥ अनेहावेजेजं
 गमनाअंतसक्रणनेवीषे॥ तमोगुणनेसतोगु
 णनावेहवीभागरह्याछे॥ तेमुषसेमीवूबोलेने
 १९७॥ अंतरमेईरसावांनहोय॥ अनेहावेजेजंग
 मनाअंतसक्रणनेवीषे॥ तमोगुणनेअहंकारघु
 णवेहनावीभागरह्याछे॥ १९८॥ तेअतीसेडं
 भीकपटीहोय॥ अनेहावेजेजंगमनाअंतस्क
 णनेवीषे॥ तमोगुणनेस्वकाशघणसंजुक्तरह्या
 छे॥ १९९॥ तेहेनेअतीसेहासमसकरीपणहो
 य॥ २००॥ अनेहावेजेजंगमनाअंतसक्रणनेवी
 षे॥ तमोगुणनेअचंतघणवेहनावीभागरह्या
 छे॥ तेहेनेअतीसेमुखपणहोय॥ २००॥ अनेहा
 वेजेजंगमनाअंतसक्रणनेवीषे॥ सतोगुणनेर
 जोगुणवेहनावीभागरह्याछे॥ तेहेनेसर्वनीसा
 येअतीसेहेतप्रीतीहोय॥ २०१॥ अनेहावेजेजंग

॥सस ॥ मनाअंतसक्रणनेवीषे ॥ सतो गुणनेअहंका
 रघणएबेहनावीभागरह्याछे ॥ तेहेनेअतीसेष
॥१३५ ॥ भीरपणहोय ॥ २०२ ॥ अनेहावेजेजंगमनाअंत
 सक्रणनेवीषे ॥ सतो गुणनेस्वकासघण ॥ एबेह
 नावीभागरह्याछे ॥ तेहेनेअतीसेआठेपोहोर
 उमंगरहे ॥ २०३ ॥ अनेहावेजेजंगमनाअंतस
 क्रणनेवीषे ॥ सतो गुणनेअचंतघण ॥ एबेहना
 वीभागरह्याछे ॥ तेहेनेअतीसेवाचानहोय ॥ २०
 ४ ॥ अनेमुगायणासरपोरहे ॥ अनेहावेजेजंगम
 नाअंतसक्रणनेवीषे ॥ रजोगुणनेअहंकारघण
 नाविभागरह्याछे ॥ २०५ ॥ तेअतीसेवईभवीसो
 षीबुहयाय ॥ अनेहावेजेजंगमना ॥ अंतसक्रण
 नेवीषेरजोगुणनेस्वकाशघणएबेहनाविभागर
 ह्याछे ॥ २०६ ॥ तेअतीसेबकवादीबुहहोय ॥ अने
 हावेजेजंगमनाअंतसक्रणनेवीशे ॥ रजोगुण
 नेअचंतघणएबेहनाविभागरह्याछे ॥ २०७ ॥ ते
 वाकलबाहावरोहोय ॥ अनेहावेजेजंगमनाअं
 तसक्रणनेवीषे ॥ अहंकारघणनेस्वकाशघण
 एबेहनावीभागरह्याछे ॥ २०८ ॥ तेहेनुबोलवुअ
 तीसेभारेषंभहोय ॥ अनेहावेजेजंगमनाअंत
 सक्रणनेवीशे ॥ अहंकारघणनेअचंतघण ॥ ए
 बेहनाविभागरह्याछे ॥ २०९ ॥ तेहेनेअतिसेअ

सतबोलवापुहोय ॥ अनेहावेजेजंगमनाअं
 तसक्रणनेविषे ॥ स्वकाशघणनेअचंतघण
 एबेहनाविभागरहाछे ॥ २१० ॥ तेबीदलथाय
 अनेहावेजेजंगमनीदेहीसरवनेअंतसक्र
 णनेवीषे ॥ अण्यगुणनेत्रैण्यघणव्यापकरहा
 छे ॥ तेसदायकालसेहेजसभावीहोय ॥ २११ ॥
 अनेहावेजेजंगमनाअंतसक्रणनेवीषे ॥ ती
 नगुणनेतीनघणएकठारहाछे ॥ तेअतिसे
 परपंचीहोय ॥ २१२ ॥ अनेहावेजेजंगमनाअं
 तसक्रणनेवीषे ॥ प्रकृतीतत्वकारणरुहछे ॥ ते
 अतिसेआसात्रभावंतथाए ॥ अनेहावेजेजंग
 मनाअंतसक्रणनेवीषे ॥ २१३ ॥ आनंदतत्व
 कारणरुहछे ॥ तेअतिसेचतुरनेन्यावचुकावं
 ननीतीवंतथाय ॥ अनेहावेजेजंगमनाअंत
 सक्रणनेवीषे ॥ २१४ ॥ माहांतत्वकारणरुहछे
 तेपोतानीजातीवुणनेवीषे ॥ अधिपतीअध
 कारीथाय ॥ अनेहावेजेजंगमनाअंतसक्रण
 नेवीषे ॥ २१५ ॥ धनंजेतत्वकारणरुहछे ॥ तेहेने
 गुरूमीलेतोसमाधीजीगवांनथाय ॥ हावेजेजं
 गमनाअंतसक्रणनेवीषे ॥ २१६ ॥ प्रकृतीतत्व
 कारणनेधनंजेतत्वकारणएबेहनावीभाग
 रहाछे ॥ तेअतिसेसुरसुभटथाय ॥ अनअरुी

सस ॥ होयतोतेसतीनीपजे ॥२१७॥ अनेहावेजेजंग
 मनाअंतसक्रणनेवीषे ॥ प्रकृतीतत्वकारण
 ॥१३६॥ नेमांहांतत्वकारण ॥ एबुहनाविभागरह्याछे
 तेप्रथवीपतीथाय ॥२१८॥ अनेहावेजेजंगमना
 अंतसक्रणनेवीशे ॥ प्रकृतीतत्वकारणनेआ
 नंदतत्वकारणएबुहनाविभागरह्याछेतेक
 वीताथाय ॥२१९॥ अनेहावेजेजंगमनाअंत
 सक्रणनेवीषे ॥ अनंदतत्वकारणनेधनंजेत
 त्वकारण ॥ एबुहनाविभागरह्याछे ॥२२०॥ ते
 मोहोठोप्रारबधीधंनवंतथाय ॥ अनेहावेजेजं
 गमनाअंतसक्रणनेवीषे ॥ अनंदतत्वकार
 णनेमांहांतत्वकारण ॥२२१॥ एबुहनावीभाग
 रह्याछे ॥ तेसीधीवांनथाय ॥ अनेहावेजेजंगम
 नाअंतसक्रणनेवीषेधनंजेतत्वकारणनेमां
 हांतत्वकारण ॥२२२॥ एबुहनावीभागरह्याछे
 तेअतीसेदालीद्रीहोय ॥ अनेहावेजेजंगमना
 अंतसक्रणनेवीषे ॥ चारेईतत्वकारणरह्याछे
 २२३ ॥ तेअतीसेज्ञानीथाय ॥ अनेहावेजेजंग
 मनाअंतसक्रणनेवीशेनेसरवशरीरमांही
 चारेईतत्वकारणरह्याछे ॥२२४॥ तेअदृष्टवी
 द्यावांनथाय ॥ अनेहावेजेजंगमनाअंतस
 क्रणनेवीशे चारतत्वकारणनेतीनगुण ॥

अनेतीनघणएदशभागरहाछे ॥२२५॥ते
 बुंदवेताविभूतीवांनहोय ॥तेअवतारदशनी
 आद्यलेईनेसरवेईजांणवा ॥अनेहावेजेजंग
 मनाअंतसक्रणनेविषे ॥२२६॥त्रैणगुणअ
 नेत्रैणघण ॥अनेचारतत्वकारणअनेअव्या
 क्रतनीरंजननीआद्यलेईनेजेहेमेरहाछे
 एतनाविभागसंजुक्त ॥२२७॥जेहेनांअंतसक्र
 णविभूतीवांनहोय ॥तेदेहनेवीशेकेवलवेता
 पुरुषप्रवेशकरीनेबीशजमांनथाय ॥हावेए
 प्रकारेपशुपक्षीकीटपतंगनेवीषे ॥२२८॥हो
 यपणतेहेनेवीषेकेटलावीभागअतीसेजड
 रहाछे ॥असेमनुष्यनाविभागतो ॥तेहेसेसुक्ष्म
 मरहाछे ॥२२९॥तेणेकरीनेतेहनेवीषेप्रका
 शथायनही ॥कदाचीकनेकांईप्रकासहोयतो
 हो ॥तेतेहेनीजातीमेजांणे ॥२३०॥अनेहावेजेजंग
 मनेवीषेअष्टभागनीरंजनना ॥अनेद्वभाग
 अव्याक्रतना ॥एदशभागसेलीनेपोष्याताते
 कुण ॥अनेहावेअष्टभागअव्याक्रतना ॥२३१
 अनेद्वभागनीरंजननासेलीने ॥एदशभाग
 पोष्यातातेकुण ॥हावितेकहीएछीयेजेनीरंज
 ननाअष्टभागकेसांही ॥२३२॥द्वभागअव्या
 क्रतनासेलीने ॥एदशभागजंगमनेवीषेपो

सस॥

१३७

ष्याता॥ तेहेनातो जंगमने वीषेषु रूषजातीयया
अनेहावे जंगमने वीषे ॥ २३३ ॥ अष्टभाग अवा
क्रतना लेईने ॥ अनेहे भागनी रंजनना मेली
ने ॥ एदशभाग जंगमजातीने वीषेषो ष्याता
तेहेनी तो जंगमने वीषे अरूनी जातीथई ॥ २३४ ॥
हावे एषु कारेनी रंजनना अष्टभागना
तो ॥ जंगमने वीषेषु रूषजातीयया ॥ अनेहावे
अवाक्रतना अष्टभागनी तो अरूनी जाती
थई ॥ २३५ ॥ अनेहे भागनी रंजनना अवाक्रत
ना अष्टभागने वीषे मेलीने ॥ जंगमने पो ष्याता
तेहेनी तो जंगमने वीषे अरूनी जातीथई ॥ २३६ ॥
ते अरूनीने विशेष अवाक्रतना अष्टभागने हे
भाग ॥ नी रंजनना पो रूष्याता ते कुरु ॥ हावे ते क
ही ये छी ये जे ॥ अष्टभाग अवाक्रतना हुता ॥ २३७ ॥
तेहेमेथी ससभाग तो अरूनीना देहनी ॥ स
सधा तुने वीषे मली जईने ॥ नी षाथी ते शीषा प्र
जंत ॥ अरूनीली गसरी रकरी दियु ॥ २३८ ॥ अने
हावे हे भागनी रंजनना ॥ अने एकभाग अवा
क्रतना ॥ एत्रैण भाग अरूनीने वीषे रह्या छे ॥ ते
कही ए छी ये जे ॥ २३९ ॥ एकभाग अवाक्रतना
रह्या तो ते तो अरूनीने वावे अंगे ॥ ईगलाना डी
ने वीषे रह्या छे ॥ अने हावे हे भागनी रंजनना

रहाछे ॥ २४० ॥ तेहेमेथी एकभागतो अस्त्रीनेदा
 हेनेअंगेपीगलानाडीनेवीषेरहोछे ॥ अनेहा
 वेएकभागतीरंजननो ॥ अस्त्रीनेवीषेरहोछे
 २४१ ॥ तेहेमेथी अरधभागतो अस्त्रीतीभगस्था
 नईडीनेवीषेरहोछे ॥ अनेबीजोअरधभागते
 अस्त्रीनानेत्रद्वारईडीनेवीषेरहोछे ॥ २४२ ॥
 एप्रकारजंगमतंतुअस्त्रीनेवीषे ॥ नीरंजनना
 द्वभागरह्याछे ॥ जेएकभागतोअस्त्रीतीपीग
 लानाडीनेवीषेरहोछे ॥ अनेएकभागमेथी ॥ २
 ४३ ॥ आधोभागअस्त्रीतीभगस्थांनईडीनेवीषे
 रह्योछे ॥ अनेआधोभागअस्त्रीनानेत्रईडीने
 वीषेरहोछे ॥ तेकीमजाणीयेजेइआधाभागाई
 डीनेवीषेदेरह्याछे ॥ २४४ ॥ तेकहीयेछीयेजेसा
 माटेजे ॥ अस्त्रीनेनेत्रेकरीनेपुरुशउपरमोह
 थायछे ॥ अनेभगस्थांनईडीयेकरीनेपुरुषनो
 भोगकरेछे ॥ २४५ ॥ तेसामाटेजेपुरुषनाविभा
 गबुहजायगायेरह्याछे ॥ तेमाटेपुरुषतीचा
 हेनाकरेछे ॥ तेकेहेतीयेरेजाणीयेजे ॥ तेहेनु
 दृष्टांतकहीयेछीयेजे ॥ २४६ ॥ तेजनोविभागने
 त्रनेवीशेरह्योछे ॥ तेणेंकरीनेतेजनुआक्रस
 एनेत्रकरेछे ॥ तेकीमजाणीयेजेनेत्रमुदीने
 सप्रसवायुनेजाणीये ॥ २४७ ॥ अनेनेत्रमुदी

सस
१३८

नेऽवनीग्राहायेजांणीये। अनेनेत्रमुदीनेऽ
काशसबेकरीनेजांणीये॥ एनेनेत्रमुदीनेनेत्र
वीनातेजनोप्रकाशजणायनही ॥२४८॥ तेसा
माटेजेजेजेहेनोवीभागहोयतेतेहेनेग्रहीस
केछे॥ एप्रकारेआकाशनोभागकरणेवीशे
रह्योछे ॥२४९॥ तेशब्दआकाशनाविभागनेग्र
हणकरेछे। अनेहावेतुचातेवीवेवायुनोवीभा
गरह्योछे॥ तेणेकरीनेतुचायेवायुनोसप्रसग्र
हणकरेछे ॥२५०॥ अनेहावेतासोयप्रथवीनो
वीभागरह्योछे॥ तेणेकरीनेप्रथवीनागंधने
ग्रहणकरेछे। अनेहावेउद्यकनोविभाग ॥२
५१॥ रसनायेरह्योछेतेणेकरीने। रसनाजल
नाविभागरसनेग्रहणकरेछे। एप्रकारेजेजेहे
नोवीभागहोये ॥२५२॥ तेतेहेतुग्रहणकरेछे
तेमाटेअरुनीनानेत्रनेवीशे॥ अनेभगरुणने
वीषे॥ पुरुषनाविभागरह्योछे॥ तेणेकरीने ॥२
५३॥ एवेहुजायगायेपुरुषनीचाहनाथायछे
अनेहावेनीरंजननाअष्टभागमे॥ हेभागअ
व्याकृतनासेलीने१०दशभाग ॥२५४॥ जंगम
नेवीषेयोख्याता॥ तेहेनातो जंगमनेवीशेपुर
शय्या। अनेतेपुरुषनेवीषेनीरंजननाअष्ट
भागमे ॥२५५॥ हेभागअव्याकृतनायोष्याताते

कुरा ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ अष्टभागनीरंजन
 नापोष्याहता ॥ तेहेमेथीससभागतोपुरुषना
 २५६ ॥ देहनीससधातुनेवीषेमलीजईने ॥ निषा
 थीतेसीषापुंरजंतपुरुषलींगदेहकरीदीयो ॥
 अनेहावेदेभागअव्याकृतना ॥ अनेएकभाग
 नीरंजननो ॥ २५७ ॥ अत्रैएयभागजंगमपुरुषने
 वीषेरह्याछेतेकुरा ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥ त्रैए
 भागमेएकभागनीरंजननोतोपुरुषने ॥ २५८
 दाहेनेअंगेपीगलानाडीनेवीशेरह्योछे ॥ तेएपु
 करीनेपीगलानाडीपुरुषलींगथईछे ॥ अने
 हावेदेभागअव्याकृतनारह्याछेतेहेमेथी ॥ २
 ५९ ॥ एकभागतोजंगमपुरुषनीइंगलानाडीने
 वीषेबावेअंगेरह्योछे ॥ तेणेकरीनेइंगलानाडी
 चंडनीअस्त्रीलींगथईरहीछे ॥ २६० ॥ अनेहावेए
 कभागअव्याकृतनोरह्योछे ॥ तेहेमेथीअरध
 भागतोपुरुषनीलींगस्थांनईडीनेवीषेरह्योछे
 अनेबीजोअरधभागते ॥ २६१ ॥ पुरुषनानेत्र
 ईडीनेवीषेरह्योछे ॥ तेकीमजांणीयेजेपुरुषनी
 नेत्रईडीयेकरीनेअस्त्रीउपरमोहथायछे ॥ अने
 लींगईडीयेकरीने ॥ २६२ ॥ अस्त्रीनोभोगकरेछे
 तेसामाटेजेअस्त्रीनावीभागबुहजायगाये
 रह्याछे ॥ तेमाटेअस्त्रीनावीभागछे ॥ तेअस्त्री

नीचाहेनाकरेछे ॥२६३॥ एप्रकारेनीरंजतत्र
 व्याकृतताविभागजंगमनेवीषेरहसाछे ॥ हा
 वेसेवीभागानेउलटावीनें ॥ पोतानाविभा
 गनेविषेमेंलवीदेछे ॥२६४॥ जेअरुनीनेवीषे
 पुरुषनावीभागहता ॥ तेहेनेअरुनीअरुनी
 नाविभागनेवीषेमेंलवीदेईनेत्यागीथापछे
 अनेपुरुषनेवीषेअरुनीनावीभागहता ॥२
 ६५॥ तेहेनेपुरुषपुरुषनाविभागनेवीषेमेंल
 वीदेईनेत्यागीथापछे ॥ तेतोआगलकहीग
 याछीये ॥ तेहावेनहीकहीये ॥२६६॥ अनेहावे
 करताकीप्रकाशबुलवृतीकेतिनमाहात्व
 एकअवीकाशमाहात्व ॥ अनेबीजुवीकाश
 माहात्व ॥ अनेत्रीजुकुंभस्तमाहात्व ॥२६७॥ ए
 तीनमाहात्वजे ॥ तेहेमेंथीअष्टभागवीकाशमा
 हात्वनालेईनेअनेएकभागअवीकाशमाहा
 त्वने ॥ अनेएकभागकुंभस्तमाहात्वने ॥२६
 ८॥ एदोनभागवीकाशमाहात्वनाअष्टभाग
 नेवीषेमेंलीनें ॥ एदशभागजंगमनेपोष्याता
 तेकरा ॥ अनेहावेअवीकाशमाहात्वनाअष्ट
 भागलेईने ॥२६९॥ अनेएकभागवीकाशमा
 हात्वने ॥ अनेएकभागकुंभस्तमाहात्वने
 एदोनभागअवीकाशमाहात्वनाअष्टभागने

वीषेमेलीने ॥२७०॥ एदशभागजंगमजातीने
 पोख्यातातेकुण ॥ अनेहावेअष्टभागकुंभस्त
 माहात्वनालेईने ॥ अनेएकभागअवीकाश
 माहात्वनो ॥२७१॥ अनेएकभागविकाशमा
 हात्वनो ॥ एदोतुभागकुंभस्तमाहात्वनाअष्ट
 भागमेमेलीने ॥ एदशभागजंगमजातीनेवी
 षेपोष्यातातेकुण ॥२७२॥ हावेतेकहीएछीयेजे
 पथंमविकाशमाहात्वदशभागेजंगमनेविषे
 पोख्युतु ॥ तेहेतोतो जंगमनेवीशेसोहंगपुण
 यंमथयो ॥२७३॥ अनेअवीकाशमाहात्वदश
 भागेजंगमनेवीषेपोख्युतु ॥ तेहेतोतो जंग
 मनेवीषेकुंकारपुणयंमथयो ॥ अनेकुंभस्त
 माहात्वजंगमनेवीशेदशभागेपोख्युतु ॥२७
 ४॥ तेहेतोतो जंगमनेवीशेकुंभकपुणयंमथ
 योछे ॥ तेकीमजाणीयेजेवीकाशमाहात्वनो
 सोहंगपुणयंमथयोछे ॥ अनेहावेतेकीमजा
 णीयेजे ॥२७५॥ अवीकाशमाहात्वनोउंकार
 पुणयंमथयोछे ॥ अनेहावेतेकीमजाणीएजे
 कुंभस्तमाहात्वनो ॥ कुंभकपुणयंमथयोछे ॥
 २७६॥ हावेतेकहीएछीयेजेवीकाशमाहात्वते
 प्रकाशीकजाणवु ॥ तेणेंकरीनेसोहंगपुणयं
 म ॥ बाहरसुंत्यमेप्रवेशकरेछे ॥२७७॥ तेसामा

टेजेसुंन्यमेवीकासपणरुहथे ॥ अनेहावेअवीका
 समाहात्वतेसंपरवतजाणवु ॥ तेणेकरीनेउं
 कारपुणायंमपंडमेभीतरषीचायथे ॥ २७८
 तेसामाटेजेपंडसंपरवतथे ॥ अनेकुंभस्तमा
 हात्वतेसंमदंमजाणवु ॥ तेणेकरीनेकुंभकसं
 मदंमथायथे ॥ हावेतेकुंभकसंमदंमतेकीमजा
 णीये ॥ २७९ ॥ हावेतेकहीएषीएजेउंकारपुण
 यंमनेपंडमेषिचातां अनेसोहंगपुणायंमने
 बाहेरमेहेलतां ॥ तेहेनीमध्येस्वासथंमनपां
 मेथे ॥ २८० ॥ तेकुंभकेमाहात्वजाणवु ॥ तेकुंभस्त
 माहात्वस्वास्वतेथंभावेथे ॥ तेणेकरीनेजंगम
 नेवीषेसांमरतपणरुहथे ॥ अनेहावेजंगमनेवी
 षे ॥ २८१ ॥ अवीकासमाहात्वनाअष्टभागमे
 एकभागविकाशमाहात्वने ॥ अनेएकभाग
 कुंभस्तमाहात्वने ॥ एदोनुभागअवीकास
 माहात्वना ॥ २८२ ॥ अष्टभागनीसंघेपोख्या
 तातेकुण ॥ हावेतेकहीयेषीयेजेविकासमाहा
 त्वनेएकभागते ॥ अवीकासमाहात्वनाउंका
 रपुणायंमनेमोक्षुभागेरहोथे ॥ २८३ ॥ हावेते
 कीमजाणीयेजे ॥ जाहारेउंकारपुणायंम ॥ सर
 रमेप्रवेसकरेथे ॥ ताहारेसरवनाडीयोनेआगे
 आगेविकासकरतोजायथे ॥ २८४ ॥ तेविकास

माहात्मनो विभागनाडीयोने विकासकरेछे
 अनेतिनकीपीछेपीछे॥ ऊंकारप्रणयंमप्रवे
 शकरेछे॥ एप्रकारेविकासमाहात्मनो॥२८५॥
 विभागअविकाशमाहात्मनेवीशेरहोछे॥ अ
 नेहावेकुंभस्तमाहात्मनोएकभागते॥ ऊंकारप्र
 णयंमनेवीषेव्यापकरहोछे॥ हावेतेकीसजाणी
 येजे॥२८६॥ जाहारेकोईजोगीसाधनकरेछे॥
 ताहारेसाधनकरतांकरतांप्रणयंम॥ घणी
 कवारथंभनपांमेछे॥ तेकुंभस्तमाहात्मनोए
 कभाग॥२८७॥ प्रणयंमनेविषेव्यापकरहोछे
 तेमाटेसाधनकरेप्रणयंमथंभनपांमेछे॥ ए
 प्रकारेकुंभस्तमाहात्मनो॥ एकभागअविका
 समाहात्मनेवीषेरहोछे॥२८८॥ अनेहावेजं
 गमनेवीषेवीकासमाहात्मनाअष्टभागतेवी
 शेएकभागअवीकाशमाहात्मनो॥ अनेएक
 भागकुंभस्तमाहात्मनो॥२८९॥ एहेनुभाग
 वीकासमाहात्मना॥ अष्टभागतीसंघेजंगम
 नेवीषेपोख्यातातेकुण॥ हावेतेकहीएछीयेजे॥
 अवीकासमाहात्मनोएकभागते॥२९०॥ वि
 कासमाहात्मनासोहंगप्रणयंमनेसोक्षभागे
 अग्रनेवीषेरहोछे॥ हावेतेकीसजाणीयेजे॥
 द्वादशआंगुलस्वासचालीनेयंभीजायुछे॥२९१॥

सस ।

॥१४१

तेऽप्रविकासमाहात्मनो विभागोऽस्योऽथं
 भेदेताहारे ॥ सर्वस्वाऽस्यंभीनेपाछोऽलदेछे
 एप्रकारेऽप्रविकासमाहात्मनो एकभाग ॥२६१
 २ ॥ विकासमाहात्मनासोऽहंगपूणायंमनेविषे
 रहोछे ॥ अनेहावेकुंभस्तमाहात्मनो एकभा
 गतेविकासमाहात्मनासोऽहंगपूणायंमनेवी
 षेव्यापकरहोछे ॥२६३ ॥ तेणेकरिनेपूणायंम
 नेविषेघाटपणुरुहछे ॥ तेघाटपणेकरिनेपूणायं
 मउतावयोवहीजातो नथी ॥ एप्रकारेकुंभस्त
 माहात्मनो एकभाग ॥२६४ ॥ विकासमाहात्म
 नासोऽहंगपूणायंमनेविषेरहोछे ॥ अनेहावे
 जंगमनेवीषे ॥ कुंभस्तमाहात्मनाऽप्रभाग
 नेवीषेऽप्रवीकाशमाहात्मनो एकभाग ॥२६५
 अनेवीकाशमाहात्मनो एकभाग ॥ एदोनुभा
 गकुंभस्तमाहात्मनाऽप्रभागतीसंछे ॥ जंग
 मनेवीषेपोष्यातातेकुण ॥२६६ ॥ हावेतेकही
 येछीयेजे ॥ यतेकुंभस्तमाहात्मनेप्रथंम ॥ अवीका
 समाहात्मनो वीभाग रहोछे ॥ अनेविषरातेकुं
 भस्तमाहात्वे ॥२६७ ॥ विकाशमाहात्मनो विभा
 गरहोछे ॥ अनेहावेयतेकुंभस्तमाहात्वे ॥ अ
 वीकासमाहात्मनो विभागतेकी मजाणीयेजे
 कुंभस्तमाहात्मनेषीचीराषेछे ॥२६८ ॥ अने

२७५

२४१

विषयतेकुंभस्तमाहात्वेविकाशमाहात्वनो
 वीभागतेकीमजाणीये॥जेकुंभस्तमाहात्वे
 नेवीषरीनांषेछे॥हावेएयकोरजंगमनेवीषे॥
 २९६॥करतानीप्रकाशबुल्लवृतीनांतीनमा
 हात्वरह्यांछे॥हावेजंगमनेवीषेकरतानीसं
 जमभोगवृतीनांतीनचक्षुसत्वजे॥३००॥प्रथ
 मवृगज्ञानचक्षुसत्व॥अनेवीजुअनंगचक्षु
 सत्व॥अनेत्रीजुकालचक्षुसत्व॥एतीनचक्षु
 सत्वतेहेमेथी॥बुगज्ञानचक्षुसत्वना॥३०१॥
 तीनभागलेईने॥अनेतीनभागअनंगच
 क्षुसत्वना॥एषटभागद्वेचक्षुसत्वनालेईने
 अनेतीनकीमांहीचतुरभागकालचक्षुसत्व
 नामेलीने॥३०२॥एदशभागजंगमनेवीषे॥
 पोख्यातातेकुण॥हावेतेकहीषेधीयेजे॥प्रथम
 जंगमनेवीशेबुगज्ञानचक्षुसत्वतेपुरुषदृष्टी
 येकरीने॥३०३॥केवाध्यांनेकरीनेअस्त्रीनुआ
 लोचनकरेछे॥तेबुगज्ञानचक्षुसत्वजांणवु॥
 तेपुरुषअस्त्रीनुआलोचनकरायकीपुरुश
 कांमातुरथायछे॥३०४॥तेअज्ञानचक्षुसत्वजां
 णवु॥अनेहावेतारपीछेपंचसुतनीआद्यलेई
 ने॥सरवअंगसरीरनोअरघनीकालीने॥ते
 हेनीवीदुसमेटीनेवंकनालमेलावेछे॥३०५॥

ब्रह्म

तेकालचक्षुसत्वजांणवु॥हावेतेसर्वतत्वनीवी
 दुकालचक्षुसत्वेवंकनालनेवीषेसमेटीनेआ
 णीछे॥तेकीमजांणीयेजे॥३०६॥हावेतेकहीएछी
 येजे॥प्रथंमपंचभूतनाअरघतोवीभागबीदू
 मेदेपाईयेछीये॥तेपंचभूतनेवीषेसरवईडीये
 तत्वनावीभागरह्याछे॥३०७॥तेशरीरनेवीषेआ
 गेसफुरणयाशे॥तेकेणीपेरेजेजंमबीजगने
 वीषेवसरुहछे॥तेपत्रफुलफलउदेपांमेदेपाय
 छे॥एप्रकारेसरवतत्वना॥३०८॥वीभागबीदुने
 बीषेरह्याछे॥परतेहेमेमोक्षपंचभूतना॥विभा
 गबीदुनेवीषेदेपाईयेछीये॥हावेबीदुनेवीषेघा
 षण्णरुहछेतेप्रथवीनोविभागजांणवो॥३०९
 हावेबीदुनेवीषेउषण्णरुहछेते॥तेजनोवीभा
 गजांणवो॥हावेबीदुनेवीषेरसपण्णरुहछे॥तेज
 लनोवीभागजांणवो॥३१०॥हावेबीदुनेवीषेवी
 काशपण्णरुहछे॥तेआकाशनेविभागजांणवो
 हावेबीदुनेवीषे वेगपण्णरुहछे॥तेवायुनोवीभा
 गजांणवो॥३११॥एप्रकारेबीदुनेवीषेपंचभूतने
 अरघसंजुक्तभेलोरह्योछे॥होवएप्रकारेमुलका
 रजकरीया॥तीनचक्षुसत्वकीदेपाई॥३१२॥आ
 रूपगटकरीयालसतीनचक्षुसत्वकीदेपाईये
 छीये॥हावेअस्त्रीपुरुषनालीगनोसंजमकरीआ

वेष्टे ॥ ते बुगज्ञानचक्षुसत्वजांणवु ॥ ३१३ ॥ हावे सं
 जमकसापीछे ॥ मीथुनकरीयाकरेछे ते अनंग
 चक्षुसत्वजांणवु ॥ हावे मीथुनकसापीछे ॥ बीदू
 पातथायछे ते कालचक्षुसत्वकरेछे ॥ ३१४ ॥ ते
 कालचक्षुसत्वजांणवु ॥ हावे ए प्रकारे पुगट करी
 या ॥ तीनचक्षुसत्वकी मनुषजंगमने वीषे देखा
 ई ॥ अने हावे जंगमके मांही अस्त्रीने वीषे ॥ ३
 १५ ॥ तीनचक्षुसत्वरह्यांछे ते कुण ॥ हावे ते क
 हीषे छीयेजे ॥ अस्त्रीपुरुषनु अंतरने वीषे के
 वाने त्रे करीने प्रथंम अलाओ चणकरेछे ॥ ३१६ ॥
 ते बुगज्ञानचक्षुसत्वजांणवु ॥ अने हावे तार
 पीछे अस्त्रीकां मातुरथायछे ॥ ते अनंगचक्षु
 सत्वे करीने थायछे ॥ ते अनंगचक्षुसत्वजां
 णवु ॥ ३१७ ॥ हावे ते कां मातुरथाया पीछे अस्त्री
 नाकमलने वीषेर सबीदुउतपनथायछे ॥ ते
 कालचक्षुसत्व अस्त्रीना सरीरमेथी ॥ ३१८ ॥
 बीदुषीची लावेछे ते पंचसुतनी आद्यलेईने
 सरवनी ते कालचक्षुसत्वजांणवु ॥ हावे ते का
 लचक्षुसत्वे अस्त्रीनीर सबीदुने वीषे ॥ ३१९ ॥
 पंचभुतनी आद्यलेईने सरवतत्वनो अरघ
 षीची आंणोछे ॥ ते कीमजांणीये ॥ हावे ते क
 हीरे छीयेजे प्रथंम अस्त्रीनी बीदुने वीषे ॥ ३२० ॥

सस

॥१४३॥

तेज
१

चीकाशनेदुरगंधपणुरहछे॥तेप्रथवीनोवी
भागजांणवो॥हावेतारपीछेअस्त्रीनीबीदु
नेवीषे॥अतीसेरसपणुरहछे॥तेजलनोवी
भागजांणवो॥३२१॥हावेतारपीछेअस्त्रीनी
बीदुनेवीषे॥उसतापणुरहछे॥तेअस्त्रीनो
वीभागजांणवो॥हावेतारपीछेजाहारेपुरश
नीबीदुनो॥अनेअस्त्रीनीबीदुनो॥३२२॥संज
मथायछेताहारेपुरुषनीबीदुनेबीचेघाली
ने॥अस्त्रीनीबीदुउपररहेछे॥अनेमध्येपुरुष
नीबीदुनेराषेछे॥तेअस्त्रीनीबीदुमेंआकाश
तत्वजांणवु॥३२३॥हावेपुरुषनीबीदुनेआक्र
सणकरीनेअस्त्रीनीबीदुपोतानीबीदुमेमे
खवीदेछे॥तेअस्त्रीनीबीदुमेवायुतत्वेनविभा
गजांणवो॥३२४॥हावेएप्रकारेमुलकारजक
रीयाअस्त्रीकेतीनचक्षसत्वकीदेघारहावे
प्रगटकरीयालस॥अस्त्रीकेतीनचक्षसत्वकी
कहीयेछीये॥३२५॥हावेजाहारेपुरुषमीथुन
करेछेअस्त्रीनु॥तेवषतअस्त्रीनालीगनेवी
षे॥वीसेआनंदउपजावेछे॥अनेपुरुषनीबी
दुनेषीचीने॥३२६॥अस्त्रीनाकमलमेपोचोवे
छे॥तेअस्त्रीनोप्रगटअनंगचक्षसत्वजांणवो
हावेपुरुषनोअनंगचक्षसत्वते॥पुरुषनीवी

दुनेअधोमुखनीचीउतारेछे॥३२७॥अनेअस्त्री
 नोअनंगचक्षसत्वतो॥अस्त्रीनाबीदुनेउरध
 मुषुउचीचछवेछे तेसामाटेजेपुरुषेनवीषेतो
 अधोमुखेअनंगचक्षसत्वरहोछे॥३२८॥अने
 अस्त्रीनेवीशेतोउरधमुखे॥अनंगचक्षसत्व
 रहोछे॥तेमाटेअस्त्रीनोअनंगचक्षसत्व॥उ
 रधमुखेबीदुनेवीचेछे॥अनेमीयुंनकरतां॥३
 २९॥अस्त्रीस्वांतीनथीपांमतीजलदीसुवेगे
 ते॥तेउरधमुखेअनंगचक्षसत्वरहोछे॥तेएक
 रीनेस्वांतीनथीपांमती॥अनेपुरुषयोडीकवे
 रमे॥३३०॥स्वांतीपांमेछे॥तेअधोमुखेअनंगच
 क्षसत्वरहोछे॥तेएकेरीनेस्वांतीपांमेछे॥ए
 कारेअस्त्रीनेवीशेप्रगटअनंगचक्षसत्वनांवी
 चरणकहां॥३३१॥अनेहावेअस्त्रीनेवीषेवृग
 ज्ञानचक्षसत्वनीप्रगटकरीयातेकण॥हावेते
 कहीएछीयेजे॥अस्त्रीनांकमलनेवीषेबीदुनी
 बीचण्यकरीने॥३३२॥जेजेहेनांतत्वईडीयोनी
 अरघविभागनेतेहेनांतत्वईडीयोनीजाय
 गायेपोषीनेबीदुनीघाटघडेछे॥तेअस्त्रीनुवृ
 गज्ञानचक्षसत्वजाणवु॥३३३॥हावेतेघाटनेप
 रीपकवकरीने॥कमलथीवीछडोपाडीनेमी
 नकरीनांषेछे॥ताहारेबालप्रसवघायछे॥तेअ

स्त्रीनावीशेव ॥३३४॥ कालचक्षुसत्वज्ञाणवु ॥
 एप्रकारेकरतातीसंजमभोगवृत्तीतांतीनच
 क्षुसत्वज्ञंगमजातीमेपुरुषनेवीषे ॥ अनेअस्त्री
 नेवीषे ॥३३५॥ सफुण्णयईतेपुत्रीपुत्रादिकप्रजा
 नीउतपतीकरेछेतेकहां ॥ होवतेप्रजानेवीषे
 पुत्रतेकुणसंजोगेकरीनेथायछे ॥३३६॥ अने
 पुत्रीतेकुणसंजोगेकरीनेथायछे ॥ हावेतेक
 हीयेछीयेजे ॥ पुरसनीपीगलानाडीचालतां
 पुरुषनीवीदुअस्त्रीनेविषेपडेतो ॥३३७॥ तेहेने
 पुत्रथाय ॥ अनेहावेपुरुषनीईगलानाडिचाल
 तांपुरशनीवीदुअस्त्रीनेवीषेगलेतोतेहेनीपु
 त्रीथाय ॥ हावेपीगलानाडीचालतांपुत्रतेसामा
 देथायछे ॥३३८॥ अनेईगलानाडीचालतांपुत्री
 तेसामादेकरीनेथायछे ॥ हावेतेकहीएछीयेजे
 पुरुषनेवीषेअष्टभागतीरंजनना ॥३३९॥ अने
 ष्ठभागअष्टाक्रतना ॥ एदशभागपीष्यातातेहे
 मेथी ॥ तीरंजननाअष्टभागमांहीथी ॥ सप्तभाग
 तोपुरुषनीसप्तधातुनेवीषेरह्याछे ॥३४०॥ तेणे
 करीनेतोपुरुषतोदेहययोछे ॥ अनेहावेएकभा
 गतीरंजननोरह्योछेते ॥ पुरुषनेदाहेनेअंगेपी
 गलानाडीनेवीषेरह्योछे ॥३४१॥ तेण्येकरीने
 पीगलानाडीमेपुष्पातरुहछे ॥ तेपुरुषातणे

करीनेपीगलानाडीचालतांबीदुगलेतोपुत्रया
 यथे ॥३४२॥ अनेहावेपुरुषनेवीषेदेभागअभा
 क्रतना ॥ तीरंजननाअएभागनीसंधेपोरखा
 ताजे ॥ तेहेमेथीएकभागनाहेआधाआधाभा
 गतो ॥ ३४३ ॥ पुरुषनीनेत्रईडीनेउपस्तईडीने
 वीषेरह्याथे ॥ अनेहावेएकभागअभाक्रतना
 रह्योतेपुरुषतेवायेअंगेईगलानाडीनेवी
 षेरह्योथे ॥ ३४४ ॥ तेणेकरीनेईगलानाडीने
 वीषेअस्त्रीलींगपणरुह्ये ॥ तेअस्त्रीलींगेक
 रीनेईगलानाडिचालतांपुरुषनीबीदुगले
 तोपुत्रीथायथे ॥ ३४५ ॥ अनेहावेजाहारेईगला
 पीगलादोयनाडीनो ॥ संजोगथईनेसकुक्क
 चाले ॥ ताहारेतेसुषमणानाडीकेहेवाय ॥ तेसु
 षमणानाडीचालतांनी ॥ ३४६ ॥ बीदुतोपरलेजा
 य ॥ तेसामाटेजेसुषमणानाडीनेवीषेतोअ
 काशनोभागविशेशरह्योथे ॥ अनेआकाशतो
 नीरसत्वनपुचकथे ॥ ३४७ ॥ तेमाटेसुषमण
 नाडीनेविषेपणनपुचकपणरुह्ये ॥ तेणेकरी
 नेसुषमणानाडीनीबीदुपरलेजायथे ॥ अनेजे
 कदाचीकने ॥ ३४८ ॥ बीदुसुषमणानीजांमेतो
 दोनुबालकथाय ॥ तेकुणप्रकारेथायथे ॥ हावे
 तेकहीयेथीयेजे ॥ जाहारेपुरुषनेसुषमणाचा

लती होय ॥३४९॥ अने अस्त्रीने पण सुषमणा
 चालती होय ॥ तेवषत अस्त्री पुरुषना संजम
 नी बीदनी तो पुत्रपुत्री नी पजे ॥ अने हावे जो अ
 स्त्रीने ॥३५०॥ सुषमणा नाडी चालती होय ॥ अने
 दोनु कमलषी लेलां होय ॥ अने पुरुषनी ई गला
 नाडी चालती होय ॥ तेवषत अस्त्री पुरुषना सं
 जम ॥३५१॥ बीदनी तो बेह पुत्री थाय ॥ अने हा
 वे जो पुरुषने पंगी गलानाडी चालती होय ॥ अने
 अस्त्रीने सुषमणा नाडी चालती होय ॥३५२॥ ते
 वषत अस्त्री पुरुषना संजम बीदना तो बेह पु
 त्रनी पजे ॥ ते सुषमणा नी बीदने संजोगे जा मेथे
 ते संजोग कही येथी येजे जा हारे अस्त्रीनी ॥३५३॥
 नाभीने वीषे अनंग अधो मुषे होय ॥ ता हारे ते व
 षतने संजोगे सुषमणा नी बीदुनो ग्रभर हे ॥ न
 ही तर तो बीदु परले जाय ॥ अने हावे पुरुषनी सु
 षमणा ॥३५४॥ चालती होय ॥ अने अस्त्रीनु एक
 कमलषी लहो येने पंगी गलानाडी चालती होय
 तो ते समये अस्त्री पुरुषना संजम नी बीदु पर
 ले जाय ॥३५५॥ अने जो कदाची कने ते बीदुनी
 ग्रभर हे तो ते ग्रभ पसवन वथाय ॥ ते मांही ना मां
 ही उदने वीषेची पटथ ई ते र हे ॥ ते सामाटिने पु
 रुषनी सुषमणा नी ॥३५६॥ दोनु बीदु एक कम

लमांहीपरवेशथईछे ॥ तीदोनुबीदुनेसंजोगेक
 रीनेमांहीनोमांहीसंजोगथईरहेछे ॥ तेमांटेते
 ग्रभपरसवनवहोय ॥ ३५७ ॥ अनेजोकदाचिक
 नेतेग्रभप्रसवथायतो दोनुबीदुमांहीथीएक
 बीदुतावीभागसडीजईनेमांहीथोऊडीपडेता
 रपीछेएकविभागरहेतेपरसवथा ॥ ३५८ ॥ तेम
 तकप्रसवहोय ॥ अनेजोकदाचिकनेपुठलरहे
 तेबीदुविभागयोडाकडीवसकमलनेसोसण
 करके ॥ पुष्टीथईनेप्रसवथायतो ॥ ३५९ ॥ तेपूत्र
 होयतेसजीवंनहोय ॥ अनेहावेपुरुषनेसुषम
 णाचालतीहाय ॥ अनेअस्त्रीतेएककमलषी
 लुहोय ॥ नैरंगलानाडीचालतीहोय ॥ ३६० ॥ तीते
 अस्त्रीपुरशनासंजमनीबीदुपणपरलेजाय ॥
 अनेकदाचीकनेतेबीदुनोग्रभरहेतो ॥ तेहीप
 णप्रसवनवथाय ॥ ३६१ ॥ अनेकदाचीकनेप्रस
 वथायतो ॥ तेदोनुबीदुमांहीथीपणएकविभा
 गऊडीपडे ॥ ताहारपीछेएकविभागरहेतेप्र
 सवथायतेमृतकहोय ॥ ३६२ ॥ अनेजोकदाची
 कनेपुठलरहेछे ॥ बीदुविभागकमलनुधावं
 नकरीने ॥ पुष्टीथईनेप्रसवथायतो ॥ तेहेनीपु
 त्रीनीपजेतेसजीवंनहोय ॥ ३६३ ॥ एप्रकारैरंग
 लापीगलानेसुषमणा ॥ एतीननाडीदेहनीम

धेरहीछे॥तेहेमेईगलानाडीनेपीगलानाडीते
 अकेलअकेलीअपनीअपनीवेरचाखेछे॥३
 ६८॥अनेसुषमणातेबेहनाडीयोनेसंजोगेचा
 लेहावेतेहेनेपीगलानाडीमांहेथी॥छत्रीहजा
 रनाडीनीसरीने॥तेदक्षणातेदाहेनेअंगे॥३६५
 रोमरोमपसरीनेरहीछे॥अनेहावेईगलानाडी
 मांहेथीपणछत्रीहजारनाडीनीकसीने॥उत्रा
 यणेवावेअंगेरोमरोमपसरीनेरहीछे॥३६६॥ए
 प्रकारेईगलापीगलानीनाडीयोयेसरवशरी
 रनेवीषेव्यापकपसरीनेरहोछे॥अनेहावेसुषम
 णानाडीमांहेथी॥३६७॥दशनाडीयोनीकसीने
 तेबुंलरुडनेवीषेपसरीरहोछे॥एत्रेणनाडी
 योनीपसरोसरवशरीरनेवीशेरोमरोमरहे
 छे॥३६८॥अनेहावेकरतानीप्रकाशबुंलवृती
 नांतीनमाहात्वने॥एकअवीकासमाहात्वने
 बीजुविकाशमाहात्व॥अनेत्रीजुतेकुंभस्तमा
 हात्व॥३६९॥एतीनमाहात्वेकरीनेप्रथंमईगला
 पीगलाने॥सुषमणानाडीयोप्याईनेस्वासवत
 थायछे॥तेतीननाडीयोस्वासवतथईने॥३७०
 तेहेमेपीगलानाडीयेतोदाहेनाअंगनी॥छत्री
 हजारनाडीयोपोषाईनेस्वासवतथायछे॥अने
 ईगलानाडीयेतोवावाअंगनी॥३७१॥छत्रीहजा

रनाडीयोपोषाईनेस्वासवतथायछे॥अनेसुषम
 णनाडीयेतो॥बुंलुरुडनीदशनाडीयोपोषाईने
 बुंलुरुडस्वासवतथायछे॥३७२॥तेजेण्येकरीने
 दशपुकारनाअनहदत्यादथायछे॥एपुकारेती
 नमाहात्वकीसत्याये॥नाडीयोपोषाईनेतीया
 यीतेसीषापुजंत॥३७३॥रोमरोमसरवदेहस्वास
 वतथईरह्योछे॥तेतीनमाहात्वेकरीनेअंत्योअं
 त्य॥सरवनाडीयोस्वासवतथायछे॥अनेहावेते
 तीनमाहात्वते॥३७४॥अस्त्रीपुरुषनेवीषेलेतो
 प्रणायंमतेजे॥अवीकासमाहात्वजांणवु॥अने
 मुकतोप्रणायंमतेअस्त्रीपुरुषनेवीषेवीकास
 माहात्वजांणवु॥३७५॥अनेहावेवेहप्रणायंमती
 मध्ये॥स्वासयंभनपांमेछे॥तेअस्त्रीपुरुषनेवीषे
 कुभस्तमाहात्वजांणवु॥अनेहावेएतीनमाहात्व
 केवीषे॥३७६॥लेतोप्रणायंमअविकाशमाहात्व
 तेअस्त्रीलीगजांणवु॥अनेमुकतोप्रणायंमवि
 काशमाहात्वते॥पुरसलीगजांणवु॥३७७॥अनेहा
 वेप्रणायंमयंभनपांमेते॥कुभस्तमाहात्वतेनपु
 चकनयंताजांणवु॥हावेतीनमाहात्वईगलापी
 गलानेसुषमणनाडीयोनेवीषे॥३७८॥सदाय
 कालरमणकरेछे॥तेण्येकरीनेसरवजंगमना
 देहस्वासवतथईनेहलणचलणकरेछे॥हावेएप्र

कारनीनाडीयोनेतत्व ॥३७॥ संजुक्तं करीनेजं
 गमनेवीषेपुत्रपुत्रीथायथे ॥ हावेतेपुत्रपुत्रीनेवी
 षेतीनमाहात्मनाभावदेषावीयेछीये ॥ हावेजा
 हारेपुशनी ॥३८०॥ पीगलानाडीचालतीहोय
 अनेअस्त्रीनीपुणपीगलानाडीचालतीहोय
 तेपुरुषनीपीगलानाडीमेंपुणयंमचालतां ॥३८
 ०१॥ सुकतेपुणयंमेबीदुष्टहेतो ॥ अनेअस्त्रीने
 पुणपीगलानाडीचालतां सुकतेपुणयंमेबीदु
 ग्रहेतो ॥ तेहेनोपुत्रथायतेमाहासुभटसुरवी
 रथाय ॥३८२॥ अनेकोईसतसंघमीलेतोईडी
 जीतजोगीहोय ॥ अनेहावेपुरुषनीपीगलाना
 डीचालतां ॥ लेतेपुणयंमेबीदुगलेतो ॥३८३॥ अ
 नेअस्त्रीनीपुणपीगलानाडीचालतां ॥ लेतेपु
 णयंमेबीदुग्रहेतो ॥ तेहेनोपुत्रथायतोवीदुल
 थाय ॥ हावेपुरुषनीपीगलानाडीचालतां ॥३८
 ४॥ लेतेपुणयंमेबीदुगले ॥ अनेअस्त्रीनीपुण
 पीगलानाडीचालतां ॥ सुकतेपुणयंमेबीदुग्र
 हेतो ॥ तेहेनोपुत्रनीपजेतेअतीसेकांमीहोय
 ३८५ ॥ अनेहावेपुरुषनीपीगलानाडीचाल
 तां ॥ सुकतेपुणयंमेबीदुष्टहेतो ॥ अनेअस्त्रीनी
 पीगलानाडीचालतां लेतेपुणयंमेबीदुग्रहेतो
 ३८६ ॥ तेहेनोपुत्रथायतोसखवातेसाधारणी

पजे ॥ अने हावे पुरुषनी ईगलानाडी चालता ॥ सुक
 ते प्रणायं मे बी दुगलेतो ॥ अने अस्त्रीनी प्रण ॥ ३८७ ॥
 ईगलानाडी चालतां सुकते प्रणायं मे बी दुग्रहेतो
 ते हेनी पुत्रीनी पजेतो बी दल वं जा होये ॥ अने हावे
 पुरुषनी ईगलानाडी चालतां ॥ ३८८ ॥ लेते प्रणायं
 मे बी दुगलेतो ॥ अने अस्त्रीनी ईगलानाडी चाल
 तां लेते प्रणायं मे बी दुग्रहेतो ॥ ते हेनी पुत्रीनि पजे
 ते ॥ ३८९ ॥ माहा सुभट सुजांण प्रती वृता होय ॥ अ
 ने ते हेने जो कदाची कने ॥ सत संघमी लेतो कुवा
 रपद साधन करे ये सी होय ॥ अने हावे पुरुशनी
 ईगलानाडी चालतां ॥ ३९० ॥ सुकते प्रणायं मे बी
 दुगलेतो ॥ अने अस्त्रीनी ईगलानाडी चालतां
 लेते प्रणायं मे बी दुग्रहेतो ते हेनी पुत्रीनी पजेतो
 ते अतीसे ॥ ३९१ ॥ कांमी विची चारणी होय ॥ अने
 हावे पुरुषनी ईगलानाडी चालतां ॥ लेते प्रणायं मे
 बी दुगलेतो ॥ अने अस्त्रीनी ईगलानाडी चालतां
 ३९२ ॥ सुकते प्रणायं मे बी दुग्रहेतो ॥ ते हेनी पुत्री
 नी पजेते सर ववातमे ॥ साधारण होय ॥ अने हा
 वे पुरुषनी पीगलानाडी चालतां सुकते प्रणायं
 मे ॥ ३९३ ॥ बी दुउतपं नथाय ॥ अने अस्त्रीनी ई
 गलानाडी चालतां ॥ सुकते स्वासे बी दुग्रहेतो
 ते हेनी पुत्रीनी पजेतो वं रु होय ॥ हावे पुरुषनी पी

गलानाडी चालतां ॥३९४॥ लेते प्रणयं मे वीदू
 गलेतो ॥ अने अस्त्रीनी ईगलानाडी चालतां
 लेते प्रणयं मे वीदू ग्रहेतो ॥ तेहेनो पुत्रनी पजेतो
 बाहावरी वा बाचो लहोय ॥३९५॥ अने हावे
 पुरुषनीपी गलानाडी चालतां ॥ मुकते प्रणयं
 मे वीदू गलेतो ॥ अने अस्त्रीनी ईगलानाडी चा
 लतां लेते प्रणयं मे वीदू ग्रहेतो ॥३९६॥ तेहेनो पु
 त्रनी पजेतो ते सुरषपशु सरषो होय ॥ अने होवे
 पुरुषनीपी गलानाडी चालतां ॥ लेते प्रणयं मे
 वीदू गलेतो ॥ अने अस्त्रीनी ईगला ॥३९७॥ ना
 डी चालतां मुकते प्रणयं मे वीदू ग्रहेतो ॥ तेहेनो
 पुत्रयायतो अती सेका हर सुरतणवीनो होय
 अने हावे पुरुषनी ईगला ॥३९८॥ नाडी चालतां
 मुकते प्रणयं मे वीदू गलेतो ॥ अने अस्त्रीनीपी
 गलानाडी चालतां ॥ मुकते प्रणयं मे वीदू ग्रहे
 तो ॥ तेहेनी पुत्रीनी पजे ॥३९९॥ तेमाहा सुरवीर
 पुरुषना सरषी आक्रंती होय ॥ अने तेहेने पुत्र
 पुत्रादीक अती सेनी पजे नही ॥ अने होवे पुरु
 षनी ईगलानाडी चालतां ॥४००॥ लेते प्रणयं
 मे वीदू गलेतो ॥ अने अस्त्रीनीपी गलानाडी चा
 लतां ॥ लेते प्रणयं मे वीदू ग्रहेतो ॥ तेहेनी पुत्रीनी
 पजेते बाहावरी वाचो लहोय ॥४०१॥ अने हावे प

रूषनी ईगलानाडी चालता ॥ सुकते प्रणायं मेवी
 दुगलेतो ॥ अने अस्त्रीनी पीगलानाडी चालता
 ४०२ ॥ लेते प्रणायं मेवी दुग्रहेतो ॥ तेहेनी पुत्रीनी
 पजेते माहाद्रु कलेजानी होय ॥ अने पुरुषनी
 संघे सती थाय ॥ अने हावे पुरुषनी ॥ ४०३ ॥ ईग
 लानाडी चालता लेते प्रणायं मेवी दुगलेतो ॥ अ
 ने अस्त्रीनी पीगलानाडी चालता ॥ सुकते प्र
 णायं मेवी दुग्रहेतो ॥ ४०४ ॥ तेहेनी पुत्रीनी पजे
 ते माहाचरीत्रवालीने संघणी होय ॥ ए प्रकारे
 ईगलापीगलानाडीने वीशे अवीकाशमाहात्व
 ४०५ ॥ अने वीकाशमाहात्वनी क्रीयारही छेते क
 ही ॥ अने हावे कुंभस्तमाहात्वनारेतनी ॥ पुत्रपु
 त्रीने वीशे क्रीया थायते कही ए छे भियेजे ॥ ४०६ ॥
 कुंभस्तमाहात्वते पुरुषनो ॥ प्रणायं मयं भनपा
 मतां ॥ तेवषतपुरुषनी बीदं अस्त्रीने वीषे गले
 तो ॥ अने अस्त्रीनो यपण प्रणायं म ॥ ४०७ ॥ तेवष
 तयं भन होयतो ते बीदनी रफलजाय ॥ अने क
 दाची कनेते बीदनी ग्रभ रहेतो ॥ तेहेनु बालक था
 यते ॥ मुगुपांगलु ॥ ४०८ ॥ बधीर अंधके तणायल
 होय ॥ अने हावे पुरुषना प्रणायं मते वीषे ॥ प्रथवी
 तत्व चालता कुंभकनी बीदुगलेतो ते बीदनी ॥
 ४०९ ॥ ग्रभ रहेतो ते बालक पांगलु प्रसव थाय ॥

अनेहावेपुरुषनाप्रणयंमनेवीषेजलतत्वचा
 लतांकुंभकनीबीदुगलेतोतेहेनो ॥४१०॥ ग्रभर
 हेतोमुगुबालकप्रसवथाय ॥ अनेहावेपुरुषना
 प्रणयंमनेवीषेअज्ञीतत्वचालतां ॥ कुंभकनी
 बीदुगलेतोतेहेनोग्रभरहेतो ॥४११॥ अंधबाल
 कउतपंनथाय ॥ अनेहावेपुरुषनाप्रणयंमने
 वीषेवायुतत्वचालतां ॥ कुंभकमेबीदुगलेतो
 तेहेनाग्रभर ॥४१२॥ बालकथायतेतणायलुया
 य ॥ अनेहावेपुरुषनाप्रणयंमनेवीशेथताआ
 काशतत्वनाकुंभकमेबीदुगलेतो ॥ तेहेनाग्रभ
 रबालक ॥४१३॥ प्रसवथायतेबुहअंगेवंडीत
 नीपजे ॥ तेहेमेयेहेलुतेबधीरनीपजे ॥ अनेबीजु
 जेतत्वसंधेहोय ॥ तेतत्वनीइडीपणवंडीतथाय
 ॥४१४॥ अनेहावेकुंभकतेवीषेपुत्रपुत्रीथायथे
 तेहेनीभेदकहीयेछीयेजे ॥ पुरुषनीपीगलाना
 डीचालतांप्रणयंमनाकुंभकनी ॥१५॥ बीदुनो
 तोपुत्रथाय ॥ पणतेपांगलोबधीरकेअंधहोय
 अनेहावेपुरुषनीइगलानाडीचालतांप्रणयं
 मना ॥ कुंभकनीबीदुनीतोपुत्रीथाय ॥४१६॥ प
 णलुलीबधीरकेअंधहोय ॥ हावेतेपुत्रपुत्रीजेस
 सधातुनादेहनीउतपनथायथेते ॥ ससधातुनो
 देहतेकुणकुणधातु ॥ पुरुषनारेतबीदुनीहोय ॥

४१७ ॥ अने कुण कुण धातु अस्त्री नारेत बीदुनी
 होय ॥ हावेते कही ऐषी येजे ॥ अस्ती रग रोमने पु
 रुषना पुरसात ए नो रेत भाग ॥ ४१८ ॥ ए चतुर
 धातुते पुरसना वृज बीदुनी होय ॥ अने रूड मंश
 ने तुचा ॥ एतीन धातुते अस्त्री ना वृज बीदुनी हो
 य ॥ एसस धातु तो तो पुत्र थाय ॥ ४१९ ॥ अने हा
 वे रूड मंस तुचा ने अस्त्री ना अस्त्री पणानो रेत
 भाग ॥ ए चतुर धातुते अस्त्री ना वृज बीदुनी होय
 अने हावे अस्ती ना डीने रोम ॥ ४२० ॥ एतीन धातु
 ते पुरुषना वृज बीदुनी होय ॥ एसस धातु नी तो पु
 त्री थाय ॥ अने हावे तें पुरुषनी चतुर धातुते कुण
 संजोगे करीने थाय छे ॥ ४२१ ॥ अने अस्त्री नी ती
 न धातुते ॥ कुण संजोगे करीने थाय छे ॥ ओरू अ
 स्त्री नी चतुर धातुते कुण संजोगे करीने थाय छे
 ४२२ ॥ अने पुरुषनी तीन धातुते कुण संजोगे क
 रीने होय छे ॥ हावे कही ऐषी येजे ॥ पुरुषनी पीग
 लाना डी चालतां ॥ पुरुष अस्त्री नुमी युन करे तो
 ४२३ ॥ चतुर धातुनी पुरुषनी रेत बीदु गले ॥ ते च
 तुर धातुते केई केई जाणीये ॥ हावेते कही येषी ये
 जे अस्ती ना डी रोमने पुरुषना पुरसात ए नो
 रेत भाग ॥ ४२४ ॥ ए चतुर धातुते पुरुषनी पीग ला
 ना डी चालतां बीदुने वीषे उत पन थाय ॥ अने अ

सस.
१५०

स्त्रीनीवीगलानाडीचालतांअस्त्रीपुरुषनोभोग
करेते॥४२५॥अस्त्रीनीवीदुतीनधातुनी
उतपनथाय॥तेकेईकेईतीनधातुउतपनथा
यष्टे॥हावेतेकहीयेष्टीयेजे॥तीनधातुतेसंस्रु
डनेतुचा॥४२६॥एतीनधातुतेअस्त्रीनीवीग
लानाडीचालतां॥अस्त्रीनीवीदुनेवीषेउतपन
थाय॥एससधातुअस्त्रीपुरुषनाभेहीहोय॥
तेहेनोतोपुत्रथाय॥४२७॥अनेहावेपुरुषनी
ईगलानाडीचालतां॥पुरुषअस्त्रीनुमीधुन
करेतेपुरुषनीतीनधातुनीवीदुउतपनथाय
हावेतेतीनधातुतेकेईकेई॥४२८॥जांणीयेहावे
तेकहीयेष्टीयेजे॥तीनधातुतेअस्तीनाडीनेरो
मभाग॥एतीनधातुतेपुरुषनीईगलानाडीचा
लतां॥पुरुषनीवीदुनेवीषेउतपनथाय॥४२९
अनेहावेअस्त्रीनीईगलानाडीचालतां॥अ
स्त्रीपुरुषनोभोगकरेते॥अस्त्रीनीवीदुचतुरधा
तुनीउतपनथाय॥४३०॥तेचतुरधातुतेकेईकेई
जांणीये॥हावेतेकहीयेष्टीयेजे॥चतुरधातुतेसंस्रु
रुडतुचाने॥अस्त्रीनाअस्त्रीपणानोरेतभाग॥
४३१॥एचतुरधातुतेअस्त्रीनीईगलानाडीचाल
तां॥अस्त्रीनावुजवीदुनेवीषेउतपनथाय॥एसस
धातुअस्त्रीपुरुषनीएषंटीथईने॥४३२॥तेहेनो

ग्रभरहेतोपुत्रीपुसवहोय ॥ अनेहावेएप्रकारेअ
 स्त्रीपुरुषनासंजोगनेवीषेपुरुषनीपीगलाना
 डीचालतीहोय ॥ अनेअस्त्रीनी ॥ ४३३ ॥ ईगलाना
 डीचालतीहोय ॥ तोदोयअस्त्रीपुरुषनीचतुरच
 तुरधातुनीबीदुउतपनथाय ॥ एअधधातुअस्त्री
 पुरुषनी ॥ ४३४ ॥ मेलीहोयतोतेबीदुनीरफलजा
 य ॥ अनेजोकदाचीकनेतेबीदुनोग्रभरहेतो ॥ ते
 हेनोपुत्रथायतेविंदलपुरसातणवीनोहोय ॥ ४
 ३५ ॥ ओरुअस्त्रीपुरुषनासंजोगमेपुरुषने ॥
 ईगलानाडीचालतीहोय ॥ अनेअस्त्रीनेपणते
 समेपीगलानाडीचालतीहोय ॥ ४३६ ॥ तोअस्त्री
 पुरुषदोयनीतीनतीनधातुनीबीदुउतपनथा
 य ॥ एषधधातुअस्त्रीपुरुषनीमेलीहोयतोतेबी
 दुनीरफलजाय ॥ ४३७ ॥ अनेजोकदाचीकनेते
 बीदुनोग्रभरहेतोपुत्रीथाय ॥ तेपुत्रीअस्त्रीधर
 मवीनानीवीदलहोय ॥ एप्रकारेअस्त्रीपुरुषनी
 ४३८ ॥ उलटासुलटीनाडीभेदपुत्रपुत्रीथायछे
 अनेहावेतेअस्त्रीपुरुषनीनाडीनेवीषेतेत्व
 भेदनीक्रीयारहीछेतेकहीयेछीये ॥ ४३९ ॥ हावे
 पुरुषनीपीगलानाडीचालतां ॥ तेहेनेवीषेप्रथ
 वीतत्वचालतांबीदुगलेतो ॥ अनेअस्त्रीनीपण
 पीगलानाडीनेवीषे ॥ ४४० ॥ प्रथवीतत्वचालतां

बीदुग्रहेतो ॥ तेहेनोपुत्रहोयतेमंदं तस्यक्रय
 नोनीपजे ॥ अनेशरीरेपुष्टीहोय ॥ अनेहावेपुरु
 षनीपीगलानाडीनेवीषे ॥ ४४१ ॥ जलतत्वचा
 लतांबीदुगलेतो ॥ अनेअस्त्रीनीपीगलानाडीने
 वीषे ॥ जलतत्वचालतांबीदुग्रहेतोतेहेनोपुत्रनी
 पजेतो ॥ ४४२ ॥ चतुरवंतदातारथाय ॥ अनेशरीरे
 दीरघवांनहोय ॥ अनेहावेपुरुषनीपीगलानाडी
 नेवीषे ॥ अस्त्रीतत्वचालतांबीदुगलेतो ॥ ४४३ ॥
 अनेअस्त्रीनीपीगलानाडीनेवीषे ॥ अस्त्रीतत्व
 चालतांबीदुग्रहेतो ॥ तेहेनोपुत्रनीपजे ॥ तेलवा
 डीमीथ्याभासण ॥ ४४४ ॥ जुठवचनकोहोय अ
 नेशरीरेगरकोछोटोनीपजेतेवृधीदीरघवांन
 थायनही ॥ अनेहावेपुरुषनीपीगलानाडीनेवी
 षे ॥ ४४५ ॥ वायुतत्वचालतांबीदुगलेतो ॥ अनेअ
 स्त्रीनीपीगलानाडीनेवीषेवायुतत्वचालतांबी
 दुग्रहेतोतेहेनोपुत्रनीपजेतो ॥ ४४६ ॥ अतीसेजे
 रावरथाय ॥ अनेशरीरेपातलोबारीकहोय ॥ अने
 हावेपुरुषनीसुषमणानाडीनेवीषेआकाशत
 त्वचालतां ॥ ४४७ ॥ बीदुगलेतो ॥ अनेअस्त्रीनीसु
 षमणानाडीनेवीषे ॥ आकाशतत्वचालतांबी
 दुग्रहेतो ॥ तेबीदूनीरफलजाय ॥ अनेजोकदाची
 कते ॥ ४४८ ॥ तेबीदूनोग्रभरहेतोपुत्रपुत्रीदोनूया

य दोनुवालकमेते अस्त्रीनीदाहेनीकुषानुवा
 लकहोय ॥ अनेपेहेसुआगंसप्रसवथायते ॥ ४४६ ॥
 संम्रतीवांननीपजे ॥ अनेजोकदाचीकनेपुत्र
 प्रसवनुसम्रतीवांनहोयतो ॥ तेअस्त्रीनादाहेनी
 कुषानुजांणवु ॥ ४५० ॥ अनेशरीरेछोटामोटीहो
 य ॥ अनेहावेपुरुषनीपीगलानाडीनेवीषे ॥ प्रथ
 वीतत्वचालतांबीदुगलेतो ॥ अनेअस्त्रीनीपी
 गलानाडीनेवीषे ॥ ४५१ ॥ जलतत्वचालतांबि
 दुग्रहेतो ॥ तेहेनोपुत्रनीपजेतेअस्त्रीवशहोयअ
 नेपुंन्यात्मादातारनीपजे ॥ अनेहावेपुरुषनीपी
 गलानाडीनेवीषे ॥ ४५२ ॥ प्रथवीतत्वचालतांबी
 दुगलेतो ॥ अनेअस्त्रीनीपीगलानाडीनेवीशे
 अगनीतत्वचालतांबीदुग्रहेतोतेहेनोपुत्रनीप
 जेते ॥ ४५३ ॥ अतीसेआलसीदालीद्रीहोय ॥ अने
 हावेपुरुषनीपीगलानाडीनेवीषेप्रथवीतत्वच
 लतांबीदुगलेतो ॥ अनेअस्त्रीनीपीगलानाडी
 नेवीषे ॥ ४५४ ॥ वायुतत्वचालतांबीदुग्रहेतो ॥ ते
 हेनोपुत्रनीपजेतोतेअतिसेपरदेशरटणकरतो
 रहे ॥ अनेहावेपुरुषनीपीगलानाडीनेवीषे ॥ ४५
 ५ ॥ प्रथवीतत्वचालतांबीदुगलेतो ॥ अनेअस्त्री
 नीनाडीनेवीषेआकाशतत्वचालतुहोयतो ते
 बीदनीरफलजायअनेजोकदाचीकने ॥ ४५६ ॥

तेबीदुनोग्रभरहेतो॥मरेलुबालकपुसवथाय
 अनेहावेपुरुषनीपीगलानाडीनेवीषे॥जलत
 त्वचालतांबीदुगलेतो॥४५७॥अनेअस्त्रीनी
 पीगलानाडीनेवीषे॥पृथवीतत्वचालतांबीदु
 ग्रहेतोतेहेनोपुत्रनीपजेतोतेहेनेवसघणाक
 अस्त्रीयोथईरहे॥४५८॥अनेअतीसेलोभीएहो
 य॥अनेहावेपुरुषनीपीगलानाडीनेवीशे॥ज
 लतत्वचालतांबीदुगलेतो॥अनेअस्त्रीनीपीग
 लानाडीनेवीषे॥४५९॥अज्ञीतत्वचालतांबी
 दुग्रहेतोतेहेनोपुत्रथायतेजभ्यानोकटकवचनी
 नीपजे॥पणअंतरसेदयावंतहोय॥अनेहावेपु
 रुषनी॥४६०॥पीगलानाडीनेवीषेजलतत्वचा
 लतांबीदुगलेतो॥अनेअस्त्रीनीपीगलानाडीने
 वीषेवायुतत्वचालतांबीदुग्रहेतोतेहेनोपुत्रनी
 पजे॥४६१॥तेनपुचकनीपजे॥अनेसभावनेस्वां
 तीवतहोय॥अनेहावेपुरुषनीपीगलानाडीनेवी
 षे॥जलतत्वचालतांबीदुगलेतो॥४६२॥अनेअ
 स्त्रीनेआकाशतत्वचालतांबीदुग्रहेतो॥तेंबीदु
 नीरफलजाय॥अनेजोकदाचीकनेतेंबीदुनोग्र
 भरहेतोदीयपुत्रनीपजे॥४६३॥तेअतीसेस्वांती
 वंतहोय॥अनेहावेपुरुषनीपीगलानाडीनेवी
 शे॥अज्ञीतत्वचालतांबीदुगलेतो॥अनेअस्त्री

नीपीगलानाडीनेवीशे ॥४६६॥ पृथ्वीतत्वचाल
 तांबीदुग्रहेतोतेहेनोपुत्रनीपजेतो ॥ तेअस्त्रीसेदा
 वादारीअन्यायोसुरखहोय ॥ अनेहावेपुरुषनी
 ४६५ ॥ पीगलानाडीनेवीषे ॥ अज्ञीतत्वचालतांबी
 दुगलेतो ॥ अनेअस्त्रीनीपीगलानाडीनेवीशे ॥
 जलतत्वचालतांबीदुग्रहेतो ॥ ४६६ ॥ तेहेनोपुत्र
 थायतेसुषेमीबुबोलेनेअंतरमेकपटीहोय ॥
 अनेहावेपुरुषनीपीगलानाडीनेवीषे ॥ अज्ञीत
 त्वचालतांबीदुगलेतो ॥ ४६७ ॥ अनेअस्त्रीनीपी
 गलानाडीनेवीषे ॥ वायुतत्वचालतांबीदुग्रहेतो
 तेहेनोपुत्रनीपजेतेग्रभपातथईजाय ॥ ४६८ ॥ अ
 नेकदाचीकतेपकवथईनेपुसवेतोथोडाकडी
 वसजीवे ॥ अनेहावेपुरुषनीपीगलानाडीनेवीषे
 अज्ञीतत्वचालतांबीदुगलेतो ॥ ४६९ ॥ अनेअ
 स्त्रीनीसुषमणानाडीनेवीषेआकाशतत्वचाल
 तुहोयतो ॥ तेबीदुनीरफलजाय ॥ अनेहावेपुरु
 षनीपीगलानाडीनेवीषे ॥ ४७० ॥ वायुतत्वचा
 लतांबीदुगलेतो ॥ अनेअस्त्रीनीपीगलानाडीने
 वीषेपृथ्वीतत्वचालतांबीदुग्रहेतोतेहेनोपुत्रनी
 पजे ॥ ४७१ ॥ तेसुद्रनेपेटहोयतोचोरनीपजे ॥ अने
 ब्राह्मणसत्रीवेशनेउद्रहोयतोकोईनोचाकरका
 सदकेवाणोतरथेईनेरहे ॥ ४७२ ॥ अनेहावेपुरु

सनीपीगलानाडीनेवीषेवायुतत्वचालतांबी
 दुगलेतो॥अनेअरुनीपीगलानाडीनेवीषेज
 लेतत्वचालतां॥४७३॥बीदुग्रहेतोतेहेनोपुत्रनी
 पजे॥तेखीलसभावनोस्वांतीवंतहोय॥पणपरदे
 शनीकमईलावीनेदीननीरगमनकरे॥४७४
 अनेहावेपुरुषनीपीगलानाडीनेवीषेवायुत
 त्वचालतांबीदुगलेतो॥अनेअरुनीपीगला
 नाडीनेवीषे॥अज्ञीतत्वचालतांबीदुग्रहेतो॥४
 ७५॥तेबीदुनीरफलजायअनेकदाचीकनेबीदु
 नोग्रभरहेतो॥तेबालकनुथोडांकवुसमेमतीयु
 थाय॥अनेहावेपुरुषनीपीगलानाडीनेवीषे
 ४७६॥वायुतत्वचालतांबीदुगलेतो॥अनेअरु
 नीसुषमणानाडीनेवीषे॥आकासतत्वचालतु
 होयतोतेबीदुनीरफलजाय॥४७७॥अनेजोकदा
 चीकनेतेहेनोग्रभरहेतो॥तेग्रभएकवीशहीन
 कीभीतरवीलसईजाय॥अनेहावेपुरुषनीसुष
 मणानाडीनेवीषे॥४७८॥आकासतत्वचालतांबी
 दुगलेतो॥अनेअरुनीपीगलानाडीनेवीषे॥प्रथ
 वीतत्वचालतांबीदुग्रहेतो॥तेबीदुनीरफलजा
 य॥४७९॥अनेकदाचीकनेतेबीदुनोग्रभरहेतो
 जुगलबालकथायतेबेहसुरषहोय॥अनेहावेपु
 रुषनीसुषमणानाडीनेवीषे॥आकाशतत्वचाल

तांबीदुगलेतो ॥४८०॥ अने अस्त्रीनीपीगलानाडी
 नेवीषे जलतत्वचालतांबीदुग्रहेतोतेबीदुपरलेजा
 य ॥ अने कदाचीकनेतेबीदुनाग्रभरहेतो ॥४८१॥
 जुगलपुत्रथायतेस्वांतीवंतमाहासभावनाहो
 य ॥ अने हावेपुरुषनीसुषमणानाडीनेवीषे आ
 काशतत्वचालतांबीदुगलेतो ॥४८२॥ अने अस्त्री
 नीपीगलानाडीनेवीषे ॥ अज्ञीतत्वचालतांबीदु
 ग्रहेतोतेबीदुनीरफलजाय ॥ अने हावेपुरुषनी
 सुषमणानाडीनेवीषे ॥४८३॥ आकाशतत्वचाल
 तांबीदुगलेतो ॥ अने अस्त्रीनीपीगलानाडीने
 विषे वायूतत्वचालतांबीदुग्रहेतो ॥ तेबीदुनीरफ
 लजाय ॥४८४॥ अने हावेपुरुषनीईगलानाडी
 नेवीषे ॥ पंचेईतत्वयेनेयेनेप्रकारेचालतांबीदु
 गलेतो ॥ अने अस्त्रीनीपणईगलानाडीनेवीषे
 ४८५ ॥ पंचेईतत्वयेनेयेनेप्रकारेचालतांबीदु
 ग्रहेतो ॥ तेहेनीपुत्रीयोनीपजे ॥ तेजेप्रकारेपीगला
 नाडीनेवीषे ॥४८६॥ पुत्रउत्पत्तनीक्रीयाकही
 तेनेतेनेप्रकारेईगलानाडीनेवीषे ॥ पुत्रीयोउत्
 पत्तथायतेहेनीयेईपणतेजप्रकारेक्रीयाहोय
 ४८७ ॥ हावेतेपुत्रपुत्रीनांसरीररक्तपीतकेसां
 मडुज्वलहोय ॥ तेहेनीतत्वभेदक्रीयाकहीयेथी
 येजे ॥ हावेजेपुत्रपुत्रीनीतुचानेवीषे ॥४८८॥ पु

सस

१५८

युवीतत्वतो विभागवीशेशहोयतो ॥ तेहेतुशरी
रकेशरीरंगेहीय ॥ अनेहावेजेपुत्रपुत्रीनीतुचा
नेवीषे ॥ जलतत्वतोवीभाग ॥ ४८९ ॥ विशेषहो
यतो तेहेतुस्वेतभुरीयुशरीरहोय ॥ अनेहावेजेपु
त्रपुत्रीनीतुचानेवीशे ॥ अज्ञीतत्वतोवीभाग
वीशेसहोयतो ॥ ४९० ॥ तेहेतुरक्तशरीरहोय ॥ अ
नेहावेजेपुत्रपुत्रीनीतुचानेवीशे ॥ वायुतत्वतो
वीभागविशेशहोयतो ॥ तेहेतुशरीरभीनेवांन
होय ॥ ४९१ ॥ तेभीनेवांनजेअतीसेसांमेईनही
अनेअतिसेगोरुवेईनही ॥ तेहेनेभीनवांनक
हीये ॥ अनेहावेजेपुत्रपुत्रीनीतुचानेवीशे ॥ ४९२ ॥
आकाशतत्वतोविभागविशेशहोयतो ॥ तेहेतु
शरीरघंनश्यांसहोय ॥ अनेहावेपुरुषतासरवस
रीरनाचतुष्टांगतो ॥ ४९३ ॥ वीशेसनुनअ
रघवीदुनेवीशेआव्योहोयतेहेतीक्रीपापूत्रने
वीषेदेवाईएछीये ॥ जेहावेप्रथंमपुरुषनाभुजांग
गतो ॥ ४९४ ॥ अरघवीदुनेवीषेवीशेषगल्योहो
यतो तेपुत्रनीपजे ॥ तेअतीसेवांहांयबलनीप
जे ॥ अनेजोकदाचीकनेमूरवारवीदुष्टांगतो
४९५ ॥ अरघवीशेशबीदुनेआव्योहोयतो ॥ ते
पुत्रअतीसेवाचालनीपजे ॥ अनेजोकदाचीक
नेहृदयेअंगतो ॥ अरघवीदुनेवीषे ॥ ४९६ ॥ विशे

१५८

शः प्राव्यो होयतो ॥ तिहेतो पुत्रथायते अती से बुधी
 वंत होय ॥ अने जो कदाची कने चरणार वीदने
 गनो ॥ अर्घवीदने वी वेवी शोशः प्राव्यो होयतो ॥ ४६
 ७ ॥ ते अती से मली नता वंतनी पजे ॥ हावे जे प्रकारे
 रीपुरुषनो अरघवी शोशनुननी क्रीया पुत्रने वी
 वेक हीते प्रकारे अस्त्रीना संगनो अरघ ॥ ४६८
 वी शोशनुननी क्रीया पुत्रीने वी वेजां एवी ॥ हावे ए
 प्रकारे बुझायकी ॥ चतुष्टवरण पण ए प्रकारे उत
 पंनथई छे ॥ ४६९ ॥ हावे ते कही ये छी ये जे बुझाना
 मुखार वीदने संगना विसे स अरघनातो बुंमण
 थया ॥ अने बुझाना हृदये संगना ॥ ५०० ॥ विशेष अ
 रघनातो वंश थया ॥ अने बुझाना भुजा संगना वी
 शिश अरघनातो क्षत्री थया ॥ अने बुझाना चरण
 ना वी शोश अरघनातो सुद्ध थया ॥ ५०१ ॥ हावे ए प्र
 कारनांत त्वक्रीयांची न संजु कपोषाईने ॥ अस्त्री
 ने काल चक्षसत्वे पुत्र पुत्रीने ॥ बाहर प्रसव क शंछे
 ५०२ ॥ हावे ते पुत्र पुत्रीने वी वे अस्त्री नीर सबी दुना
 वी भागनां पंचभूतते कुण ॥ अने श्रीरुपूत्र पुत्री
 ने वी शे ॥ पुरसनी वी दुना वी भागना पंचभूतते
 कुण ॥ ५०३ ॥ अने पुत्र पुत्रीने वी वे पुरुषनी वीदने
 संघे ॥ ती न चक्षसत्वे पुरुषनां प्राव्यां छे ते कुण ॥ अ
 ने अस्त्री नीर सबी दुने संघे अस्त्रीनां ती न चक्षस

त्व॥५०४॥ पुत्रपुत्रीनेवीशेऽप्राव्यां छेते कुण्डले
 हाविते हेमे प्रथमपुरुषकी बीदुके पंचभूतपुत्रपु
 त्रीके वीषेऽप्राये हेसो कहीये छीये ॥५०५॥ जे पुत्र
 पत्रीके वीषेऽस्त्रीभागते पुरसकी बीदुनु प्रथ
 वीतत्वजांणवु ॥ अने हावे पुत्रपुत्रीका उदूके वी
 षे जठराऽस्त्री रही छेते ॥५०६॥ पुरुषनी बीदु
 नुते जतत्वजांणवु ॥ अने हावे ते पुत्रपुत्रीना उ
 दूके विषे यो लभागविका सरहो छेते ॥ पुरुष
 नी बीदुनुऽप्राकाशतत्वजांणवु ॥५०७॥ अने
 हावे पुत्रपुत्रीने वीषे ॥ नाडीनसभागते पुरु
 षनी बीदुनु वायुतत्वजांणवु ॥ अने हावे ते ना
 डीनसने वीषे ॥ रसभागभसो रहे छेते ॥५०८॥
 पुरुषनी बीदुनु जलतत्वजांणवु ॥ एपंचभूतते
 पुरुषनी बीदुके संघे पुरुषना ॥ प्राव्यां हताते
 कहो ॥ अने हावे पुत्रपुत्रीके वीषे ॥५०९॥ अस्त्री
 नी रसबीदुना विभागना पंचभूतकही छीये ॥
 अने हावे ते पुत्रपुत्रीने वीषे संसभागते ॥ अस्त्री
 नी रसबीदुनु ॥५१०॥ प्रथवीतत्वजांणवु ॥ हाविते
 संशने वीषे रुडभाग रहो छेते ॥ अस्त्रीनी बीदुनु
 जलतत्वजांणवु ॥ अने हावे ते पुत्रपुत्रीना ॥५११॥
 सरीरउपरतुचाभाग रहो छे ॥ ते अस्त्रीनी बी
 दुनु वायुतत्वजांणवु ॥ अने हाविते तुचाते वीशे

शेमशेमेछेदूरहाछेते ॥५१२॥ जेणेकरिनेप्रसीने
 उतपनथायछे ॥ तेअस्त्रीनीबीदुनुआकारतत्व
 जाणवु ॥ हावेतेपुत्रपुत्रीनेसरवसररीरनामंश
 नेवीषे ॥५१३॥ उसतापणरुहछेते ॥ अस्त्रीनीर
 सबीदुनुअज्ञीतत्वजाणवु ॥ हावेएप्रकारेपंचप
 चभूत ॥ अस्त्रीपुरुषनांबेहनीबीदुनीसंघे ॥
 ५१४ ॥ पुत्रपुत्रीनेवीशेआव्यांछेतेनरणेकरि
 नेकहां ॥ अनेहावेतीनचक्षसत्वपुरुषनां ॥ प
 रसनीबीदुनेसंघेपुत्रपुत्रीनेवीषे ॥५१५॥ आ
 व्यांछेतेकुण ॥ अनेतीनचक्षसत्वअस्त्रिकीबी
 दुकेसंघे ॥ अस्त्रीनांपुत्रपुत्रीकेवीषेआव्यांछे
 तेकुण ॥ हावेतेकहीएछीयेजे ॥५१६॥ प्रथमबाल
 कअस्त्रीनाकुचस्थानकतेपेहेचानेछे ॥ तेअ
 स्त्रीनीबीदुनुवृगज्ञानचक्षसत्वजाणवु ॥५१७
 अनेतेकुचस्थानकेपेहेचानतांबालकनेह
 रसउपजेछे ॥ तेअस्त्रीनीरसबीदुनुअनंगच
 क्षसत्वजाणवु ॥ अनेहावेतारपीछे ॥५१८॥ बा
 लकअस्त्रीनाकुचनेग्रहणकरेछेतेपुरुषनीबी
 दुनु ॥ अनंगचक्षसत्वजाणवु ॥ अनेहावितेबा
 लककुचनु ॥५१९॥ ग्रहणकरिनेपयेनुसोसण
 करेछे ॥ तेपुरुषनीबीदुनुवृगज्ञानचक्षसत्व
 जाणवु ॥ अनेहावितेबालकेपयेनुसोषणकरिने

५२० ॥ त्रपतीयाय छे ते अस्त्रीनी बीदुनु काल
 चक्षसत्वजांणवु ॥ अने हावे तारपी छे बालक
 त्रपती थईने पयो धरने छोडी देखे ॥ ५२१ ॥ ते पुरु
 षनी बीदुनु काल चक्षसत्वजांणवु ॥ अने हा
 वे तैरपी छे बालक आनंदसंतो समेर हे छे ते
 अस्त्रीनी बीदुनु ॥ ५२२ ॥ अनंग चक्षसत्वजां
 णवु ॥ अने हावे ते बालक आनंदसंतो समेर हु
 थकु ॥ हस्त पाव हलावे छे ने चेषा करे छे ॥ ५२३ ॥
 ते पुरसनी बीदुनु अनंग चक्षसत्वजांणवु ॥ अ
 ने हावे ते बालक चेषा करतु स्वांती थईने ॥ जंषी
 जाय छे ते पुरुषनी बीदुनु ॥ ५२४ ॥ काल चक्षस
 त्वजांणवु ॥ अने हावे तारपी छे बालक ने धारण
 नी द्राथाय छे ॥ ते धारणानी इने वीशे ॥ अस्त्रीनी
 बीदुनु ॥ ५२५ ॥ काल चक्षसत्ववृततुजांणवु ॥ अ
 ने होवतारपी छे बालक जाग्रतथाय छे ॥ ते जाग्र
 तने वीषे पुरुषनी बीदुनु ॥ ५२६ ॥ वृगज्ञान चक्ष
 सत्वजांणवु ॥ अने हावे ते बालक जाग्रतथा
 पुठल ॥ सुधानी परष करे छे ॥ ते अस्त्रीनी बीदु
 नु वृगज्ञान चक्षसत्वजांणवु ॥ ५२७ ॥ अने होवे
 तारपी छे बालक ने मातुसरीनी साथे हेतुथाय
 छे ते ॥ मातुसरीनी बीदुनु अनंग चक्षसत्वजां
 णवु ॥ अने हावे तारपी छे ॥ ५२८ ॥ बालक बुधीपां

मत्तुयकु॥मातुसरीनीपेहेचांनकरेछे॥तेमातुसरी
 नीबीदुनुवुगज्ञानचक्षसत्वजांणवु॥५३०॥मातु
 सरीनी॥५३१॥साथेबालककोईकसमे॥रीसच
 छवेछेतेमातुसरीनी॥बीदुनुकालचक्षसत्वजां
 णवु॥अनेहावेतारपीछेबालकपीताने॥५३०॥
 पेहेचांनेछेतेपीतानीबीदुनु॥वुगज्ञानचक्षसत्व
 जांणवु॥अनेहावेतारपीछेबालकपीतानीसाथे
 हेतुकरेछेतेपीतानी॥५३१॥बीदुनुअनेगचक्षस
 त्वजांणवु॥अरूपीतानीसाथेबालककोईसमे॥
 रोसकरेछेतेपीतानीबीदुनीकालचक्षसत्वजां
 णवु॥५३२॥अनेहावेतारपीछेबालकपीतानीआ
 छलेईनेसरवपुरुषनीपेहेचांनकरेछे॥तेपीतानी
 बीदुनुवुगज्ञानचक्षसत्वजांणवु॥५३३॥अरुवा
 लकपीतानीआछलेईनेसरवपुरुषनीसाथेरो
 शकरेछे॥तेपीतानीबीदुनुकालचक्षसत्वजांण
 वु॥५३४॥अनेहावेपीतानीआछलेईनेबालकस
 रवपुरशनीसाथेहेतुकरेछे॥तेपीतानीबीदुनु
 अनेगचक्षसत्वजांणवु॥५३५॥अनेहावेतारपी
 छेमातुसरीनीआछलेईने॥सरवअरुनीनेपेहे
 चांनेछे॥तेमातुसरीनीबीदुनुवुगज्ञानचक्षस
 त्वजांणवु॥५३६॥अरुमातुसरीनीआछलेईने
 सरवअरुजातीसाथेहेतुकरेछे॥तेमातुसरी

नीबीदुनु अने गचक्षसत्वजाणवु ॥ ५३७ ॥ ओरु
 मातुसरी नीआद्यलेईने बालकसरवु अस्त्री
 नीसाथेरोसकरेछे ॥ तेमातुसरी नीबीदुनुका
 लचक्षसत्वजाणवु ॥ ५३८ ॥ ए प्रकारे सरवु जंगम
 जाती ॥ देवनरना गमनुषम तलोकनी आद्य
 लेईने पसुपंषी कीटपुजंत ॥ जेहेमेजे प्रकारना ॥
 ५३९ ॥ तत्ववीभागपोष्याछे ॥ तेहेमेते प्रकारनी
 क्रीयानां पुत्रपुत्रादीक फरजन ॥ उतपनथायछे
 हावेते कहीयेछीयेजे ॥ ५४० ॥ जे जंगम जातीने वी
 षे ॥ षट्भाग आकाशतत्वनापोष्याछे ॥ अने
 हावेजे जंगमने वीषे ॥ षट्भाग वायुतत्वनापोष्या
 छे ॥ ५४१ ॥ अने हावेजे जंगमने वीशे ॥ षट्भाग अ
 ज्नीतत्वनापोष्याछे ॥ अने हावेजे जंगम जातीने वी
 षे ॥ षट्भाग जलतत्वनापोष्याछे ॥ ५४२ ॥ एचतुर
 तत्वना षट् षट्भाग ॥ जे जंगम जातीने वीषेपो
 ष्याछे ॥ ते जंगम जातीनां बालकनी मातुशरीने
 पयेपांन करवानु होयनही ॥ ५४३ ॥ जे सामाटे
 तेहावे कहीयेछीयेजे ॥ जे जंगम जातीने वीषे ष
 ट्भाग आकाशतत्वना रह्याछे ॥ ते आकासत
 त्वतोनी ररखछे ॥ ५४४ ॥ तेणें करीने ते जंगम
 जातीने वीषे ॥ पये उतपन होयनही ॥ अने हावे
 जे जंगम जातीने वीषे ॥ षट्भाग वायुतत्वना रह्या

जाती

छे ॥ ५४५ ॥ ते वायु तत्त्वे ईषण नीरस्व छे ॥ तेणे करी
 ने ते जंगम जाती ने वीषे पये उतपन न होय ॥ अने
 जे जंगम जाती ने वीषे ॥ ५४६ ॥ षट्भाग अज्ञीत
 त्वना रह्या छे ॥ ते अज्ञीत त्वे ईषण नीरस्व छे ॥ ते
 ले करी ने ते जंगम जाती ने वीषे पये पांन उतपन
 न होय ॥ ५७ ॥ अने हावे जे जंगम जाती ने वीशे तो
 यत त्वना षट्भाग रह्या छे ॥ ते तो यत त्वे अती सेर
 स्वरूप छे ॥ ते माटे रस मे रस उतपन होय नही ॥ ५
 ४८ ॥ अने ओरु ते जंगम जाती नां बालक प्रसव य
 या पुठले ईषण ॥ जल रस नी भीतर जर हे छे ॥ ते मा
 टे ते जंगम जाती ने वीषे ॥ ५४९ ॥ पये पांन उतपं
 न न होय ॥ अने हावे जे जंगम जाती ने वीषे ॥ प्र
 थवीत त्वना षट्भाग पोष्या छे ॥ ते हे मे जे जंगम
 जाती ने वीशे ॥ ५५० ॥ तीत चक्षुस त्वना दश पा
 या भाग पोष्या छे ॥ ते जंगम जाती ने विषे ॥ पये पां
 न उतपंन न होय ॥ ते सामाटे जे तीत चक्षुस त्वना
 ५५१ ॥ पाया भाग पोष्या छे ते हे मे अने गचक्षु
 सत्वक मतीये करी ने ॥ ते जंगम जाती ने उर रुं
 न ॥ उतपन न होय ॥ ते माटे ते जंगम जाती ने वी
 शे ॥ ५५२ ॥ पये पांन उतपन न थाय ॥ अने हावे ए
 टला प्रकार नां जंगम जाती ने वीषे ॥ पये पांन उ
 तपंन न होय ॥ पण ते जंगम जाती ने वीषे ॥ ५५३ ॥

ते प्रकारेतीनचक्षुसत्वनीक्रीया। बालकनेवी
 शेवरतेछे॥ तेकहीवेछीये॥ हावेतेजंगमजाती
 नेबालकप्रसवथयापुठल॥ ५५४॥ तेबालक
 थोडाकदीवसमातुशरीनीसाथेहेतरावेछे
 तेअरुनीपुरुषनीबीदुनुभेलुअनेगचक्षु
 सत्वजांणवु॥ अनेहावेतेबालक॥ ५५५॥
 तेणेसमेपोतानायांनयांननी॥ प्रक्षाकरीने
 चारोकरेछे॥ तेअरुनीपुरशनीबीदुनुभेलु॥
 वृगज्ञानचक्षुसत्वजांणवु॥ ५५६॥ अनेहावे
 तारपीछेतेबालक॥ थोडाकदीवसमेमातु
 सरीनोसंघछोडीदेछे॥ तेअरुनीपुरुषनीबी
 दुनुभेलु॥ कालचक्षुसत्वजांणवु॥ ५५७॥ एप्र
 कारेतेजंगमजातीनेवीषेसुस्मभागेतीनच
 क्षुसत्व॥ वरतेछेतेजंगमतेकीटपतंगनेजल
 जातीजांणवी॥ ५५८॥ तेहेसेअणनीआद्य
 लेईने॥ एरुडहंसप्रजंतजेपरकरीनेआकाशने
 वीशेगवनकरतेसरवेईपतंगजातीजांणवी॥
 ५५९॥ अनेवुष्पारतुनीउदबीजयांणनाजी
 वनीआद्यलेईने॥ नवकुलनागप्रजंतसरवेकी
 टजातीजांणवी॥ अनेजेपातालनेवीषे॥ ५६०॥
 नागलोकदेवतनुधारणकरेछे॥ तेतोदेवलोक
 मेजांणवा॥ पणकीटपतंगनेजलजातीतेदेवन

ही ॥ ५६१ ॥ अने हावे ते जल जाती जे अणुनी आद्य
 लेईने ॥ मछ कछ मग शदी कपुजंत ॥ जे जलने वी
 षेर हे ते सरवे जल जाती जांणवी ॥ ५६२ ॥ अने
 हावे एती नपुकारनी जंगम जाती मही जे जंग
 मनी रसनाने विषेतमो गुणो ॥ विभाग वीशे
 शरहो छे ॥ ५६३ ॥ ते जंगम जाती ना सुषने वीषे
 कडक वचनने काटवा पणु उत्तपंनथाय ॥ अने
 हावे जे जंगमनी रसनाने विषे ॥ ५६४ ॥ रजो गु
 णो वीभाग वीशे शरहो छे ॥ ते जंगमनु सुष
 षांनपांने रजो गुणी होय ॥ पण काटवा पणु न हो
 य ॥ ५६५ ॥ अने हावे जे जंगमनी रसनाने वीषे
 सतो गुणो वीभाग वीशे शरहो छे ॥ ते जंगम
 जातीनु सुष षांनपांनमे स्वांती सभावनु होय
 ५६६ ॥ अने हावे जे जंगमनी रसनाने वीषे ॥ अ
 हंकार घणने तमो गुण ए बेहना विभाग वीसे स
 रहो छे ॥ ते जंगम जाती वी सुषने वीशे ॥ ५६७ ॥
 भयंकारी काटवा पणु उत्तपंनथाय ॥ ते भयंकारी
 काटवा पणु ते जे हेने काटे वीष चढेने मतीयु हो
 य ॥ ५६८ ॥ अने हावे जे जंगमनी रसनाने वीषे
 स्वकाश घणने सतो गुणा विभाग वीशे शर
 हो छे ॥ ते जंगम जाती ना सुषने वीषे ॥ ५६९ ॥
 अती सेनी रमाल स्वांती पणु होय अने ते जंग

मजाती हल्लण च लण करतो जीव नु भक्षण नां क
 रे ॥५७०॥ अने हा वेजे जंगमनी रसनाने वीषे अ
 चेत घणने तमो गुणना ॥ विभाग वी शेश रह्या छे ॥
 ते जंगमजाती ना मुषने वीषे ॥५७१॥ काटवा पण
 उत्तपन थाय ॥ पण ते हे नु काटे लु थो डी कवार वि
 ष चढी ने पाछु उत्तरी जाय ॥ अने हा वेजे जंगमनी
 रसमाने वीषे ॥५७२॥ अहंकार घणने रजो गुण
 ना वी भाग वी शेश रह्या छे ॥ ते हे ना मुषना शब्द
 नु ग्रजना पणु घणु क होय ॥५७३॥ पण ते मुषे को
 ई ने काटी सके नही ॥ ए प्रकारे एती न जंगमजा
 ती ने रसनाने वीषे गुण वर्तात करे छे ॥ ने पये पां
 न उतपन न होय ॥ हा वे ए प्रकारे सरव जंगमजा
 तीनी ॥५७४॥ रसनाने वीषे ती न घणने ती न गु
 ण ना वी भाग वरते छे ॥ पण अं न्य जंगमना मुष
 ने वीषे ॥ काटवा पणु उत्तपन न होय ॥५७५॥ अने
 हा वेजे जंगमजाती ने वीषे ॥ षट् भाग प्रथ वी तत्व
 ना रह्या छे ॥ अने ती न चक्षु सत्व ना दश दश भा
 ग जे हे मे रह्या छे ॥५७६॥ अने ओरु अरध अरध भा
 ग ॥ ती न चक्षु सत्व ना जे हे मे रह्या छे ॥ ते जंगमजा
 ती सरवने पये पां न उतपन होय ॥ अने हा वेजे जं
 गमजाती ने ॥५७७॥ पये पां न उतपन थाय ते जं
 गमजाती नां बालक ॥ पये पां न करी ने बुधी होय

अनेहावेतेजंगमजातीनांबालक ॥ प्रसवथया
 पुत्रल ॥ ५७८ ॥ तीनचक्षुसत्वनीक्रीयातो ॥ ५७९
 पांनकरानीनेमातापीतानीयेहेचांणसुधी
 आगल ॥ कहीसमजावीछे ॥ हावेतारपीछेते ॥ ५८०
 ॥ मनुषजातीजंगमनुबालक ॥ मातुसरीनुपये
 पांनछोडीदेईने ॥ अंतपांनादीकभोजन ॥ करवा
 लागुताहारेमातपीतानां ॥ ५८१ ॥ तीनतीनचक्षु
 सत्वत्यारांत्यारांवरतांतकरतांतोबालकनेवी
 शे ॥ तेहावेमातपीतानांतीनतीनचक्षुसत्वएक
 रसथईनेवरतेछे ॥ ५८२ ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे
 मातुशरीनु ॥ वृगज्ञानचक्षुसत्वतेपीतानां ॥ वृग
 ज्ञानचक्षुसत्वनेवीषेमलीगयु ॥ अनेहावेमातु
 सरीनु ॥ ५८३ ॥ अनंगचक्षुसत्वतेपीताना ॥ अने
 गचक्षुसत्वनेवीषेमलीगयु ॥ अनेहावेमातुशरी
 नुकालचक्षुसत्वतेपीतानाकालचक्षुसत्वनेवी
 षेमलीगयु ॥ ५८४ ॥ अनेहावेएप्रकारेमातुशरी
 नां ॥ तीनचक्षुसत्वपीतानांतीनचक्षुसत्वनेवी
 षेमलीजईने ॥ मुलगांतीनचक्षुसत्वथईनेवर्त
 वालागां ॥ ५८५ ॥ दोहा ॥ जंगमविषुतीनुतत्व
 के ॥ कीनेहसकलविभाव ॥ पोषेहजेहीजेतनेजी
 मे ॥ तेहीदरसायेहत्याव ॥ ५८६ ॥ अबअंतर
 वीलोकवु ॥ पलटअवस्तामम ॥ केहेंकुवेरसुए

सुधचीते ॥ तारण्यदासने क्रम ॥ ५८५ ॥ अथ अ
 वस्तापलटावुं न चक्षुसत्व विभगती दरसको
 अंगः ॥ १३ ॥ अने हावे ते ती न चक्षुसत्व ॥ पंचेई
 अवस्ताने वीषे सदायकाल ॥ जंगम जाती ना बा
 लकसे वरते छे ॥ ते कही ये छी ये जे ॥ १ ॥ हावे प्रथम
 जंगम जाती नु बालक जाग्रत अवस्ताने वीषे
 जे टलु हलण चलण करे छे ॥ ते अनंग चक्षुसत्व
 नी क्रीया जांणवी ॥ २ ॥ अने हावे ते हलण चलण
 ने वीषे कछु कारजा कारण करे छे ॥ ते बुगलां न च
 क्षुसत्व नी क्रीया जांणवी ॥ ३ ॥ तारपी छे ते जंगम
 जाती नु ॥ बालक हलण चलण करतु ॥ मंन अं
 तसकरणे सरीर मंदपां सिने ॥ नी द्रावशथई
 जाय छे ॥ ४ ॥ ते काल चक्षुसत्व नी क्रीया जांणवी
 हावे ए ती न चक्षुसत्व नी तिन प्रकारे क्रीयाते ॥
 जाग्रत अवस्ताने विषे जांणवी ॥ ५ ॥ अने हावे
 तारपी छे सुपन अवस्ताने ॥ सकुरण करे छे ते
 सुपन अवस्ताने वीषे ॥ बुगलां न चक्षुसत्व नी
 क्रीया जांणवी ॥ ६ ॥ ते सुपन अवस्तानां ॥ सकु
 रलां पदारथ देषीने ॥ मोह उपजे छे ते अनंग
 चक्षुसत्व नी क्रीया जांणवी ॥ हावे तारपी छे बु
 धी अंतसकरणे ॥ ७ ॥ संपटकरीने सुपनने
 वीलेपमाडीने नी द्रावस करे छे ॥ ते काल चक्षु

सत्वनी क्रीया जांणवी ॥ एती न चक्षु सत्वनी ती
न प्रकारे ॥ ८ ॥ सुपन अवस्ताने वीषे क्रीया जांण
वी ॥ अने हा विहार पीछे ससोपती अवस्ताने
सफुरण करेछे ॥ ते ससोपतीने वीषे ॥ ९ ॥ वृग
ज्ञान चक्षु सत्वनी क्रीया जांणवी ॥ हावे ते ससो
पतीने विषे ॥ ते वृगज्ञान चक्षु सत्व ॥ कुणपदा
रथनु सफुरण करेछे ॥ १० ॥ हावे ते कहीये छीये
जे ॥ ससोपती अवस्ताती ॥ सफुरण ताते अरध
मात्रीका सुपन ॥ दरसई दरसईने वीलाई जा
यछे ॥ ११ ॥ जे पुरु सुपन नुरुप पण बंधाय नही
ते अल्प पदारथने ससोपतीने वीशे दरसो व
छे ॥ ते वृगज्ञान चक्षु सत्व जांणवु ॥ १२ ॥ हावे ते
अल्प पदारथ दरसानो ॥ अल्प मोह उतपंन
थायछे ॥ ते ससोपतीने वीशे अनंग चक्षु सत्व
नी क्रीया जांणवी ॥ १३ ॥ अने हावे तारपीछे ते स
सोपती अवस्ताना ॥ अहंकार अंतसकरणे
संपट करीने ॥ ससोपतीने लेहे पमाडीने नीडा
वश करेछे ॥ १४ ॥ ते ससोपतीने वीशे काल
चक्षु सत्वनी क्रीया जांणवी ॥ ए ससोपती अव
स्ताने वीषे ॥ ती न प्रकारनी क्रीयाते ॥ १५ ॥ ती न
चक्षु सत्वनी जांणवी ॥ ओरु ससोपती अव
स्तानांची नपणायं मने वीषे ॥ देवाइये छीये

जेजाग्रत अवस्तानो ॥१६॥ पुणायंमतो अथ क्र
 वानचालेथे ॥ अने सुपन अवस्तानो ॥ पुणायंम
 ते अथ क्रवानचालेथे ॥ अने ससोपती अवस्ता
 नो ॥१७॥ पुणायंमते घोर करतो चाले ॥ तेलेतो
 पुणायंम ससोपती नो घोर करे ॥ अने मुकतो
 पुणायंमते सांसांन्य सुपन अवस्तानो जे सोचा
 ले ॥१८॥ ए प्रकारे ससोपती अवस्तानो पुणायं
 मचालतो जाणिये ॥ तिसा माटे जे मन बुध अंत
 स क्रण लीन पां मांछे ॥१९॥ ते ऐं करीने उरध
 भागनी नाडीयो जे ईगला ते पीगला ते चपट
 ईजायछे ॥ ते नाडीयो चपटाये करीने विकाश
 रुंधन पां मेछे ॥२०॥ उरध भागनी ते माटे लेतो
 पुणायंम घोर करेछे ॥ अने अधो भागनी नाडी
 योतो ॥ ससोपती अवस्ता में ॥ अहंकार अंत स
 क्रण जाग्रते करीने ॥२१॥ वीकाश पां मी रहोछे
 ते माटे मुकतो पुणायंम घोर नथी करतो ॥ ओरु
 कोई पुरुष एक वां सकी वंशी बनावेछे ॥२२॥ ते
 वंसीने चपटायले पासेथी फुकमारैतो वंशी
 घोर करेछे ॥ अने बीना चपटायले अवले पासे
 थी फुकमारैतो ॥२३॥ वंशी बाजेनही ॥ एदृष्टांते क
 रीने ससोपती नो पुणायंम बोलतो नैन बोल
 तो जाणवो ॥ अने हावेतुरीया अवस्ताने ॥२४॥ उ

नमुनी अवस्ताते एकीला पुणायं मदेहने वीषे ज
सफुरण होय ॥ हावे ते पुणायं मदेहने वीषे ॥ प्रथंम
तुरीया अवस्ता सफुरे ताहारे ॥ २५ ॥ ते तुरीया अव
वस्ताने वीषे तीन चक्षुसत्वती क्रीयाते कीम
जांणीये ॥ अने ते तुरीया अवस्ता तुची नते की
मजणाय ॥ २६ ॥ हावे ते कही ये छी ये जे तुरीया अव
स्ताते सकल पदारथता संकलपली नपांमीने
सांसां न्युसां तीथ इजायते ॥ २७ ॥ ताहारे तुरीया
अवस्ता जांणवी ॥ हावे ते तुरीया अवस्ता प्रथंम
सफुरण थातां ॥ दोय पुणायं मव शबरी घोर करे
छे ॥ २८ ॥ ते सामाटे जे तीन अवस्ता जे जाग्रत सु
पनने ससौपती ॥ अने मन बुधने अहंकार ॥
एतीन अंतसक्रांने तीन अवस्ता ॥ २९ ॥ एषु ह
आक्रांती वंत हातां तेली नपांसां छे ॥ तेणें करी
नेनी शायी ते सीषा पुजंत शरीर नीना डीयोचु
पटा इजाय छे ॥ ३० ॥ ते माटे लेतो पुणायं मने मुकते
पुणायं मदोय घोर करतां चाखे छे ॥ ए प्रकारे पुय
म तुरीया अवस्ताने सफुरेण करे छे ॥ ३१ ॥ ते ब्रह्म
ज्ञान चक्षुसत्व जांणवु ॥ ते सामाटे जे ब्रह्मज्ञान च
क्षुसत्वते ॥ कबंधनयंता वां न छे ॥ तेणें करीने वे
हु पुणायं म ॥ ३२ ॥ बराबरी नयंता ने कबंधी शेषे
छे ॥ ए प्रकारे तुरीया अवस्ताने वीषे ब्रह्मज्ञान चक्षु

सस.

१६२.

सत्वनीक्रीयाजांणवी। अनेहावेतारपीछेएबेहु
३३॥ प्रणायंमघोरकरताहोयतेहेमेथी। मुकतो
प्रणायंमतेसांसांन्यचालवालागे। अनेलेतोप्र
णायंमतेघोरकरतो जचाले। ३४॥ तेअनंगच
क्षसत्वनीक्रीयाजांणवी। तेसामाटेजेलेताप्र
णायंमनीतो। अनंगचक्षसत्वपीचकरेछे। ३५
तेणेकरीनेलेतोप्रणायंमघोरकरेछे। अनेहावे
मुकतेप्रणायंमेतोअनंगचक्षसत्वनपुचकत
मदथायछे। ३६॥ तेमाटेमुकतोप्रणायंमसुक्ष
मसांसांन्यचालेछे। तेसामाटेजेअनंगचक्षस
त्वतेकांमदेवतुलजांणवु। ३७॥ तेकांमदेवजांहा
सुधीबंधहोय। तांहांसुधीकांमनीसंमत्तारेहेछे
अनेकांमखलीतथईजायछे। ताहारेतेपुरुष
३८॥ जंमनपुचकवतथायछे। एप्रकारेमुकते
प्रणायंमेअनंगचक्षसत्वषलीतथायछे। तेणे
करीनेमुकतोप्रणायंम। ३९॥ सांसांन्यचालेछे
अनेहावेतारपीछेचीतअंतसकरणेसंदकरी
ने। तुरीयाअवस्तानेलेहेपमाडेनेनीद्रावसक
रीदेछे। ४०॥ तेतुरीयाअवस्तानेवीषे। कालच
क्षसत्वनीक्रीयाजांणवी। हावेतेकालचक्षसत्व
ने। तुरीयाअवस्तानाप्रणायंमनेविषे। ४१॥ ते
कीमजांणीयेजेहावेतेकहीयेछीयेजे। अनंगच

ससत्वनेवीषेलेतोपुणायंमघोरकरतोहतो ॥४२॥
 अनेमुकतोपुणायंमते ॥सांसांन्यचालतोतो
 तेहावेकालचक्षसत्वनेवीषे ॥मुकतोपुणायंम
 घोरकरतोचाले ॥४३॥ अनेलेतोपुणायंमतेसां
 सांन्यचालवालागेतेसमानेविषे ॥कालचक्ष
 सत्ववरततुजांणवू ॥तेसामाटेजेकालचक्षस
 त्वतो ॥४४॥ पुणायंमनीनास्तीकरवासारू
 पुणायंमनेबाहरवेगीनीकासीदेछे ॥अनेले
 तापुणायंमनेसुक्ष्मपीचेछे ॥४५॥ तेमाटेलेतो
 पुणायंमसांसांन्यचालेछे ॥अनेमुकतोपुण
 यंमघोरकरेछे ॥एप्रकारेतुरीयाअवस्तानेवीषे
 ४६॥ एतीनचक्षसत्वनीक्रीयाजांणवी ॥
 अनेहावेतारपीछे ॥तुरीयाअवस्तानीअंतने
 विषे ॥अनेजाग्रतअवस्तानीआद्यसमे ॥४७॥
 उंनमुनीअवस्तानेनचंतअंतसक्रणनेसफु
 रणकरेछे ॥तेवुगज्ञानचक्षसत्वजांणवु ॥तेउंन
 मुनीअवस्ताना ॥४८॥ चीनतेपुणायंमदेहने
 वीषेकीमजांणीये ॥हावितेकहीयेछीयेजे ॥जाहा
 रेउंनमुनीअवस्ताहोयताहारे ॥४९॥ बेहपुण
 यंमसंमथुईजईने ॥सांसांन्यचालवालागे ॥ते
 सांसांन्यतेकेहेवोजेजाग्रतअवस्तानेवीषे ॥५०
 पुणायंमचालतोहोयतेथकीलवमात्रेकजास्ती

सस
१६३

चालेतेसांसांन्यजांणवो॥तेसामारेसांसांन्यचा
लेछेनेघोरकरतो नथी॥५१॥हावेतेकहीएछीये
जे॥घोरनथीथतोतेनीडा नोअंतसमेथयोछे
अनेजाग्रतनीआद्यप्रवेशअईछे॥५२॥अनेन
चंतअंतसक्रणसफरुछे॥तेणेकरीनेसरवदे
हनीनाडीयोविकासपांसीगईछे॥तेमारेपुण्यायं
मघोरकरतो नथी॥५३॥अनेसांसांन्यचालेछे॥
अनेसरवसरीरतेसमेसंभवतहोय॥हावेता
रपीछेशरीरचलवलेने॥हाथपावपसरणसंकी
रणकरवालागे॥५४॥तेउनमुनीअवस्तानेवी
शेअनंगचक्षुसत्वनीक्रीयाजांणवी॥तेअनंग
चक्षुसत्वउनमुनीअवस्तानेवीषे॥५५॥हाथ
पावचलायवांतकरेछे॥तेसामारेजे॥हावेतेक
हीयेछीयेजे॥उनमुनीअवस्ताकेसाधीकसीव
योगी॥५६॥अनेएकलसंधीनीआद्यलेईते॥ते
कालनेभयकरीतेनथीडोलता॥अनेद्रव्यकरी
नेपणचलानही॥५७॥अनेसुधापीपासायेप
णडोलानथी॥अनेचौदलोकनीपदमीताअ
भीसांतमेडोलायवांतथयानुता॥अनेतेहेने
अनंगचक्षुसत्वजेकांसदेव॥५८॥तेणेकरीने
तेहेमनादेहडोलायमांतथयाछे॥तेमारेउन्मु
नीअवस्तानेवीषे॥सरीरनेचलायमांतकरेछे

५८॥ ते अनंग चक्षुसत्वजाणवु ॥ अने हावे तारपी
 छे नची त अंत सकरणे संपटकरी ने उन मुनी
 अवस्ताने ले हे पमाडी ने ॥ ६० ॥ सरीरने सुत्या का
 र करी नां खे छे ॥ ते काल चक्षुसत्वनी क्रीया जां
 णवी ॥ ते सामाटे जे तारपी छे जाग्रत अवस्ता स
 फुरे छे ॥ ६१ ॥ ते जाग्रत अवस्ताने वीशे ॥ प्रथम जाग्र
 त यतां पुरुष वा अस्त्री ॥ अंधा धुंध सुत्या कार स
 रयां उवे छे ॥ ते सामाटे जे काल चक्षुसत्वनी ॥ ६२
 क्रीया से हे वृत्त मां न उवे छे ॥ ते लोकरी ने अचेत स
 रयां उवे छे ॥ ते माटे ते समे काल चक्षुसत्वजां ण
 वु ॥ ६३ ॥ अने हावे तारपी छे पुनी वृगजां न चक्षुस
 त्व ॥ जाग्रत अवस्ताने सफुरण करे छे ॥ ताहो र अ
 धा धुंध अचेत पणु समी जई ने ॥ ६४ ॥ सरव कारी
 येनी सुधी सफुरण थाय हावे ए प्रकारे जंगमनी
 पंचेई अवस्ताने वीशे ॥ ती न चक्षुसत्व वृतांत क
 रे छे ॥ ६५ ॥ पण अके की अवस्ता के ती के ती बे र
 तोडी भोग वे छे ॥ हावे ते कही ये छी ये जे ॥ चार हजा
 र ती न से ते वीश प्रणयं म ॥ ६६ ॥ जपाय ताहो र
 एक अवस्ता पुरण थाय ॥ हावे ए ते ए ते प्रणयं म
 पंचेई मुल अवस्ता भोग वे ॥ पण ए पंच अवस्ता की
 ६७ ॥ आवंत्र के विषे दू जी पंच पंच अवस्ता ॥ अ
 के कि अके की अवस्ता के वीशे भोग वे छे ॥ ते के ती

केतीवेरभोगवेछे ॥६८॥ हावेतेकहीयेछीयेजे ॥
 आठसेनेचोसठचोसठपुणायंमजय ॥ अकेकी
 अकेकीअवस्ताभोगवे ॥६९॥ एप्रकारेपंचेइअ
 वस्ताभोगवीरहे ॥ ताहारेच्यारहजारतीनसेने
 वीशपुणायंमहोय ॥ जबीएकमुलअवस्तापुर
 णथाय ॥७०॥ एप्रकारेपंचेइअवस्ताकेसांहीआ
 रपंचपंचअवस्ताआवंत्रकेवीशेवरतेछे ॥ हावे
 तेअकेकीअवस्ताकेवीषे ॥७१॥ पंचपंचअव
 स्तावर्ततीतेकीमजाणीये ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे
 प्रयंमजाग्रतअवस्तानेवीशे ॥७२॥ वीसरजंन
 पएथायछे ॥ तेजाग्रतनाआवंत्रनेवीषेससो
 पतीअवस्ताजांणवी ॥ हावेतारपीछेजाग्रतने
 वीषे ॥७३॥ नांहांनाप्रकारनाब्रथावीचारउपजे
 छेते ॥ जाग्रतनेवीषेसुपनजांणवु ॥ हावेतारपी
 छेसरववीचारलीगयांमीने ॥७४॥ स्वांतीथइ
 जायछे ॥ अनेकोईसमे नचिंतइआवीजायछे
 तेजाग्रतनेवीषेतुरीयाजांणवी ॥ हावेतारपीछे
 जाग्रतअवस्तानी ॥७५॥ अंतसमयेअनेनीडा
 नीआयमे ॥ एबेहनीसंधीमध्येउनमुनीअव
 स्ताजांणवी ॥ तेबेहनीसंधीमध्येते ॥७६॥ उनमु
 नीअवस्तातेकुणप्रकारेजांणीये ॥ हावेतेकही
 एछीयेजेतेसमेजाग्रतनी उपाधीसंस्तनीर

वृत्तयश्चायथे ॥७७॥ अनेनीद्रायणपुरीप्रवेश
 यश्चिथी ॥ तेसमेउंनमुनीवतयश्चायथे ॥ ते
 माटेएपुकारेजाग्रतअवस्तानाउद्रनेवीषे ॥७८
 उनमुनीअवस्ताजांणवी ॥ एपंचअवस्तातेजाग्र
 तअवस्तानाउद्रनीकही ॥ अनेहावेतारपीछे
 सुपनअवस्तानेवीषे ॥७९॥ पंचेईअवस्तारही
 छेतेकहीएछीयेजे ॥ प्रथमसुपनअवस्तानेवीषे
 जाग्रतअवस्तानांद्रसमांतयवेलां ॥८०॥ पदार्
 थदरसामेआवेतेसुपनअवस्तानेवीषेजाग्र
 तजांणवु ॥ अनेमूलसुपनअवस्तातेजेपदार्
 थकीईदीन ॥८१॥ नेरणेदेषुनहोय ॥ अनेअवणे
 सुणवामेआवुनहोय ॥ अनेचीतचीतवुपण
 कोईदीनहोएनही ॥८२॥ तेहेवुअणचीतवु
 पदार्थ ॥ सुपनमेसफुरणथायते ॥ मूलसुपनअ
 वस्ताजांणवी ॥ हावेतेसुपननापदार्थके ॥८३॥
 वेहेवारमेवरततांवीररजंनपणउथश्चायते ॥
 सुपनअवस्तानेवीषे ॥ ससोपतीअवस्ताजांण
 वीअनेहावेतारपीछे ॥८४॥ सुपनअवस्तानां
 सफुरेलां ॥ पदार्थांतावीशेनीतीरवृतीथईने
 स्वांतीथश्चायथे ॥ तेसुपनअवस्तानेवीषे ॥
 ८५ ॥ तुरीयाअवस्ताजांणवी ॥ अनेहावेतारपी
 छेसुपनअवस्तानाअंतनेवीषे ॥ अनेससोप

तीनी आद्यसमे ॥ ८६ ॥ ए दोहनके मध्यभागे ॥
 उनसुंनथर्जवायछें ॥ तेनहीतो सुपन अवस्ता
 मे ॥ अनेनहीतो ससोपतीमें ॥ ते सुपन अवस्ता
 ना ॥ ८७ ॥ उद्रकी उनसुनी अवस्ता जांणवी
 एवंच अवस्ता सुपन अवस्ता सहीत ॥ सुपनके
 उद्रकी कही ॥ अते हावेतारपीछे ॥ ८८ ॥ ससो
 पती अवस्ताने वीषे ॥ पंच अवस्ता ससोपती स
 हीतरहीछे ॥ ते कण प्रकारे रहीछे ॥ हावेते कही
 एछीयेजे ॥ पथंम ससोपतीते ॥ ८९ ॥ अर्धमात्री
 का सुपनदर्शिदस्सिने विलर्जायछें ॥ जेपुरुषसु
 पनरुपवणबंधायनही ॥ अने अलपपदार
 थदरसीने विलर्जायछे ॥ ९० ॥ तेणे करीने ससो
 पती जांणीये ॥ हावेते ससोपतीने वीशे ॥ अर्ध
 मात्रीका सुपनविनाची तवंनदर्शमानथाय
 छें ॥ ९१ ॥ ते ससोपती अवस्तानु सुपनजांणवु
 अनेते अर्धमात्रीका सुपन ॥ अर्धभागथी
 स्त्रीनथर्जायछे ॥ ते सुधनीजससोपतीजांण
 वी ॥ ९२ ॥ हावेतारपीछे कोइती द्राने विषेथी ॥
 बरलाइउठेछे ॥ अनेकोइकेहेजे तुकि मबरला
 यछे ॥ ताहारते पुरुषजाग्रतथर्नैकेहेजेमेतो
 नथी बरलायो ॥ ९३ ॥ एहेवुकेहेते ससोपतीनु
 जाग्रतजांणवु ॥ हावेतारपीछे ससोपती अवस्ता

नाअरधमात्रीकासुपननो ॥६४॥अलपवी
सेजेउतपनहोय ॥तेअरधमात्रीकासुपनरहे
नेएकलाअलपविशेनीस्वांतीथईजाय ॥तेससो
पतीअवस्तानेविषे ॥६५॥तुरीयाअवस्ताजांण
वी ॥हावेतारपीछेतेअरधमात्रीकासुपनकोले
हेथईजायनेससोपतीनोअंतसमये ॥६६॥अ
नेतुरीयानीआद्यसे ॥एदोनुअवस्ताकीसंध्य
नेविषे ॥ससोपतीअवस्तानीउनमुनीजांणवी
हावेतेकीमजांणीयेजे ॥६७॥ससोपतीनीउन
मुनीएह ॥हावेतेकहीएछीयेजे ॥जाहारेससोप
तीनीउनमुनीहोय ॥ताहारेमुक्तोपुणायं
म ॥६८॥घोरकरतोबाहरनीकसे ॥अनेलेतो
पुणायंमसांसांन्यवीनाघोरपुवेसकरेतेसम
ये ॥ससोपतीनाउदनी ॥६९॥उनमुनीअव
स्ताजांणवी ॥एपंचअवस्तातेससोपतीसही
तससोपतीनाउदनीकही ॥अनेहावेतारपी
छेतुरीयाअवस्तानेविषे ॥७०॥पंचेइअवस्ता
वरततीकीमजांणीये ॥हावेतेकहीयेछीयेजे
तुरीयाअवस्तानेउनमुनीअवस्तातोपुणा
यंमदेहनेवीशेरहीछे ॥७१॥तेमाटेतेहेनांची
नपुणायंमदेहनेवीशेदेवाइएछीये ॥जेहाविप्रथ
ममूलतुरीयाअवस्तातेपुणायंमनेविषे ॥७२

दोनुप्रणयंमवशबरीघोरकरताचालवालागे
 ताहारेतेसुलतुरीयाप्रवस्ताजांणवी॥अनेहा
 वितारपीछे॥१०३॥दोयप्रणयंमसांमांनसुसम
 घोरकरवालागेते॥तुरीयानेवीषेसुपनप्रव
 स्ताजांणवी॥तेसामाटेजेसुपनप्रवस्तानेवी
 षे॥१०४॥प्रणयंमदेहनेचेतनपणुथायछे॥ते
 प्रणयंमदेहनेचेतनतायेकरीनेनाडीयोविका
 सपांमेछे॥१०५॥तेनाडीयोविकासपांम्याथकु
 प्रणयंमसंकीरणनथीपांमती॥तेणेकरीतेप्र
 णयंमसांमांनसुसमघोरकरेछे॥१०६॥तेमाटे
 तेसमयेतुरीयानेवीषेसुपनप्रवस्ताजांणवी॥
 अनेहावितारपीछे॥सुकतोप्रणयंमएकीलोघो
 रकरे॥१०७॥अनेलेतोप्रणयंमबिनाघोरनोसु
 ससमचाले॥तेसमयेतुरीयानेवीषे॥जाग्रतप्र
 वस्ताजांणवी॥तेसामाटेजेजाग्रतप्रवस्तातो
 १०८॥नाडीयोनेउरधमुखेरहीछे॥तेणेकरी
 नेउरधमुखनीनाडीयोविकाशपांमेछे॥तेमा
 टेलेतोप्रणयंमघोरनथीकरतो॥१०९॥माटेतु
 रीयानेवीषेतेसमयेजाग्रतप्रवस्ताजांणवी
 अनेहावितारपीछेलेतोप्रणयंमघोरकरेछे॥अ
 नेसुकतोप्रणयंम॥११०॥सांमांन्यचालवालागे
 तेसमयेतुरीयानेवीषेससोपतीप्रवस्ताजांण

वी। तेसामाटेजेससोपतीअवस्ताने। अहंकार
 अंतसक्रणतो ॥१११॥ नाडीयोनाअधोमुषभा
 गनेवीवेरहोछे। तेअहंकारअंतसक्रणनाडी
 योना। अधोभागनेविकाशपमाडेछे ॥११२॥ ते
 लोंकरीनेमुकतोपुणायंमघोरनथीकरतो ॥ अ
 नेलेतोपुणायंमघोरकरेछे। अनेहावेतारपीछे
 तुरीयाअवस्तानी ॥११३॥ अंतसमयेअनेसुध
 उंनमुनीकीआद्यसे। एदोतुअवस्ताकीमध्यके
 वीवे। दोतुपुणायंमस्वासवतसुसमघोरकरता
 चाले ॥११४॥ तेसमयेतुरीयानीउनमूनीअव
 स्तावरततीजांणवी ॥ एपंचेईअवस्तातुरीयास
 हीत ॥ तुरीयानाउद्रनीकही ॥११५॥ अनेहावेता
 रपीछेमुलउनमुनीअवस्तानेवीशे ॥ पंचेईअव
 स्तायोरहीछेतेकीमजांणीये ॥ हावेतेकहीयेछी
 येजे ॥११६॥ प्रथंमउनमुनीअवस्ताते ॥ बेहपुण
 यंमसंभवतसांसांन्यथइजायनेजाग्रतअवस्ता
 नासरषाचालवालागे ॥११७॥ तेप्रथंममूलउन
 मुनीअवस्ताजांणवी ॥ हावेतारपीछेएकदोपु
 णायंमसांसांन्यचाले ॥ अनेतीनकेसांहीएकले
 तोपुणायंमघोरकरीजाय ॥११८॥ अनेतारपीछे
 दोचारपुणायंम सांसांनचालीनेफेरीमुकतो
 एकपुणायंमघोरकरीजायएप्रकारपुणायंमना

११५॥ चिंनयायताहारतेसमये॥ उनमुनीनीत्
 रीयाप्रवस्ताजांणवी हावेतेतारपीछेसरवशरी
 र॥ उलटासुलटीयवालागे॥ १२०॥ जेदाहेतेयीवावे
 थाय॥ अनेवावेधीदाहेनेथाय॥ तेउनमुनीप्रवस्ता
 नेवीवे॥ ससीपतीप्रवस्ताजांणवी॥ १२१॥ अने
 हावेतारपीछेहाथयावपसरण॥ संकीरणकर
 वालागेते॥ उनमुनीनेवीवेसुपनप्रवस्ताजां
 णवी॥ १२२॥ अनेहावेतारपीछेनीद्रानीअंतस
 मये॥ अनेजाग्रतनीआयेयेआंषतोमुंदेलीहोय
 अनेसरवसरीरउपरहस्तकेरवेने॥ १२३॥ सरीर
 नेषुजालगे॥ तांहांषणतोजाय॥ तेउनमुनीनीजा
 ग्रतप्रवस्ताजांणवी॥ एपंचप्रवस्ताउनमुनीस
 हीत॥ उनमुनीनाउड्कीकही॥ १२४॥ एपंचप्रव
 स्तापंचपंचप्रकारेभोगवेछे॥ एणकियाकीयाश
 रीरनेवीशे॥ केईकेईप्रवस्ताभोगवेछे॥ हावेतेक
 हीयेछीयेजे॥ १२५॥ स्थुलदेहनेप्रथवीतत्वमंनअं
 तसक्रण॥ अनेरजोगुणअधीछानएचपुटीसं
 जुक्त॥ जाग्रतप्रवस्ताभोगवे॥ अनेहावेसुक्ष्म
 देहजलतत्व॥ १२६॥ बुधीअंतसक्रणसतोगुणअ
 धीछान॥ एचपुटीसंजुक्तसुपनप्रवस्ताभोगवे॥
 अनेहावेकारणशरीरनेअज्ञीतत्वअहंकारअं
 तसक्रण॥ १२७॥ अनेरुड्अधीछानएचपुटीसंजु

क्त ससोपती अवस्ताभोगवे ॥ अने हावे साहाका
 रण सरीर ॥ अने वायु तत्वची त अंत सक्रण ॥ १२
 ८ ॥ अने अद्या क्रत अधीष्टांत ॥ एचपुटी संजुक्त
 तुरीया अवस्ताभोगवे ॥ अने हावे परमकारण
 देहने आकाश तत्वची त अंत सक्रण ॥ १२९ ॥ अ
 ने नीरंजन अधीष्टांत ॥ एचपुटी संजुक्त उनसुनी
 अवस्ताभोगवे ॥ एयंच अवस्ता पंच सरीर मे भो
 गवे छे ॥ पण ए पंच सरीर ते ॥ १३० ॥ कण कण प्रका
 रे ॥ केते केते तत्व के कीये कीये सरीर भये हे ॥ हा
 वेते कही ए छी ये जे ॥ पृथं मस्थुल शरीर ते अहं का
 र घणनां ॥ १३१ ॥ पंच भूत जे ते हे म पृथ वी तत्व ना ष
 ट भाग ॥ अने ओर चतुर तत्व ना चतुर भाग ॥ ए द
 श भाग पंच तत्व ना लेईने ॥ १३२ ॥ ओर रजो गुण
 की दश आकंक्षा जे ॥ ते हे मेथी पंच आकंक्षाना
 ती पंच पंच भाग लेईने ॥ अने एक एक भाग ओ
 र पंच आकंक्षामेथी ॥ १३३ ॥ ते हे मे मे लीने ॥ ए षट
 षट भाग पंच प्रकारे लेईने ॥ ओर अहंकार घ
 ण की पंच मात्रा जे ॥ ते हे मेथी चतुर चतुर भाग
 १३४ ॥ रजो गुण नी आकंक्षाना षट षट भाग मे
 मे लीने ॥ ए दश दश भाग पंच प्रकारे लेईने ॥ ओ
 र पृथान रजो गुण के नव भाग लेईने ॥ १३५ ॥ ता
 मि अहंकार घण को एक भाग मे लीने ॥ ए दश भा

सस
१६८

गरजोगुणनेअहंकारघणनालेईने॥अनेपेला
दशदशभागषट्प्रकारेलीधाछे॥१३६॥तेहेमे
आदशभागभेलवीने एसीतरतत्वविभागसं
नअंतसक्रण॥संजुक्तगरजोगुणअधीष्टानसे
हेवृतमान॥१३७॥करतानीक्रीयावृत्तीयेक
शोधकोसुखदेहजाणवो॥तेहेनेवीशेअहंदेहो
अस्मीअहंतारहीछे॥अनेहावेसुसुसमदेहनी
१३८॥विगत्यकहीयेछीयेजेसुसुसमसरीरतेज
सतत्वनाषट्भागलेईने॥अनेअोरचतुरतत्व
वा॥चतुरभागतेहेमेभेलीने॥१३९॥एदशभा
गपंचतत्वनालेईने॥अोरुसतोगुणकेपंचअं
तसक्रणनेपंचअवस्ता॥एदशनातवनवभा
गलेईने॥तेहेमेएकएकभाग॥१४०॥सुकासघ
णनांपंचसंभसक्रणनेपंचविवस्ता नोभेलवीने
एदशदशभागदशप्रकारेलेईनेअोरुप्रधानस
तोगुणके॥१४१॥नवभागलेईने॥तामेएकभागसु
काशघणप्रधाननोभेलवीनेएदशवीभागसही
त॥संमरदसवीभागलेईने॥पेलांपंचभुतना॥
१४२॥दशविभागनेवीषेभेलवा॥एविसासोत
त्ववीभागबुधीअंतसक्रणसंजुक्त॥सात्वीक
अधीष्टानसेहेवृतमान॥१४३॥करतानीक्री
यावृत्तीयेकशोधकोसुसुसमदेहजाणवो॥तेहेने

वीषेऽहंजीवोऽस्मीऽहं तारहीछे ॥ हावे कारण
 सरीरकहीयेछीये ॥ १४४ ॥ जेकारणदेहतेषट्भा
 गऽगनीतत्वनालेईने ॥ अनेओरचतुरतत्वना
 चतुरभागतेहेमेमेलीने ॥ एदशभागपंचतत्वना
 लेईने ॥ १४५ ॥ अनेओरतमोगुणकेदशकालते
 हेमेथीनवनवभागलेईने ॥ तामेअचंतघणकी
 दशभावना ॥ तेहेमेथीएकएकभागमेलवीने ॥
 ४६ ॥ एदशदशभागदशप्रकारेलेईने ॥ ओरुप्र
 धानतमोगुणानवनवभागलेईने ॥ तामेएकभा
 गअचंतघणप्रधाननोवीभागमेलीने ॥ १४७ ॥
 एदशविभागसहीत ॥ संसरदशविभागलेईने
 अनेपेलांपंचतत्वनादशविभागनेवीशेमेल
 व्या ॥ एविसासोतत्ववीभाग ॥ १४८ ॥ अहंका
 रअंतसक्रणसंजुक्त ॥ अनेरुद्रअधीछानसेहे
 व्रतमान ॥ करतानीक्रीयावृत्तियेउतषनकर्यो
 युको ॥ १४९ ॥ कारणदेहजाणवो ॥ तेहेनेवीषेअ
 हंसीवोअस्मीअहं तारहीछे ॥ हावेमाहाकारण
 देहकहीयेछीयेजे ॥ १५० ॥ माहाकारणदेहतेषट्
 भागवायुतत्वनालेईने ॥ अनेओरचतुरतत्वना
 चतुरभागतेहेमेमेलीने ॥ एदशभागपंचतत्व
 नालेईने ॥ १५१ ॥ अनेओरुअव्याकृतकेचतु
 रतत्वकारणजे ॥ एकमांहंतत्वकारण ॥ अने

सस

१६६

बीजुः आनंदतत्वकारण ॥ अनेत्रीजुधनं जेतत्व
कारण ॥ १५२ ॥ अनेचोयुप्रकृतीतत्वकारण
एचारुतत्वकारणतेहेमे आनंदतत्वकारणवे
प्रकृतीतत्वकारणनानवनवभागलेईने ॥ १५
३ ॥ अनेतीनकेमांहीमांहांतत्वकारण ॥ अनेध
नं जेतत्वकारणतीएकएकवीभागमेलीने ॥ ए
दशदशभागद्वेप्रकारेलेईने ॥ १५४ ॥ पैलापंच
भूतनादशवीभागजेतेहेमेभेलव्या ॥ एत्रीशत
त्वविभागचीतअंतसकरणसंजुक्त ॥ अत्र्याक्र
तअधीष्टान ॥ १५५ ॥ सेहेवृत्तमांनकरतानीक्री
यावृतीये ॥ कसोयकोमाहाकारणदेहजांणवो
तेहेनेवीषेअहंबंलोअस्मीअहंतारहीछे ॥ १
५६ ॥ अनेहावेपरमकारणदेहकहीयेछीये जेप
रमकारणदेहतेजेषटभाग ॥ आकाशतत्वनाले
ईने ॥ अनेओरचतुरतत्वना ॥ १५७ ॥ चतुरवीभा
गतीनकेवीषेमेलीने ॥ एदशविभागपंचतत्वना
लेईने ॥ अनेओरुनीरंजनकेअष्टभागलेईने
तीनकेवीषेद्वेभाग ॥ १५८ ॥ अत्र्याक्रतनामेली
ने ॥ एदशभागलेईनेपैलापंचतत्वनादशभाग
जे ॥ तेहेनेवीशेमेलीने एवीशतत्ववीभागनची
तअंतसकरणसंजुक्त ॥ १५९ ॥ नीरंजनअधीष्टो
नसेहेवृत्तमांन करतानीक्रीयावृतीयेकरो

३३

१६६

यको परमकारणदेहजाणवो ॥ तेहेनेवीशेसर्व
 वीसरजनोअस्मी ॥ १६० ॥ अहंतारहीछे ॥ एपुका
 रेपुरुषनोपरमकारणदेहकहो ॥ अनेहावेअ
 स्त्रीनोदेहकहीएछीये ॥ हावेषटभागआका
 शतत्वनालेईने ॥ १६१ ॥ अनेओरचतुरतत्वना
 चतुरवीभाग ॥ तेहेमेभेलीनेएदशभागपंचतत्व
 नालेईने ॥ ओरुअव्याकृतनाअष्टभागलेईने
 १६२ ॥ तेहेनेविशेनीरंजननादभागमेलीने ॥ एद
 शभागपेलांपंचभूतनादशभागमेभेलवीने
 एपुकारेवीसविभागनचिंतअंतसकरणसेजु
 क्त ॥ १६३ ॥ नीरंजनअधीछानसेहेवृत्तमानकर
 तानीक्रीयावृत्तीयेकसोथको ॥ अस्त्रीनोपरम
 कारणदेहजाणवो हावेएपुकारेअव्याकृतना ॥
 १६४ ॥ अष्टभागेकरीनेतोअस्त्रीनो ॥ परमकार
 णदेहहोय ॥ अनेनीरंजनकेअष्टभागेकरीने ॥
 पुरुषनोपरमकारणदेहहोय ॥ १६५ ॥ अनेआंनु
 चतुरदेहअस्त्रीना ॥ तेतोपुरुषनेविभागेविभाग
 जहोय ॥ एएकलापरमकारणदेहनेवीषेज ॥
 १६६ ॥ अस्त्रीपुरुषनांतत्वनोकारकेर ॥ अनेहा
 वेपंचशरीरनांतत्वविभागत्यागंन्यागंछे ॥ तेहे
 नेपंचपुकारेपंचशरीरने ॥ १६७ ॥ जतमतजुयुवं
 धराषीकुणरुहछे ॥ अनेतेपंचशरीरनेवीशेपं

चप्रहंतातेकुणधरेछे।हावेतेकहीयेछीयेजे॥१
 ६८॥करतानीप्रकाशबुधवृतीनांतीनमाहात्व
 जेएकप्रवीकाशमाहात्व।अनेबीजुवीकाशमा
 हात्व।अनेत्रीजुकुंभस्तमाहात्व॥१६९॥एतीनमा
 हात्वनावीभागपंचशरीनेवीशेषोप्याताजे।ते
 हेमेप्रवीकाशमाहात्वनेवीकाशमाहात्वना
 वीभागतो॥१७०॥पंचसरीरनांजुयनेजतमत
 रापीरहाछे।अनेत्रीजुकुंभस्तमाहात्वजे।तेहेना
 वीभागपंचसरीरनीसंधीनेवीशेषोप्याताजे
 १७१।तेहेनावीभागतोपंचशरीरनेवीशेषपंच
 हंतामांतीरहाछे।अनेहावेतेपंचसरीरनांहां
 नाप्रकारनावेभवनेवीषे॥१७२॥उमंग्यांरहेछेते
 कुणउमंगावेछे।अनेकोईसमेकधुवप्रीतेदषी
 ने।उमंगभंगयांमेछेतेकुणभंगपमाडेछे।हावे
 तेकहीएछीयेजे॥१७३॥करतानीसंजमभोगवृती
 नां।तीनचक्षुसत्वजेएकवृगज्ञानचक्षुसत्व।अ
 नेबीजुअनंगचक्षुसत्व।अनेत्रीजुकालचक्षुस
 त्व॥१७४॥एतीनचक्षुसत्वनाविभागजेजंगमजा
 ती।सनुसनेपोप्याताजे।तेहेमेवृगज्ञानचक्षुस
 त्वने।अनंगचक्षुसत्वनाविभागतो॥१७५॥पंच
 शरीरनेवीषेरहीने।पंचशरीरनेउमंग्यांरषेछे
 अनेहावेतेहेनेवीषेकालचक्षुसत्वनाविभागते

पंचशरीरनाउमंगने १७६ भिंगकरतारहेछे। ए
 प्रकारनांपंचशरीरनेवीशेपंचअवस्ताभोगवेछे
 अनेहावेपंचअवस्तातेकुणकुणअस्थाने ॥१७७
 केईकेईअवस्ताभोगवेछे ॥हावेतेकहीएछीयेजेते
 अस्थानेतोजाग्रतभोगवेछेअवस्ता ॥अनेकंठ
 अस्थानेतोसुपनअवस्ताभोगवेछे ॥१७८ ॥अने
 हरदयेअस्थानेतो ॥ससोपतीअवस्ताभोगवेअ
 नेनाभीअस्थानेतो ॥तरीयाअवस्ताभोगवेअने
 हावेबंलरुडनेवीषेतो ॥१७९ ॥उनमुनीअवस्ताभो
 गवे ॥एपंचेईअवस्तापंचअस्थानेपंचपंचप्रकारे
 भोगवेछे ॥पणहावेएपंचअवस्ताउलटासुलट
 पलटायछे ॥१८० ॥तेकुणआवृणोकरिनेपलटाय
 छे ॥हावेतेकहीयेछीयेजे ॥सुखसुध्यप्रणायंमनेवी
 षे ॥पंचतत्ववाराफेरीवृतमानकरेछे ॥१८१ ॥तेतत्व
 पलटायेकरिनेअवस्तापलटायछे ॥हावेतेपंचत
 त्वतेप्रणायंमनेवीषे कुणस्वरुपेवृतमानकरेछे
 १८२ ॥हावेतेकहीयेछीयेजेपंचतत्वनेवीशे ॥पंचसु
 क्षप्रणायंममाहादप्रणायंमनाआभासतारहाछे
 तेपंचतत्वना ॥१८३ ॥पंचसुक्ष्मप्रणायंममाहादप्र
 णायंमनेवीशे वाराफेरीवृतमानकरेछे ॥हावेते
 पंचतत्वनापंचसुक्ष्मप्रणायंम ॥१८४ ॥तेकीया
 कीयाजाणीये ॥हावेतेकहीयेछीयेजे ॥पंचतत्वना

पंचसुक्ष्मप्रणयंमतेपंचप्रणवायुजांणवा
 १८५ ॥ हावेतेपंचतत्वनापंच ॥ प्रणवायुप्रण
 यंम ॥ तेहेमेकियाकीयातत्वनोकीयोकीयो
 प्रणवायुप्रणयंमजांणीये ॥ १८६ ॥ हावेतेक
 हीयेछीयेजे ॥ पंचवायुमेअपानवायुते ॥ प्रथ
 वीतत्वनोप्रणयंमजांणवो ॥ अनेपानवायु
 तेजलतत्वनो ॥ १८७ ॥ प्रणयंमजांणवो ॥ अने
 उदानवायुतेअग्नितत्वनो ॥ प्रणयंमजांणवो
 अनेवांनवायुते ॥ पवनतत्वनोप्रणयंमजां
 णवो ॥ १८८ ॥ अनेसामानवायुतेआकाशत
 त्वनोप्रणयंमजांणवो ॥ एपंचतत्वनापंचप्रण
 यंमते ॥ पंचतत्वनामुकतास्वासना ॥ १८९ ॥ प्रण
 यंमजांणवा ॥ अनेहावेपंचतत्वनालेतास्वास
 नापंचप्रणयंमतेकुण ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे
 १९० ॥ पंचतत्वनापंचलेतास्वासनाप्रणयंमते
 पंचउपसंसवायुजांणवा ॥ हावेतेपंचउपसंसवा
 युतेकीयाकीयाजे ॥ १९१ ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे
 एकनागबीजोकोरंमत्रीजोकलकल ॥ अनेचो
 योदेवदत्तनेपंचमोधनंजे ॥ एपंचवायुपंचतत्व
 नालेतास्वासना ॥ १९२ ॥ प्रणयंमजांणवा ॥ हावे
 एपंचउपसंसवायु ॥ पंचतत्वनालेतास्वासना
 प्रणयंमतेकीयाकीयातत्वनोकीयोकीयोउप

संमवायु ॥१९३॥लेतास्वासनोपुणायंमज्जाणो
हावेतेकहीयेषीयेजे ॥कोरंमउपसंमवायुतेप्रय
वीतत्वनालेतास्वासनोपुणायंमज्जाणो ॥१९४
अनेकरकलवायुतेजलतत्वनालेतास्वासनो
पुणायंमज्जाणो ॥अनेदेवदतवायुतेअज्ञीत
त्वनालेतास्वासनो ॥१९५॥पुणायंमज्जाणो
अनेनागवायुतेपवंनतत्वनालेतास्वासनो
पुणायंमज्जाणो ॥अनेधनंजेवायुतेआकाश
तत्वना ॥१९६॥लेतास्वासनोपुणायंमज्जाणो
हावेपंचतत्वनेवीषे ॥पंचजगलपुणायंमसुस
मभागेरहोथे ॥तेपंचभूतनापंचसुसम ॥१९७
पुणायंमतेमाहादपुणायंमनेवीषेवरतेथे ॥हावे
तेपंचभूतनापंचसुसम ॥पुणायंमतेमाहादपुण
यंमनेवीषे ॥१९८॥कुणप्रकारेवरतेथे ॥हावेतेक
हीयेषीयेजे ॥मुकतामाहादपुणायंमनेवीशेतो
पंचतत्वनापंचमुकतापुणायंमवरतेथे ॥१९९
अनेलेतामाहादपुणायंमनेवीषेती ॥पंचतत्व
नालेतापंचसुसम ॥पुणायंमवरतेथे ॥एप्रकारे
पंचतत्वनापंचसुसम ॥२००॥पुणायंमपंचत
त्वनाविकारसंजुक्त ॥माहादपुणायंमनेवीषेव
रतेथे ॥तेपंचतत्वनाविकारीपुणायंमनेआव
णेकरीने ॥२०१॥तेतत्वनेदेअवस्तापलटायेथे

हावेतेकीयातत्वनेऽप्रावृणेकेऽप्रवस्तापलदाय
 छे॥ हावेतेकहीयेछीयेजेप्रयंम॥२०२॥ प्रथवीतत्वने
 सुह्यमप्रणयंम॥ जाहारेमाहादप्रणयंमनेवीषे
 वरतेताहारेजाग्रतऽप्रवस्तासफुरणथाय॥२
 ०३॥ हावेतारपीछेजलतत्वनोप्रणयंमजाहारे
 माहादप्रणयंमनेविषेवरतेताहारे॥ सुपनऽप्रव
 स्तासफुरणथाय॥२०४॥ अनेहावेतारपीछेजा
 हारेऽप्रज्ञीतत्वनोप्रणयंम॥ माहादप्रणयंमने
 वीषेवरतेताहारेससोपतीऽप्रवस्तासफुरण
 थाय॥२०५॥ अनेहावेतारपीछेवायुतत्वनो
 प्रणयंमजाहारेमाहादप्रणयंमनेवीषेवरतेता
 हारेतुरीयाऽप्रवस्तासफुरणथाय॥२०६॥ अनेहा
 वेतारपीछेजाहारेऽप्राकाशतत्वनो॥ प्रणयंममा
 हादप्रणयंमनेविषेवरतेताहारे॥ उन्नमुनीऽप्र
 वस्तासफुरणथाय॥२०७॥ एपंचऽप्रवस्तातेपंचत
 त्वनाप्रणयंमनाऽप्रावृणऽप्रवेयकेकरीनेपलदा
 यछे॥ तेपंचतत्वनाप्रणयंमपंचतत्वनेवीशे॥२०
 ८॥ कुणप्रकारेरह्याछे॥ हावेतेकहीयेछीयेजे॥ जं
 मवाजंत्रनेवीषेन्यादरह्योछे॥ अनेजंमकाएया
 सांएनेवीशेऽप्रज्ञीरह्योछे॥२०९॥ अनेजंमलोहा
 रतीधमासनेवीषेपवंतरह्योछे॥ एतीनदृष्टांत
 नांसत्वकारणजेऽप्रज्ञीवायुनेशब्द॥ तेसांमांन्य

भागेजडवतरह्यांछे ॥२१०॥ पणकोईवीशेशीसत्त्व
 वांनचहीतंतमीलेछेताहारे ॥ एतीनदृष्टंतना
 सत्वनेजाग्रतकरेछे ॥ जेकाएयासांणनाअज्ञीने
 २११ ॥ अनेधमासनापवनने ॥ अनेवाजंत्रनाश
 ब्दनेएतीननेजाग्रतकरेछे ॥ तेवीशेशीचहीतंत
 वंतजाग्रतकरेछे ॥ २१२ ॥ पणआपोआपेकोईजा
 ग्रतनथीयुतां ॥ तिस्यामाटेजेसांसांनसत्त्वहूछे ॥
 तिलेकरीनेआपोआपेचेतननथाय ॥ एतीनदृष्टं
 तनेप्रकारे ॥ २१३ ॥ पंचभूतनेवीशेंपणपंचसुसुम
 प्रणायंमसांसांन्यभागेरह्यांछे ॥ अनेहावेजंमका
 एयासांणनाअज्ञीने ॥ अनेधमासनापवनने
 २१४ ॥ अनेवाजंत्रनाशब्दनेवीशेंसचहीतंत
 वांनमीलेछेताहरितेहेनेजाग्रतकरीनेमाहाद
 सत्वनेवीषेमेलवेछेतेमाहादसत्वजे ॥ २१५ ॥ मा
 हादआकाशनेमाहादपवंन ॥ अनेमाहादअ
 ज्जतेहेनेविषे ॥ एतीनसांसांन्यसत्वजेकाएयासां
 णनोअज्ञीअनेधमासनोपवंन ॥ २१६ ॥ अनेवाजं
 त्रनीशब्दतेप्रगटथयापुठलमलीजायछे ॥ तेवी
 सिससत्वचहीतनपुरुषयकीप्रगटथायछेतेमा
 हादसत्वने ॥ २१७ ॥ विषेमलीजायछे ॥ हावेएप्रकारे
 यांहांपंचभूतनेवीषे ॥ पंचसांसांन्यप्रणायंमरह्या
 छे ॥ तेहेनेकुणवीशेशसत्वचहीतंत ॥ २१८ ॥ जा

अत करीनेतेपंचभुतनासांमांनप्रणायंमने
 माहादप्रणायंमनेवीषेमेलवेष्टे॥हावेतेकही
 एष्टीयेजे॥करतानीसंजमभोगवृतीनां॥१२८
 तीनचक्षुसत्वजेएकवृगज्ञानचक्षुसत्व॥अ
 नेबीजुअनंगचक्षुसत्व॥अनेत्रीजुकालच
 क्षुसत्व॥एतीनचक्षुसत्वते॥२२०॥पंचतत्वना
 सांमांन्यप्रणायंमनेजाग्रतकरीनेमाहादप्र
 णायंमनेवीषेमेलवेष्टे॥तेकुणप्रकारेएकए
 कतत्वनाप्रणायंमने॥२२१॥जाग्रतकरीनेमा
 हादप्रणायंमनेविषेमेलवेष्टे॥अनेपाष्ठाकुण
 प्रकारेएकएकतत्वना॥प्रणायंमनेमंदकरता
 जायष्टे॥२२२॥हावेतेकहीयेष्टीयेजे॥प्रथमवृग
 ज्ञानचक्षुसत्वजाहारेप्रथवीतत्वनाप्रणायंम
 नेजाग्रतकरेष्टे॥तारपीष्टेअनंगचक्षुसत्वते
 २२३॥प्रथवीतत्वनाप्रणायंमनेलेईने॥माहाद
 प्रणायंमनेविशेमेलवेष्टे॥ताहारेजाग्रतअव
 स्तासफुरणथाय॥२२४॥हावेतेजाग्रतअवस्ता
 तेआगसेनेचोखरमाहादप्रणायंमजपतोडी
 भोगवे॥हावेतारपीष्टेकालचक्षुसत्वतेप्रथ
 वीतत्वना॥२२५॥प्रणायंमनेमाहादप्रणायंम
 नेवीषेथीविष्टेडोयाडीनेमंदकरीनांखेष्टेता
 हारेजाग्रतअवस्तालीनयांमीजायष्टे॥२२६

अनेहावेतारपीछेवृगज्ञानचक्षुसत्वजाहारे
 जलतत्वनाप्रणायंमनेजाग्रतकरेछे॥ताहारेअ
 नंगचक्षुसत्वतेजलतत्वना॥२२७॥प्रणायंमने
 लेईनेमाहादप्रणायंमनेविषेसंजमकरेछे॥
 ताहारेसुपनअवस्तासफुरणथाय॥तेसुपन
 अवस्ताते॥२२८॥आवसेनेचोखवमाहादप्र
 णायंमतोडीभोगवे॥अनेहावेतारपीछेका
 लचक्षुसत्वतेजलतत्वनाप्रणायंमने॥२२९॥
 माहादप्रणायंमथकीवीछडोपाडीनेमंदक
 रीनांखेछे॥ताहारेसुपनअवस्तालीनपांमी
 जाय॥अनेहावेतारपीछेवृगज्ञानचक्षुसत्व
 २३०॥अज्ञीतत्वनाप्रणायंमनेजाहारेजाग्र
 तकरेछे॥ताहारेअनंगचक्षुसत्वजे॥अज्ञीतत्व
 नाप्रणायंमनेलेईनेमाहाद॥२३१॥प्रणायंमने
 वीषेसंजमकरेछे॥ताहारेससोपतीअवस्ता
 सफुरणथाय॥तेससोपतीतेआवसेनेचोख
 वप्रणायंमतोडीभोगवेछे॥अनेहावेतारपी
 छेकालचक्षुसत्वतेअज्ञीतत्वना॥२३२॥प्रण
 यंमनेमाहादप्रणायंमथकीभीनपाडीनेमंद
 करीनांखेछे॥ताहारेससोपतीअवस्तालीन
 यईजाय॥अनेहावेतारपीछे॥२३३॥वृगज्ञानच
 क्षुसत्वपवंनतत्वनाप्रणायंमने॥जाहारेजाग्रत

करेछे ताहारेते। पवनतत्वनाप्रणयंमने ॥२३४॥ अनंगचक्षुसत्वलेइने ॥ माहादप्रणयंम
 नेवीषेसंजमकरेछे ताहारेतुरीयाप्रवस्तास
 फुरणथाय ॥ हावेतेतुरीयाप्रवस्ताते ॥२३५॥
 आठसेनेचोसठमाहादप्रणयंमजपतोडी
 भोगवे ॥ हावेतारपीछेकालचक्षुसत्वते। पव
 नतत्वनाप्रणयंमने ॥२३६॥ माहादप्रणयंमथ
 कीविछडोपाडीनेमंदकरीनारवेछे ॥ ताहारेतु
 रीयाप्रवस्तालीनथइजाय ॥ अनेहावेतारपी
 छेवुगज्ञानचक्षुसत्व ॥२३७॥ आकाशतत्वना
 प्रणयंमने ॥ जाहारेजाग्रतकरेछे ॥ ताहारेअन
 गचक्षुसत्वते ॥ आकाशतत्वनाप्रणयंमनेले
 इने ॥२३८॥ माहादप्रणयंमनेवीशेसंजमकरे
 छे ॥ ताहारेउनमुनीप्रवस्तासफुरणथाय ॥ हावे
 तेउनमुनीप्रवस्तातेआठसेनेचोसठ ॥२३९॥
 माहादप्रणयंमजपतोडीभोगवे ॥ हावेतारपीछे
 कालचक्षुसत्वते ॥ आकाशतत्वनाप्रणयंमने
 माहादप्रणयंमथकी ॥२४०॥ वीछडोपाडीने
 संमकरीनारवेछे ॥ ताहारेउनमुनिप्रवस्ताली
 नपांमीजाय ॥ एयुकारेपंचतत्वनासुक्ष्मप्र
 णयंमने ॥२४१॥ माहादप्रणयंमनेवीषे ॥ ती
 नचक्षुसत्ववृत्तमानकरवेछे ॥ तेएकरीनेपं

च अवस्तापलटाय छे ॥ अने जे अवस्ता ॥ २४२ ॥
 सफुरण थाय छे ॥ ते ते अवस्तानी क्रीयाय पर
 ती न चक्षुसत्व करे छे ॥ अने जे अवस्ता सफुर
 ण थाय छे ॥ ते समये ते अवस्तानी ॥ २४३ ॥ सम
 ती हीयने आंन्य अवस्तानी क्रीया विसर जंन
 थाय छे ॥ ते ही परती न चक्षुसत्वने थाय छे अ
 ने हावे जाग्रत अवस्ताने वीषे ॥ २४४ ॥ सरव अ
 वस्तानुज्ञान सफुरण थाय छे ॥ अने बावंन अ
 सरनी प्राद्य लेईने ॥ शब्द उचारण जाग्रतने
 वीषे थाय छे ॥ २४५ ॥ अने आंन्य अवस्तायोने वीषे
 आर अवस्तानुज्ञानने शब्द उचारण नथीयतुते
 कुणभेदे करीने नथीयातु ॥ २४६ ॥ अने जाग्रत अ
 वस्ताने वीषे ॥ सरव अवस्तानुज्ञान थाय छे ॥ ते
 कुण अनुकरमे करीने थाय छे ॥ हावे कहीये छी
 ये जे ॥ २४७ ॥ जाग्रत अवस्तातोने त्रहारे करीने स
 फुरण थाय छे ॥ तेने त्रहारनी नाडीयोना छे इतो
 बे अरुइने वीषे एक तार ह्या छे ॥ २४८ ॥ ते बृहत् अरु
 इने वीषे आकाश तत्वनु विशेषण रह छे अने
 वीशेश आकाश तत्वने वीषे परमकारण देहर
 हो छे ॥ २४९ ॥ अने ते परमकारण देहने उनमु
 नी अवस्ता रही छे ॥ अने ते उनमुनी अवस्ता
 ने वीषे न चंत अत सकण रह छे ॥ २५० ॥ अने ते

ते

सस

१७५

नचंतअंतसकरणेवीषे॥केवलमाहादसजांण
 करतानीअंशवरतीनोजेअंश॥तेसरवदेहस
 फुरणसाजनो॥२५१॥साक्षीअनेसर्वातीत॥अ
 नेसरवनुजीवंन॥अनेसरवनोपेरकप्रकाशी
 क॥अनेसरवनोचंतकनेसरवनोअचंत॥२
 ५२॥अनेसरवनोसव्यक्तसत्वं॥अनेसरवनी
 अव्यक्तमाहात्वं॥एहेयोअचंतअव्यक्तकेवल
 सजांणसरूपमाहाद॥२५३॥करतानीजेअंस
 तेदेहातीतदेहनेवीषेजेरहोछे॥तेप्राणसुध
 स्वरूपजेनीजजांणपणुजांणवु॥तेजांणपणुजेस
 रव॥२५४॥पदारथसंजुक्तनीजांणयनुजीवनते
 सदायकालअव्यक्तसुरतीमांन॥अनेलक्षालस
 रहीतअण्डकरसजेरहोछे॥२५५॥अनेहावे
 जेजांणपणुअवस्तापलटांयकरीते॥अवस्तानी
 संघेलीनपांमेछे॥तेजांणतोपदारथसंजुक्तनी
 लीनपांमेछे॥२५६॥हावेतेहेनुदृष्टांतकहीयेछीण
 जे॥जंमसुरीयेनुप्रतीबीबजलनेवीषेपडेछे॥ने
 तेजलउपरकछुआवणआवेछे॥२५७॥ताहारे
 तेजलसंजुक्तसुरीयेलीनपांमीजाय॥पणुनीज
 सुरीयेतोतीमनीतीमजरहेछे॥त्येमयांहांपणु
 यंमजलनेवीशे॥२५८॥नीजजांणसरूपनुप्रती
 बीबरुहछे॥अनेतीनकेउपरपंचतत्वनावीका

३६४

१७५

रसंजुक्तपुणायंमरुपीआवृणआवेछे ॥२५५॥ते
 लेकरीतेतेपुणायंमसंजुक्तजांएप्रवस्तानेवी
 षेलीनपांमेछे ॥अनेतेपुणायंमसरवपदारथसं
 जुक्करह्योछे ॥२६० ॥तेमाटेपदारथसंजुक्तजांए
 प्रवस्तापलटायेलीनपांमेछे ॥अनेतेपंचतत्व
 नापुणायंमनांआवृणतेतीनचक्षुसत्वआंएछे
 २६१ ॥अनेपाछांदरकरेछेतेहीपणतिनचक्षुस
 त्वकरेछे ॥हावेएपुकारेपदारथसंजुक्तजांएनो
 अवस्तानेवीषेलीनथायछे ॥२६२ ॥पणनीजजां
 एसरुपतेसनातंनसदायकालजंमनुजंमर
 हेछे ॥जेसर्वप्रवस्तानेवीषेएकरसअनेपंडवे
 ह्यसंडमें ॥२६३ ॥अनुसुतसरलसभेदसर्वातीत
 नेसाक्षीवंतछे ॥सोनीजजांएसस्वस्वयंआपलु
 आपोआप ॥तेनीजजांएनीजसजांए ॥२६४ ॥के
 वलकरतानोअंशजे ॥तेप्रगटप्रसीधपंडनेविषे
 हालहजुरजेरह्योछे ॥तेसुधसरुपनीजजांएके
 वलसजांएना ॥२६५ ॥अंशनोविशेशआभास
 तेउनमुनीअवस्तानुनचंतअंतसकरणजेतेहे
 नेवीषेरह्योछे ॥तेनचंतअंतसकरणो ॥२६६ ॥
 जाग्रतप्रवस्तामेंनेत्रनीनाडीयोनाछेडनेवी
 षेथईनेएकरसथायछे ॥तेउंनमुनीअवस्ताने
 नचंतअंतसकरणुएकतापांमीनेजाग्रतप्र

सस

१७६

वस्ताविशेश उजाग्रतथायथे ॥ तेवीशेश उजा
 ग्रतप्रवस्तानेवीशे ॥ तीनचक्षसत्वआवीनेते
 हीपण उजाग्रतथाय ॥ २६८ ॥ तेतीनचक्षसत्व उ
 जाग्रतथईने ॥ जाग्रतप्रवस्तानेवीशे ॥ मंनघ्नं
 तसक्रणनेसुजाग्रतकरेछे ॥ हावेतेमंनघ्नं त
 सक्रणने ॥ २६९ ॥ तीनचक्षसत्व उजाग्रतथई
 ने जाग्रतप्रवस्तानेवीषे ॥ एप्रकारेचतुष्टप्रव
 स्तार्योनुज्ञानजाणोछे ॥ २७० ॥ अनेबावंनअसुर
 संजुक्त ॥ शब्द उचारथायथे ॥ तेहीपण नीजजांण
 सरूपनेवीशे सआभासे करीने जाग्रतप्रवस्ता
 नेवीषेथायथे ॥ हावेतेशब्दतेकुणवस्तनो ॥ २७१
 अनेकुंनकेहुं कंमसेकुंनकरतहे ॥ अनेकुंनपु
 कारे करीनेथायथे ॥ हावेतेकहीयेछीयेजेजाहा
 रेनीजजांणसरूप ॥ २७२ ॥ केवलकरतानाअं
 सने ॥ शब्द उचारण करवानी ईछाथायथे ॥ ताहा
 रेतेनीजजांणसरूपतीनचक्षसत्वतेहुकंमक
 रेछे ॥ २७३ ॥ ताहारेतेतीनचक्षसत्वकरतानी
 प्रकाशवंसबुतीनांतीनमाहात्वजे एकअवी
 काशमाहात्वबीजुविकाशमाहात्व ॥ २७४ ॥ अ
 नेत्रीजुकुंभस्तमाहात्व ॥ तेहेनेसांमासांमीते
 तीनचक्षसत्वभीडवावेछे ॥ ताहारेतेहेनोशब्द
 थायथे ॥ हावेतेतीनमाहात्वते ॥ २७५ ॥ येतोपणा

३५५

१७६

यंमतेऽवीकाशमाहात्व॥ अनेमुक्तोप्रणयंम
 तेविकाशमाहात्व॥ अनेयंभनप्रणयंमतेकुंभ
 स्तमाहात्व॥ २७६॥ एतीनमाहात्वनीआक्रंती
 संजोगेकरीनेशब्थायछे॥ अनेआंन्यप्रवस्ता
 योनेवीषे॥ अनेआंन्यअंतसकरणेवीषेते॥
 २७७॥ नीजजांणसरूपतोसांसांन्यपर्सापर्सा
 भासरह्योछे॥ तेणेकरीनेअवस्तायोनेवीषेते॥
 अंधतमनीद्रावरतेछे॥ २७८॥ अनेतेअंधतम
 नीद्रायेकरीनेतेअवस्तायोनेवीषे॥ तिनचक्षु
 सत्वैर्इयणअंधपणुपांमेछे॥ तेमाटेआंन्यअवस्ता
 बुज्जानते॥ २७९॥ अवस्तायोनेवीषेनथीरेहेतु
 अनेजाग्रतअवस्तानेविषेतोउनमुनीअवस्ता
 नासजांणसरूपनाभासनोविशेशएकतारह्यो
 छे॥ २८०॥ तेणेकरीनेतेजाग्रतअवस्तानेतीनच
 क्षुसत्वविशेसउजाग्रतपणुपांमेछे॥ तेवीशेषउ
 जाग्रतनेवीशे॥ जाग्रतअवस्तानीआद्यलेईने
 २८१॥ पंचेईअवस्ताजाग्रतनाउद्रनेवीषेवरतेछे
 तेईयणजाग्रतसरषीजजणाय॥ पणतेहेनांची
 नमात्रदसीमेआवेतेणेकरीने॥ २८२॥ आंन्य
 अवस्ताजाग्रतनेवीषेजणायछे॥ एप्रकारेपंच
 अंतसकरणेपंचअवस्ताउलटासुलटीथायछे
 तेकरतानीसंजमभोगवृतीनां॥ २८३॥ तीनचक्षु

सत्वकस्यां जायते ॥ हावे एतोतीनचस्य सत्वनां
 जंगमनेवीषे अवस्ताभे दरमणानां सेहेलां एणि
 मकां ननांची नकहां ॥ २८६ ॥ दोहा ॥ तीनच
 स्य अनुकरमही ॥ कीये पसरनगती पंच ॥ जाग्र
 तसुपंनससोपती ॥ उनसुनीतुरीसकंच ॥ २८५
 अबतीनुपुनीस्थानकी ॥ रुचीतरमणअतीगा
 र ॥ प्राणगवनगतीग्यंमकुहु ॥ नारण्यदाससुण
 सार ॥ २८६ ॥ तीनचस्य सत्वके माहादमकां न
 रमणगतीनामचतुरदशो कंदप्रारंभते ॥ १४
 अनेहावे ओरुकुणकुणअस्थाने ॥ एतीनचस्य स
 त्वरमणकरेछे ॥ हावेतेकहीयेछीयेजे एकएकच
 स्यसत्व ॥ १ ॥ ओरतीनतीनअस्थाने रमणकरेछे
 तेकुणकुणअस्थानकीयाकीयाचस्यसत्वनां हा
 वेतेकहीयेछीयेजे ॥ २ ॥ देहेअस्थानतोओरसेहे
 लांनीसेहेलकरवानांतीनचस्यसत्वनांछे ॥ अ
 नेएकएकमकांनीअस्थानतेतीनचस्यसत्वने
 ३ ॥ सदायकालमकांनेरेहेवानुछे ॥ हावेसेहेलां
 नीअस्थानकहीयेछीयेजे ॥ पृथंमअनंगचस्यस
 त्वनां ॥ ४ ॥ सेहेलांनीमकांनतेतेत्रद्वारनेउपस्त
 ईडी ॥ एदोनमकांनतेअनंगचस्यसत्वनांसेहेलां
 नीजांणवां ॥ ५ ॥ अनेहावेवुगज्ञानचस्यसत्वनां
 सेहेलांनीमकांनतेहृदयेअस्थाननेक्रणदारेजे

एषां अनेहावेकालचक्षसत्वनां सेहेलांनी अ
 रुं नते एकरसना नेबीजमुष ॥ हावे एती नचक्ष
 सत्वनां देहे सेहेलांनी अरुं नकहां ॥ एहे देहे अरुं
 ने अकेकु ॥ ७ ॥ चक्षसत्वरहीने ओर सरवईडी
 योनी सेहेलकरेछे ॥ पण घणकतो एहे देहे ईडी अ
 रुं नने वीषे वरतेछे ॥ हावे एती नचक्षसत्वने ॥ ८ ॥
 सुल अरुं नी सेष्टभागे रह्यांछे ॥ तेती नसेष्टचक्ष
 सत्वभागने वीषे ॥ अं नचक्षसत्वना सुसमभा
 ग देहे मां ही मलायका ॥ ९ ॥ एक बीजाते वीषे मा
 हो मां हे रह्यांछे ॥ हावे ते कही ये छी ये जे प्रथं मवृग
 ज्ञानचक्षसत्वने वीषे एक भाग कालचक्षस
 त्वनो ॥ १० ॥ अने एक भाग अनंगचक्षसत्वनो
 एहे भाग मसरी तरह्यांछे ॥ अने हावे कालचक्ष
 सत्वने वीषे ॥ एक भाग वृगज्ञानचक्षसत्वनो
 ११ ॥ अने एक भाग अनंगचक्षसत्वनो ॥ एहे भा
 ग मसरी तरह्यांछे ॥ अने हावे अनंगचक्षसत्व
 ने वीषे ॥ एक भाग वृगज्ञानचक्षसत्वनो ॥ १२ ॥ अ
 ने एक भाग कालचक्षसत्वनो ॥ एहे भाग मसरी त
 रह्यांछे ॥ हावे एती नचक्षसत्वने वीषे अके कामे
 ओर चक्षसत्वना ॥ १३ ॥ देहे भाग रह्यांछे ते हे नां
 वुत मां नकही ये छी ये जे ॥ प्रथं म अनंगचक्षसत्व
 तेने त्रहारे वरतेछे ॥ ते अरुं नी आयु लेईने ॥ १४ ॥

सरवरूपनेनीहालेछे ॥ तेसुलप्रनंगचक्षुस
 त्वजांणवु ॥ हावेतेहेनेविषेसारप्रसाररूपनी
 पुसकरेछेतेप्रनंगचक्षुसत्वनेवीषे ॥ १५ ॥ वु
 गज्ञानचक्षुसत्वनोविभागजांणवो ॥ हावेतेहे
 नेवीषेप्रसाररूपनोदृष्टीने ॥ प्रभावउपजावे
 छेतेप्रनंगचक्षुसत्वनेवीषे ॥ १६ ॥ कालचक्षुस
 त्वनोविभागजांणवो ॥ एप्रकारेप्रनंगचक्षुस
 त्वनेविषे ॥ प्रान्त्यदेचक्षुसत्वनाविभागवरते
 छे ॥ १७ ॥ हावेवुगज्ञानचक्षुसत्वतेहृदयाप्ररु
 तनेवीषेरुहछे ॥ तेसरवरकरीयावेहेवारनाभा
 वनी ॥ विभक्तीन्यारीन्यारीदेवावेछे ॥ १८ ॥ तेसु
 लवुगज्ञानचक्षुसत्वजांणवु ॥ हावेतेहेनेवीषे
 सारभावनुग्रहणकरीनेप्रीयेमानेछे ॥ तेवुग
 ज्ञानचक्षुसत्वनेवीषे ॥ १९ ॥ प्रनंगचक्षुसत्व
 नोवीभागजांणवो ॥ प्रनेहावेतेक्रीयाभावने
 वीषे ॥ प्रसारभावनोप्रभावउपजावेछे ॥ २० ॥
 तेवुगज्ञानचक्षुसत्वनेवीषे ॥ कालचक्षुसत्वने
 विभागजांणवो ॥ एप्रकारेवुगज्ञानचक्षुसत्व
 नेवीषे ॥ २१ ॥ प्रान्त्यदेचक्षुसत्वनाविभागवरते
 छे ॥ प्रनेहावेकालचक्षुसत्वतेवदनदारप्ररु
 तनेविशेरुहछे ॥ तेसुलपुणायंमजीवंनने ॥ २२ ॥
 काटीनेशब्दउचारकरीनांखेछे ॥ तेसुलकालच

ससत्वजाणवु ॥ अनेहावेतेसब्दनेवीषेअसुरनो
 छंदबंधायछेते ॥ २३ ॥ कालचक्षसत्वनेविषे ॥ पु
 गज्ञानचक्षसत्वनोविभागजाणवो ॥ अनेतेअ
 सरनाछंदनेविषेप्रीयेणएहेतुरुहछे ॥ २४ ॥ ते
 कालचक्षसत्वनेवीषे ॥ अनंगचक्षसत्वनोवी
 भागजाणवो ॥ हावेएकएकओरसेहेलांतीअ
 स्थानतीनचक्षसत्वनुरहछे ॥ २५ ॥ तेहेनेवी
 षेपणएप्रकारेजवृत्तमांनजाणवु ॥ एतीनचक्ष
 सत्वनांअकेकानांदेहेसेहेलांतीअस्थानक
 ह्यां ॥ हावेमुलमकांती ॥ २६ ॥ अस्थानतिनचक्ष
 सत्वनांकहीयेछीयेजे ॥ मुलमकांतीअस्थानते
 करतानीपुकाशबुंलवृतीनांतिनमाहात्वजे ॥
 २७ ॥ तेहेनेविषेरह्यांछे ॥ तेतीनमाहात्वतेतीनच
 क्षसत्वनां मुलमकांतीअस्थानजाणवां ॥ हा
 वेकरतानीपुकाशबुंलवृतीनां ॥ २८ ॥ तेकुणकु
 णतीनमाहात्वअनेकीयाकीयामाहात्वनेविषे
 कीयांकीयांचक्षसत्वरह्यांछे ॥ हावेतेतीनमा
 हात्वकहीयेछीयेजे ॥ २९ ॥ एकअवीकाशमाहा
 त्व ॥ अनेबीजूवीकाशमाहात्व ॥ अनेत्रीजुकुंभं
 स्तमाहात्व ॥ एतीनुमाहात्वकरतानीपुकाशबुं
 लवृतीनांजे ॥ ३० ॥ तेहेसेअवीकाशमाहात्वते
 लेतोपुणयंमजाणवु ॥ तेहेनेविशेतोवृगज्ञान

चक्षुसत्वरुह्ये ॥ हावेतारपीछे सुकतो ॥ ३१ ॥ प्रणा
 यंमतेवीकोशमाहात्वजांणवु ॥ तेहेनेवीशेतोका
 लचक्षुसत्वरुह्ये ॥ हावेतारपीछे बहुस्वासनी
 संधीनेवीषेप्रणायंमथंभनपांमेछे ॥ ३२ ॥ तेकुंभ
 स्तमाहात्वजांणवु ॥ तेहेनेवीशेतोअनंगचक्षु
 सत्वरुह्ये ॥ हावेएतीनअस्थाननेवीषेतीनचक्षु
 सत्वरुह्ये ॥ ३३ ॥ तेहेनीक्रीयाअनुक्रमकही
 येछीये ॥ जेप्रथंमवृगजांनचक्षुसत्वते ॥ लेताप्रण
 यंमस्वासने ॥ भीतरपुशनीपुष्टीकरेछे ॥ ३४ ॥
 तेणेकरीनेप्रणायंमअतीसे ॥ बाहरवहीनथी
 जाती ॥ हावेतारपीछे अनंगचक्षुसत्वते ॥ कुंभ
 कनेवीशेपोरकप्रणायंम ॥ ३५ ॥ लेतास्वासनेम
 हीचीचकरीराषेछे ॥ तेणेकरीनेप्रणायंमनीज
 वराईरहेछे ॥ अनेशरीरनेवीषेजमावपणकरेछे
 ३६ ॥ तेअनंगचक्षुसत्वताखीचीशरआथकीक
 रेछे ॥ ताहारेसरवसरीरनेवीषेसंम्रतारहेछे ॥
 अनेहावेतारपीछेकालचक्षुसत्वजे ॥ ३७ ॥ सुकता
 प्रणायंमस्वासने ॥ बाहररचककरीनांखेछे ॥ ते
 सामाटेजेकालचक्षुसत्वछेते ॥ प्रणायंमनोकाल
 करवासारु ॥ ३८ ॥ प्रणायंमनेबाहरडलकीनां
 षेछे ॥ तेजाहारेअनंगचक्षुसत्वनेटसु नीरवल
 तापांमेछे ॥ ताहारेतेटलोप्रणायंमकालचक्षुसत्व

३५॥ बाहर वीशेश रेचक करी नां खेछे ॥ ते एके करी
 ने सररीर वेगे नास्ती पां मेछे ॥ ते माटे योगी जंन ॥ अने
 गचस्य सत्वजे कांम देव ॥ ४० ॥ ते कांम देव ते जीती
 ने जत मतराषेछे ॥ ते कांम देव ते जत मतराष्या
 थकी अने गचस्य सत्व अती से संमता पां मेछे ॥
 ४१ ॥ ते अने गचस्य सत्व नी संमता ये करीने ॥ पुण
 यंमने वीषेस कुंभक करी राषेछे ॥ ते पुणायंमने
 वीशेश कुंभके करीने ॥ ४२ ॥ सरव सररीर ईश्वर
 तापण संमती पां मेछे ॥ ते माटे योगी बुवचन ॥
 फली भूतथायछे ॥ अने घणक काल सररीर चर
 ण जीवीर हेछे ॥ ४३ ॥ ते ए प्रकारे रे हेछे ॥ ते माटे अने
 गने जीत्ये करीने ॥ योगी काल जीतेछे ॥ अने सर
 वसीधीपण प्रापती ते लें थायछे ॥ ४४ ॥ अने जाहा
 रे अने गचस्य सत्व पुणायंमने विशेष कुंभक क
 री राषेछे ॥ ताहारे बुगज्ञान चस्य सत्व ईपण वीशेश
 संमती पां मेछे ॥ ४५ ॥ अने बुगज्ञान चस्य सत्व ते स
 रव देहनी ॥ ईडीयो अंतसकरणे गुण सहीतना
 वेहेवारी क विशेषे जे ॥ जे जे ईडीयो ना जे विशेषे
 य ॥ ४६ ॥ ते ते ईडीयो ना विशेषे ईडीयो ने आपण
 पनी बुगे बुगे जण वेछे ने पोत्ये जण छे ॥ ते माटे ते बु
 गज्ञान चस्य सत्व विशेषे संमती पां म्याथकी ॥ ४
 ७ ॥ योगी जे न सरव पदारथ भावना नी गतीने अ

ग्यंमनीगंमजांणेछे॥तेमाटेतेहेनेवृगज्ञानचक्षु
 सत्वजांणवु॥४८॥अनेकालचक्षुसत्वतेसरीर
 नुजीवंतजेप्रणायंम॥तेहेनेबाहररेचककरीनां
 षीनेकालपमाडेछे॥४९॥तेमाटेतेहेनेकालच
 क्षुसत्वजांणवु॥अनेअनंगचक्षुसत्वतेजेकांम
 देव॥तेप्रणायंमनेओरुसरवशरीरनेजतमत
 करीने॥५०॥घणककालअनंगभरुराषेछे॥
 तेमाटेतेहेनेअनंगचक्षुसत्वजांणवु॥हावेएप्र
 कारेतीनचक्षुसत्वमुलअस्थाने॥५१॥क्रीयासं
 मतीकरेछेतेकही॥एप्रकारेतीनचक्षुसत्वनी
 क्रीयाथावरजंगमकीटपतंग॥पशुपक्षीनीआ
 घलेईने॥५२॥दिवनरनागमनुशजक्षुपजंतस
 रवनेवीषेजांणवी॥तेजेहेमेजेटलाजेप्रकारे
 करतानीक्रीयावृतीयेंविभागपोरव्याहोय॥
 ५३॥तेहेमेतेप्रकारेतेटलीक्रीयाहोय॥हावेएने
 एप्रकारेसरवनेवीषेतीनचक्षुसत्वअहोनी
 ससदायकालवृत्तमांनकरांजायछे॥५४॥हा
 वेएप्रकारेतीनचक्षुसत्वने॥वृत्तमांनकरतांक
 रतांघणकदीनेप्रथंमअनंगचक्षुसत्वहार
 पांमीजायछे॥५५॥ताहारेलेताप्रणायंमस्वास्
 नुकुंभकनेविषेथीषीचांणपणुष्टीजायछे॥
 तेजाहारेलेतास्वास्नुषीचांणपणुष्टीजाय

५६॥ ताहारे स्वाससीथलता थई जाय ॥ अने जाहा
 रे स्वासशीथल थई जाय ताहारे ॥ स्वासजे टलो पोर
 रकमे मांही पोषायते टलोने ते टलो ॥ ५७ ॥ पाछे वा
 हाररे चक थई जाय ॥ पण सरीरमे स्वासनो कोई
 ये ॥ संघरे नवरहे ते जाहारे शरीरने वीषे स्वासनो
 संघरे नवरहे ॥ ५८ ॥ ताहारे सरीर अतीसे शीथल
 थई जाय ॥ अने जाहारे शरीर अतीसे शीथल था
 यछे ॥ ताहारे ते शरीरे हलण चलण सुसमथाय ॥
 ५९ ॥ ये मकरतां करतां थोडे कदीन मे पाछु ॥ वृग
 ज्ञान चक्षुसत्वनाश थई जाय ॥ ते जाहारे वृगज्ञा
 न चक्षुसत्वनाश थाय ॥ ६० ॥ ताहारे काल चक्षु
 सत्वपीछे एकी लुरह्यु ॥ जाहारे काल चक्षुसत्व
 एक लुजरह्यु ॥ ताहारे प्रणयंम एक लो ॥ वाहारज
 रे चक थयां जाय ॥ ६१ ॥ पण पाछे ते स्वास उलटीने
 पीडमे पोरक नवथाय ॥ अने एक लोरे चक जथ
 यां करे छे ॥ ते सामाटे जे अगाडीसे ॥ ६२ ॥ वृगज्ञान
 चक्षुसत्वनासपां स्पुछे ॥ ताहारे प्रणयंमने पा
 छे मांही कुण पोरक करे ॥ अने आगे प्रथंम कुं
 भकने विशेषी ॥ ६३ ॥ अने गचक्षुसत्वनासपां
 स्पुछे ॥ ते गे करीने प्रणयंमने मांही कोई पीचीर
 षनारूपण नथी रह्यु ॥ एहे चक्षुसत्वनासपां म्या
 थकी ॥ ६४ ॥ एक लु काले चक्षुसत्वजे ॥ प्रणयंमने

वेगरेचककरीनांखे॥अनेतहीतरतोवृगजांच
 चक्षुसत्वते॥प्रणायंमतेमहीपोरकनीषुष्टीक
 रतुहतु॥६५॥अनेअनंगचक्षुसत्वतेप्रणायंम
 निमही॥कुंभकनेविवेषीचीराखतुहतु॥तेणे
 करीनेकालचक्षुसत्वतुबलतुतुपोचतु॥६६॥
 तेमाटेदेहीअंमररहेतोतो॥अनेहावेतोकाल
 चक्षुसत्वएकलुजरुहें॥तेप्रणायंमनो काल
 करवासारुवाहरउलकीनांखेछें॥६७॥तेसा
 माटेजेकालचक्षुसत्वतो॥एकविभागजास्ती
 हुतोआगेसे॥तेमाटेकरीनेकालचक्षुसत्वपी
 छाडीसेवृधीकरुहेंछें॥६८॥तेकालचक्षुसत्व
 नोएकवीभागवृधीकपोचतांतोडीप्रणायंम
 नेबाहरउलकीनांअनांख्यकरे अनेतारपी
 छेंतेएकविभाग॥६९॥वृधीकनोषुटीजायता
 हारकालचक्षुसत्वनोपणनाशयईजाय॥अ
 नेजाहारेकालचक्षुसत्वनोनाशथाय॥ताहारे
 प्रणायंम॥७०॥बाहररेचकयतोपणरहीजाय॥
 अनेजाहारेरेचकप्रणायंमचालतोरहीजाय
 अनेपोरकप्रणायंमनोआगेथीनाशययोछे
 ७१॥एबेहप्रणायंमस्वांतीपांसीजाय॥ताहारे
 सरीस्मृतीयुकालवसयईजाय॥तेसामाटेजे
 कालचक्षुसत्वसरवप्रणायंमनो॥७२॥नाशक

रीनेपोतेईपणनाशपांमेछे। ताहारेदेहमृत्युपांमे
 छे। हावेतेकालचक्षुसत्वसरव॥ पुणायंमनेवा
 हर॥ ७३॥ रेचककरीरहीनेपोतेनाशयुहोय
 तेकीमजांणीये। अनेपुणायंमशरीरमेथोरोक
 रहीगयोहोयने॥ कालचक्षुसत्वनासथयुहो
 य॥ ७४॥ तेकीमजांणीये। हावेतेकहीयेछीयेजे
 सरवजंगमनीआद्यलेईनेमनुसजातीनो
 देहमतीयुपांमेजाहारे॥ ७५॥ ताहारेतेमतीयु
 समे। जेमनुसनामुखारबीदउपर॥ तेजउतप
 नथायताहारेतेहेनेवीशेपुणायंमथोरोक॥ ७६॥
 सरीरमेरहोछेनेकालचक्षुसत्वनासथयुजां
 णवु। अनेजाहारेमृत्युकालसमे। जेहेनामुखार
 बीदउपरसांमतापांमीजायतो॥ ७७॥ तेहेनासर
 वसरीरनोपुणायंमनास्तीकरीने। कालचक्षुस
 त्वनासपांम्युछेजांणवु। अनेहावेदेवतनुनेवीषे
 ७८॥ जाहारेदेवपतनमृत्युपांमेछे। ताहारेतेज
 पुंजप्रकाशयईने देवतनुवीलसीजायछे। तिते
 जनापुजनेवीषंधूमरभसा॥ ७९॥ अजीकेज्वा
 लनासरषीसांमतादरसेतो॥ तेदेवतनुनास
 रवपुणायंमनेनाशकरीदेईने। कालचक्षुस
 त्वनासपांम्युछेजांणवु॥ ८०॥ अनेतेतेजनापुंज
 नेवीषेअतीसेप्रकास। इसमांनथायनेसांमता

नहोयताहारतेदेवतनुनेवीषेप्रणायंम॥८१॥
 थोरोकरहीगयोछेने॥कालचक्षुसत्वनाशय
 युजांणवु॥एप्रकारेसरवदेवमनुषनीआद्यले
 ईनेउतपतपरलेतनुयायछे॥८२॥एतोसर
 वपदारथभावनानोउतपतपरलेभेदकहो
 पणहावेकरतानीक्रताअंशवृतीनोजेअंश
 नीजजांणसरूप॥८३॥तिशरीरनोनाशयया
 पुठलअंत्येवपांहांजायछे॥अनेछतेपंडेसरी
 रनेवीषेनीजजांणसरूपकरतानोअंशतेकुं
 हांवीराजमांनुहता॥८४॥हावेतेकहीयेछीये
 जकरतानीक्रताअंशवृतीनोअंशजेनीज
 जांणसरूप॥तेछतेपींडेतोपींडबुंहांडनीसं
 धीनेवीषेरहोहता॥८५॥तेसामाटेजेजीकदाची
 कनें॥पींडनेवीषेहोयतो॥पींडमतीयुपांमेनही
 अनेबुहेअंडनेविषेहोयतो॥पींडचेतनयईनेकी
 मचालें॥८६॥तेमाटेनीजजांणसरूपकरतानो
 अंशपींडबुंहांडनीसंधीनेवीषेबीराजमांन
 रहोहता॥तेणेंकरीनेंपिंडचेतनवतहता॥८७॥
 हावेतेपींडबुंहांडनीसंधीतेकुणअस्थानेजां
 णवी॥हावेतेकहीयेछीयेजे॥पींडबुंहांडनीसं
 धीतेजाग्रतअवस्ताने॥८८॥उनमुनीअवस्ता
 नीमध्येरहीछे॥तेकीमजांणीयेजेउनमुनीअ

वस्तानेजाग्रतश्चवस्तानीमध्येसंधीछे॥हावे
 तेकहीयेछीयेजे॥८९॥उनमुनीश्चवस्तानेप
 छाभागेतो॥बुहेलंडनोएकतारहोछे॥अनेजा
 ग्रतश्चवस्तानेपछाभागेतो॥पीडनोएकतार
 होछे॥९०॥तेमाटेदोनुश्चवस्तानीमध्ये॥पीड
 बुलंडनीसंधीरहीछे॥तेपीडबुलंडनीसंधी
 नीमध्येनीजजांणसरूपकरतानोअंश॥९१
 बीराजमांनरहोहतो॥तेनीजजांणसरूपनेआ
 भासेआभासकरीने॥सरवतंतनुदेवमनुष
 नीआद्यलेईने॥९२॥लीलाविलासकरतोहतो
 तेनीजजांणसरूपनोआभासपुथंमकुणतत्तु
 नेवीषंमलीने॥सरवसरीरमेप्रवेशकरतोहतो
 ९३॥हावेतेकहीयेछीयेजेदेप्रकारनेआभासे
 करीने॥सरवतनुबीराजमांनहतो॥तेदेप्रका
 रनाआभासमेएकवीशेशआभास॥९४॥अ
 नेएकसांमांसआभास॥हावेसांमांनआभास
 तेकुणअस्थानेरहीने॥पीडनेप्रकाशतोहतो
 अनेवीशेशआभासतेकुण॥९५॥अस्थाने
 हीनेपीडनेचहीतंनराषतोहतो॥हावेतेकही
 एछीयेजेनीजजांणसरूपनो॥सांमांनआभा
 सतेप्रथमकरतानी॥९६॥प्रकाशबुलवृतीनां
 तीनमाहात्मनो॥प्रणयंमजेतेहेनेवीशेते॥सां

सस
१८३

मांन्यआभासरेहेतोहृतो॥तेनीजजांणसरूपनो
६७॥सांमांन्यआभासपुणायंमनेचहीतंनक
रीने॥करतानीसंजमभोगवृतीनां॥तीनचसस
त्वजे॥तेहेनेवीषेजातोहृतो॥६८॥तेतीनचस
सत्वनोसांमांन्यआभास॥तीनचससत्वनेच
हीतंनकरीने॥तारपीछेनीरंजनअत्माक्रतना
वीभागनेवीषेजातोहृतो॥६९॥तेनीरंजनअ
त्माक्रतनोआभास॥नीरंजनअत्माक्रतना
वीभागनेचहीतंनकरीने॥चतुष्टतत्वकारण
जे॥१००॥एकधनंजेतत्वकारण॥अनेबीजुआने
दतत्वकारण॥अनेत्रीजुप्रकृतीतत्वकारण॥अ
नेचोथुमांहांतत्वकारण॥१०१॥एचतुष्टतत्वका
रणनेवीषेजातोहृतो॥तेचतुष्टतत्वकारणनो
आभास॥चतुष्टतत्वकारणनेचहीतंनकरीने
१०२॥तारपीछेतेआभासतीनगुणनेतीनघ
णनेवीषेजातोहृतो॥तेतीनगुणनोआभास॥
तीनगुणनेचहीतंनकरीने॥१०३॥सतोगुणनो
आभासते॥पंचअंतसक्रणनेयंचअवस्ताने
वीषेजातोहृतो॥अनेरजोगुणनोआभासतेद
शआकंक्षानेवीषेजातोहृतो॥१०४॥अनेतमो
गुणनोआभासते॥दशकालनाविभागनेवीषे
जातोहृतो॥अनेहावेतीनघणनोआभासतेती

३६३

१८३

नघणने ॥१०५॥ चहीतंत करीने तारपी छे अहंका
 रघणनो आभासते ॥ पंचभुतने पंचमात्राने वी
 षे जातो हुतो ॥ अने स्वकाशघणनो ॥१०६॥ आ
 भासते पंचसंभसक्रणने पंचवीवस्ताने विषे
 जातो हुतो ॥ अने अचंतघणनो आभासते दशभा
 वनाते वीषे जातो हुतो ॥१०७॥ ए प्रकारे प्रणायमने सां
 मांत आभासे करीने अन्यो अन्य आभासपोषा
 ईने ॥ सरवशरीरनो साजसांमान्यचेतनवतरे
 हेतो हुतो ॥१०८॥ पणते प्रणायमनो सांमान्य आ
 भासते ॥ प्रणायमने वीषे सदायकाल एकरसरे
 हेतो हुतो ॥ ते जाहारे प्रणायमने विशेषसदायकाल
 १०९॥ आभास एकरसर हेतो हुतो ॥ ताहारे ते हे
 ने सांमान्य आभासते कीमजाणीये ॥ हावे ते कही
 ये छीयेजे ॥ प्रणायमने वीषे थीरता पणनथी ॥११०
 तेणे करीने अस्थीरने विशेष आभासते सांमान्य
 समान्त जहोय ॥ ते सांमाटे जे जंम अस्थीर जलने वी
 षे ॥ सुरीयेनो आभास पडे छे ॥१११॥ ते ऊलकमात्र
 जदियाय छे ॥ पणते हेने वीशें सुरतीमांन ॥ सुरीये
 नो आभास नथी दुसमांन थती ॥ ते सांमाटे नीजजा
 णसरूपनो ॥११२॥ आभास अस्थीर प्रणायमने
 वीशे पडाथकी ॥ ते आभासनु वीशे समुरतिमांन
 सरूपबंधायनही ॥ ते सांमाटे प्रणायमने विषे ॥११३॥

सस
१८४

भाससहायकासएकरसरहेपणसामान्य
भासतेहेनेकेहेवाय।अनेहावेविशेषआभास
तेउनमुनीअवस्तानेवीशेरह्योहुतो॥११४॥
तेसामाटेजेउनमुनीअवस्तानेनचंतअंतस्क्र
ण॥जांहांसुधीसफुरेछे॥तांहांसुधीतेअचलथी
रतापणेरहेछेतेणेकरीने॥११५॥नीजजांणस
रूपनोआभास॥तेहेनेवीशेवीशेशभासमां
नेयतोहुतोपणउनमुनीअवस्तातोनीउपा
धीवंतहुतीतेणेकरीने॥११६॥नीजजांणसरु
पनोआभास॥तांहांकुणवस्तुनीसफुरणताक
रे॥तेमाटेतांहांविशेशआभाससुधसरुपेरहेतो
हुतो॥११७॥हावेतेउनमुनीनोवीशेशसुध्यआ
भासतेजाहारेजाग्रतअवस्तासफुरणघाती
हुती॥ताहारेतेआभासजाग्रतअवस्तानेवी
षे॥११८॥विराजमानथातोहुतो॥तेसामाटेजे
जाग्रतअवस्तानेवीशेउनमुनीअवस्तानोए
कताथायछे॥तेणेकरीनेनीजजांणसरुपनो॥१
१९॥जाग्रतअवस्तानेवीषे॥विशेशआभासया
तोहुतो॥तेजाग्रतअवस्तानेवीशे।अनंतउपाधी
सफुरणहुती॥तेअनंतउपाधीनेदेखीने॥१२०॥
नीजजांणसरुपनोआभासनोआभास॥अ
नंतसामतीधारणकरीनेगादीपतथईनेतांहां

वीराजमानरहेतोहत्तो॥तेनीजजांणसरूपनो॥१
 २१॥आभासनोआभासजाग्रतअवस्तानेवीशे
 गादीपतथईरहतोतेकीमजांणीये॥हावैतेकही
 येछीयेजे॥राजारजकरेछे॥तेजाग्रतनेवीषे॥१
 २२॥अनेन्यायवटीन्यावचुकावेछेतेजाग्रतने
 वीषे॥अनेकोईहीरामांणकनेरतननीपुसकरे
 छे॥तेजाग्रतनेवीषे॥अनेप्राणीमात्रअनेकप्र
 कारना॥१२३॥उद्यमकरेछे॥तेजाग्रतनेवीषेअ
 नेषांनपांतादीकनीआद्यलेईने॥अनेकप्रका
 रनाविसेवीहारकरेछे॥तेहीपणजाग्रतनेविषे
 १२४॥अनेथावरजंगमचरअचरनीआद्यले
 ईनेचौदेईलोकनीयेहेचांणकरेछे॥तेहीपणजाग्र
 तनेवीषे॥अनेचारवेदचौदवीद्या॥१२५॥अने
 षटसाहास्तरनेव्याकरणे॥अगारेपुराणचवां
 तेहीपणजाग्रतनेवीषे॥अनेमंत्रयंत्रविद्याअवी
 द्या॥१२६॥अनेकप्रकारनीपढेछेतेहीपणजाग्रत
 नेवीषे॥अनेतीनप्रकारकीसमाधीनीआद्यले
 ईने॥अष्टांगजोगनेसीधीसाधेछे॥१२७॥तेहीप
 णजाग्रतनेवीषे॥अनेनवधानकीनीआद्यले
 ईने॥ज्ञानवीज्ञाननेपंचप्रकारनोवैरागकरेछे
 तेहीजाग्रतनेवीषे॥१२८॥अनेकोईपुरुषनरप
 तीडीगवजेकरेनेप्रथवीजीतेछेतेजाग्रतनेवी

वां

सस
१८५

ये अने कोई ग्याता पुरुष जड चहीत ननी आद्य
लेईने ॥१२९॥ सार असार नो वीवेक करेछे ॥ ते
जाग्रतने वीषे ॥ अने विष्णु येचो विश अवतार धा
रण करीने धर मस्थापन कराते जाग्रतने वि
षे ॥१३०॥ ए प्रकारे अनंत ब्रह्मांडने वीषे ॥ अनंत
खीला विपुधरीने अद्वैताद्वैतर मण करेछे ते जा
ग्रतने वीषे ॥ अने हावे सीधी त्रेवी सजे ॥१३१॥
अणीमा ॥ महीमा गीरीमा ॥ लघुमाने ईसत्वा ॥ व
सित्वा प्राप्ती ॥ प्रकाशी कनी आद्य लेईने साधन
करेते ही पण जाग्रतने वीषे याय ॥१३२॥ अने सं
मदं मउपतीती ॥ तीती ह्यणा सरधाने समाधान
एषटसंपतीनी आद्य लेईने ॥ सरव सीधांतनां
सत्त्वने ग्रहण करेते जाग्रतने विषे ॥१३३॥ अने हा
वे सप्तभोमी कानो लक्ष कहिये छीयेजे ॥ एक सु
भईछा ॥ बीजी सुवी चारणा अने त्रीजी तनुमान
सा ॥ अने चौथी सत्वापती ॥१३४॥ अने पंचमी अ
संमशक्तीनां मीका अने षट्मी पदारथ भावनी
ओरुसप्तमी तत एतुरी ब्रह्मसंघितंग ॥ एस सप्तभो
मीका ॥१३५॥ ते हे मेपुथं म सुभईछाते ॥ सो सुभईछा
के लीये गुरुके सरण जायके ॥ सर्व नमनं नक
रे ॥ ते ही पण जाग्रतने विषे होय ॥१३६॥ अने हा
वे त्रीतीये तनुमान साते नीत्यानी सवीवेक क

रवो ॥ तेईपण जाग्रतने वीषे होय ॥ ओरुतारपीछे
 दुसरी सुविचारणाते ॥ १३७ ॥ नीजअध्यासनीरु
 पणने सुक्षमवस्तुगृहण करेने स्थूलनोअभा
 व ॥ तेहीपण जाग्रतने वीषेरहीने होय ॥ एतीनभो
 मीकातोडीतो जकसाचोभासे ॥ १३८ ॥ तेहीपण
 जाग्रतने विषेरहीनेभासे ॥ अनेहावेताउघांत
 चौथी ॥ सत्वापतीभोमीकाजेआतमप्रतीतिदृ
 षनेजकसुपनतुलभासे ॥ १३९ ॥ तेहीपण जाग्र
 तने वीषेभासे ॥ ओरुतीनकुबुंलवीतकहीये ॥
 हावेपंचमीभोमीकाजे ॥ असंमसकीतांमीका
 तेक्षेणसमाधीवत ॥ १४० ॥ अनेक्षेणस्वीकास
 दृष्टी ॥ पणतेस्विकाशदृष्टीने वीषेकछुआसक
 नवहोय ॥ तेहीपण जाग्रतने वीषेचीनजणाय ॥
 १४१ ॥ ओरुतीनकुबुंलवीतवरकहीए ॥ हावेछ
 वीभोमीकाजेपदारथभावना ॥ तेसदायकारस
 माधीवतरहे ॥ अनेकोईउत्पमममोसु ॥ १४२ ॥
 मीलेनेबोलेतोसेहेजसभावे ॥ लक्षारथबोलीजा
 य ॥ पणआपेआपबोलानीईछानांही ॥ तेहेनोय
 पणअनुभवजाग्रतने वीषेजणाय ॥ १४३ ॥ तेहेने
 बुंलवीतवरीयांनकहीये ॥ अनेहावेससमीतत
 एतुरीबुंलसंधितंभोमीकाजे ॥ तेसदायकालउन
 सुंतयलविदं ॥ १४४ ॥ अयंममेतिबुंलएकरसरहे

तेहेनेआपोआपबोलानीपणआशक्तीनही॥
 अनेकोईमोसुपतेपणबोलेनही॥१४५॥तेही
 पणजाग्रतनाउजाग्रतनेवीषेरहीनेनीरवृत्तपं
 मेछे॥हावेएसप्तभोमीकातेकुणकुणसरीरने
 कीयाकीयातत्वनेविषे॥१४६॥अनेकेईअवस्ता
 नेकुणअधीष्टानसेहेवृत्तमांनकीयुअंतसक्र
 णधारणकरीरहेछे॥हावेतेकहीयेछीयेजे॥१४
 ७॥प्रथमसुभईछाभोमीकातेस्थुलशरीरनेप्रथ
 वीतत्वनेजाग्रतअवस्ता॥अनेवीधीअधीष्टा
 नसेहेवृत्तमांन॥१४८॥मंनअंतसक्रणधारणक
 रीरहेछे॥तेसामाटेजेप्रथमसुभईछातेमंनथकी
 जउपजेछे॥अनेतेहेनासुभकर्मतेपणथुलसरी
 रथायछे॥१४९॥तेमाटेतेहेनेवीषेसुभईछाभो
 मीकाजाणवी॥अनेहावेदुसरीसुवीचारणाभो
 मीकाते॥जेसुक्ष्मसरीरनेजलतत्व॥१५०॥अने
 सुपनअवस्ताअनेविषुअधीष्टानसेहेवृत्तमांन
 बुधीअंतसक्रणधारणकरीरहेछे॥तेसामाटेजे
 सुविचारतेबुधीवंतने॥१५१॥बुधीयेकरीतेउपजे
 छे॥अनेसुवीचारनांसुक्ष्मक्रमतेपण॥सुक्ष्म
 सरीरहेय॥तेमाटेतेहेनेवीषेसुवीचारणाभो
 मीकाजाणवी॥१५२॥अनेहावेतनुमांनसामे
 मकातेजेकारणसरीरनेअज्ञीतत्व॥अनेसबो

पती अवस्ता ॥ अने रुड अधिष्टान से हेवुत मान
 १५३ ॥ अहंकार अंत सक्रण धारण करी रहेछे ॥
 तेसामाटे जेतनु नीमांनी नताते ॥ अहंकार अंत
 सक्रण ने ज उपजेछे ॥ १५४ ॥ अने थूल सुक्ष्म स
 रीरने तोली रहछे ॥ तेपण कारण शरीर तोली र
 हुछे ॥ तेमाटे तेहे नैवीषे तनु मान सी भोमी कारही
 छे ॥ १५५ ॥ अने हावे चतुरथी सत्वापती भोमी
 काते जे माहाकारण सरीरने वायु तत्व ॥ अने तु
 रीया अवस्ता ओरु अमा क्रत अधिष्टान ॥ १५६ ॥
 से हेवुत मान चित अंत सक्रण धारण करी रह
 छे ॥ तेसामाटे जे सर्वसाहास्रना सीधांतनु स
 त्वजे ॥ तेहेनु चीते करी नैची तवं नथाय छे ॥ १५७ ॥
 अने थूल सुक्ष्म कारण एती नशरीरना ॥ सत्व
 नुपती पणुते ही पण ॥ माहाकारण सरीरने वीषे
 रहछे ॥ अने हावे पंचमी ॥ १५८ ॥ असंमसक्तीनां
 मीका भोमी काते ॥ जे परमकारण सरीरने आ
 कासतत्व ॥ ओरु उनमुनी अवस्ता ॥ अने नीरंज
 न अधिष्टान से हेवुत मान ॥ १५९ ॥ नचंत अंत स
 क्रण धारण करी रहछे ॥ तेसामाटे जे नचंत अंत
 सक्रण ने वीषे नचंतै रही छे ॥ तेनचंत अंत सक्र
 ण करीने ॥ १६० ॥ जे असंमसक्तीनां मीका केहेता
 जे संमसक्ती ॥ ते संमसक्ती ते जे नचंत अंत सक्र

लोकरिनेरहेछे ॥ अने ओरुअसंसपएतेजेसां
 मांत्यपए ॥ १६१ ॥ तेहीपएपरमकारणसरिर
 नेवीषेरुहछे ॥ तेमाटेतेहेनेविशेअसंससकी
 नांमीकाभोमीकाकहीए ॥ अनेहावेषुएमीप
 दारथभावनीभोमीकाते ॥ १६२ ॥ जेसुधअहं
 गसरिरने ॥ ओहंगकारणवतत्वनेओरुअ
 व्यक्तमाहादसांतुभावअवस्ता ॥ अनेबुंअ
 धीएांनसहेवृतमांत ॥ १६३ ॥ चीदाभासअंत
 सक्रणधारणकरिरेहेछे ॥ अनेचीदाभास
 अंतसक्रणकेहेतांते ॥ चीदनुआभासजाण
 वुतेचीदनाआभासनु ॥ १६४ ॥ अंततेचीद
 जकहीये ॥ अनेतेंचीदअंतनुकीरणतेजची
 दाभासजेऊंकारणवनेविषेभासमांतआ
 व्यथकु ॥ १६५ ॥ तेहेनेचीदाभासअंतसक्रण
 कहीये ॥ अनेहावेषुदारथभावनीभोमीकाके
 हेतां ॥ जेअंतपदनोअरथ ॥ तेअंतपदनोअरथ
 केहेतां ॥ १६६ ॥ जेपदाअरथतेजपदारथभावनी
 अनेअंतपदअरथनीभावनातेसुधअहंग
 शरीरनेवीषेरहीछे ॥ तेमाटेतेहेनेपदारथभा
 वनीभोमकाकहीये ॥ १६७ ॥ अनेहावेसप्तमी
 ततएतुरीबुंअसंधीतंभोमकाते ॥ जेस्वमेवहं
 ससरिरनेसोहंगपणवतत्व ॥ ओरुसेहेजसु

न्युप्रवस्ता ॥ १६८ ॥ अने केवल अधीष्टान से हे वृ
 तमान ॥ चीद अंत सक्रण धारण करी रे हे छे ॥ ची
 द अंत सक्रण तेजे चीदनु अंत ते केवल पद ॥ १
 ६९ ॥ ते केवल नु किरण भासते ॥ व्यापक चीद वं
 सजांणवु ॥ ते चिदना अंत नु कीरण ते माटे ते हे
 ने चीद अंत सक्रण कहीये ॥ १७० ॥ अने व्यापक
 चीद वं सजांणवु ते हे जमाने नीनता ते ही प
 ण ॥ स्वमेव हं ससरीरने वीषे रही छे ॥ अने ओरु
 तत एतुरी वं ससंधी तं नामते ॥ १७१ ॥ जे सखशरी
 रनी त्रवती रजांणवी ॥ ते सरीरनी त्रवती रे रही
 ने ॥ स्वमेव हं ससरीरने सोहं गणवतत्व ॥ अने
 ओरु से हे जसुं न्यप्रवस्ता ॥ १७२ ॥ एतीनु नो व्या
 पक चीद वं अने वीषे ॥ संघसीलीने सदायका
 ल एक तार हे छे ॥ ते माटे ते हे ने तत एतुरी वं ससं
 धीतं ॥ १७३ ॥ भोमीका कहीए ॥ अने ओरु तापी
 छे चीद अंत सक्रण जे तत एतुरी वं ससंधी
 तं भोमकानां सत्वने पोताना सरूपने वीषे
 १७४ ॥ संमरस करीने संमदं मराषे छे ॥ ते मा
 टे चीद अंत सक्रण तत एतुरी वं ससंधीतं
 भोमीकानु धारण करी रे हे नारुजांणीए ॥ १
 ७५ ॥ हावे ए सप्त भोमका एक शरीरने वीशे क
 हीते जे नीज केवल करतानी अंस जे सजांण

सरूप तेहेनेवीराजमांतथईने ॥१७६॥ रेहेवानी
 ससमालनीमेहेलातजांणवी ॥ एससमालनो
 मेहेलतेकेवलनोअंशनेरेहेवानो ॥ तेहेमेजेमा
 लनेवीषे ॥७७॥ करतानाअंशनीआभासमां
 नदृष्टी ॥ थंभनपांमेतेभोम्यकानोतेपुरुषकेहेवा
 य ॥ अनेवाकीकरतानाअंशनेतो ॥१७८॥ मेहेल
 नाससेईमालसांमांम्यजछे ॥ एतेहेमेभोम्यभो
 म्यप्रत्ये ॥ करतानीअंशनीअधीकतुंन ॥ माहाद्य
 ताजणायछेजे ॥१७९॥ तेहावेकहीएछीयेजे ॥ जाहो
 जेहेवीभोम्यकातांहांतेहेवांतत्वदेवनेअंतरकर
 णरह्यांछे ॥ तेप्रमाणेकरतानाअंशनी ॥१८०॥ मा
 हाद्यतासफुरणकरेछे ॥ तेणेकरीनेंभीनभीन
 माहाद्यताजणायछे ॥ तेहेमेजोप्रथंमसुभईछाने
 वीषे ॥१८१॥ करतानाअंशनीईछावरतेतो ॥ तेपे
 हेलीभोम्यकानोपुरसकेहेवाय ॥ अनेजोकदा
 चीकने ॥ सुवीचारणानेवीषे ॥१८२॥ करताना
 अंशनीईछावरतेतो ॥ तेदुसरीभोम्यकानोपुरुष
 केहेवाय ॥ अनेजोकदाचीकनेतनुमांनसानेवी
 षे ॥१८३॥ करतानाअंशनीईछावरतेतो ॥ तेत्री
 जीभोम्यकानोपुरुषकेहेवाय ॥ अनेजोकदाची
 कनेसत्वापतीनेवीषेकरतानाअंशनी ॥१८४॥
 ईछावरतेतोतेचतुरथीभोम्यकानोपुरुषकेहेवा

य अनेजोकदाचीकने। असंमसक्तीनामीका
 नेवीषेकरताना ॥१८५॥ अंशनीईछावरतेतोते
 पंचमीभोम्यकानोपुरुषकेहेवाय ॥ अनेजोक
 दाचीकने ॥ पदारथभावनानेवीषे ॥१८६॥ कर
 तानाअंशनीईछावरतेतोतेसष्टमीभोम्यकानो
 पुरुषकेहेवाय ॥ अनेजोकदाचीकने ॥ ततएत
 रीबुंलसंघीतंमनेवीषे ॥१८७॥ करतानाअंश
 नीईछावरतेतोतेसप्तमीभोम्यकानोपुरुषके
 वाय ॥ हावेएसप्तमीकाकही ॥ तेहेमेकरता
 नाअंशने ॥१८८॥ जांहांईछाआवेतांहांवीराज
 मांनकरे ॥ एणतेसरवभोम्यकानुसरुपाकारप
 एते जाग्रतअवस्ताना ॥१८९॥ अनुभवनेवी
 षेरहीनेकेहेवाय ॥ अनेआंत्यअवस्तानेवीषे ते
 होनोअनुभवनवकेहेवाय ॥ अनेओरुजाग्रत
 नेवीषे ॥१९०॥ तीनसरीरसमंधीत्रीवेधीतापते
 ओरुतीनपुकारकेउपपरीताप ॥ एषटतापेईप
 एजाग्रतनासांमंन्यज्ञाननेवीषे ॥१९१॥ मुक्त
 मांनथायछे हावेएषटतापनेवीषे ॥ तीनशरीरसं
 मंधीत्रीवेधीतापतेकुण अनेतीनउपपरीताप
 तेकुण ॥१९२॥ हावेतेकहीएछीयेजे ॥ सरीरस
 मंधीत्रीवेधीतापते ॥ कांसक्रोधादीकुणअधी
 कतपीजाय ॥ अनेदशईडीयोनादेवजे ॥१९३॥ तेअ

धीकवीशेनीचाहनाकरवालागे॥परतेवी
 षेनीप्रापतीनथाय॥तेहेनोतापतंननेवीषेथा
 यतेसरीरससंधीनो॥१८६॥अधीदेवतापजा
 णवो॥अनेहावेसरीरससंधीनो॥अधीभूतता
 पतेजेपंचभूतनेकोईअधीकबुधीपांमीजा
 यछे॥१८७॥जेप्रथंमपंडरोगकठोदरकाले
 दनीआद्यलेईनेव्राधीउतपनथायतेप्रथवी
 तत्वबुधीपांम्याथकीहोय॥१८८॥अनेहावेता
 रपीछेसरंधीषीनकफअजीरणानेसीत
 नीआद्यलेईनेव्राधीउतपनथायतेजलतत्व
 बुधीपांम्याथकीहोय॥१८९॥अनेहावेतारपी
 छेप्रमीतजवर॥नेनदुषनगलतकोडनेपत्य
 ग्रमी॥ओरुबवेशीनीआद्यलेईनेव्राधीउतपं
 नथायते॥१९०॥अजीतत्वबुधीपांम्याथकीहो
 य॥अनेहावेतारपीछे॥उलकउर्ध्वदंस॥ताण्य
 मधीवायुभ्रमीतनीआद्यलेईनेव्राधीउतपन
 थायें॥१९१॥तेवायुतत्वबुधीपांम्याथकीहो
 य॥अनेहावेतारपीछेसोजो॥फोफवा उद्रच
 हणसुनकारसुनवतनीआद्यलेईने॥२००॥
 व्राधीउतपनथायते॥आकाशतत्वबुधीपांम्या
 थकीहोय॥एपंचभूतअधीकबुधीपांम्याथकी
 शरीरनेवीषे॥२०१॥एप्रकारेतापउतपनथाय

तेसरीरसमंधीअधीभुततापजाणवो॥अनेहा
 वेतारपीछेसरीरनेवीषे॥सुधापीपासानोताप
 सदायकालजेरेहेछे॥२०२॥तेजेहेनेकारणेरा
 ब्रीओरुदीवस॥सरवजांहांनमसागत्यकसां
 जायछे॥तेसुधापीपासानोतापसरीरनेवीषेर
 ह्योछे॥२०३॥तेसरीरसमंधीअध्यात्मतापजांण
 वो॥तेसामाटेजेआंन्यतापतो कछुदीनस्वांतीपां
 मीनेफेरीउतपनथायछे॥२०४॥अनेसुधापी
 पासानोतापतेसदायकालअध्यात्मजेसेली
 समानरहेछे॥तेमाटेसुधापीपासातेअध्यात्मता
 पजांणवो॥२०५॥एतीनप्रकारकेत्रीवेधीताप
 तेसरीरसमंधीजांणवातेहीपणजाग्रतनेवीषे
 भुक्तमानथायछे॥अनेहावेतीनप्रकारके॥२०६॥
 उपपरीतापरहाहेसोकहीयेछीयेजेउपपरी
 तापत्रवेधीतेनवग्रहे॥पीत्रुपीडावृष्टीअनारुष्टी
 अज्ञीकोपनेसीतनीआछलेईने॥२०७॥देवको
 पनीपीडाउतपनथायतेअधीदेवउपपतीताप
 जांणवो॥तेसामाटेजेआपणादेहथीप्रोसरहा
 थका॥२०८॥तापयमाडेछेतेमाटेपरथकीतापते॥
 अधीदेवउपप्रीतापजांणवो॥अनेहावेतारपीछे
 नराधीपतीवंनपती॥२०९॥चोरवटपाडनीआ
 छलेईने॥सरपवीछुसहीत॥एतेसरवप्रोसअधी

भुतनोतापउतपनथायतेअधीभूतउपपीताप
 जालवो॥२१०॥अनेहावेतारपीछेसुतवीतदाराकु
 टंमसाहोद्रसंमंधीनीआद्यलेईने॥तेहोनादुख
 नोअध्यासआपनाअंतरनेवीषेकरिने॥२११
 तापेतपेतेंअध्यात्मउपपरीतापजालवो॥एतीन
 प्रकारनापरथकीतापतेउपपरीतापजालवा
 २१२॥तेहीपणउपपरीतापनी॥मांनीनतातेजाग्र
 तनेवीषेरहीछे॥अनेहावेओरुवीछुसरपनीआ
 द्यलेईने॥२१३॥कोईनेडसनकरेछें तेहनुवीषव्या
 पेछेजे॥तेहेनेमंत्रादीकओषदीनीआद्यलेईनेउ
 तारेछे॥तेहीपणजाग्रतनेवीषेउतारेछे॥२१४॥हा
 वेतेमंत्रादिकओषदीयेकरीनेवीषउतारेछेतेकु
 णसंजोगेकरीनेउतारेछे॥हावेतेकहीएछीयेजे॥
 सरपवीछुनीआद्यलेईने॥२१५॥जेटलाजीवतांम
 सजोनीछे॥तेटलाजीवनामुखारबंधनेवीषेतां
 मसभागवीसेशरहोछे॥तेजेहेनेडसनकरेछें॥
 २१६॥तेहेनेवीषव्यापेछें॥अनेतारपीछेमंत्रादी
 कओषदीयेकरीनेउतारेछें॥तेहीपणतांमसजो
 नीनोविभागछे॥२१७॥तेमंत्रादिकओषदीतांम
 सनोविभागजेतेणेंकरीने॥पेलासरपवीछुनाड
 सणकरेलासरीरनेपोक्षणकरेथके॥२१८॥तेहे
 नाशरीरनोतांमसभागहोयतेहेनेवीषे॥आमं

त्रादीकः श्लोषदीतां मसुनो विभागते सररीरनातां
 मसु विभागने ॥ २१८ ॥ विषेपोषाये करीने ते सररी
 रनोतां मसु विभाग जाग्रतथ ईने वीशेशतापण
 पांमेछें ॥ ते सररीरनोतां मसु भाग ॥ २२० ॥ चित्तं न
 सररीरने मलोथको वीशेशतापण पांमे करीने
 पेलाचे ते नथकी विजोगपडेलोतां मसु भागने वी
 षु ॥ २२१ ॥ ते हेने सररीरने वीषे युनाशपमाडेछें ॥ ते
 हीपण जाग्रतने जणायछें ॥ हावे ते हेनुदृष्टांत कही
 एछीयेजे ॥ कोई मंदीरने वीषे ॥ २२२ ॥ अज्ञीछपाई
 राष्यो होयतो ते मंदीरने वीषे ती म्रमापी जायछें
 अने पीछे ते अज्ञीने कोई जाग्रत करेतां ॥ ते ती म्रने
 नाश करे ॥ २२३ ॥ अोरु कोई घेतरने वीषे रषवाल सु
 तो होयतो ॥ ते घेतने वीषे डोरपेशीने उजडकरवाला
 गे ॥ पीछे ते रषवालने कोई जाग्रत करेतां ॥ २२४ ॥
 ते डोरने घेतने मथीनी कालीदेवे ॥ ए प्रकारे सररीरनी
 तां मसु जाग्रतथये करीने वीषरूपी डोरने ती म्रने
 नाशपमाडेछें ॥ २२५ ॥ अने अोरु कोईने मंत्रादीक
 श्लोषदी विना विषउत्तरी जायछें ॥ अने कोईने मंत्रा
 दीक श्लोषदी करेथके ईपण विषनथी उतरतु ॥ २
 २६ ॥ अने मतीयु पांमी जायछें ॥ ते कण प्रकारे याय
 छें ॥ हावे ते कहीयेछीयेजे ॥ जे हेना शरीरने वीषे ॥ मं
 न अंतसक्रण ॥ अने स्थुलदेहने जाग्रत अवस्ता ॥ २२७

एत्रपुटीनेवीषेजोतांमसनीविभागवृततोहो
 यने॥जोसरपवीछुनीआद्यलेईनेकाटेतो॥ते
 हेनेमंत्रादिकओषदीवीना॥२२८॥विषउतरी
 जाय॥अनेजेहेनाशरीरनेवीषे॥बुधीअंतरुक्र
 णनेसुसमदेह॥अनेसुपनअवस्ताएत्रपुटीने
 वीषेतांमसनीविभाग॥२२९॥वृततांजेविछुस
 रपनीआद्यलेईने॥जोकाटेतोतेमंत्रादीकओ
 षदीयेकरीनेविषउतरीजाय॥अनेहावेजेहेनादे
 हनेवीषे॥२३०॥कारणशरीरनेअहेकारअंतरुक्र
 ण॥अनेससोपतीअवस्ताएत्रपुनेवीषेजो
 तांमसनीविभागवृततां॥२३१॥वीछुसरपनी
 आद्यलेईनेकाटेतो॥तेमंत्रादिकओषदीकरे
 पणउतरेनही॥तेवीछुनीआद्यलेईनेसुसमवी
 षहोयतो॥२३२॥धीरेधीरेउतरेपणमंत्रादीकओ
 षदीयेउतरेनही॥अनेसरपादीकनीआद्यलेई
 ने॥जोविशेशवीषहोयतो॥२३३॥तेमतीयुषांमी
 जाय॥अनेहावेकोईभुतपीचाशनीआद्यलेई
 नेकोईनाशरीरनेवीषेप्रवेशकरीनेदुषदेछेतेही
 पण॥२३४॥मलीनदेवजोनीप्रवेशकरीनेदुष
 पाडेछे॥तेहीपणजाग्रतनेवीषे॥अनेतेहेनेको
 ईटांणदुणीभुपाजाग्रीयानीआद्यलेईने॥२३५॥
 नीकालीदेछेतेकुणप्रकारेकरीनेनीकसेछे॥हा

वेतेकहीएछीयेजेटांणाटणीभुपानीआद्यलेई
 ने॥तेमलीनदेवजोनीनु॥२३६॥सरीरमेपोस्य
 णकरेछे॥ताहारेतेसरीरनामलीनदेवजाग्रत
 थईने॥पेलामलीनभूतपीचासदेवजोनीने
 नाशपमाडेछे॥२३७॥अनेकोईनेटांणाटणी
 करेनथीनीकसता॥तेपेलीविषउतरेनेनोउ
 तरेतेसरीरभेदकहाहता॥तेहेनीपेरेजाणवु
 २३८॥एप्रकारनातंतरभेदआविश्वनेविषेवु
 तमांनकरेछे॥तेहीपणजाग्रतनेवीषेकरे
 छे॥अनेहावेकोईमुठचोटनीआद्यलेईने॥२
 ३९॥पुहारकरीनेमनुषनेमारेछे॥तेहीपणजा
 ग्रतनेवीषे॥अनेतेहेनेकोईमंत्रादीकेकरीने
 फेरीमेटाईदेछे॥तेकुणप्रकारेमेटेछे॥२४०॥हावे
 तेकहीयेछीयेजे॥प्रथममंत्रेकरीनेमनुषनेमा
 रेछे॥तेवीशेशतांमसदेववीभुतीछे॥तेहेनेसा
 धीनेपोतानेस्वाधीनकरीने॥२४१॥पीछेतेहे
 नेमंत्रेकरीनेवेरीनासरीरनेवीषेप्रवेशकरावे
 छे॥ताहारेतेप्रवेशकरीनेदुषपमाडेछे॥तेवेरी
 नाकुणसरीरनेवीषे॥२४२॥प्रवेशकरीनेदुषप
 माडेछे॥हावेतेकहीएछीयेजे॥सरीरनांपंचभु
 तनेपंचमात्रातेहेनोईडीयोनेवीषेएकतार
 होछे॥२४३॥अनेतईडीयोनाएकताअंतस

क्रणनेविशेरह्योछे॥अनेतेअंतसक्रणनोए
 कतागुणघणनेवीषेरह्योछे॥अनेतेगुणघण
 नो॥२४४॥एकताप्रकृतीनेवीषेरह्योछे॥अने
 तेप्रकृतीनोएकता॥आनंदतत्वकारणनेधनं
 जेतत्वकारणनेवीषेरह्योछे॥२४५॥अनेते
 आनंदतत्वकारणने॥धनंजेतत्वकारणनोए
 कताअप्याकृतनेविवेरह्योछे॥अनेतेअप्या
 कृतनोएकता॥२४६॥पुरुषनेवीषेरह्योछे॥अ
 नेतेपुरुषनोएकताबुलनेवीषेरह्योछे॥अनेते
 चेतनबुलनोएकता॥नीजकेवलनाअंशने
 वीषेरह्योछे॥२४७॥एप्रकारेअंत्योअंत्यएकता
 येकरीने॥सरवशरीरतुष्टीपुष्टीरेहेछे॥हावेए
 टलाप्रकारनाएकताकहाजितेहेमेअंतसक्र
 णने॥२४८॥गुणनाएकतानीसंधीनेवीषे॥वे
 लावीशेषतांमसदेवविभुतीनामुठचोटनीआ
 घलेईनेमंत्रजेप्रवेशकरीनेअंतसक्रणनेगुण
 नी॥२४९॥संधीनेछेदनकरतारहेछे॥तेणेकरी
 नेतेशरीरसुकैईजायछे॥अनेहावेतेहेनकोई
 ओरमंत्रेकरीने॥तेमुठचोटनेमटीदेछे॥२५०
 हावेतेकहीयेछीयेजेतेहीमंत्रपणवीशेषतांम
 सदेववीभूतीछे॥तेवीशेषतांमसदेववीभूती
 नाचोटनीवारणमंत्रजे॥२५१॥तेशरीरनेवीषे

केरीपोक्षणकरेयके।तेहेनाशरीरनाविशेष
 तांमसदेवनेजाग्रतकरेछे।ताहारेतेशरीर
 नाविशेषतांमसदेव॥२५२॥जाग्रतथइनेपेला
 वीसेसतांमसदेवविभुतीमंत्रजेसरीरनेदु
 षदेनारनेनीकालीदेछे॥अनेकोइनेनथीनी
 कसतानेअतीयुपमाडेछे॥२५३॥तेकुणप्रका
 रेनथीनीकसता॥हावितेकहीयेछीयेजे॥न
 थीनीकसतातेसामाटेजे॥तेहेनाशरीरनेवि
 शेषतांमसदेवजे॥२५४॥त्रीजाकारणदेहने
 वीषेवरततोहीयनेजोचोटनीवारणविशेष
 तांमसमंत्रसरीरनेवीषेप्रवेशकरेतोतेसरी
 रना॥२५५॥विसेसतांमसदेवनेजाग्रतकरीन
 वसके॥तेसामाटेजेत्रीजादेहनेविषेवीशेषतां
 मसदेवदूषनीवारणमंत्रजेप्रोक्षने॥२५६॥
 प्रसोयकोनथीप्रवेशकरीसकतो॥तेमाटेकरी
 नेतेशरीरनेनाशथायछे॥तेहीपणजाग्रतने
 वीषे॥अनेकोइयोगीसरापदेछे॥२५७॥तेहीप
 णविशेषतांमसदेवनेसाधीनेदेछे॥अनेको
 इयोगीआसीसदेछेतेहीपणवीशेषतांमसदे
 वनेस्वांतीपमाडीनेदेछे॥२५८॥तेहीपणजाग्र
 तनेवीषे॥अनेहावेराजायोगीनेज्ञानी॥अने

सस
१६३

शिवरनी आद्य लेईने मंत्रयंत्र मुठचोटनथी ला
गी सकती ॥२५६॥ ते सामाहे जे जे हेने विषे सक
ल देव वी शेश वी भुती लेईने जाग्रत मांन थई
रहाछे ॥ तेणे करीने ते होना देहने वीषे ॥२६०
मुठचोट मंत्रादी कनी आद्य लेईने लागी नथी
सकता ॥ तेही पण सरव देव जाग्रते करीने न
थी लागी सकता ॥२६१॥ हावे ए प्रकारनी मंत्रभे
द उपाधी ॥ आ वी श्ववृत्त मांन करेछे ॥ तेही पण
जाग्रतने वीषे ॥ हावे तारपी छे आंत्य सरी रसमं
धी ॥२६२॥ छोटा बालकने वीषे त्रैण प्रकारनी
फणगली रोग उत्पन थायछे ॥ जे एक छोटी फ
णगली रोग ॥ अने एक बडी फणगली रोग ॥ २
६३ ॥ अने त्रीजो सुक्ष्म फणगली रोग ॥ ते जे हे
ने सरव संसार ॥ सीतलामालानी कसीके हे छे
अने ते हेनी परछाया पद्यपालण करेछे ॥२६४
अने आपने गुजरत देशने वीषे ते रोगने ॥ बली
यादेव नुथापन करेछे ॥ तेही पण ब्राधीनो ताप
जाग्रतने वीषे बालक जांणे छे ॥२६५॥ हावे ते ब्रा
धीनो तापते बालकने वीषे ॥ कुण कारण संजो
गे करीने थायछे ॥ हावे ते कही ये छी ये जे जाहारे
प्रथं मन्त्रस्त्री पुरुषना संजोगनी ॥२६६॥ बीदु
नुबालकत नुथायछे ॥ तो हारे ते अस्त्री पुरुष

नीबीदुनेसंघेकचाजलको॥विभागखलीतद्य
इनेप्रोवधे॥तेहेमेपकांपंचतत्वनी॥२६७॥बी
दुनोतोबालकनोदेहबंधायधे॥अनेपुरुषना
कचाजलनोविभागजेतुरतपांनकरेलुबीदु
नीसंघेप्रावेधेते॥२६८॥बालकनीनाडीयोने
वीषेभराईरहेधे॥तेहेमेअरुनीबीदुनोजल
वीभागते॥बालकनासंशभागनेतुचाभागनी
संधीनेवीषेभराईरहेधे॥२६९॥तेजाहारेजेबा
लकनीतुचाओरुसंसनाडीकरणातापकडती
जायधे॥ताहारेतेजलबाहरफुटीनीकसेधे
२७०॥हावेतेसरवबालकनेछोटेंओरुमोटेकु
एकसंघफुटीनीकसेधे॥तेकुणसंजोगेकरीने
नीकसेधे॥हावेतेकहीयेछीयेजे॥२७१॥वेराने
वीषेओरणपंचासवायुवहेधे॥तेहेनेवीषेएकसु
तबलअनीनांमावायुकरकेजेधे॥तेवायुदेशओ
रुपरगना॥२७२॥मुलककेजेनग्रगामनेवी
षे॥जेतनीगरदनेवीषेतेवायुवहीजायतेतनी
गरदनेवीषे॥जेबालककीनाडीओरुतुचा॥२
७३॥संशकउणतापांमीरहं होय॥तेतनेसरव
बालककुतेकचाजलएकदंसफुटीनीकसेधे
हावेतेहेमेबडीफणगलीकेरोग॥२७४॥तेपीता
कीबीदुकेजलविभागकोरोगजाणवो॥अने

सस

१६४

ओरुछोटीकणगलीकेरोगते। माताकीबीदुके
जलविभागजांणवो ॥२७५॥ एहेप्रकारकेकणग
लीरोगते। मातपीताकीबीदुकेजलविभागना
जांणवो ॥ अनेत्रीजोफणगलीरोगतेमातपीता
नी ॥२७६॥ बीदुनुजलबेहनुछेलीतुचानेवीषे
एकवुमलीजायछे ॥ तेहेनोतेरोगथाय ॥ एतीनरे
गकेनांसतेएकप्रोरीअनेअछबला ॥२७७॥ अ
नेत्रीजोतेंबलीयोकेहेवायछे ॥ कोईदेशमेतोते
हेतेसीतलादेवीनीकसीकेहेछे ॥ हावेएप्रकारे
सरववाधीनीआद्यलेईने ॥२७८॥ एपणजाग्र
तअवस्तानेविषेप्रष्टाथायछे ॥ अनेअन्यसर
वदसोदसा ॥ थावरजंगमनेलोकचतुरदशरू
गमतीयु ॥२७९॥ पातालनीआद्यलेईनेअस्यं
मनीगमादीकनीगतीसकुरणथायछे ॥ तेही
पणजाग्रतनेवीषेथायछे ॥ एहेवीजाग्रतअव
स्ता ॥२८०॥ अतीसेसकुरणतापांमेछे ॥ तेसा
माटेजेनीजजांणसरूपनोआभासनोविशे
सआभास ॥ तांहांगादीपत्यथईनेरेहेतीहुते
२८१ ॥ तेमाटेजाग्रतअवस्ताअतीसे ॥ विशे
ससकुरणतापांसतीहुती ॥ एप्रकारेनीजजां
णसरूपनेसांसांत्यआभासेनेविशेशआभा
सेकरीने ॥२८२॥ सरवदेहीहलणचलणथा

तो हुतो ॥ ते नीज जांण सरूप नो विशेष ॥ आभा
 संना आभा सते जाग्रत अवस्ताने वीषे ॥ आस
 मां न रे हे तो हुतो ॥ २८३ ॥ ते विशेष आभा सने
 प्रतापे करीने ॥ मंन अंतस क्रण अतीसे ॥ विसे
 ससफुरण तायां मतु हुतु ॥ हावे ते मंन अंतस
 क्रण ॥ २८४ ॥ अतीसफुरण तायां मीने ॥ सरवुई
 डीयो नीचा समीले तु हुतु ॥ ते मंन चा समीलेई
 ने ॥ बुधी अंतस क्रण ने पोषतु हुतु ॥ २८५ ॥ ते
 बुधी चा समीलेईने अहंकारने पोषती हुती ॥ ते
 अहंकार अंतस क्रण चा समीलेईने ॥ चीत अंत
 स क्रण ने पोषतु हुतु ॥ २८६ ॥ ते चीत अंतस क्र
 ण चा समीलेईने ॥ नचिंत अंतस क्रण ने पोषतु
 हुतु ॥ ते नचिंत अंतस क्रण चा समीलेईने ॥ २८७
 नीज जांण सरूप सांम्य प्राय करतानो अंश
 जेते हेने पो होचावतु हुतु ॥ ए प्रकारे सकल पी
 डई डीयो अंतस क्रण नो विशेषी ॥ २८८ ॥ निज
 जांण सरूप करतानो अंस चा समीले तो हुतो
 ते पीडबुहे हंडनी संधी मध्ये रहीने पीडयकी
 अलगनो अलगने ॥ २८९ ॥ सलंगयको चा स
 मीले तो हुतो ॥ हावे ए प्रकारे सरवदे हंडई डीयो नी
 चा समी नीज जांण सरूपने पो होचती हुती ॥ २
 ९० ॥ तांहां सुधी नीज जांण सरूप करतानो अंश

सस
१८५

नीद्रुपीपीडनेवीषेसनमुषप्रचकुलरहेतीहु
ती॥तेणेंकरीनेसरवततुर्तीहास॥२६१॥रस
णकरतुहतु॥तेनीजजांणसरूपकरतानाअं
सनीदृष्टीजंगमततुपीडनेविशे॥आभासेआ
भासप्रवेशथईने॥२६२॥पीडनेचहीतंनवतर
षतीहती॥हावेतेआभासतेप्रथंम॥प्रणयंमने
वीषेपडतोहतो॥तेप्रणयंमनेआभासेआभा
स॥२६३॥पछेसरवपीडचेतंनथातीहतो॥ते
पीडचेतंनथयाथकी॥नीजजांणसरूपनेचास
मीपोचतीहती॥हावेतेनीजजांणसरूपनो॥
२६४॥आभासजेप्रणयंमनेवीषेआवतीहतो
पीछेतेप्रणयंमनीचेतनतायेकरीने॥सरवपी
डचेतनरहेतोहतो॥२६५॥अनेहावेतेप्रणयं
मतोअनंतचक्षसत्वनेवुगज्ञानचक्षसत्वने
समंधेकरीनेरहेतोहतो॥अनेतेअनंगचक्षस
त्वने॥२६६॥वुगज्ञानचक्षसत्वनोतोअंतआवी
रहोताहारेनाशपांमीगयां॥अनेहावेजाहारे
एवहुचक्षसत्वनाशपांमीगयां॥अनेकालचक्ष
सत्वएकलुजजाहारेरह॥२६७॥ताहारेप्रणयं
मनीरमालनीरबलथईगयो॥अनेजाहारेप्र
णयंमनीरमालनीरबलथईगयो॥ताहारेस
रवअंतसकरणे॥२६८॥इंडीयोअसंम्रताय

इगयो ॥ अने जाहारे अंतसकरणे ईडीयो असां
 मतापांमीगयो ॥ ताहारे ते ईडीयो अंतसकरणे
 २९९ ॥ विसेहताते नाशपांमीगयो ॥ अने जाहारे
 ते सरववीशेनो नाशथ ईगयो ॥ ताहारे नीजजांण
 सरूपकरताना अंशने ॥ ३०० ॥ चासमीपोचती
 हुती तेबंधथ ईज ईनेन पोचती हवी ॥ अने जाह
 रे नीजजांण सरूपनीचासमी ॥ बंधथ ईनेन पो
 चती हवी ॥ ३०१ ॥ ताहारे नीजजांण सरूपकर
 ताना अंसनी ॥ हरीपीडउपरथी सांमोनतासं
 मवतथ ईगई ॥ ताहारे कालचक्षसत्वजेपीछाडी
 रहतु ॥ ३०२ ॥ ते कालचक्षसत्वपुणायं मनोनाश
 करतु हवु ॥ अने जाहारे पुणायं मनोनाशथ ईग
 यो ॥ ताहारे नीजजांण सरूप ॥ ३०३ ॥ करताना
 अंशनी इष्टीनो आभासपुणायं मउपरहुतो ॥
 तेहीपणपुणायं मनोनाशथयापुठल उलटीने
 आभास ॥ ३०४ ॥ नीजजांण सरूपने वीषेलीन
 पांमीगयो ॥ अने जाहारे पुणायं मनोनाशपांमे
 थके ॥ नीजजांण सरूपनो आभास ॥ ३०५ ॥ नीज
 जांण सरूपने वीषे उलटीने लीनपांमे ॥ ताहा
 रे जंगमजाती तनुमतीयुकालथ ईजाय ॥ अने
 जाहारे जंगमतनुमतीयुकालथ ईजाय ॥ ३०६ ॥
 ताहारे नीजजांण सरूपकरतानो अंसपीडबु

झांडकीसंधीछोडकेकरतानीप्रकाशबुलवती
 भोम्यकानेवीषे॥३०७॥उलटवीराजमांनथई
 रहेतेवीराजमांनतेपोतानीईछावंतसरूपा
 कारअव्यक्तमुरतीमांनरहे।पणकरतानीप्र
 काश॥३०८॥बुलवतीभोम्यकानेवीषे॥एकता
 थईनेमकीनव्यजायतेसामाटेजेकरतानीप्र
 काशबुलवतीभोम्यकातो॥३०९॥नीरसत्वनी
 राकारसुंत्यमेव्यापकतेसुंत्यसमांनजछे।हा
 वेतेहेनुदष्टांतकहीयेछीयेजे।जंमसुरीयेनोप्र
 काशसुंत्यकेवीषेव्यापकरहोछे॥३१०॥पणते
 प्रकाशनेविषेसुरीयेनोमुरतीमांनअंशानथी
 रह्यो॥तेमाटेतेप्रकासनोदीपकजेतेनोय॥बो
 लतोचालतोमुरतीमांन॥३११॥सुरीयेअंशानी
 पजेनही।अनेकदाचीकनेजोनीपजेतोअज्ञी
 नीपजे॥तेअज्ञीतोप्रकासजजांणवो॥तेसामाटे
 जेप्रकासपतीबीबतो॥३१२॥नीरसत्वजहोयप
 णविनाअंशकोईविसवुधीपांमेनही।तेमाटेक
 रतानीप्रकाशबुलवतीभोम्यकाते॥३१३॥नीर
 सत्वनीराकारजछे।तेनीरसत्वनीराकारबुल
 भोम्यकानेवीषे॥नीजजांणसरूपकरतानोअ
 ससत्वसंजुक्त॥३१४॥अंकुरमुरतीमांनतेतेहे
 नेवीषेमलीनेएकताकीमकेथईजायहावेतेहे

बुद्धांतकहीयेछीयेजे अनेकप्रकारनी ॥३१५॥
 वनसपतीकेबीजगसुहृमसेसुहृम ॥ अतीबारी
 कमेबारीकहोय ॥ तेपृथ्वीनेवीषेनेलांमलीज
 ईनेएकमेकथईरहेछें ॥३१६॥ एतेबीजगपृथ
 वीनेवीषेमलीजईने ॥ पृथ्वीरुपनथीथईजाते
 ते ॥ सामाटेजेबीजगतोवीसेसखत्वसंजुक्त ॥३
 १७॥ अंकुरमुरतीमांनजछें ॥ अनेपृथ्वीतोसां
 मांससत्वजडाकारछें ॥ तेसाटेबीजगअवनीने
 वीषेमलीनथीजतां ॥३१८॥ तीमएप्रकारेकरता
 नीप्रकाशबुंलभोमकानेविषे ॥ तीजजाणसरू
 पकरतानीअंशनेलारहेपणमहीमलीनवजा
 य ॥३१९॥ एप्रकारेनीजजाणसरूपकरतानाअं
 शप्रकाशबुंलभोमकानेवीषेमलाथकान्याश
 नेन्याशरहेछें ॥३२०॥ अनेकरतानासरूपनेवीषे
 ईपण ॥ पाछातेअंशपोचीनथीसकता ॥ तेसाटे
 नीजजाणसरूपकरतानाअंश ॥३२१॥ करताय
 कीयेईपणभीनरहेछें ॥ तेसामाटेजेनीजआद्य
 पुरुष ॥ सजाणसरूपकेवलकरतारेपोतानीई
 छामोजयकी ॥३२२॥ पंचवृतीउतपनकरीनेते
 पंचवृतीयोनांतत्वघणेकवीभागकरीने ॥ उल
 टासुलटीमेलवीनेदेवनीआद्यलेईने ॥३२३॥ अ
 नंतप्रकारनाघाटरचा ॥ पीछेंतेघाटनेवीषेपोता

नीहृदचेतनवृत्तीपोरुनीने सरवसाजसंजुक्त
 नीषाथीतेसीषाप्रजंत ॥३२४॥ परीपकवकर
 ताहवा ॥ पणकोईयेईघाटकरतानीईछापुमांणी
 हलणचलणकरीने ॥ मोजकरवालाग्यानही
 ३२५ ॥ ताहारेनीजसजांणसरूपकेवलआद्य
 करतारे ॥ पोतानीकरताअंसवृत्तीउतपनक
 रीनेपोतानाअंसजे ॥ ३२६ ॥ नीजजांणसरूपपो
 षाहता ॥ तेहीवषतकेअंशकरताथीमीनपडा
 थको ॥ करतानीपंचवृत्तीकेविभागका ॥ ३२७
 साजसंजुक्तजडतनजेतेहेनासाक्षीथईरहेछे
 तेनीजजांणसरूपकरतानाअंशजडतनका
 साक्षीथयेथके ॥ ३२८ ॥ सरवजडतंनकाविभा
 गसचेतनथईने ॥ अनेकप्रकारनावीशेवैभव
 करवालाग्ये ॥ तेसरवनाविसेनीचासमी ॥ ३
 २९ ॥ अंत्योअंसपोचतीथकी ॥ नीजजांणसरु
 पकरतानाअंसलेताहवा ॥ तेविसेनीचास
 मीनीजजांणसरूपकरतानाअंशलेतेथ
 केकरीने ॥ ३० ॥ नीजसजांणसरूपकेवलकरता
 नीजांणपुहतीतेवीसरजंतपांमीतेवीसेचास
 मीनीजांणयथतीहवी ॥ तेविसेचासमीनीजां
 णथयेथके ॥ ३१ ॥ नीजजांणसरूपकरताना
 अंशपोतानुनीजसरूपवीसरजंतपांमीने

वासनारूपथईगया॥तेनीजजांणसरूपक
 रतानाअंश॥३३२॥वासनाजांणसरूपथये
 करीनेवासनाकावीसेचासमीकीसंमतीर
 हेछे॥तेनीजजांणसरूपनेवासनाकिचास
 मीनी॥३३३॥संमतीरहेकरीने॥नीजजांण
 सरूपनीवासनाउपर॥सेहेजसभावेसुसम
 दृष्टीरहेछे॥तेनीजजांणसरूपनीसुसमद
 र्शयेकरीने॥३३४॥वासनाअंमरवेलीसदा
 यचेतनरहेछे॥तेवासनाअंमरवेतपंडपडा
 पुवत्रपण॥नीजजांणसरूपकरतानाअंशसं
 जुक्त॥३३५॥सेहेजसभावेलीपटमांनथकी
 रेहेछे॥हावेतेहेनुदृष्टांतकहीयेछीयजे॥जंमचं
 बुकनीसत्यायेकरीने॥३३६॥चंबुकनीसंघे
 लोहलपटथकुरेहेछे॥एप्रकारेनीजजांणसरु
 पचंबुकवतकीसत्यायेकरीने॥वासनालोह
 जडवत॥३३७॥तेनीजजांणसरूपचंबुकनी
 संघेसेहेजसभावेलपटीथकीरेहेछे॥तेवास
 नातेकुणसरूपेकरतानाअंशनेवीषेलपट
 र्थकीरेहेछे॥३३८॥हावेतेकहीयेछीयेजेसक
 लपदारथ॥इडीयोअंतसक्रणनीचासमीली
 धानीनीजजांणसरूपने॥३३९॥सेहेजसभावे
 संमतीरहीजायछे॥तेनीजजांणसरूपकर

सस
१६८

तानांशने। ईडियोसंतसकरणनीचासमीनी
संम्रतीरहेछें॥३३७॥तेसंम्रतीरहेछेतेजवासना
नुसरूपजांणवु॥हावेजेनीजजांणसरूपनीचा
समीनीसंम्रतीवततेजवासनानुसरूपछे॥
३८॥तेमाटेनीजजांणसरूपकरतानांशनेसं
जुक्त।वासनासंम्यकसेहेजसभावेरहीछें॥
हावेतेवासनाजेनीजजांणसरूपने॥३३८॥
चासमीनीसंम्रतीरूपीजछें॥तेवासनासंम्र
तीतेनीजजांणसरूपकरतानांशने॥पदार
थभावनाथकीउतपनहवीछें॥३४०॥तेमाटेवा
सनाकीपदारथउपरअधोगत्यदृष्टीरेहेछे॥ते
वासनानीपदारथउपरअधोगत्यदृष्टीरहायु
की॥३४१॥नीजजांणसरूपकरतानांशनी
वृतीयेयपणसेहेजसभावेअधोगत्य॥वासना
पुठलतणारेहेछे॥एप्रकारेनीजजांणसरूप
३४२॥करतानांशनीवृतीअधोगत्यरेहेछे॥
तेणेंकरीनेनीजजांणसरूप।करतानांशना
यप्ररूपसजांणसरूप॥३४३॥केवलकरताने
पाछानथीपोचीसकतातेमाटेकरीनेकरता
नांशकरताथकीभीनरेहेछे॥हावेएप्रकारेनी
जजांणसरूप॥३४४॥करतानांशदेहतजीने
भीनथायछे॥ताहारेवासनातिहेनीपुठलतण

र्ज्ञायथे। अने जाहारे वासना अंत्य देहने वीषे
 ३४५॥ परवेश करे छे ताहारे। तेहे नीपुगल नीज
 जांण सरूप॥ करताना अंशतणाया जायथे॥ हा
 वेते केहे नीपेरे वासना पुगल॥ ३४६॥ करताना
 अंशतणाया जायथे॥ हावेते हे बुद्ध एतक हीये
 छीयेजे॥ जंमनावने वीषे लोह नोषील॥ नावमे
 वेध्यायको नाविक पुगलतणाया जायथे॥ ३४७॥
 पण जाहारे ते लोह नोषीलने घेहे राजलके वीशे
 चंबुक दृष्टे पडे तो ते लोह नोषील चंबुक पासेषी
 चर्चने जाय॥ ३४८॥ ते जाहारे लोह चंबुक पासे
 षी चर्चने जाय॥ ताहारे ते लोह पुगल नावसहीत
 नावीपण षी चर्चजाय॥ ए प्रकारे छुटते पंडे॥ ३४९॥
 नीज जांण सरूप करताना अंश पुगल॥ वास
 नातणा र्ज्ञायथे॥ अने जाहारे ओर देह धारंन
 करंनकी बेरुवासना कि पुगल॥ ३५०॥ नीज जां
 ण सरूप करताना अंशतणाया जायथे॥ तेसा
 माटे जे ईडिभ्यो अंतसक्रण नीचा समीना स्वा
 दने लीधे करीने॥ ३५१॥ नीज जांण सरूप करत
 ना अंशने॥ पदार्थां नासाक्षीयवानी ईशारे हे
 छे॥ ते करताना अंशनी पदार्थां उपर ईशार हे
 करीने॥ ३५२॥ जनममरण निभावाटी अंसंयुका
 लययां चली जायथे॥ ते माटे माहादपुरुष पाता

सस

१६६

पीताबोलताचालतासखपदार्थाना॥३५३
 वीसेनेवीशेरह्याथकानीरलेपरहेछें॥पणआ
 सकनथीपांसता॥तेकेहेतीपेरजेजंमरसनाग्र
 थनीआयलेईने॥अनेकप्रकारना॥५६॥भोग
 भुक्तसांनकरेछें॥पणरसनाकोईरसमेलेपा
 यसांनथईनेचीकासपांसतीनथी॥अनेआं
 न्यशरीरअंगनेवीषें॥५५॥अथप्रसेकरीनेची
 कासपांमीजायछें॥अनेरसनातोषातीपीती
 चीकासनथीपांसती॥एप्रकारेमाहादपुरुष
 केवलवेतातो॥५६॥अनेकप्रकारनावेभवक
 रताथका॥रसनातीपेरेंतीरलेपरहेछें॥अने
 आंन्यजीवतोविसेनेदृष्टीयेदेयेतोहेबंधनपांमी
 जाय॥३५७॥तेमाटेमाहादपुरुषकेवलवेतानां
 चीनजोईने॥तेहेनीदेषादेषीआंन्यजीवनेकरवु
 नही॥तेसामाटेजेमाहादपुरुषकेवलवेतातो
 ३५८॥केवलकरतानामाहादअंशछे॥तेकरता
 नानीजहुकमथकीअनुभवानंददेहधारनक
 रेछें॥तेमाटेतेपुरुषतोकरतानुसरूपजजोण
 वा॥३५९॥तेमाटेतेपुरुसतोचाहेसोकरे॥अोरु
 तेसामाटेजेमाहादपुरुषतोकरतानावीशेश
 अंसछे॥तेवीशेशसाम्रतायेकरीने॥३६०॥षाता
 पीताबोलताचालताथकाआवुणसेनथीआव

३९५

३६६

ता॥ तेमाटेमाहादपुरुषतेकरतारूपजछे॥ अने
 आंत्यजीवतो॥ ३६१ ॥ करतानासांमांत्यजंराधे
 तेमाटेतेसरवजीवपदारथांराविसेनेवीषे
 आवुणपांमीगयाछे॥ तेमाटेकरतानाविशेश
 आंसजे॥ ३६२ ॥ तेसद्गुरुसुरतीनेसतसंघेक
 रीते॥ सांमांत्यजीवजं सपदारथांनीवीसेआवु
 णयीनीरवृतथाय॥ ३६३ ॥ इतीश्राससमवे
 दग्रंथसंपुर्णसमाप्तः॥ लेखक पटलः अंब
 इदासवलवदासगोमः उमरेठमांः॥ ॥ ॥
 संवत् १९३५ नामाहासुदी १४ नेवारबुधवा
 रेसंपुर्णः॥

आग्रंथितथाअसारंजेजेवचनोछेतेछाप
 षानासांछपाववांनहीअनेकोईउलटोथई
 छपावसेतोआप्रथ्वीनापडउपरजेटसुपाप
 थयुहसेनेथसेतेटलुतेनेसांधेपडसेएवुंवघं
 नश्रीकरुणासागरग्रंथकरतानुछेतेसखे
 ईअसारअधीकारीयोएसतमानवृतथा
 मनाववुअनेअसारंजेजेवचनोछेतेअ
 धीकारीसीवाथबीजानेआपवांनहीएवो
 आसेग्रंथकर्तानोछेतेतमोसतमानजो॥

